

सं० 28]

नई बिल्ली, शनिवार, जुलाई 10, 1982 (आषाढ़ 19, 1904)

No. 281

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 10, 1982 (ASADHA 19, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग Ⅲ—खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियम्त्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

कृते ग्रध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 जून 1982

सं० ए० 11013/10/80-प्रणा०-I—संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उप सचिव डा० वी० सुब्रमण्यन, को श्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा 31 मई. 1982 (श्रपराह्न) में श्रागामी श्रादेशों तक स्थानान्तर श्राधार पर संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में रु० 1500 60-1800-100-2000 के वेतनमान में संयुक्त निदेशक (भर्ती परीक्षण) के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

य० रा० गांधी, प्रवर संचिव (प्रणा०) फ़ुते ग्रष्ट्यक्ष सैंच लोक सेवा ग्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 मई 1982

सं० ए० 32014/1/80-प्रणा० II—प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग एतद्वारा श्री एम० एल० धवन श्रीर कुमारी सन्तोष हांडा को संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में 1-6-1982 से 31-8-1982 तक की श्रवधि के लिये श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो, ६० 1100-50-1600 के वेसनमान में उप नियंवक (सध्य संसाधन) के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।

2. श्री एम० एल० धवन ग्रौर कुमारी सन्तोष हांडा की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थं ग्राधार पर है ग्रौर इससे उक्त ग्रेड में वरिष्ठता ग्रथवा विलयन का इन्हें कोई हक नहीं मिलेगा।

> पी० एस० राणा, श्रनुभग्नेग श्रृधिकारी, कृते अध्यक्ष

## नर्ष दिल्ली-110011, दिनांक 23 श्रप्रैल 1982

सं० ए० 32013/2/82-प्रणा०-1—सघ लोक सेवा भ्रायोग में केन्द्रीय सिवालय सेवा संवर्ग के निम्निलिखित स्थायी ग्रनुभाग ग्रधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट ग्रविध के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सिवालय सेवा के ग्रेड-I में ग्रवर सिवाल के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप ने कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

ऋम नाम स०	श्रवधि
1 श्रीभ्रार०एन० शर्मा	19-5-81 से 31-5-81 तक
2 श्रीपन्नालाल	1-1-82 से 31-3-82 सक
3. श्री एच० एम० विण्यास	19-5-81 में 18-8-81 तक 21-11-81 में 20-2-82 तक
4. श्री वी० के० भट्टाचार्य	17-9-81 से 16-12-81 तक 18-12-81 से 31-1-82 तक
5. श्री वाई० ग्रार० गाधी	28-11-81 से 27-2-82 तक 1-3-82 से 31-5-82 तक
<sub>6</sub> . श्री पी० सी० गुप्ता	20-11-81 में 19-2-82 तक 22-2-82 में 21-5-82 तक
√7. श्रीएस० के० मिश्र	31-12-81 में 30-3-82 तक
8. श्रोद्यार० स्हय	2-12-81 से 1-3-82 तक 3-3-82 से 2-6-82 तक
9. श्री एस० एस० नागण	2-12-81 से 1-0-82 तम 3-3-82 से 2-6-82 तक
10. श्री म्रार० जी०पुरग	2-12-81 सं 1-3-82 तक 3-3-82 से 2-6-82 तक
11. श्री ए० पी० जैन	2-12-81 से 1-3 82 तक 3-3-82 से 2-6-82 तक
12. श्रीमती वी० के० मदान	9-2-82 में 8-5-82 तक
13. श्रीबी०पी० शिम्पी	1-2-82 से 30-4-82 तक
	 एच० सी० जाटव मयुक्त सचिव (प्रशा०)

# नई दिल्ली-110011, दिनाक 10 मई, 1982

मंघ लोक सेवा ग्रायोग

सं० ए० 12024/2/60-प्रशा० I—संघ लोक सेवा श्रायोग की समसंख्यक श्रिधसुषना दिनांक 9-9-81 तथा 4-12-81 के श्रनुकम में संघ लोक सेवा श्रायोग (स्टाफ) विनियमावलीं, 1958 के विनियम 7 द्वारा प्रवत्त शिक्तयों के अर्थान श्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा भा० श्र० से० 1969 के श्रिधकारी तथा सम्पन्त कार्यरन श्रवर सचिव श्री ए० एम० मण्डल को 3-3-1982 से 3 माम की श्रविध के लिये संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिय सहर्थ नियुक्त किया जाता है।

## दिनांक 19 मई 1982

म० ए० 32013/2/82-प्रणा० I.—संघ लोक से अत्योग के सवर्ग में केन्द्रीय सिंचवालय सेवा के निम्नलिंशि स्थाई श्रनुभाग आधकार्गरयों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा श्रागमीं आदेशीं न जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय उक्त सेवा के ग्रेड I में श्रवर मांचव के पद पर तद्र्य आध पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये महर्ष नियुक्त कि जाता है।

2-4-82 से 1-7-82 त# -4-82 से 30-6-82
य० रा० ग स्रवर <sup>र</sup> े
संघ लोक सेवा ग्रा

# गृह मन्नालय का० एवं प्र० सु० वि० केन्द्रीय श्रन्वेपण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक

मं० एच-5/68-प्रणा० 5(खण्ड)—राष्ट्रपति ग्रप प्रमाद में डा० एच० एल० बामी, निवेशक, केन्द्रीय न्य वैद्यंक विज्ञान प्रयोगशाला, जो 58 वर्ष की ग्रायु प्राप्त '. चुके हैं, की मेवार्ये दिनांक 1 मई, 1982 से दिनांक 3 ग्रक्तूबर, 1982 तक 6 महीने की ग्रवधि के लिये बरा हैं।

# दिनाक 15 जून 1982 णुद्धि पत्र

मं० ए० 22015/1/81-प्रणा० 5—अधिसूचना संख्या ए० 27015/1/81-प्रणासन-5, विनाक 14-4-82 में क्रमाक 4, श्री सी० सहाय के सामने श्राखिरी कालम में विनांक 22-7-1977'' के स्थान पर "22-2-1977" पढ़ा जाये।

# दिनाक 16 जून 1982

म० ए० 20023/6/82प्रशा. 5— निर्देशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एनदृद्वारा श्री अय सिंह तैराग को विनांक 29-5-19 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेण तक के लिए ग्रस्थाई रूप केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यरो में लोह ग्रिस्थोजक के रूप में नियुष्क करते हैं।

## दिनांक 18 जून 1982

सं० ए० 20014/4/79-प्रशा० I—केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति महाराष्ट्र राज पुलिसके प्रधिकारी श्री डी० सी० भोले राव को दिनांश 31-5-82 के अपराक्ष से केन्द्राय ग्रन्वेषण ब्यूरो, स्थामान्य अपराध स्कन्ध, बम्बई मे स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हो । अपने के कारण ग्रयने पद के कार्यभार के मुक्त कर दिया या है।

# दिनाक 21 जून 1982

म० जैड-4/65-प्रशासत-5'—राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद गे पर्णा जैड० ए० खर्लादी, श्रपर-विधि सलाहकार, केन्द्रीय श्रन्वेण व्यूरो जिन्होंने 58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर ली है, की सेवायें दिनांश 1 श्रक्तूबर, 1982 से 31 मार्च 1983 तक 6 महीने की श्रवधि के लिये वढाते हैं।

> श्रार० एस० नागपान, प्रणासनिक श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्थेशण ब्युरो

# भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्लीबा 10011, विनांक 19 जून 1982

मं० 11/102/79-प्रणा०-! (2)--इम कर्यालय की रिख 24 मार्च, 1982 की समसंख्यांक ध्रिध्नमूचना के रनुक्रम में राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक निर्देशक जनगणना कार्य को उनके नामों के सामने दिशान कार्यालयों में तारीख 31 ध्रगस्त, 1982 तक की ध्रौर ध्रविध के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी ध्रविध 'पहले हो, विद्यमान शतौं पर पूर्णत स्रस्थाई रूप से नदर्थ ग्राधार पर पदोन्नति द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियक्त करते हैं.--

ग्रधिकारी का नाम	म जिस कार्यालय मे कार्यरत हैं
1 2	3
1. श्री सी० डी० भट्ट	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, हिमाचल प्रदेश. शिमला ।
2. श्री एस० एल० बार्व	ो जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, हरियाणा, चण्डीगढ़ ।

सं० 11/102/79-प्रशा०-1 (1)—इस कार्यालय की रिख 25 मार्च, 1982 की समसंख्यांक प्रधिसूचना के प्रनु-्म में राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक निदेशक जनगणना कार्य किनी) को उनके नामों के सामने दिशत कार्यालयो में शरीख 31 ध्रगस्त, 1982 तक की ध्रौर ध्रवधि के लिए ग जब तक पद नियमिन ध्राधार पर भरा जाए, जो भी ध्रवधि गहले हो, विद्यमान भतौं पर पूर्णत श्रस्थाई रूप से तदर्थ

स्राधार पर पदोन्नित द्वारा उप निदेणक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करने हैं --

क० म्रधिकारी काम नाम प०	जिस कोर्यालय में कार्यरत है
1 2	3
। श्रीम्रो०पी० शर्मा	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई विल्ली ।
2. श्री एम० पचापकेशन	जनगणना कार्य निदेणालय, तमिलनाडु, मद्रास ।
3 श्रीएम०पी० शर्मा	जनगणा कार्य निदेशालय, ग्रण्डमान ग्रौर निकोबार द्वीप सम्, पोर्ट ब्लेयर ।
4 श्रीश्रार०पी०नोमर	जनगणना कार्य निदेशालय. सिक्किम, गंगटोक ।
5 श्रीएम० के० श्रहना	भारत के महापजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली ।
6. श्री वी० पी० रस्तोगी	भारत के महापजीकार का का कार्यालय, नई दिल्ली ।
7 श्री ए० के० विण्वास	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली ।
8 श्रीए०पीर्थ्	जनगणना कार्य निदेशालय, म्रमम, गोहाटी ।
9 श्रीबाई०जी०कृष्णमर्ति	जनगणना कार्य निदेशालय ग्रान्ध्रा प्रदेण, हैदराबाद ।
10 श्री द्यार०के०सिष्ठ	जनगणना कार्य निदेशालय. उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।
11. श्री एस० पी० ग्रोवर	जनगणना कार्य निदेशालय, पंजाब, चण्डीगढ़ ।
12 श्री राम सिंह	जनगणना कार्य निदेशालय, मध्य प्रदेश, भोपाल ।
13 श्रीडी० एन० महेश	जनगणना कार्य निदेशालय, राजस्थान, जयपुर ।
14. श्री एस० मी० स <del>ब्</del> मेना	जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार, पटना ।
15 श्री श्रजीत मिह	जनगणना कार्य निदेशालयः पजाब, चण्डीगढ ।
16 श्री एम० नगप्पन	जनगणना कार्य निदेशालय, निमलनाष्ट्र, मद्रास ।
17 श्रीफूल सिंह	भारत के महापजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली ।
18. श्री ग्रार० के० भाटिया	भारत के मापजीकार का कार्यालय. नई दिल्ली ।
19 श्रीए०के०दत्ता	जनगणना कार्य निद्धेणालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

1

1	2	3
20. श्री भ्रार	० बी० सिंह	जनगणना कार्य निवेशालय,
2.1 श्रीएच०	एस० कल्ला	विवार, पटना । जनगणना कार्य निदेशालय,
22 डा०के०	एस० डे	जम्मूब कप्रमीर, श्रीनगर। अनगणना कार्यनिदेशालय,
23. শ্ৰী শ্ৰী০	पी० खोबड़ागडे	पश्चिम बंग(ल, कलकत्ता । जनगणना कार्य निदेश(लय,
24 श्रीएस०	के० स्वैन	महाराष्ट्र, बम्बई । जनगणना कार्य निवेशालय,
25. श्रीबी०	संस्यनारायण	उडीसा, कटक । जनगणना कार्य निदेशालय, श्रान्ध्र प्रदेश, हैक्स्सवाद ।

सं० 11/37/80-प्रशा-I---इस कार्यालय की तारीख 22-5-1982 की समसंख्यांक श्रिधसूचना के श्रनुकम में राष्ट्रपित, निम्निलिखित श्रन्वेषको को उनके नामो के सामने विशिष्त कार्यालयों में तारीख 31 श्रगस्त, 1982 तक की श्रीर श्रविध के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रविध पहलें हो, विद्यमान शतों पर पूर्णत श्रस्थाई रूप से तदर्थ श्राधार पर पदोन्नति द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:---

क∘ सं०	श्रधिकारी का नाम	जिस कार्यालय में कार्यरत है
1	2	3
1.	श्री के० एस रावत	भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली।
2.	श्री एम० तेज किशोर सिंह	जनगणना कार्य निवेशक का कार्यालय, मेघालय, शिलांग ।
3.	श्री एस० एस० बाहरी	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, <b>नई दिल्ली</b> ।
4.	श्री एम० एन० सरकार	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पश्चिम बंगाल, कलकक्ता।
5.	श्री भगगेर सिह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, राजस्थान जयपुर, ।
6.	. श्रीके० के० श्रकोलकर	अनगणना कार्य निवेशक का भार्यालय, महाराष्ट्र, बम्बई।
7	. श्री एम० एल० शर्मा	अनगणना कार्य निवेशक का कार्यालय, मध्य प्रवेश, भोपाल।
8	. श्री के० म्रार० नरायण	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, कर्नाटक, बंगलौर
9	श्री एस० एस० निकेत	अनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, बिहार, पटमा।

1	2	3
10	श्री एस० एस० मीणा	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, बिहार, पटना ।
	श्री ए० सी० रेड्डी	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, म्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद।
2.	श्री निर्मल भट्टाचार्य	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, ग्रसम, गोहाटी ।
13	श्रीएम०पी० झाला	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यानय, गुजरात,
14	श्री जे० सी० दत्ता	श्रहमदाबा जनगणना कायं निदेशक का कायलिय, तागालैण्ड, कोहिमा ।
15	श्री डी० के० चौधरी	जनगणना कार्य निर्देशक का कार्यालय, त्रिपुरा, श्रगरतला ।
16	श्री ग्रार० एम० सिंह	अनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।
17	. श्रीजी० एस० गिल	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पजाब, चण्डीगढ़।
18	. श्री लखन सिंह	जनगणना कार्यं निदेशक का कार्यालय, उत्तर प्रदेश, ल <b>खग</b> ऊ।
1 9	🤋 श्री एम० एल० शर्मा,	जनगणना कार्य निवेशक का कार्यालय, दिल्ली, दिल्ली।
20	0 श्रीसी०एश०शर्मा	अनगणना कार्य किदेशक का कार्यालय, हिमाचल प्रदेश शिमला।
21	. श्री एस०पी०देसाई	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, गोवा, दमन श्रौर द्वोब, पणजी।
22	१ श्री एम० एस० रामचन्द्रन	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, कर्नाटक, बगलीर।

2. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्तियां सम्बन्धित श्रिधि-कारियों को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी । तदर्थ तौर पर उनकी सेवाए उस ग्रेष्ठ में वरिष्ठता ग्रीर श्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों को नियुक्ति प्राधिकारी के विवक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रव्द किया जा सकता है।

> पी० पद्मनाभा, भारत के महापंजीकार

महानिदेशक का कार्यालय

# केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 3 जून 1982

सं० ई० 16013/(2)/1/80-कार्मिक—प्रतिनियुवित गर स्थानान्तरण होने पर, श्री एम० एस० चौहान, श्राई० गो० एस० (एम० टी० 69) ने 12 मई, 1982 के पूर्वाल्ल से के० श्री० सु० ब० यूनिट बी० एख० ई० एल० भोपाल के कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013 (4)/5/82-कार्मिक—राष्ट्रपति श्री के० डी० भाटिया को 30 श्रप्रैल, 82के पूर्वास्त्र से के० श्रौ० सु० व० यूनिट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर में प्रोन्नति पर, सदर्थ श्राधार पर सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 7 जून 1982

सं० ई०-38013(4)/5/81 कार्मिक—मारिया को स्थानान्तरित होने पर श्री बी० मिश्रा ने 10 मई 1982 के भपराह्म से ए० एस० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया। उन्होंने 11 मई, 1982 के पूर्वाह्म से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट बी० सी० सी० एक० मरिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाव निया।

सुरेन्द्र नाथ महानिदेशक

# वित्त मंत्रालय (म्रार्थिक कार्य विभाग) भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 15 जून 1982

मं० 596/ए—- अधिसूचना मंख्या 2494/ए० दिनांक 25-3-82 के अनुक्रम में श्री एस० ए० खान को उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर भारत प्रतिमूति मुद्रणालय मे तदर्थ रूप में 16-6-82 तक उन्ही मनों के साथ नियुक्त करना हं।

पी० एस० णिवराम महाप्रबन्धक भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग कार्यालय महालेखाकार (प्रथम) मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनाक 5 जून 1982

सं० प्रमासन एक/ले० भ्र० प्रमा०/73—महालेखाकार, मध्य प्रदेश ने निम्नलिखित स्थाई भ्रनुभाग अधिकारियों को स्थानापत्र लेखा अधिकारी पद पर वेतनमान 840-401000-ई० बी० 40-1200 मे उनके नाम के आगे दर्शाये कार्यभार करने के दिनाक से पदोन्नत किया है।

ऋमांक नाम	ग्राबंटन स्थाई <del>त्र</del> माक	कार्यभार दिनांक
सर्वश्री  1. ज० जी० श्रग्रवाल  2. एस० एन० मिश्रा	02/280	5-6-82 पूर्वाहर 5-6-82
	वरिष्ठ उप महालेख	पूर्वाह्न ह०/ ग्रपठनीय शकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (प्रथम) उत्तर प्रदेश इलाहाबाद, दिनाक 19 जुन 1982

मं० कल्याण/122--श्राविरेन्द्र कुमार भारतीया, लेखा-ग्रिधकारी, कार्यालय महालेखाकार (प्रथम) उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद, का निधन 21 मई, 1982 को हो गया !

> जी० सी श्रीवास्तव उप वरिष्ठ महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक (रक्षा लेखा विभाग) नई दिल्ली-66, दिनांक 14 जुन 1982

सं प्रशा | 1/1419/4/जिल्द I—निम्न लिखित श्रीधकारियों की, उनके नामों के समक्ष दर्शाई गई तारीखों से, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्रुप "ए" के कनिष्ठ समयमान में पृष्टि की जाती हैं :—

ऋ० सं०	नाम		q	पुष्टि	की सारीख
1	2			3	<del></del>
1.	थी भ्रम्णव दत्त			12-7	7-80
2.	कुमारी वदना श्रीवास्तव			1 2-7	7-8 <b>0</b>
3	श्री जेकब डेविड			8-1	1-80
4	श्री मोहन दास पालियत			15-	11-80
5	श्रीमती बिन्दु ग्रग्निहोत्री			15-	11-80
6.	श्री ग्रार० डी० ग्रहीर			19-	11-80
7.	श्री मानित स्वरूप भर्मा			26-	10-80
8.	श्री खेम चन्द श्रग्रवाल	-		4-1-	81
9	श्री हरबंस लाल ब्रानन्द			30-	10-80
10.	श्री सत्य प्रकाण बहल			20-1	0-80
11.	श्री सत पाल सहगल			30-	10-80

1	2			3
1 2.	श्री ए० वी० प्रकाशन			23-10-80
13.	श्री द्यार० के० रैना			10-11-80
14.	श्री के०एस० ग्ररूणाचलम			4-11-80
15.	श्री एन० सोनासुन्दरम			23-10-80
				श्रार० के० माथुर
		रक्षा	लेर	<b>क्षा ग्र</b> पर महानियंत्रक
				(प्रशःसन )

# रक्षा मंत्रालय भारतीय श्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा श्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता,दिनांक 18 ज्न 1982

सं० 29/जी०/82--वार्धक्यन सेवा निवृत्ति ग्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्रो ग्राई० एन० खन्ना, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन) तारीख 30वी सितम्बर, 1981 (ग्रपराह्न) से सेवा निवत्त हुए।

वी० के० मेहता महायक महानिदेशक श्रार्डनेन्स फैक्टरियां

# श्रम मंत्रालय श्रम ब्युरो

शिमला-171004, विनांक 3 जुलाई 1982

सं. 23।3।82-सी. पी आई — मई, 1982 में औदो-पिक श्रमिकों का अस्ति भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960 = 100) अप्रैल 1982 के स्तर से 3 अंक बढ़ कर 462 (चार सी बासठ) रहा । मई 1982 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949 = 100) पर परिवर्तित किए जाने पर 562 (पांच सी बासठ) आता है।

> ए के मल्होता, उप निकास श्रम ब्यूरो

# (उद्योग मंत्रालय)

(श्रीद्योगिक विकास विभाग)

विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 मई 1982

मं० ए० 19018/(408)/63-प्रशां० (जी०) भाग 2--राष्ट्रपति जी द्वारा लघु उद्योग सेवा संस्थान नई दिल्ली के श्री
श्रारं के के सोनी, सहायक निदेशक (ग्रेड 1) (आई० एम०
टी०) को श्रामे के श्रादेण होने तक, तदर्थ श्राधार पर दिनाक
10-5-1982 पूर्वाह्म में, इसं कार्यालय में उप निदेशक
(श्राई० एम० टी०) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सी० सी० शय उप निदेशक (प्रशासन)

# पूर्ति सथा निपटान महानिदेशालय

# (प्रशासन प्रनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 ज्न 1982

स० ए०-6/247(611)—राष्ट्रपति, श्री बी० डी० दुबे, निरीक्षण प्रधिकारी (बस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप "ए" के ग्रेड III) (बस्त्र णाखा) को 1 जून, 1982 (पूर्वाह्म) से नियमित उप मे उप निरीक्षण निदेशक (बस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप "ए" के ग्रेड II (बस्त्र णाखा) के रूप में नियमित करते हैं।

श्री बीठ डीठ दुबे ने निरीक्षण निदेशक, उत्तरी मिरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय में निरोक्षण श्रीधकारों (बस्त) का कार्यभार छोड़ विया और 1 जून, 1982 (पूर्वाह्म) को पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निरोक्षण निदेशक (बस्त्र) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

श्री दुवे 1-6-1982 से उप निरीक्षण निदेशक (भारता) के पद पर दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे।

> एन॰ एम॰ पेरूमाल उप निदेशक (प्रशासन)

# इस्पात श्रीर खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलक्ता-700016, दिनांक 1982

# दिनांक 15 जून 1982

ग० 4128 बी/ए-32013/(ए० आ०)/80-19ए०— इस कार्यालय के दिनांक 28-12-81 के कार्यालय ग्रिधसूचना मं० 8535बी/ए-32013(ए० ओ०)/19ए० का ग्रिधकमण करते हुए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के ग्रिधक्षक श्री एन० के० पासिन को प्रणामनिक ग्रिधकारी के स्प मे, उसी विभाग में, वेनन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेननमान में, तदर्थ ग्राधार पर, भारतीय भ्वैज्ञानिक सर्वेक्षण, केन्द्रीय क्षेत्र, नागपुर के प्रशासनिक ग्रिधकारी श्री बंग्ल के० चटर्जी के ग्रावकाण-रिक्त के स्थान पर 21-9-81 से 23-11-81 (पूर्वास्त्र) तक पदोक्षति पर नियुक्त किया जा रहा है।

## दिनांक 16 जुन 1982

> जे० स्वामी नाथ. महानिदेशक

### भारतीय मर्वेक्षक विभाग

# **देहरादून-248**001, दिनांक 14 जून 1982

सं० सं:०-5825/913-एच०—ितम्निक्षित हिन्दीः अनुवादकः, भारतीय मर्वेक्षण विभाग हिन्दीः अधिकारी (सा० सि० से० प्रुप "वी") के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाई गई तारीख से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये जाते हैं —

ऋम सं० नाम	कार्यालय	नियुक्ति की नारीख
1. श्रो ग्रार० के० धर्म	ाली उत्तरी सर्किल कार्यालय, वेहरादून।	22-4-82 (पूर्वाह्म)
<ol> <li>श्री जगवीम प्रसाद नैथानी</li> </ol>	मानि <b>चन्न प्रकाण</b> न कार्यालय, देहरादून	2 2- 4- 8 2 (पू <b>र्वा</b> ह्म)

## दिनाक 15 जून 1982

सं० सी०-5826/718-ए०---श्री जी० एस० धुर्वे, स्थानापन्न प्रधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय दिनाक 22 धर्रैल, 1982 (पूर्वाह्म) से स्थानपना एवं लेखा ग्रधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप "बी") के पद पर मध्य सिकल कार्यालय, जबलपुर में 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये जाते हैं।

सं० सी०-5827/718-ए०---श्री ग्रो० एस० भटनागर, स्थानापन्न ग्रधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय दिनांक 13 ग्रप्रैल, 1982 (पूर्वाल्ल) से स्थापना एवं लेखा श्रिष्ठकारी सा० सि० सेवा ग्रुप "बी" के पद पर सर्वेक्षण प्रशिक्षण एवं मानचित्र स्पादन केन्द्र, हैदराबाद मे 840-40-1000-द० रो०-40-1200 ह० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये जाते हैं।

जी० सी० ग्रग्नवाल, मेजर जनरल भारत के महा सर्वेक्षक [नियुक्ति प्राधिकारी] महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिस्ली, दिनांक 19 जन 1982

सं० ए० 32014/3/81-इ० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० श्रार० शर्मा तदर्थ श्रधिक को दिनाक 25-5-82 से 45 दिन की श्रवधि के लिये तदर्थ श्राधार पर प्रशानिक श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

जगर्व(श चन्द्र गर्ग सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून, 1982

सं० 38013/1/82-ई० ए०—क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय के श्री पी० के० दास, विमानक्षेत्र ग्राधकारी नियर्तन श्रायु प्रान्त कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 31-3-1982 में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

> सी० के० वत्स, विशेष कार्यभार श्रधिकारी (ई०)

## श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1982

सं० 4/53/81-एस-I—महानिदेशक आकाणवाणी, एतद-द्वारा श्री पी० के० मिश्र प्रसारण निष्पादक, आकाणवाणी कुसियांग को 12 प्रप्रैल, 1982 से प्रगले आदेश तक आकाण-वाणी कलकत्ता में 650-30-740-35-810-द० रो-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रस्थाई रूप में, कार्य निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> सी० एल० भसीन, प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1982

म० ए० 19018/15/80-कें म० स्वा० यो.-I--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने छा० बालकृष्ण श्रीवास्तव को
20 जनवरी, 1982 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य
योजना में आयुर्वेदिक चिकित्सक (फिजीशियन) के पद पर
तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

र्टा० एस० राव उप निदेशक प्रशासन।

ग्रामीण विकास मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय फरीवाबाद, दिनांक 18 जून 1982

मं० ए० 19023/2/82-प्र० प०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री सन्त लाल को इस निवेशालय के प्रधीन फररींदाबाद में दिनाक 31-5-82 के पूर्वाह्म से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विषणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

# दिनाक 21 जुन 1982

सं० ए० 19024/1/82-प्र० त०—श्री जी० सी० सिंह, विष्ठ रसायनक को क्षेत्रीय ऐगमार्क प्रयोगणाला, कीचीन में दिनांक 31-5-82 (प्रविक्त) से तीन महीने की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, पूर्णतया तदर्थ श्राधार पर मुख्य रसायनक के पद पर नियुक्त किया गया है।

गोपाल शरण शुक्ल, कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

#### करकका बांध परियोजना

# फरक्का, दिनांक 26 मई 1982

सं० ई०/पी०-140/642(7)—श्री पी० बी० सिकदार, सहायक कार्यपालक श्रभियन्ता, (तदर्थ), फरक्का बांध परि-योजना, सिंचाई मंत्रालय, भारत सरकार को एतद्वारा स्थाई सहायक श्रभियन्ता (विद्युत) के पद पर, सामान्य केन्द्रीय सेवा समुदाय 'ख' के श्रन्तर्गत दिनांक 10-5-1982 में नियक्त किया जाता है।

म्रार० वी० रन्थीदेवन महाप्रबन्धक

# भाभा परमाणु स्रनुसन्धान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 11 जून 1982

सं के ० | 08 | एम० एच० डी० | स्थापना 1 म | 1594:— निदेशक, भाभा परमाणु भ्रनुसन्धान केन्द्र, इस श्रनुसन्धान केन्द्र, के स्थाई वैज्ञानिक सहायक 'सी' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रिधकारी | इंजीनियर ग्रेड एस० बी० श्री मैथ्यू कोशी द्वारा नौकरी से दिये गये त्यागपत्न को 1 भार्च 1982 श्रपराह्न से स्वीकार करते हैं।

# **दिनांक** 15 जून 1982

सं एम० 2/स्थापना II/2279—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई को स्थानान्तरित होने पर, श्री श्रार० जी० मसूरकर, लेखा ग्रधिकारी II ने इस श्रनुसंधान केन्द्र में 10 मई, 1982 पूर्वाह्म को श्रपना प्रदक्षार छोड़ दिया।

श्रार० एल० बता, उपस्थापना श्रधिकारी परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग बम्बई-5, दिनांक 29 मर्ड 1982

सं० वि० प्राइप्र-3(262)/78-स्थापना-1/7376—
निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजिनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्
बारा इस प्रभाग के एक स्थाई प्रवरण कोटि लिपिक श्री
ए० एच० पुनवानी को मई 15, 1982 के पूर्वाह्न से जून
16, 1982 के अपराह्म तक के लिये उसी प्रभाग में सहायक
कार्मिक श्रीधकारी के पद पर श्रस्थाई रूप से नियुक्त करते
हैं। यह नियुक्ति छट्टी रिक्ती के स्थान पर की जा रही है।

सं० वि० प्राइप/3(262)/78 स्थापना-1/7377:— निदेशक विद्युत प्रायोजना इंजिनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्हारा इस प्रभाग के एक स्थाई उच्च कोटि लिपिक तथा स्थानापस प्रवरण कोटि लिपिक श्री एच० एच० ग्रहा को मई 12, 1982 के प्रविक्त से जून, 11,1982 के श्रपराह्न तक के लिये उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक श्रधिकारी के पद पर श्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं। यह नियुक्त सहायक कार्मिक श्रधिकारी श्री पी० बी० नायर के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर चले गये हैं।

म्रार० व्हि० वाजपेई, सामान्य प्रशासन म्रधिकारी

# (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 21 जून 1982

सं० प ख प्र-16(3)/82-भर्ती---परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग स्थाई सहायक श्रौर सहायक कार्मिक अधिकारी, श्री टी० यू० नारायनन को इसी प्रभाग के श्री पी० के० विजय कृष्णन, सहायक श्रीधकारी, जिन्हें छुट्टी प्रवान की गई है, के स्थान पर 12 मई, 1982 के पूर्वाह्न से 11 जून, 1982 तक 31 दिन के लिये तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रीधकारी नियुक्त करते हैं।

टी० डी० <mark>घाडगे,</mark> वरिष्ठ प्रशासन एवं **लेखा** श्रधिकारी

## ग्रन्तरिक्ष विभाग

# सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560009, दिनांक 5 जून 1982

सं० 6/13/82 सि० ई० प्र० (म०) — ग्रन्तरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनयरी प्रभाग के मुख्य इंजीनियर श्रन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में तकनीकी सहायक मी० श्री टी० भीष्म राव की इसी प्रभाग में इंजीनियर एस० बी० के पथ पर स्थानापन्न रूप में दिनांक गरील 1, 1982 के पूर्वाह्न में श्रागामी श्रादेश तक पदोर्शात करते हैं।

> एल० राजगोपाल, प्रणासन स्रधिकारी-II

# विदेश संचार सेवा

# बम्बई, दिनांक 15 जून 1982

मं० 1/516/82-स्था०---विदेश संचार भेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा मद्राभ णाखा के नकनीकी भहायक, श्री एम० एम० पीलाय को ग्रत्थकालीन रिक्त स्थान पर 1-4-82 में 6-5-82 तक की ग्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में महायक ग्रिभयंना नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 16 जून 1982

मं० 1/397/82-स्था०--विदेश मंचार सेवा के महा-निदेशक एनव्दारा बम्बई शाखा के ज्येष्ठ फोरमैन श्री ई० मी० धाफेन्सो को 19 श्रप्रैल, 1982 के पूर्वीह्न में घागामी घादेशों नक उमी शाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य मैकेनिशयन के पद पर नियुक्त करते हैं।

मं० 1/517/82—स्था०—विदेश संचार मेवा के महानिदेशक एसद्द्वारा अस्बर्ड शाखा के पर्यवेक्षक, श्री श्रार० सीवरामन को 3, जून, 1982 के पूर्वाह्म में श्रागामी श्रादेशों तक उमी शाखा में स्थानापन्न रूप में उम उप-परियात प्रबन्धक नियुक्त करने हैं।

# दिनांक 17 जून 1982

मं० 1/84/82-स्था०—विदेश मंचार सेवा के महानिदेणक एसद्वारा कलकता शाखा के पर्यवेक्षक श्री एस० तीर्के को तदर्थ श्राधार पर 18 मार्च, 1982 के पूर्वीह्न से श्रागामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन रूप से उप-परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मल्होद्रा, उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

# वन श्रनुभन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

# देहरादून, दिनांक 14 जून 1982

मं० 16/148/67-स्थापना 1—श्रष्ट्यक्ष, वन श्रनुमन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, डा० राजेश पन्त द्वारा ध्रनुमन्धान ग्रिधकारी, वन श्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के पद से दिया गया त्यागपत दिनोक 11 नवम्बर, 1980 की श्रपराह्न से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

रजत क्रुमार कुल सचिव वन प्रनृसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय केन्द्रीय सीमागुल्क तथा उत्पाद शुरुक समाहतीलय

# मद्रास-1, दिनाक 15 प्रक्तूबर 1981

## सींमा गुरुक स्थापना

सं० 15/81—श्री एन० मुरूपज, ग्रस्थायी मूल्यनिरूपक (ग्र० विणेषज्ञ) मद्रास सीमा शुल्क घर ने तारीख 30-9-1981 के श्रमराह्य से श्रपने पद से इस्तीफा दे दिया।

## दिनाक 27 मार्च 1982

सं । 1/82---श्री टी० मी० श्रीनिवासन को ता० 20-3-82 के पूर्वीह्म में कोचीन सीमाशृल्क घर में हैं, नियमिन रूप में स्थानापन्न मूल्यनिरूपक के पद पर पदोन्नत किया जाता है।

## दिनांक 21 ग्रप्रैल 1982

मं० 2/82—श्री एम० तजैविडिबेलु, परीक्षक (चयन ग्रेड). मद्राम सीमाशुल्क घर को ता० 1-4-1982 के पूर्वाह्न से मद्राम सीमाशुल्क घर में मूल्यनिक्षक के पद पर स्थानापन्न क्य में पदोन्नत किया जाता है।

### दिनांक 3 मई 1982

सं० 3/82—श्री ग्रार० एच० गुब्बराया, स्थायी मूल्य-निरूपक (विशेषज्ञ) मद्राम सीमाणुल्क घर ने ता० 30-4-1982 के ग्रपराह्म मे ग्रपने पद से इस्तीफा देदिया।

> ए० मी० सल्डाना, सीमाणुल्क भमा**ह**ि

# नागपुर, दिनांक 11 जून 1982

सं० 9/82—इस ममाहर्ता क्षेत्र के श्रिधकार केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "स्त्र" श्री डब्ल्यू० एम० देणपांडे ने श्रायुसीमा प्राप्त करने पर वे दिनांक 31 मई 1982 के श्रपराह्म से भेवानिवृत्त हो गए।

> के० शंकररामन, समाहर्ता

# केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

# नई दिल्ली-110066, दिनांक 9 जून 1982

सं० 22/6/81-प्र०-1 (ब)—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्यस प्राधिरण, एतद्द्वारा निम्नलिखित पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्यत प्राधिकरण में, केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (वर्ग-ख) सेवा के ग्रनिरिक्त महायक निदेशक/महायक ग्रभियन्ता के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से, श्रागामी श्रादेशों तक स्थानापश्र झमता में नियुक्त करते हैं:---

ऋमांक	ग्रधिकारी का नाम	कार्यभार मंभालने तारीख
1. <b>郑</b>		
2. श्री एम० सी० दास	30-4-82 (पूर्वाह्न)	
		एम० विश्वास श्रवर सचिव(कॉ०)

## उत्तर रेलवे

# नई दिल्ली, विनांक 16 जून 1982

> रा० श्रीनिवासन महा प्रबन्धक

# विधिन्याय तथा कम्पनी कार्य मंतालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पिनियों के रिजिस्ट्रीर का कार्यालय कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर न्यू श्रागरा चिट स्कीम्स एण्ड बेनिफिट्स प्राईवेट लि० (लिक्वीडेशन में) के विषय में

कानपूर, दिनांक 17 जून 1982

सं 3254-एस० सी 0/7105—कम्पनी अधिनियम, 1956 धारा 560 की उपधारा (4) के अनुसरण में एसद्हारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर न्यू आगर चिट स्कीम्म एण्ड बेनिफिट्स प्राईवेट लि० (लिक्वीडेशन में) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

> वी० पी० कपूर कम्पनियों का रिजस्ट्रार, उत्तर प्रदेश, कानपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर पनजी हाटेल्म लिमिटेड कि विषय में

पणजी, दिनांक 17 जून 1982

मं० 201/जी/2153—कम्पनी ऋधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ऋनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पनजी हाटेल लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> म० ल० गनविर कम्पनियों का रजिस्ट्रार गोवा दमण, ग्रौर दीव

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर दीपानजन ईन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 19 जून 1982

मं० 33972/560 (3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना धी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के श्रवसान पर दीपानजन इन्बेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 ग्रीर डी० एम० ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 19 जून 1982

मं० 33971/560(3)——कम्पनी श्रिधनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर डी॰ एम॰ श्रृंग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स प्राद्देट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

# कम्पनी भश्रिनियम, 1956 भौर मेटकासस्स एण्ड हार्धनर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 19 जून 1982

मं० 32351/560 (5)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एसद्द्वारा मूचना दी जाती कि मेटकासल्स एण्ड हार्डेनर श्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर डी० एण्ड एम० फ्रास्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, विनांक 19 जून 1982

सं० 33666/560(3)—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर डी० एण्ड एम० फास्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्त न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कस्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर ग्रीर० सी० ए० इस्पात कोक प्राप्तवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, विनांक 19 जून 1982

सं० 29264/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की गरा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना जाती है कि श्रार० सी० ए० इस्पात कोक प्राइवेट लिमिटेड का मि श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित । गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 श्राँर डी० एम० फाम्सं एण्ड डेयरीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 19 जून 1982

मं० 33660/560 (3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की गरा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना । जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर डी॰ एम॰ गर्म्स एण्ड डेयारीस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत गरण दिश्यत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर कत कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

म्नी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर ड्रेस-ग्र-मेटी लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिमांक 19 जन 1982

सं० 26184/560 (5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की 60 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना ीतिहै कि ड्रेस-श्र-मेटीरियल्स प्राईवेट लिमिटेड का श्रा जस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रेवती कान्त पोद्वार एण्ड सन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 19 जून 1982

स० 11304/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचना दी जाती है इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर रेवती कान्त पोहार एण्ड सन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० ग्रार० वी० वी० सत्यनारायण कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगास

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रत्नालय इन्जीनियरिंग वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय म

कलकत्ता, दिनांक 21 जून 1982

सं० 3063/560/82-83—कम्पनी श्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के श्रवसान पर रत्नावय इन्जीनियरिंग वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रनिकृल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

वी० एन० जगन्नाथ कम्पनियों का रजिस्ट्रार प्रकृप नाइं.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आगुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/10-81/1166—अतः मुझे,एस० आर० गुप्ता

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिमकी संख्या 5/66, है तथा जो डब्ल्यू०-ई-ए-करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रक्तुबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की गायत्, उक्त अधिनियम के अधीन क्राप्ट दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; आर्थिया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनाने में सुन्धा चै निष्ठः।

अत: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :--- (1) डाक्टर छैल बिहारी लाल माथुर (2) गिरधर गोपाल माथुर, महेश बिहारी लाल माथुर श्रीर श्रीमती फूल प्यारी, सभी निवासी-5/66, डब्स्यू-इ-ए-करोल बाग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राज पाल शर्मा,

(2) विजय पाल शर्मा,

(3) महिन्दर पाल गर्मा, नियासी-59/31 न्यु रोहसक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मनुसूषी**

2-1/2 मंजिला मकान नं ० 5/66, डब्स्यू०-ई-ए-करोलबाग एरिया प्रधिकतम माप-254.16 वर्गगज, नई हिस्सी।

> एस० भ्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 11-6-1982

## प्ररूप साई० टी० एन० एत०---

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यु०/।/एस० ग्रार०-3/10-81/1305--ग्रतः, मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य

25,000/- रं. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी संख्या ए-1/79 है तथा जो मफदरजंग इनकलेंब,
नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण
के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का
16) के ग्रधीन तारीख श्रक्तबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के 'लए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रत्नरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी भाग की बाबत, उक्त भिन्न नियम के भन्नीत कर देने के अम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रस्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

न्नतः प्रव, उक्त प्रवितियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्तत प्रवितियम की घारा 269-म की उपधारा (1) े प्रवीत, विकासिक्षत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री राम प्रकाश पुरी, निवासी- श्रार-640 न्यु राजिन्धर नगर, नई दिल्ली

(ध्रन्तरक)

(2) श्री हरबंस लाल स्वानी
(2) श्रीमती पुष्पा स्वानी
निवासी-ए-1/79,
सथदरजंग इनकलेव,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्तिके प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति आदा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रघोहस्ताक्षरी के पात विश्वित
  में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधि नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

#### वनसंची

मकान नं ० ए-1/79, सफदरजंग इनकलेव, नई विल्ली

एस० आर० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 11-6-1982

# प्रकथ आहें हो . एन . एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ती भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

### ज़रत गुरम्स

# कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० श्वार०-3/10— 81/1167---श्वतः मुझे, एस० श्वार० गुप्ता

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राप्तिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पद्धि, धिस्का उपित बाजार मृल्य 25,000/-रु. में अधिक हैं

म्नोर जिसकी संख्या एस-279, है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2 नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

कां पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप में किथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरम् सं सुद्धं किसी भाग की बाबत्त उपल भाष्ट्रीत्यम् के अभीत कर दोने के जन्तरक के दायित्व में क्षत्री करने वा उससे बुक्ते में स्विधा के लिए; मुद्धिना
- (क) एसी किसी भाग या किसी पून या नृत्यु आहित्वाँ कहि, विक् आर्सीय नाय-कर अहैं भीनयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या भूनकर अहैं पित्रियम्, या भूनकर अहैं पित्रियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्हैं क्या के हिंदा के हिंदा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण भी, भी, उक्त अर्धुपनियम की पारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन निम्निल्युं का व्यक्तियाँ वर्षाकः (1) श्री सत्तवेष पढ़ा सुपुत्र स्वर्गीय श्री एल० विद्या प्रकाश चढ्ढा, निवासी एल-56 (1 मंजिल) वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं गुरमत कन्स्ट्रक्शन कं प्रा० लि द्वारा उनके डाईरेक्टर श्रीमती गुरचरन कौर निवासी ए-69 न्यु फेंड्स कालोनी, नई दिल्ली

(ग्रन्सिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।)

# उन्तु सम्परित के भूषीन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्य--

- (क) इस स्वता के राज्यत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की बन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से दिकारी व्यक्तियां द्वाराश्व
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उनत स्थानर संपरित में हित्बद्ध किसी नृत्य न्युनित बूनारा अभीहस्ताकरी के पास सिम्बत में किस का पास सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० एस०-279 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली एरिया 300 वर्गगज (250.83 वर्गमीटर)

> एस० श्रार० गुप्ता **सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-I, विरुली, नई दिल्ली-110002 ।

तारीख: 11-6-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (टिन्हीक्षण) भ्रजन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्यू० 1/एस० आर०-2/10-81/1139——आनः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिमकी संख्या एम० 270 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-2, नर्ड दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नर्ड दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्रक्तूबर, 1981

को पूर्वों क्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वां क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्शयमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-गियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृत्रिका के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती रावेलं कौर एण्ड एम० डी० तरिन्दरपाल सिंह निवासी ई-306, ग्रेटर कैलाश भाग-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देव दत्त गर्मा, निवासी-ए-6, रिंग रोड, एन० डी० एस० ई०, भाग-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

प्रो० नं० एम०-270 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली एरिया का माप-300 वर्ग गज।

> एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, विल्ली, नई दिल्ली 110002

नारीख: 11-6-1982

## प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

# भारा 269-म (1) से सभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश मं० श्रार्ट० ए० सी ०/एक्यू०/1/एम० श्रार० 3/10-81/1173--श्रातः मझे, एम० श्रार० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या श्राई०-8, है तथा जो महारानी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख अन्त्यर, 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त-विक ल्प से किथत नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनिय्म के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, र्थितः—  श्रीमती राज देवी दत्ता, निवासी- 13-बी, सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री काम्बील साहादेवन, निवासी-78 न्यु फेंडस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुसुची

वना हुन्ना मकान प्लाट नं ब्राई-8 (पुराने नं बी-26) महारानी बाग, क्षेत्रफल 500 वर्गे गज, नई दिल्ली।

> एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, विरुली, नई विरुली-110002

तारीख: 11~6~1982

मोहरः

प्ररूप आर्चः टी. एन. एस.----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गार। 269-थ (1) के ग्रंभीन सुचना

#### मारन सरकार

भार्यालय, यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

गई दिल्ली, दिनांक 🕕 जन 1982।

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० ।/एस० ग्रार०-3/10-81/1282----ग्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या प्रो० नं० 50, है तथा जो कालु सराय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इभसे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिस्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परदृष्ट प्रतिशत से मधिक है भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निष् तप पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचन प्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित उदी किया गया है:----
  - (क) अस्तरण ने हुई किसी प्राप की बाबत, उक्त प्रधि-नियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्य मं क्षमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
  - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर सिंधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधितियम, या घनकर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किथा जाना चाहिए था छिपाने में सिंख्या के लिए;

श्रतः भव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 3—146 GI/82

(1) एस० प्रीतम सिंह
सुपुत्र श्री माया सिंह
निवासी 48/4,
युमफ मराय,
नर्द दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री अनिल वर्गा सुपुत श्री अमर नाथ, निवासी डब्ल्यू०-127 ए, ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली-48 (2) रिव णंकर तनेजा मुपुत आर० के० ननेजा निवासी डब्ल्यू०---80 ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य क्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

म्पद्दीकरण:--इनमें प्रयुक्त मन्दों और पर्वो का, जो उन्त सिध-नियम के प्रष्ठवाय 20 के में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा, जो उस स्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रो० नं० 50, खसरा साकनी नं० 2, ग्राम कालु सराय, ग्रिया—290 वर्ग गज, नई दिल्ली ।

एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आहकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

मारीख: 11-6-1982

# प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) को अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यातय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्राजन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० ग्रार० 3/10-81/ 1284--श्रतः मुझे, एस० आर० ग्प्ता

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- राज्यों से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सी०-13, है सथा जो स्वामी नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तुबर, 1981

को पृत्रों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिखल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/यां
- (ख) एसी किसी आयं या किसी धन या अत्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिस्पार्ग में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्करण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थान:--- (1) श्री मोटन राम
युपुत श्री तेजू राम,
निवासी 220, याई न०--13,
बहादुर गढ,
जिला---रोहनक, (हरियाणा)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० के० भाटिया

मुपुत श्री एच० एन० भाटिया,

(2) श्रीमती सरला भाटिया

पत्नी श्री एस० के० भाटिया,

मास्टर विकास मुपुत श्री एस० के० भाटिया

निवासी सी-13, स्वामी नगर,
नई विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्प्रिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति क्वारा, अधोह स्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

्रप्रो० नं० सी०-1,3, स्वामी नगर, नई दिल्ली ।

एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीखाः 11-6-1982

प्रकृप धार्ष हो । एन । एस ----

जासकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) प्रजीन रेंज I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/ 10-81/1224—ग्रतः मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,

द्वायकर प्रवितियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फलैट 1-बी०, है तथा जो प्लाट नं० एफ 3, एन० डी० एस० ई० भाग 2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख श्रक्तूबर 1982 को पूर्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की पई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृथ्वमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रकृत् प्रतिमात से प्रधिक है पीर प्रकारक (अस्तरकों) भीर अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रकारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उसत प्रमारण लिखित में वास्त-विक रूप से कांवन सामा है:—

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत जबत अधि-नियम के संशीत कर देने के संस्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने म मुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी यन या अन्य घास्तियों को, जिन्हें मारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिमाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब, उक्त प्राधिनियम की घारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269 म की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैं राजीब प्रो० प्रा० लि० रिज औफिस 37 पूसा रोड, नई दिल्ली द्वारा डाईरेक्टर श्री कृशन कुमार चोपड़ा (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रशोक कुमार कृपलानी
  सुपुत्र स्वर्भीय श्री राम बन्द कृपलानी
  श्रीमती उन्दिरा कृपलानी
  पत्नी श्री श्रशोक कुमार कृपलानी,
  निवासी-1492 चान्दनी,चौक,
  दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के घर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध में बोई भी बाजेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तिस में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्र ची

प्लाट नं ० एफ-3, एरिया माप 344 वर्गगज स्थापित, एन ० डी ० एस ० ई० भाग-2, नई दिल्ली, दो फ्लैट जो पहली मंजिल प्लाट नं ० 1-बी, एरिया माप-950 वर्ग फिट स्थापित एन ० डी ० एस ० ई० भाग-2, नई दिल्ली।

ात्मत आर० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11~6~1982

प्ररूप आई. टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 11 जुन 1982

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०—III/ 10—81/1147—श्रत मुझे, एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा म अधिक है

भौर जिमकी सख्या सी-79 है तथा जो ग्रानन्द निकेतन, नई दिस्ली मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकर्रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख अक्तूबर, 1981

को पर्वोक्त सण्टित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ए से अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरम् सं हुद्दं किसी शाव की वायतः, उनल अग्रीमृतियम् के समीन् कार दोने के शन्तरक के वासित्य मं कसी कारने वा उनले मुख्ये में सुविधा के सिए; ब्रोट/वा
- (क) एसी किसी भाव या रैकसी भून वा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजिनार्थ अन्ति रिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिता के निए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभाग (1) के अभीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थोत् :---- श्री जगदीश सिंह चौहान, 3047, 19-डी, चन्डीगढ

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ध्रजीतिमिह ककर डी-144, ग्रानन्द निकेतन, नई दिल्ली

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करकें पृवांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त जीवीं, नवम्, के जन्माय 20-क में परिभाषित हैं, वृद्धी अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिया गया है।

#### जन्सूची

मी-79, श्रानन्द निकेतन, नई दिल्ली क्षेत्रफल 360.49 वर्ग गज।

> एम० ग्रार० गुन्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) झर्जन रॅंज-J, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-6-1982

मोहर

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेजI-, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 11 जून, 1982

निर्देश स० प्राई० ए० सी०/एक्यु०-1/एस० भार०-3/10-81/1258--- मत मुझे, एस० प्रार० गुप्ता,

ुआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रु से अधिक है

श्रार जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजयाशन नई दिल्ली को स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के वार्यालय, नई दिल्ली म रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) वे ग्रिधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वाक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित्त का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

(1) श्री भगवान सिह सुपुत्र श्री रतन सिह निवासी-ग्राम-बिजवाशन, मेहरौली, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक

(2) म० सी ० न्याल एण्ड क० (कन्सट्रक्शन) पा० लि० 115 प्रशल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सपित के अर्जन के सबध मा काइ भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपण मा प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वे अस व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भपित भ हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरा।

स्पष्टिकरण — इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उत्कल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा, जो उत्तस अध्याय में दिया गया हु<sup>8</sup>।

## अनुसूची

र्क्घाष भूमि क्षेत्र 5 विघे श्रीर 8 विश्वे, खसरा न० 1793 (5-08) ग्राम विजवाशन, मेहरौली, दिल्ली ।

एस० ग्रार० गप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

तारीख 11-6-1982 मो**इ**र प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० मी०/एक्यु० 1/एस० भ्रार०-3/10— 81/1259—-श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ता,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या ऋषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रक्तुबर, 1981

को पर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिष्ठ क तो लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपान में सुविधा के लिए;

(1) श्री भगवान सिंह सुपुत्र श्री रतन सिंह, निवासी-ग्राम-बिजवाणन, मेहरौली, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) म० मी० ल्याल एण्ड कं० (करस्ट्रक्शन) प्रा० लि० 115 स्त्रंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यस्थ किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भन्सची

कृषि भूमि तादावी 5 विषे और 16 विष्वे, खसरा नं० 179/5 (5-16), ग्राम-बिजवाणन, महरौली, तहसील-दिल्ली

> एम० ग्रार० गुप्ता सभम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण' श्रजेन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के मधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

तारीख: 11-6-1982

प्ररूप बार्ड. टी. एन एस.---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० म्रार०-3/10-81/1260---म्रत: मुझे, एस० म्रार० गप्ता

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाणन, मेहरौली, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधाह है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मां कमी करने या उससे ब्चने में सृविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नि**शिवत व्यक्तियाँ अर्थातः**— (1) श्री भगवाम सिंह सुपुत्र श्री रतन सिंह, निवासी-ग्राम-र्तबजवाणन, दिल्ली

(म्रातरक)

(2) मैं० मी० ल्याल एण्ड कं० (कत्स्ट्रक्शन) प्रा० लि० 115 ल ग्रंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वोकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गय हैं।

कृषि भूमि तादादी 5 बिचे श्रीर 16 बिश्वे, खसरा नं० 1791 मिन (2.00), श्रीर 179/4 (3-16), ग्राम-बिजवाणन, दिल्ली।

ण्म० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रीयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंत रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रीख**: 11-6-1982

प्रूप आहू े. टी. एन. एस. -----

आयकप अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जान रेंज-1, नई दिल्ली

गई दिल्ली, दिनाना 🔞 जून, 🔞 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनय्०/1/एस० आर० 3/10— 81/1261—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जिकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उिचत बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिलकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, मेहरीली, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्ट संपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्येंक्ति सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके रूयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एंग्स् किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सिवध के जिए।

अत: अब, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भगवान सिंह सुपुत्र श्री रतन सिंह, निवामी ग्राम-बिजवाणन, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) भैं० सी० ल्याल एण्ड कं० (कन्सट्ट) प्रा० लि० 115 श्रांसल भवत, 16-कें० जी० बी० मार्गः नई दिल्ली।

(अन्हरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वाकित सम्पत्ति को अर्जन को लिए" कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पर्वे करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 7 विषे श्रौर 7 विष्वे, खमरा त० 179/ 2 (7-07), ग्राम-विजवाणन, तहसील मेहरौली, नई दिल्ली।

> एम० ग्रार० गुप्ता भक्षम श्रीधकारी भहासक ग्रायकार ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 11-6-1982

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण ग्रजीन रेंज 1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 जुन, 1982

निर्देश मं० ब्राई० ए० मी०/एक्यु०-1/एस० ब्रार०-2/10-81/1278—श्रतः मुझे' एस० श्रार० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रूपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवाशन, मेहरौली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख श्रक्तूबर, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सृविधा केलिए: और/या
  - ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

भतः जब, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निमनिलिसित व्यक्तियों, अर्थात ----4—146GI/82 (1) श्री रतन सिंह सुपुत्र श्री भाग मल, निवासी ग्राम-बिजवाणन, मेष्ठरौली, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० मी० त्याल एण्ड कं० (कंसद्दे०) प्रा० लि० 115 प्रसल भवन,
 16 त्के० जी० मार्ग,
 नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस 'रूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसूची

कृषि भूमि तादादी 8 बिघे केवल, खमरा नं० 174 मिन (8-00), ग्राम-बिजवाणन, मेहरौली, नई दिल्ली ।

ण्म० ग्रीर० गुप्ता सक्षम ग्रिधिकारी सहायक श्रीयकर ग्रीयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिली-110002 ।

नारीख : 11+6-1982

। मोहर :

## प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई विस्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 जून 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु० 1/एक्ष० श्रार०-3/10-81/1279--श्रतः मुझे एक्प श्रार० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवाणन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इक्से उपावद श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विजव है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्त्वर, 81

को प्रेंकित सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रितिकान के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्निक्षित उद्देश्य से उका कालरण निम्निक्षत में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरक म हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिकिश्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी फरने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की अपधारा (1) के अधीन निम्निलिबिति कावितयों, अर्थानः——

(1) श्री रतन मिहं सुपुत्र श्री भागमल, निवामी-ग्राग-बिजवाणन, नई दिल्ली।

(ग्रन्मरक)

(2) मैं० सी० लाइल कं० (कंस्ट्र०) प्रा० लि० 115 प्रंगल भवन, 16-के० जी० बीमार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त क्षव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनस्ची

कृषि भूमि तादाधी 6 विघे, खसरा नं० 174 मिन (6.00) ग्राम-बिजवाणन, नई दिल्ली।

> एम० ग्रार्० ग्रुक्ता सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजेंन रेंज 1, दिल्ली नई दिल्ली-110002।

नारीख: 11-6-1982

प्ररूप आहो. टी. एन. एस ------

मायकर यधिनियम, 196। (1961का 43)की धारा 269-घ (1)के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० श्रार० 3/10-81/1300-- ग्रतः मुझे एस० ग्रार० गुप्ता म्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269 व केग्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र• से **बाध**क है ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाणन, मेहरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्क ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख ग्रक्तूबर, 1981 को पूर्वोत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य सेकम के दुश्यमान प्रतिफल के जिए पन्तरित की गई है और मुझे यह विज्वास करने की कारण है कि यथापृत्रीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परवह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित महीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत उक्त पछि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन प्रधिनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण रें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री किशन चन्द सुपुत्र श्री भागमल निवासी ग्राम बिजवाशन, महरोली, नई दिल्ली।

(मन्सरक)

(2) श्री महावीर सिह सुपुत्र श्री नन्हेयमल, निवासी-ग्राम-बिजवाशन, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि नादादी 9 बिषे भौर 12 बिष्ने, खसरा नं 16/21 (4-16), 21/1 (4-16), ग्राम-बिजवाणन, नर्ष्ट्र दिल्ली तहसील मेहरौली, नर्ष्ट्र दिल्ली ।

एस० ग्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-6-1982

मोहरः

# न्नावकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु० 1/एस० श्रार०-3/10-81/1208---श्रत:, मुझे एस० श्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भाती, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में तारीख भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है घौर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पस्दह प्रतिशन अधिक है घौर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) ग्रीर घम्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कियन नहीं किया गया है :---

- (क) चन्तरण म हुई किसी माय की बाबत उक्त भ्रिष्ठानयम के मधीन कर देने के भ्रम्तरक के दासित्व में कर्मा करने या उससे बजने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसो आध या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरितीं ज्ञारा प्रकट नहीं किया गया या या किया काना वाहिए था खिपाने में सुविध ने लिए।

मतः घव, उच्न अधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरव में, में, जब्त अधिनियम की धारा 269क की उपधारा (1) के भधीन, तिब्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति :-- (1) श्री हरकेश,
चन्दर सुपुत्नगण श्री गादी, कला,
चान्दरी, भागवती सुपुत्नी श्री शादी,
(1/2 हिस्से) द्वारा अटार्नी ए० एस० रनधावा,
हरबाल सुपुत्न श्री पूरसा, (1/4 हिस्से) हाती,
सुरजमल सुपुत्न श्री बेरी मुशी (1/4 हिस्से), सभी
निवासी ग्राम फतेह पुर बेरी, तहसील मेहरौली,
नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) नन्द कियोर बागरोडिया
सुपुत्र श्री सागरमल बागरोडीया
निवासी ६०-डी०-81:
टेगोर गार्डन,
नई दिल्ली ग्रौर श्यामा देवी श्रग्रवाल पत्नी
श्री एस० ग्राम० ग्रग्रवाल,
निवासी-5/11, शान्ती निकेतेन,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के चिए कार्यवाहियांचरताहूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, नधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्यव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भी 'खक्त स्रिध-नियम', के अध्याय 20-क में परिचाबित हैं; वही ग्रार्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी, 10 विषे श्रौर 4 बिस्वे, खसरा नं० 1046, स्थापित ग्राम भाती, तहसील मेहरौली, नई दिल्ली।

> एस० श्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110006

तारीख: 11-6-1982

## प्रकृप बाइं. टी. एन. एस

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालग, महायक आगकर आय्क्त (निर्धाक्षण) ग्रर्जन-रेज 1. नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनाक 11 जून 1982

निर्वेश स० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०-भ्रार०-3/10-81/1209---भ्रतः मुझे; एस० भ्रार० गुप्ता

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा सं अधिक हैं

और जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भाती, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रवट्वर, 1981

को पूर्धों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ६३ यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल निम्नलिकित उद्देष्य में उक्त जन्तरण सिचिन में वास्तिकत रूप से कथिस नहीं किया गया

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बायत उक्त आ'ध-नियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व मा कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; शौद्ध/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मॅं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन ∦सम्नलिखित व्यक्तिय", अर्थात् स—— (1) श्री हरकश,
चन्दर सुपुत्रगण शादी, कला,
चान्दरी, भागवती सुपुत्री श्री शादी,
द्वारा श्रटानी ए० एस० रनधावा,
सुपुत्र श्री जी० एस० रनधावा,
(1/2 हिस्से) हरबाल सुपुत्र श्री पुरम,
(1/4 हिस्से) हाती श्रीर सुरज मल,
सुपुत्र श्री मुंशी,
(1/4 हिस्से) सभी निवासी—ग्राम फनहपुरी, बेरी
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नन्द किशार बागराडिया
सुपुत्र श्री सागरमल बागरोडिया
निवासी-इ-डी-81,
टैगोर गार्डन,
नई दिल्ली ग्रीर एयामा देशी अग्रश्राल पत्नी
एस० एम० अग्रवाल
निवासी-5/11, शान्ती निवेतन,
नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि गढ़ में समाप्त होती हा, के भीतर पृत्रांकत व्यक्तियों में स विक्षा व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्थ**ब्दोकरणः--इसमें** प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिवा गया हो।

### वन्सूची

कृषि भूमि तादादी, विघे और 4 विश्वे, खसरा न० 1964/1048 (5-8), 1965/1048 (1-16), स्थापिस-ग्राम-भाती, नई दिल्ली ।

एस० श्रार० गुप्सा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-6-1982 मोहर : प्रस्प आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ.(1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार० 3/10-81/1187—श्रतः मुक्षे, एस० श्रार० गुप्ता

कार का का विकास 1561 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरामंडी, मेहराली, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख स्रवत्वर 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कर से कार्यिक कर से कार्याय हैं:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससेबचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन, :--

(1) श्री वेद राम श्रोर लेख राम सुपुत्रगण श्री रामला, निवासी—-ग्राम-डेरा मंडी, नई विल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री खेम चन्द सुपुत्र श्री शिव सिंह निवासी—122ए/2, गौतम नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं। .

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसमी

कृषि भूमि तावावी 10 बिघे और 11 बिघ्वे, एम० नं० 82, किला नं० 1 (4-12), 2 (4-14), एम० नं० 83, किला नं० 5 (1-5), ग्राम डेरा मंडी, तहसील-मेहरोली, नई दिल्ली

एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-6-82

प्रख्प नाई टी ब्र्च • एस • ---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भाग 269-थ (1) के मधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 11 जून, 1982

निर्देण मं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० थ्रार०-3/10-81/1217--श्रतः मुझे एस० ग्रार० गुप्ता भायकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमे इसके पश्चात् 'अनत मिलियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, एह विश्वास करने का कारण है के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूख्य 25,000/- व० से ग्रिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरामंडी, सेहरोली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर 1981

ां पृथेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान तिफल के लिये अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृबंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से ग्रीधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल निम्नलिजित उद्देश में उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उचत अधि-नियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

भ्रतः भ्रम उपत भ्रिष्ठितियमं की धारः 269-म के अभुसरण में, में, धक्त भ्राष्ठितियमं की धारा 269-थं की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अभित्:--- (1) श्री शिव चरन, सुपुत्र श्री ग्रीयासी निवासी ग्राम डेरा मंग्री, नई दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्री हर किशन
सुपुत्र श्री राम प्रसाद
निवासी ग्रामबडेरा मंडी,
तहसील—महरोली,
नई दिल्ली

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकती।

स्पष्टीक्रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

कृषि भूमि ताबादी 18 बिघे श्रीर 16 बिघवे, एम० सीडी 75, किला नं० 12/2 (2-12), 19 (4-16), 22 (3-16) 23 (3-7), 19 (4-5), स्थापित ग्राम डेरामंडी तहसील मेहरोली, नई दिल्ली

्र एस० श्रार० गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-6-1982

मोहर

# प्रकृप अवर्ष . टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनांक 11 जून, 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यु०/1/एम्० श्रार०-3/10-81/1218--श्रतः, मुझे एस० श्रार० गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िष्य इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ख्या कृषि भूमि है तथा ओ ग्राम डेरा मंडी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, (1908 का 16) के ग्राधीन नारीख ग्रावत्वर 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अपने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्री हर फिशन
सुपुत्त श्री राम प्रसाद,
निवासी-ग्राम डेरा मंडी,
तहसील, मेहरोली,
नई दिल्ली

(ब्रन्तरक)

(2) श्री गुर सहाय सुपुन्न श्री दौलत, निवासी ग्राम डेरा मंडी, नई विल्ली

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विस्था किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुसूची

कृषि भूमि तादादी 20 बिघे और 10 बिग्ने, एम० नं० 96, फिला नं० 16 (4-9), 17 (4-16), 24 (4-16), 25 (4-9), और एम० नं० 115, किला नं० 4 (2-0), ग्राम डेरामंडी, तहसील, मेहरोली, नई दिल्ली

एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-6-1982

# प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारे 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून, 1982

ौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरामंडी, मेहरोली ई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण प्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली ं भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) ज्ञाधीन तारीख ग्रक्तूबर, 1981

ते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान तिफल के लिए प्रस्तरित की वर्द हैं और मुझे यह विश्वास करने एक। एक है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजिन बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्नह प्रतिगत धिक है और प्रतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) बीच ऐसे पन्तरक के लिए तय पाता गया प्रतिफन. एनजिबिन प्रदेश में उक्त अन्तरम लिखित में बास्त्विक क्या से जियत नहीं किया गया है। ...

- (5) अन्तरगाडुकिया आपको बाबा, उक्त आधिनिधम के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (का) ऐभी किसी आ। या किसी छन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय श्रायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धन-कर श्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अव, जबत अधिनियम की घारा 269-ग के सनुसरण में. जबत अधिनियम की घारा 269-व की जपधारा (1) के अधीन, मन्तिनिशत व्यक्तियों सर्घात् :— —146 G1/82 (1) श्री गुर सहाय मुपुत्र श्री दौलत निवासी डेरा मंडी, तहसील मेहरोली. नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किशन चन्द चांक राम दरीयानान सुपृत्न श्री चौथराम. निवासी, मार्फत ग्रार० डी० चन्द्रा. 13डी०/एच०, साकेत. नई दिल्ली

(ग्रन्सरिती)

को य**हं सूचनः।** जारी करक पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

अनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आखोप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन को अवधि या तत्यक्षाधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीसर छक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, मझोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मण्डोकरणः चिन्न हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,वही पर्व डोगा, को उस आख्याय में दिया गया है।

# मनस्यी

क्रुषि भूमि तादादी 3 बिघे 16 बिघ्वे, एम० नं० 56 किला नं० 13 मिन (1-19), 14 मिन (1-17), स्थापित ग्राम-डेरा मंडी, तहसील मेहरोली, नई दिल्ली

> एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1. दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-6-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीतृ सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जुन, 1982

निदेण सं० श्राई० ए० मी०/एक्यु०/1/एस० श्रार०-3/10-81/ 1220--श्रतः मुझे एस० श्रार० गुप्ता

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- 5. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी, मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रक्तूबर 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों क्त संपर्शित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बावत उवत अधि-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; मूह्य/वा
- (प) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूब्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्री गुर सहाय सुपुत्र श्री दौलन, निवासी ग्राम, डेरा मंडी. मेहरौली, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री किशीन चन्द चौथराम दरीयानानी मुपूत्र श्री चौधराम, निवासी मार्फत श्रार० डी० चन्द्रा, 13-डी/एच, साकेत, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की अविधि या तत्सम्बधी मानित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झंजधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्प्रदेशिकरणः --- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## जन्स्ची

कृषि भूमि ताबादी 3 बिषे 13 बिण्ये, मुस्तातील नं० 56, किला नं० 7, ग्राम डेरा मंडी, तहसील, मेहरीली, नई दिल्ली।

एस० भ्रार० गुप्ता सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-6-1982

## प्रकृप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्पीन सुम्ता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु/1/एस० श्राप्त० 3/10→ 81/1221→अत: मुझे एस० श्राप्त० गुप्ता

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरामंडी, मेहरोली नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाध्व भनुसुची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 19) के श्रधीन तारीख शक्तुबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्वरयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वरयमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिसित उद्वरेष से उक्त अन्तरण निम्नलिसत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व कें कमी करने या उससे चचने में सृथिधा के लिए; बीद्ध/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुस्र-रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन निम्निसिल्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री गुर सहाय सूपुत श्री दौलत, निवासी-ग्राम-डेरामंडी, मेहरोली, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री किशीन चन्द घोषगम दरीयानानी सूपुत्र श्री चौषगम माफत ग्रार० डी० धन्द्रा, निवासी 13-डी/एच; साकेत, नई दिल्ली (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों क्स सम्प्रित् के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नुया ही।

## जनसूची

कृषि भूमि तादावी 4 बिथे केवल, मुस्ततील नं० 56, किला नं० 8; ग्राम-डेरामंडी, तहसील, मेहरोली, नई दिल्ली

> एस० म्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जनरेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली च 110002

नारीखा: 11--6--1982

मोहर 🕉

## प्रकप भाईक टीक एनक एसक------

यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/10-81/1222---श्रत: मुझे एस० ग्रार० गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया है), की धास 269 म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या ग्रांप भूमि है तथा जो ग्राम हेरा मंडी, मेहरोली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण एप से बणित है), रजिस्ट्रेकर्त्ता ग्राधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख श्रक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रत् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बौड/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण मों, मों, उक्त जिभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को सभीन निम्नलिखित स्यक्तियों भूभीत् हिल्ल- (1) श्री गुर महाय सुपुत्र श्री वौलत, निवासी डेगमंडी, मेहरोली, नई दिल्ली

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री किशीन चन्द चीयराम दरीयानानी सुपुत्न श्री चीथराम मार्फत श्राग्ठ डी० चन्द्रा, 13~डी/एच, साकेत, नई दिस्ली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त यब्दों और वदों का, जो उक्त मधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध क्षोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुसूची

कृषि भूमि तादादी 5 बिषे 14 बिष्ये, मुस्तातील नं० 56, किला नं० 9, ग्राम-डेरामंडी, तहसील-मेहरौली, नई दिल्ली

एस० ग्रार० गुप्ता सक्षम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

- नारीखा : 11−6−1982

# प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून, 1982

सं आई० एसें सी ०/एक्यू/1/एस० ग्रार०-3/10-81/ 1223,—श्रत: मुझे एस० ग्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम छेरामण्डो, महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 81

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्तृ प्रतिफल का पन्तृ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाचा गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्वविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी अगय की शबर, उक्त जिम्मियम के अभीन कर बोने के जन्तरक के वासिटब में कमी करने या उससं स्थाने में सुविधा के सिए; जौर/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों को जिल्हा भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा को निए ।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिख्त व्यक्तियमों, अधित ६--

- श्री गुरू हाय सुपुत श्री वौलत, निवासी ग्राम डेरामण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रो किशीन चन्द चौथराम दरीयानानी सुपुत्र श्री चौथ नाम, मार्फत श्रार० डी० चन्द्रा, 13-डी /एच०, साकेत, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पह्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं सूर्य होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अमृत्यी

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे 2 विश्वे, मुंस्तातील नं० 56, किला नं० 6/1, स्थापित ग्राम डेरा मण्डी, तहसील मेहरौली, नई दिल्ली।

एस० ब्रार० गुप्ता, संक्षम ब्रधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजन रेंज-1, विल्ली

तारीख 11-6-1982 **मोह्र**: प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

## भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, गई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून, 1982

सं आई० ए० मी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/10-81/ 1268---अतः मुझे एस० आर० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रजोकरी, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पित्त के उचित बाजार सं कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब्, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री हाती सुपुत श्री णिण राम, निवासी राजीकरी, नई बिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्री चरन सिंह सुपुत्र श्री हाती, रतन लाल सुपुत्र श्री हाती निवासी ग्राम राजोकरी, नई विल्ली। (भ्रन्सरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

किंप भूमि ताबादी 9 बिघे 11 बिग्धे, खसरा नं 837(7-3), 1658/2(2-8), ग्राम राजीकरी, नई दिल्ली तहसील महरीली, नई दिल्ली।

एम० श्रार० गुप्ता, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख: 11-6-1982

मोहरः

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 4**3) की भा**रा 269-च (1) के मिन्रीन सूचना

**भार**त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 11 जून, 1982

मं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/एम म्रार०-3/10-81/1277----म्रतः मुझे एस० म्रार० गुप्ता,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इस के पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

न्नीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजोकरी, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख श्रक्तूबर, 1981

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वसास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐंगे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर अन्तरिक (अन्तरिकों) धौर अन्तरितो (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अद उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः ——

- शिमनो सारती विधवा श्री शिण राम, राम नरायण, मांगें राम सुपुत्रगण श्री शिण राम, शान्ती देवी, मोहन देवी सुपुत्री श्री शिण राम, खींमा खुशिया सुपुत्र श्री दौलत, हंस राम, लखिम चन्द, हरिया सुपुत्र श्री मोहन, निवासी, ग्राम न्जोकरी, नई दिल्ली (श्रन्सरक)
- श्रीमित छोटी देवी पत्नी राम नरायण,श्रीमिती साविर्ता देवी पत्नी श्री मांगे राम, धर्मवीर सिंह सुपुत्र श्री हंस राम, फुला देवी पत्नी श्री हंस राम, प्रकाश, चन्द, भीम सिंह, रोशन मुपुत श्री लखमी चन्द, निवासी ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली।

(श्रन्तरितो)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त मम्यत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, की भीतर पृवाकत व्यक्तियों में ने िली व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- विद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निध-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुखी

कपि भूमि तादावी 15 सिघे श्रीर 13 सिख्वे, खसरा नं॰ 646(4-16), 647(4-16), 653/1(1-1), 654/1(4-9), 1095/6(0-11), ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली।

एस० द्यार० गुप्ता सक्षम द्रिधिकारी, सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) द्राजन रंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखा: 11--6-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून, 1982

सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार०-3/10-81/ 1127—-भ्रतः मुझे एस० म्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण कृष से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अन्तूबर, 1981 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कम से किथित महीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

मतः मब, उक्त मिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्री जागे राम, गोवलिया हुन्ना सुपुत्र श्री फकीरा, निवासी ग्राम वेवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. एस० हिम्मत सिंह सुरुत्र स्वर्गीय एस० बलवन्त सिंह निवासी-2475 बस्ती पंजाबीयन, सब्जो मण्डी,दिस्ती (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से ' 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ख्या है।

# मनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे श्रौर 16 बिश्वं, खसरा नं 12/4, स्थापित-ग्राम-देवली, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

एस० श्रार० गुप्ता सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली,न**ई** दिल्ली

तारीख: 11-6-1982

# प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस०--

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० ग्रार० 3/10-81/ 1128—∼त्रतः मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,

मायकर ग्रिमिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिमिनयम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

र्श्वीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, मेहरौली नहीं विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं). रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल्ल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करनें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उक्त ग्राधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्राँग/ग्रा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उपत श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविद्या के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--6---146GI/82

- श्री जाने पाम, गोविलया हुआ सुपुत्र श्री पकारा, िवारी गाम वेनलं , तल्कीत गोवरीची नहीं विस्ता । (मनारक)
- एस० सुरिन्दर पाल सिह भुपूत स्वर्धीय एस० बलबले सिह निवासी 2175 वस्ते पंजातियने स्टबी सन्द्रा, दिल्ली।

(ग्रन्तिभनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस सूचना क राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तरसम्बन्धी ग्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ने किसी ग्यक्ति व्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए ना मर्कों।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रवि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस सहसाय में दिया गया है।

कृषि भूमि नादादी । बिधे और 16 बिखे, उसरा नं० 9/24, स्थापिन ग्राम देवली, तहमीत मेहरौली, नई दिल्ली

> सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 11-6-1982

महिः :

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्**प**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जन '982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्ट्र/ ।/एस० श्राप्त०-3/10-81/ 1130--- प्रत: स्झे एस० श्राप्त गण्सा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भ्रोर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, मेहरीली, नई दिल्ली में स्थित है (गौर इससे उपाबक अन्यूर्ण) में पूर्ण काम बोणा है), रिजम्हीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में रिजम्हीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अक्तूबर 81

को पृत्रींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिष्टफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्सियक रूप में किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की धायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में ग्विभा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (।) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री कार्य पाम, गोदिलाग हुआ सुपुत श्री फक्षीय, निवासी ग्राम देवली, तहम र महरोली, गई दिल्ली : (ग्रन्थरक)
- 2. एम ० कुलबंग्य सिष्ट सुपूत्र स्वर्गीय एम ० वलबना सिर्ध 2/75 बस्तः पंजाबीत्यतः मध्जी मण्डाः विस्तिः। (अस्तिरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रयों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

#### अनुसुची

कृषि भूमि ताबादों 4 बिध ग्रीप 12 बिश्वे, खसरा नं० 9/23/2, स्थापित ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली

ाम० आर० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज्-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीखाः 11-0-1982

मोहण:

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . ------

# बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्शन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 11 जून 1982

निर्देश सं० प्रार्थं० ए० सः०/एक्यू/1/एस०। श्रार०-3/10-81/ धार्थं । 1129—-श्रतः मुझे, एस० श्रार० गुप्ताः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीण जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, नर्ह दिल्ली में स्थित है (श्रीण दस्म उपावध सनसूची में पूर्ण रूप से अणिन है), रजिस्ट्रीकर्ता शिक्षकार, में कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तुबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतित्त्र के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) ओर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं, अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपआक् (३) के अधीन, निग्नलिखिल अधिकायों, अधीत्ः~~

- श्री जागे राम, गोदिलया हुआ पुत्र श्री फिकीरा, निवासी ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- एस० हरदयाल सिंह सुपुत स्वर्गीय एम० बलबन्त सिंह निवासी 2475 बस्ती पंजाबीयन, सन्जो मण्डी, नई दिल्ली-7।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी .व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या ह<sup>4</sup>।

## अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 विघे श्रीर 16 विख्ने, खसरा नं 9/17, स्थापित ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई विल्ली।

एम० ग्रार० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयक**र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ना**रीख**: 11-6-1982

माहर:

ri<del>da de</del> e

प्ररूप आहूरे.टी.एन.एस.-----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

याँ र जिसका संख्या कृषि भूमि है नथा जो ग्राम महराँकी कि विश्वा है (ग्राँग इससे उनाबद्ध अनुसूची में भ्राँग पूर्ण रूप से कियात है (ग्राँग इससे उनाबद्ध अनुसूची में भ्राँग पूर्ण रूप से कियात है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय पिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीष्ट्र श्रवत्वर 1981। को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कार के ख्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिकाल से, एसे ख्रयमान प्रतिकाल का पन्त्रह ग्रीतशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथात नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निकालिसिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्रीमती मन्तीप भुमारो पत्नी श्री ग्रंगद कुमार, निवासी बाध दिवार, दिल्ली।

(ग्रन्तरकः)

2. श्री कृशन लाल नागपाल मुपुत्र स्वर्गीय श्री खोला राम एलीयाम पीठ डी० नागपाल निवासी मी० 103, ग्रेटर कैलाश, भाग-1, नई विरुली।

(अस्तिरिनी)

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

कृषी भूमि तादार्धः 2 बिघे और 11 बिश्वे, एम० नं० 45, किला नं० 15/1(3-1), एम० नं० 46, किला नं० 11/1(3-15), प्राम महरौली, तहमील महरौली, नंडी दिल्ली।

सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली। प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्राजन रेज-1, नई दिल्ला

नर्दं दिल्लोः, दिनाकः 11 जून 1982

स० क्राई० ए० मी:०/एक्यू/1/एम० क्रा४०-3/10-81/ 1262:---श्रत. मुझे एम० ब्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसको संख्या कृषि भूमि है तथा जो प्राम महरीला, नई दिल्ला में स्थित है, (ग्रॉन्स्ट्रेक्सी उपाबद्ध श्रनुसूची में पूण रूप से बणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रदान नारीख श्रवत्बर, 81

को पृयों क्स संपित्स के उणिस बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निशियन अधीनला, अधीत, ---

 श्रीमती चन्दर वर्ती पंत्नी मोहन लाल निवामी ग्राम सैदलाजैव, तहसील महर्राला, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

 मै० कुतब इन्टरप्राइजेज, महरौली, नई दिल्ली हारा भागदार श्री सुर्वार कुमारा।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिथ् कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-दा में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

कृषि भृमि नादादो एम० न० 39, किला नं० 21(4-16) एम० नं० 61, किला मं० 1(4-16), 2 (1-8) एम० न० 62, किला नं० 5(4-16), स्थापित ग्राम महरौली, नई दिल्लो।

> सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रयाकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेजना नई दिल्ली ।

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1982

मं० आई० ए० मी०/एक्यू/1/एस० आर०-3/10-81/ 1285:----श्रतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

ष्ठायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908(1908 का 16) के ग्राधीन तारीख श्रक्तूबर, 81,

को पूर्वीकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्र है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-मियम के अधीन कर वंने के अन्तरक के दायित्व में कभी दरने या उगसे उनने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (प) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों कारे, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की जपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर  श्री भगवाना सुपुत्र श्रा श्राराम, निवासी---ग्राम---किशन गढ़, महरौली, नई विल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री हुकम चन्द गुष्ता सुपुत्र श्री राम सरन द्वास गुष्ता, निवासी—-705-ई०/6, महरौली, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

# वन्त्र्यो

कृषि भूमि तादादी 9 बिघे श्रोर 12 बिग्वे, एम० नं० 56, किला नं० 7/2(2-14), 14 श्रौर 17 मिन (2-2), 15(4-16), स्थापित ग्राम $\rightarrow\rightarrow$ महर्गली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

एस० श्रार० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-1, विल्ली, नई दिल्ली •110002

.सरीख: 11-6-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 11 जून 1982

संव म्राई० ए० सी०/एवयू०/1/एस० म्रार०-3/10-81/ 1286:—-म्रतः मृक्षे, एस० भ्रार० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, कि धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय. नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन तारीख अक्तूबर 81,

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित ं बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे हर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती) (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्बरिय से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दाधित्व मा कमी करन या उससे बचने मा समिथा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री भगवाना सुपुत श्री श्रीशाम, निवास(--ग्राम-किशन गढ़, महरोला, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्रीमिती बसन्ती देवी परनी हुकम चन्द गुप्ता, निवर्ग। 705-५०/6, महरीली, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ज्ञवत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मच्छोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

कृषि भूमि तादादी 10 बिघे ग्राँर 11 बिघ्वे, एम० नं० 55, किला नं० 10(2-16), 11(3-19), एम० नं० 56, किला नं० 6(3-16), स्थापित ग्राम महरौनी, नई दिल्ली।

> एस० स्रार० गुप्ता सक्ष्म.प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) स्रजन रज-1, विल्ली, नई दिल्ली-11002

नारीख . 11-6-1982

प्ररूप आह्री. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जुन 1982

मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/10-81/ 1131:—- अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रार जिनको संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सतवारी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रानुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), एजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन तारीख श्रक्तूबर 81,

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके र श्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप में कथिन नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः— 1. मैं० बनारसी दास चिका एण्ड कीस, डी०-18, लाजपत नगरना।, नई हिन्दी।

(अन्तरक)

2 मैं० श्रंभन हार्जामगं एण्ड इस्टेट्स प्रा० लि० ।15 श्रंभल, भवन, 16-फे० ची० गार्ग, तर्ज दिल्ली।

(ग्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूत्रीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 9 विघे श्रीर 19 विघ्ये, खसरा नं० \*829(3-10), 830 मिन (2-06), श्रीर 831 मिन (4-03), ग्राम सतयारी, नई दिल्ली।

> एस० आर० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारोख: 11-6-1982

प्रहरप आद्दे टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-थ (1) के अभीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) यर्जन रेंज, नई तिरुक्षी

नई दिल्ली. दिनांक 🕕 जून 1981

सं० ग्राई० ए० मी०/एक्य०/1/एस० ग्रार०-30-81/ 1132:—ग्रतः मुझे, एस० ग्रार० गुप्ता,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर मंपिल, रिशका उणित वाजार मूल्य 25,000/रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सतवारी, नई विस्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीएक्ती ग्रीधिकारी के कार्यावय, नई विस्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख श्रवतुवर 81,

को पूर्वो निर्दे संपति। के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृत्रोंकन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का श्रंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बुभने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना महिए था, छिपान मा स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में. उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--7—14601/82

- 1. श्राः दीवक कुमार चढा भुषूत थी डा० पी चढी, निवासी डी०-18, लाजपत्त्वगर-ाम, सई तिरलें। (अस्तरक)
- मैं० संग्रल हार्जसम् एक हम्सेट्य पान विक ११६ प्रंशलः भवन, १०के० नेति गार्ग, नई जिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना तारी करते पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्योक्तयों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्ति स्योक्तयों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (श्र) इस सचना के राजपत्त में एकाशन की तारीस भे 45 दिन को भीतर लगा रथानर सम्पर्धित में विराध्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवेतुरवाकारी वे पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं [6]

# अनुसुची

कृषि भूमि तादादी 8 बिमे श्रीर 19 बिश्वे, खासरा नं० 863(4-16), श्रीर 864 मिन (4-03), ग्राम सतबारी, दिल्ली।

एस० ग्राप० गुण्ता राज्यम् पारिकारी सहायक आयय र तासुना (विश्वीक्षण) यर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

1ारी**ख** 11∽6-82 मोहर:

# प्ररूप आई' टी. एन. एस.:---

आयकर अधिगयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुनन (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1. दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून, 1982

सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार-3/10-81/ 1136:----ग्रत: मुझे, एस० ग्राप्ट गुप्ता,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षमः प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिलकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—सतबारी, नई दिल्ला, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकत्ती ग्रधिकारी के कार्यालय. नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रक्तूबर, 81

की पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती । अन्तरितियों। ये बीन मोरी अन्तर्भ के लिए तथ गया गया प्रतिफल कर निम्मलिखित उद्यास्य में उसन अस्तरित कि विश्वास के प्रस्तिक कर्मा कि किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्टिधा के लिए; . और 'या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां. किहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियार में मुदिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ए को अनुमरण में . माँ, में . उक्त अधिनियम की पाना 269-ए की उपधारा (।) अभीन, निम्नलिमित व्यक्तियों , अर्थात :---

- श्री दापण कुमार चढा सुपुत श्री डी० पी० चढा निवासी डी०-18, लाजवतनगर, III, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रा गोबिन्द लाल ढींगरा और (2) श्री हर्ग्बंम लाल ढींगरा, मुपुत श्री राजा राम ढींगरा, मार्फत श्री ग्रार० पी० ग्रनेजा, निवासी-ए०-383, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वं पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

किष भूमि तादादी 7 विघे और 8 विश्वे, के० नं० 866 मिन (3-08) और 867 मिन (4-00) ग्राम सत-

एस० श्वार० गुप्ता सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

नारीखा: 11--6--1982

प्ररूप आहे. टी. एम. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलुर, दिनांक 7 जुन 1982

सं० सि० ग्रार० नं० 33654 /81-82/एक्वि श्रप्त: मुझे, मन्जु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 3, कांबेण्ट रोष्ठ है, तथा जी बेंगलूर-25 में स्थित है, (ग्रीर इस से उपादक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्राम साउथ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **अधी**न तारीखा 12~1**0**~1981

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित की उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत् से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आध-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में **कमी करुने या उससे बचने में स्**विधा के लिए: और/या
- (ख) ए'सी किसी आयं या किसी बन या अन्य ब्रास्टियों का, जिन्हां भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपलार (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन-

A CONTRACTOR OF THE CONTRACTOR n trans i la martine la companya de श्रो जैकब चण्डी नं 8ए०, ग्रोनर्स कोर्ट नॉटोथ लेन, महोस-8।

(ग्रन्तरकः)

 श्री दावा कुमार गोस्वामी श्याम राय पूर, पोस्ट ग्राफिस, (डाकघर) डोला घोनि जि० सिबासगन, ग्रासाम । (अन्तिरती)

का यह स्थना जारा अन्कं पूर्वोक्त सर्पाता के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में हो किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयक्षत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सूची

(दस्तावेज सं० 2833 नारीख 12-10-81) 3, कान-बेण्ट् रोड, बेंगलूर-25।

> मंजु मः घवन सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलर।

नारीखाः 7--6--1982

प्ररूप आद्भै.टी.एन.एस. -----

•ामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीन समना

#### भारत सरकार

कायांलय, सहायक आयकार आयुक्त (नि**रोक्षण)** श्रर्जन रेंज , बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 ज्न, 1982

स० सि० ग्रा२० नं० 33657/81-82/बें०---यतः मुझे, मंजू माध्यवन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/ 75 से अधिक है

श्रौर जिपकी मं. 3, क्विंग्ट रोड है, तथा जो जगलूर-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूचों में ग्रौर पूर्ण रूप सं विज्ञ है). रिक्ट्रीफर्चा श्रीधकारी के कार्यालय, मद्रास लबुत, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 मा 16) के श्रिशीन, तारीख 12-10-81

को पूर्णिकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सा, एसं स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्घरिय से उक्त अन्तरण सिक्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

आधानियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उसकी ब्रचने में सुविधा के लिए; और/या

(का) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, ष्टिपाने में सृष्धि। के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखिल् व्यक्तियों, अधित् :—— 1. श्री जैकब चण्डि नं० 8, ए० बोनसं कोर्ट, मांटेट लेन, मदास-8।

(ग्रन्तरकः)

2. श्री स्मृति प्रिविकाम प्र० 25, पोस्ट वाक्स नं० 20189 टिकाने, जानिया।

(ग्रन्तरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकत्ये।

स्पच्छीक रण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो इक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृसूची

(दस्तावेज स० 2836, तार<sup>भ्</sup>ख 12-1**0-**81)। 3, कावेण्ट रोड, बेंगलुर।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर ।

तारी**ख** : 7—9—82

माहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, बंगसूर

बंगलूर, दिनांक 7 जून, 1982

सं० सि० श्रार० नं० 33655/81-82/एकवि/बें०:---यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 3, कांबेण्ट रोड है तथा जो बेंगल्र-25 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, महास, सकत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12-1 -1981

को पृषेषित संपत्ति को उषित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की निर्ह है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे हश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उष्ट्रोश्य से उचत अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त जिन्दम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्थ में कभी करमें या उससे बचने में सुबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग छो, अनुसरण भा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिक्षित अयुक्तियाँ, अधृति :---  श्री जंकब चण्डि 8 ए० बोनर्स कोर्ट, मांटीत लेन, महास-8।

(अन्तरका)

 श्री देवांानि ग्रगरवाल, 39, कनकपुरा रोड, बसवंगुडि, बेंगलूर-4।

(भ्रन्तिगती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपृक्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियां द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज नं० 2834 तारीख 12~10~81) कांबेण्ट रोड, बेंगलूर-25।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर।

ता**रीक** : 7-6-82

माहर ः

# प्रकप भाई० टी० एन० एस•----

# आंग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मधीन सुम्ता

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 जून, 1982

सं० सि. श्रार० नं० 33656/81-82/श्रक्षिक बें०:----यतः मुझे मंजु माधवन,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपृत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 3, कांबेण्ट रोड हैं तथा जो बेंगलूर-25 में स्थित हैं (ग्रौर इस से उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मग्रास सकत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 12-10-1981।

का पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एस दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किन निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण निखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत; उकत प्रक्षिनियम के ग्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी निसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयंकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनाचें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

मतः धव, उन्त प्रधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नतिनं त व्यक्तियों, भ्रायात :--- 1. श्री जेकब चण्डि 8, ए० बानर्स कोर्ट, माटीत सून, मद्रास-8।

(ग्रन्तरक)

 श्री सि० पि० परमेश्वर, सि० 2/58, सफदरजंग रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

# उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में स्माप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सुकेंगे।

स्पष्टीकर्ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>8</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

(बस्तावेज सं० 2835 तारीख 12-10-81) 3, कॉवेण्ट रोड, बेंग्लूर-25।

मंजु माधवम, सक्षम प्राधिकारी; सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगसूर।

ता**रीख 7-6-82** मोहर:

# प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) क अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण)

प्रजैन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 8 जून, 1982

सं० सि० ग्रार० नं० 62/31996/81-82/श्रविव/बें०:---यतः मुझे मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 373, I मेन, VIII ब्लाक है तथा जो 42ud कास जैयनगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1 श्रक्तृबर, 1981।

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति जिसत् बाजार मूल्य से कक्ष्य के क्ष्यमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, जसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण निम्नितिषत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में यास्त्विक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाप या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-फर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों अधृति:--

- श्री कान्तम्म राजु कोदण्ड पानी 373, I मैन,
   42n८ कास, VIII ब्लाक, जयनगर, दंगलूर-41।
   (ग्रन्तरक)
- 2. श्री डि०एस काण, तारकेश तथा मोहल प्रतिनिधि करने वाली सर्वामंगला नं० 2, 2md मेन, गोबिन्दराज नगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तार्वित से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्वाक्तयों में से किसी स्वस्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किती जन्य व्यक्ति क्वारा मुधाहस्ताकड़ी की पास लिबित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2971 तारीख 1-10-81) नं० 273, I, मेन, VIII ब्लाक, 42nd कास, जयनगर, बंगलूप-41।

मंजु साधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 8-6-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 49) की धारा 269-घ (1) की अधीन मुचना

भारत भरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगचर

बेंगलूर, दिनांक 7 जून, 1982

सं० सि० भ्रार० नं० 33658 /81-82 /श्रविविविं०— यतः मुझे, मंजु माधवन,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 3, कान्वेण्ट रोड है, तथा जो बेंगलूर-25 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबक्क ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, मन्नास संकट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12 शक्तवर, 1981

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पहुदृह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरका) तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक हथा में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनयम के अधान कर दान क अन्तरक के उपित्य में कमी करने या उसमे बचने थें सृविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-यर अधिनियम, 1957 (1937 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरियम, 1957 (1937 को स्वोजनार्थ अन्तिरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिपान में मियिधा के लिए।

जन: जब, उक्न अधिनियम की धारा 269 ग ो अगुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ल की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों, सर्थात् :---

- 1. श्री जेकब चण्डि 8, ए० बोनर्स कोर्ट मांटीत लेन, मद्रास-8। (श्रन्तरक)
- 2 नैना डि॰ कामिनि 5, हेपिस रोस बेंगलूर-5। (श्रन्यरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज़ से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पर्दों का, जो खब्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2837 तारीख 12-10-81) 3; कांबेण्ट रोड, बेंगलुर।

> मंजु माध्रयत्त, सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) सर्जैन रेंज, बेंगलूर।

तारीच: 7--6--1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 जून, 1982

सं० सि० ग्रार० नं० 62/33659/81-82/ग्रक्तिव/बें०.~~ यतः मुझे मंजु माध्यन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 3, काण्येण्ट रोड है तथा जो बेंगलूर में में स्थित है (श्रौर इससे उपावद धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास दक्षिण में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12 श्रक्तूबर, 1981

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कर्म का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण दो लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिसत व्यक्तियों, अर्थात् :--8—146GI/82  श्री जैकब चण्डि 8 ए श्रोनर्स कोर्ट मांटीट लेन, मदास-8।

(भ्रन्तरक)

 श्री कसवाल कृष्ण 4, पेमिनो ग्रल्टा मौण्ट रोड, बम्बई-26।

(भग्तरिती)

को यह सृष्यना आरी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावृर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्म**ब्दीकरणः** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

## भग्सूची

(दस्तावेज 2838 तारीख 12-10-81) 3, कांवेण्ट रोड, बेंगलूर।

> मंगु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 7-6-1982

प्ररूप आहर्. दी. एन. एस. ------

आयकर लोक्जिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 जून 1982

सं० सि० ग्रार० नं० 33661/81-82/ग्रक्शि० बें०:---यतः मुझे मंजु माधवन.

आगण्डर रिंगिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 3, कान्वेण्ट रोड है, तथा जो बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इभसे उपबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्राप्त, क्षिण में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12 ग्रक्तूबर, 1981

को प्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंक्त संपति का उचित आजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिकल से, एसे इ. उमान प्रतिकल जा पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्तिली खत उद्देष्य से उत्तर अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सृधिधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिगों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अत्र अन्त विधिनयम की धारा 260-ग हो अनुसरण में, में, उक्त अधिनिसम की धारा 260-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात १——  श्री जेकब चण्डी 8 ए, श्रीनर्स कोर्ट मांटीट लेन, मद्रास 8।

(अन्तरक)

2. श्री डि॰ सि॰ कोटारी श्रीर श्रीमती इन्दिरा डी॰ कोटारी, कोटारी हाऊस 28, कोटारी रोड, नुंगम्भाक्कम मत्रास-34।

(भ्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्यम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्षारा ज्योतस्थाक्षरी की पास लिसित में क्षिण जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, ओ उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2840 तारीख 12-10-81) 3, कान्वेण्ट रोड, बेंगलूर ।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलुर ।

तारीख: 7-6-82

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 जन, 1982

सं० सि० ग्रार० न० 62/33662/81-82:--यतः मुझे, मंज् माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 जा 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि भारा र 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 3, कान्वेण्ट रोड है तथा जो बेंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध सनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मद्राम, साउथ में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन तारीख 12 सक्तूबर, 1981

को पृशेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार गृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिवियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्निवियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्निवियों असे बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्निवियों उस्टें से उन्तर अन्तरण निम्निवियों के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्निवियों के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कर्म से किंग्यन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण म हुई किसी आम को बाधत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थान् :---- 1. श्री जेकब चण्डी 8 ए०, बोनर्स कोर्ट मांटीट लेन मदास-8।

(मन्तरक)

2. कुमारी राधिका श्रंत कन्पति मृन्सु कि पुर्वत 403. रिचमाण्ड प्लेस, 3, कान्वेंट रोड, बेंगलर-25। (भ्रन्तरिसी)

को यह सुचना जारी करके पृथाकत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2841 तारीख 12-10-81) 3, कान्वेण्ट रोड, बेंगलूर।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरोज, बेंगलर।

ना**रोख**ः 7⊶6—82

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 जून, 1982

सं० सि० ग्रार० न० 33653/81-82/ग्रक्वि/बे०:---यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 3, कांबेण्ट रोड है, तथा जो बेंगलूर-25 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के वार्यालय, मद्रास, साऊथ में रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीवीन, तारीख 12-10-1981।

को प्वींक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबक, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिसित व्यक्तियों, अधीत् स्∽-  श्री जेकब चण्डी 8 ए०, बोनर्स कोर्ट मांटीट लेन, मद्रास-8।

(ग्रन्तरक)

 कोयम्बटूर भाष्यम सुरेण 49 ए०, रेस कोर्स रोड कोयम्बटूर-641018।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्थना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्ति
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(वस्तावेज म० 2832 तारीख 12-10-81) 3, कविण्य रोड, वेंगलूर-25 ।

मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर **श्रायुक्त (निरीक्षण),** श्रजैन रेंज**, बेंगलूर**।

तारीख: 7-6-82

प्रकृप् आइ. टी. एन. एस. ------

नांबकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

ंग्रर्जन रेज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 7 जून 1982

सं० सि० मार० नं० 33652/81-82/मिक्व०/बें०---यतः मुझे मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उपित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 3, कांवेण्ट रोड है, तथा जो बंगलूर-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, मद्राम साऊथ सकत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12 श्रक्तुबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) कम्पारण से हुई किसी अध्य की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपवारा (1) के अभीन, निम्निचित व्यक्तियों ,अथीत् — 1. श्री जेकब चण्डी 8 ए०, बोनसं कोर्ट मांकाट लेन, मद्रास-8।

(भन्तरक)

2. श्री जोसफ वेरियन 401, रिचमाण्ड प्लेस, बंगसूर-251

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उभत् सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्ट्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 2831 तारीख 12-10-81) 3, कांबेस्ट रोड, बंगस्र-25।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोंज, बंगलुर।

ता**रीच**: 7-6-82

भोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 7 जून, 1982

सं० सि० म्रार० नं० 33660/81-82/म्रक्ति|ब०:---यतः मुझे मंजु माधवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 3, कान्वेण्ट रोड है तथा जो बेंगलूर-25 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ सकट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 अक्तूबर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में अमें के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे कि विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को जैंच उचित बाजार मूल्य में अमें के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे कि विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को जैंच उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के। पन्त्रह प्रतिणत अधिक है की स्रावरित (अन्तरितियों) के बीच प्रतिफल के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य प उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तवित रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण स हुई किसी आप की बाबत उक्त आध-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में शुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या श्रक्तर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम का धारा 269 ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) कुँ अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात् :-- 1. श्री जेंकब चण्डी, 8 ए० बोनर्स कोर्ट मान्टीट लेन, मद्रास-8।

(ग्रन्तरक)

 कावेरी ग्रष्पन्ना ग्रौर इन्दिरा माचिय्या 17, लिविस रोड, कुटबुन, बेंगलूर-5।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्यों वा व्यक्तियों. में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रताणन की नारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर समानि में हितबंद कियां अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण .—इसमे प्रमुक्त जड़ने और पर्ती हा, जो उक्त धिक नियम के अध्यात १००६ में परिवाधित है, वही प्रयोगीता, तो उन प्रध्याय में दिया नया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2839 तारीख 12-10-81) 3, कान्वेण्ट रोड, बेंगलूर-25।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज बेंगलूर।

तारीख: 7-6-82

प्राच्या आहुँ, ट। एन . एसं. ----

CONTROL 1 HE BROWN STOP FRANK USCONNERSENCE AND EVENT HEALTH MAINTING THE SELECTION OF THE PROPERTY AS THE

आयकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा २६०-२ (1) के अभीन सचन

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निर्क्षिण) अर्जन रेज, बंगलूर नंगल्य, दिनांक 5 जूत (982

क्षां० सि० ग्राप्त ने० 32389 /81-82/श्राक्य/वे यतः मुझे मंजु माधवनः

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमो इसके पश्चात 'खका अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. से अधिक ही

ब्रीर जिसकी सं० 2 है तथा जो लेनाई लेन, रिचमाण्ड टाऊन, बेंगपुर में स्थिप है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्या में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्थालय, णिवणी नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 या 16) के प्रयीन तारीख 23-10-1981

को पूर्वाकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मितिया के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (19<u>57</u> था 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना किलिए था. क्रियाने में गायिश को नियाः:

अतः अब, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं अज़त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

ा. श्री कें पीं टामस, 2, लेनाई छेन, रिचमाण्ड टाऊन, वंगलर-5600251

(羽尾77年)

2. भैमर्स अराफ इन्बेस्टमेण्टम नं० 79/2, बीकालिपुरम, वंगलूर-5600211 जिसका भेनेजिए पार्टनर श्री फिलिप्स लिविस। (मध्यशिती)

को यह राजना जारी कारके प्रवोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए क्किनिद्धित स्टाप हात

जन्म रांपरित के अलीन को संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तुरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों भें गे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाग सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, प्रां उनन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं दर्भ होगा को उस अध्यान में दिया गया है।

#### अनसभी

(दस्तावेज मं० 2277 तारीख 23-10-81) सम्पत्ति का नं० 2, पुराना नं० 1, लेनाई लेन, रिघ-माण्ड ट(कन, बंगलुर-560025)

> मंज् माधवन, सक्षम प्राधिकारी, यहायक श्रायकर द्वायुक्त (निरीक्षण) छर्जन रोंग, बंगलूर

नारोख: 5∼6-82

# प्ररूप आइ. . दी . एन् . एस् . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 4 जून 1982

निर्देश सं० सि० श्रार० नं० 62/32916/81-82/एक्यू०/ की०—यतः मुझे, मंजु माधवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-फ के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 670/बी०/8, है, तथा जो चामुण्डि बिहार, नजरबाद मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विज्ञत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मैसूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम ता० 25-11-1981

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्था से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभित्रियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

- (1) डाक्टर एल० के० रामराध श्री एल० कोनेनि राव के पुत, नं० 63, 8या, मेन रोड, यादविगरि, मैसूर । श्री वी ग्रार० नागराज् राव, 1602 IV कास, होसकेरि पैसुर उनके प्रतिनिधि करने वाले । (प्रस्तरक)
- (2) श्रीमती रेखा मूर्ति डाक्टरएच० सि० विष्णु मूर्ति की पत्नी नं० 41, तियोगालड़ रोड, नजरगाद मैसूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की मनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भींतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

(वस्तावेज सं० 3183 विमांक 25-11-81) नं० 670 बी०/8, चामुण्डि बिहार, नजरबाद मोहल्ला, मैसूर ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

**दिनांक**: 4-6-1982

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के स्थीन सूचना

#### भारत सरकार

र्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जून 1982

निर्देश मं० सी० प्रार० नं० 62/32197/81-82/एक्य०/ बी——यतः मुझे, मंजू माधवन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 54, है, तथा जो वाईट, फील्ड गांव, कृष्णराज-पुरम् में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, बेंगलूर साउथ तालुक में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक 15-10-1981

को पूर्मीक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत महीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उन्धर अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :--- 9—146GI/82

(1) श्री जी० एस० रामचन्द्रन श्री जी० ग्रार० मुख्या गवा के पुत्र, नं० 32, श्रगा श्रव्वाम श्रालि० रोड, वेंगलूर---560042 ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स ग्रीन फील्ड होटल्स एण्ड एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी में किए जा सकेंगे।

स्थावतीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं [1]

#### अनुसूची

(वस्तावेज नं० 3929 दिनांक 15-10-1981) घर का नं० 54, वाईट फील्ड, गांव कृष्णराजपुरम् बेंगलूर माउथ तालुक ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

दिनांक: 2-6-8,2

माहर:

# प्रस्प बाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत गरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 2 जून 1982

निर्देश सं० सी० श्रार० नं० 62/32004/81-82/एवयु०/ बी--- यतः मुझे, मंजु माधवन,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह नियमए करने का कारण है कि स्थावर राजाति, जिस्सा स्थाप करने का करने के राजाति है कि स्थावर राजाति, जिस्सा स्थाप करने के 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3112 है, तथा जो बनशंकरी II स्टेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-10-1981

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार यूल्य से काम े उद्यक्षत प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह अदिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दिय से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी शर का बाबत, उक्त लिभिनयम के अधीन तर बागे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उचत जीकी त्या या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को सुधीन, निम्नितिशित स्वितियों, अधित्:— (1) श्री जे० श्रार० भीमा राव. नं० 1, IV मेन रोड. टाटा सिल्क फार्म बेंगलूर—4 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० कृष्णम्मा श्री श्रार० कृष्णप्पा की पत्नी, नं० 16, द्वितीय कास शंकरपुरम् वेंगलूर-560004 ।

(ग्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना वे राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 3150 दिनांक 2-6-1982) 3112, बनशंकरी, II स्टेज, बेंगलूर ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलुर ।

दिनांक : 2-6-82

मोहर 🚦

प्ररूप आई.टी.एग.एस.-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 जून 1982

निर्देश सं० सी:० आर० नं० 32391/81-82/एक्यु०/बी---यत: मुझे, मंजु माधवन,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रूपए से ग्रिधिक है

स्रौ जिसकी सं े 18, मुनिस्वामप्पा लेम्राउट है, तथा जो स्रोल्ड मद्रास रोड, स्रलसूर, बेंगलूर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप सं विष्ति है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 22-

को पूर्वेक्ति सम्पृत्ति के उचित वाजार मूल्यू हो कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हाँ और मुक्के यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पन्ति का अन्तर बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफत में, ऐसे दूशानान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के जिए नय पाया गया प्रतिफन निम्नलिखित उद्देश्य से उत्ता अन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से किंबत नहीं किया गया है:——

> ग्रन्तरक ३ तुइ किसो स्राय का बाबत, उक्त ग्रिष्ठ-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर था।

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम्, का धारा 269-गृ के अनुसरण् में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री पी० एस० वेंकटस्वरन् नं० 6, चिन्नयपिल्लै स्ट्रीट, बेंगलूर ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री के० गोवर्धन दास, सी० 15, VII कास जंयमहल एक्सटेंशन बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्विति के क्यर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राब्दोकरगः--इनर्धे प्रयुक्त जब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2247 दिनांक 22-10-81) नं० 18, मुनिस्वामप्पा, लेखाउट, ख्रोल्ड मद्रास रोड, श्रलसूर, बेंगलूर।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, बेंगलुर

दिनांक : 3-6-82

# प्रस्त बाह्र टी.एन.एस.----

# श्रानकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के भ्रमीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) ग्रार्जन रोज, बेंगलूर बेंगलूर दिनांक 3 जून 1982

निर्देश सं० सी० ग्रार० नं० 62/32003/81-82/एक्यू०/

बी०--यतः मुक्षे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि रक्षात्र राम्पति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 211/17 है, नथा VIII जो मेन रोड, बैरसंद्रा, I ब्लाक, जेय नगर 35 डिबीजन, बेंगलूर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जेयनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधिन दिनांक 1-10-1981 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के तीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, जिन्म लिखत उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे स्थन में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

नतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) की अधिक जिल्लासिक व्यक्तियों अर्थात् :---

- (2) श्रीमती श्रबीदा बेगम नं० 785, जोदी बाबायगुडी चिमकपेट् स्कोयर, तुस्कूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3104 दिनांक 1-10-1981) घर का नं० 211/17, VIII मेन रोड, बैरसंद्रा, I ब्लाक, जेयनगर, 35 डिवीजन बेंगलूर ।

मंजु माधवन स**क्षम अधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्चर्जन रेजि, **बें**गलूर

विनांक : 3-6-1982

प्ररूप आइं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

बेंगलूर, दिनांक 13 मई 1982 निर्देश नं० सी० श्रार० 62/32370/81-82/एक्यू०/

र्बा--यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 98/1 है, तथा जो बलेपेट कास, लक्षमनराव रोड, बेंगलूर-53 में स्थित है (और इससे उपाबक भनुसूर्च। में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गाधीनगर, बेंगलूर में रिजर्स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शर्धान दिनांक 29-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिष्कल से एसे दश्यमान प्रतिष्कल का पन्त्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिष्कल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; अ(र/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

(1) श्रो मूलचन्द नहार श्री मंगीलाल जी नहार के पुत 98/1 बलेपेट कास, हुरियोपेट लक्षमन राव रोड, बेंगलूर—-53 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रमृतलाल सुराना, श्री शिवराजजी सुराना के पूर्व

> (2) श्रीमती पिस्ताबाई श्री अमृतनाल मुराना का पत्नो

12, । फ्लोर, मरियम्मा टेम्पल स्ट्रीट ग्रार० टी० स्ट्रीट कास

विगल्स—-53,

(भ्रन्तरिती)

- (3) (1) जी० फ्लोर :--मेसर्स देवी केमिकल्स
  - (2) II पलोर :--श्रीमती गजरा बाई
  - (3) ।।। फ्लोर :--श्री पन्नालाल पगारिया
  - (4) IV :--मेसर्स पुरनिमा कट पीस संण्टर
  - (5) V :--श्री चन्द्रेश राज लोडा

(बहु व्यक्ति, जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है) को सह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्णकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2802/81-82 दिनांक 29-10-81) घर सम्पत्ती है, जिसका सं० 98/1 जिनमें णामिल है ग्राउन प्लोर और पांच प्लोर, तथा जो बर्लपेट काम लक्षमनराव रोड, बेंगलूर---53 में स्थित है।

मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, बेंगसूर

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण न, में, उकत अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभि, निम्निसिस व्यक्तियों, अभृति :---

दिनांक : 13-5-1982

## प्ररूप आर्थे.टी.एन.एस.-----

**बायकर** जिमिनियस, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश सं० सी० स्नार० 62/32013/81-82/एक्सु०/कि:०--- यतः मुक्ते, मंजु मःधवन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम जाभिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 (1947 का सभाधक हैं।

मीर जिल्ला मं० 231 से 257 तक है, तथा जें। अंतुर रेख, बेंगलूर मिटी में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूर्या में श्रीर पूर्ण का से विजित्त है), एजिल्ड्रीकर्ता अधिकार के व योलया गांधी-तगए बेंगलूर में एजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन (दलक 13-10-1981

को पूर्वोपत सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के श्रवमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की नई हैं और मुक्षे यह विश्वास करने का जारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित को उचित वाजार मूल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से, एसे श्रवमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण ये हुई कियों आग की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नुलिखित व्युषित्यों , अधीत :---

(1) श्रीमती इन्द्रु सिधीया सं० ±11, कनकपुर मेन⇒रोड. वि० ∳व० पुरम बेंगलूर.–-4

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स श्री निधि एन्टर प्रैसस् जिसका प्रतिशिध है पार्टनर श्री बी० एन० नंबकुमार सं० 176, जी० एस० पराकेट, के० एस० लेन, एवेन्यू० रोड, कास, बेंगसुर.--2

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## वनुसूची

(दस्तावेज सं० 2473/81-82 दिनांक 13-10-81) घर संपत्ति हैं, जिसका सं० हैं 231 से 257 तक तथा जो मैसूर रोड, डिवीजन सं० 18, बेंगलूर सिटी में स्थित हैं।

चकबन्दी है:---

उ० में---कनसरवेन्सा लेन

द० में ----मैसूर रोड,

पु० में⊶—बेलि श्रीनिवास राव लेन

पुरु में—-ग्रारकाट श्रीनिवास चार स्ट्रीट ।

मंजु माधवत सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगसूर

दिनांक : 13-5-1982

प्रक्ष आई० टी० एन० एस०---श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीत मूजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, बेंगलूर

बें लूर, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/31948/81-82/एक्यू० बी०----यत: मुझे, मंजु माध्यत.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त. अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- इतये से अधिक है

भीर जिसकी सं० 13, है, तथा जो बोर बैंक रोड बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय जिवजं नगर में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 1-10-1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुजे यह विश्वास करने का लाउन है कि यशापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफान है, ऐते दृश्यमान प्रतिफान का पन्द्रह प्रतिमात से प्रधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उय पाया गया प्रतिफान, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त शिक्षित्यम के शिक्षीत कर देने के अस्तरक के दायित्व में इसी इरने या उसने बचने में सुविश्वा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी काय या किसी झन या ग्रन्य असितयों को, जिन्हें भारतीय अध्यकर ग्रिशितण्य, 1922 (1922 का 11) दा उक्त ग्रिशित्यम, या झन-कर ग्रिशित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के ज्वए;

ग्रतः अब. उक्त अधिनियम की धारः 200-ग के अनुसङ्ण में, में, उक्त धिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निस्नलिखत व्यक्तियों. अवित्।— (1) श्रामती रोमी जोमफ श्री पी० जोसफ की पत्नी नं० 13, बोर बैंक रोड, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० एच० निसर ग्रहमद
श्री एस० एम० मोहम्मद ह्यात के पुत
पी० बी० नं० 6326, जेदा, सउदी ग्ररेबिया
श्री एच० ग्रब्हुल हमीद
187, चौथा, मेन रोड, विवेक नगर
बेंगलूर—47

जिसके प्रतिनिधि हैं

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी १२० पूर्वोस्त सम्पत्ति रे ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में जकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उकत अधिनियम के अध्याय 20का में परिणाधित हैं, वहीं अर्थ होगा मी तस अध्याय में दिया गया है ।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2084 दिनांक 1-10-1981) सं० 13, बोर बैंक रोड, बेंगलूर,

जिसके पूर्व में बोर बैंक रोड है, पश्चिम में घर के नं० 14, तथा 15 के कुछ भाग हैं, उत्तर में एक प्रत्येक गली है स्रौर दक्षिण में नं० 12, बोर बैंक रोड है।

> मंजु माधवनें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलुर ।

दिनांक : 13-5-1982

मोसुर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश सं० सौ० श्रार० नं० 62/32014/81-82/एसयू०/ बी०---यतः मुझे, मंजु माध्वन.

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

भ्रौर जिसकी सं 103, है, तथा जो केंगल हनुमन्तय्या रोड बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय, बसबन्गुडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-10-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यकान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत आधक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितिक) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्स अधिनियभ क अधीन कर देने के भन्तरक क दायिश्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी कियो आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय पाएकर पश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या अस्त ब्रॉब्सिस या धन-कर प्रधानयम, 1957 (1967 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के शक्तिन, निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री एम॰ पुष्टुपा
  - (1) श्री मल्लप्पा के पुत्र
  - (2) श्रीमती नजस्मा श्री पुट्टप्पाकी पत्नी

103, केंगल हनुमन्तय्या रोड, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) एन० सी० पुट्टप्पा
  - (2) श्री एन० बाबु राज149, छटा कासविल्सन गार्डन, बेंगलूर-27

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दश्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्परकीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रष्ठमाय 20-क में परिणाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज मं० 2035 दिनांक 12-10-81) मं० 103, केंगल हनुमन्तस्या रोड, बेगलूर-27 ।

> मंजु माध**य**न सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलू०

दिनाक : 11-5-1982

## प्र**क्ष्प भाई∙ टी∙** एन∙ एस∙⊶--

भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रश्नीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक जायक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 मई 1982

निर्वेश सं० सी० म्नार० नं० 62/32394/81-82/एक्यू०/की०—्यतः मुक्के, मंजु माधवन,

बायकर ग्रिप्तिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिप्तिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 7, है, तथा जो बिक्समंगला लेश्याउट, इन्दिरा नगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, णिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, छसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मिश्रक है और मन्तरिक (अन्तरकों) भीर मन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अल्परण में हुई किसी आयं की वाबत, उक्त ग्राधि-तियम के ग्राधीन कर देने के अल्परक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रस्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त प्रधितियम, या घन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, फिपाने में सुविधा के लिए;

हतः जब, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 10—146GI/82 (1) श्री नार्बट यूस्टन मार्टिस हरटर ड्राईय स्टोन हेवन किन्कार्डियन शेरे स्काट लैण्ड श्री के० टी० मेबासटियन श्री नार्बर्ट यूस्टन मार्टिस के प्रसिनिधि करने वार्छ 16/3, रेस्ट हाउस क्रेसण्ट बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक).

(2) डाक्टर एम० बी० जोन श्रीर श्रीमती सूसि जोन होटल गौतम बेंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारां प्रधोहस्तकारी के गास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त प्रक्तिः नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस बदयाय में दिया गया है '

# मन्सूची

(दस्तावेज मं० 2182 विनांक 15-10-1981) नं० 7, बिझ नंगला ले**झाउ**ट, इन्दिरा नगर, बेंगलूर ।

> मंजु माधबन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 11-5-1982

# प्रकप आई० टी॰ एम॰ एस॰----

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन, बगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश स० सा० ग्रार० नं० 62/33209/81-82/एक्बी०/ मई०---यतः मुझे, मंजु माधवन,

आवक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है फि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 23 (एक भाग) है, तथा जो ध्रगा ध्रव्वास स्रिल रोड बेगलूर -42 में स्थित है (और इससे उपावड ध्रनुसूर्च। में भीर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारों के कार्यालय शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीनरण ध्रिधिन्यम, 1908 (1008 16) के श्रिधीन दिनांक 28-12-1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक स्वा से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दारियत्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) (1) श्रीमती प्रमाला हुल्ला
  - (2) श्री चद्र प्रकाण
  - (3) श्रोमती लेखा श्रीनियास मूर्ति 33, शालियान रोड नगरबाद मैंसूर---10

(प्रनारक)

(2) मैंसर्भ तिरुप्ति बिल्डर्स 1, मोयनविले रोड लॉग फोर्ड टबुन श्रेगलूर---25

(स्रन्तिरती)

(3) ब्रन्निंगी (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग से सम्पत्ति

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित क्, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2969 दिनांक 28-12-1981) न० 23 के० एक भाग, श्रगा श्रब्बास श्रलि रोड बेगलूर----42

> मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त •(निरीक्षण) श्रजन रेज, बंगलूर

दिनांक । 11-5-1982

प्ररूप कार्च. टी. एन्. एस.-

ध्रार्यंकर अग्निनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269**म (**1) के **मधीन सूचना** 

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, बगलूर

बगलूर, दिनाक 20 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 419/82-83—-यन मुझे डा० वि० एन० लिलकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से आधिक है ग्रीर जिसकी स० एस० ने० 381/6 है, तथा जो श्रस्टों पर्वोरिम, गावा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्व में विणित है), रजिस्ट्रोकर्ना श्रीधकारों के कार्यालय, बार्डेज में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रार्थ, न दिनाक 22-10-1981

को 'पूर्वोक्त सम्पत्ति के उ।कत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षक के लिए मन्दरित को गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यवापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रत से ऐमे दृश्यमान प्रतिक्रत का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और मन्तर्क (भन्दरकों) और मन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृष्ण निम्नजिवित उहेश्य से उक्त बन्तरूप जिवित में वास्तिक क्ष्म से किंवत नहीं किया गया है।—

- (т) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबस प्रकार धार्मि नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधिस्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; घोर/या
- (ख) एसो किसी बाय या किसी बन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय प्रश्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के मिए;

वतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में उपत अधिनियम की धारा 26% चकी उपधारा (1) हे क्यीन : निम्मिसिक व्यक्तियों , व्यक्तिः

- (1) 1. डाक्टर श्रलेक्सि निकोलो डा० कोन्सेका फर्नाडिस वेलासो उर्फ डाक्टर श्रलेक्सि अलासो
  - यान मारिया लू६स काहेंलो वेलासा उर्फ कमला कोहेलो वेलामो, प्रतिनिधि शामिला वेलासो ।

सालवाडोर डी० मुण्डी, बार्डेज, गावा ।

(भ्रन्तरंक)

(2) कलार्गा होम डिकोस गोवा, ग्रल्टो डे पर्वोरिम, गोवा, प्रतिनिधि खे कादर जोनिटो क्रोमिसियो मस्करनस, सेमिनरी श्राफ ग्रवरलेडि, पिलेरीनी, सालीगोवा,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके प्रेरीका मानि न नर्जन क लिए कार्यवाहिया करता हा।

गोवा ।

उक्त समात्ति के प्रजैत के सम्बन्त में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत पें प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीत से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होता हा, क सानर पूर्वावन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है बही श्रर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया

## मन्स्ची

(दस्तावेज स० 796 दिनाक 22-10-1981) भ्रालटो पर्वोरिम, गोवा मे स्थित 1693 स्क्वेर मीटर जगह जिसका नाम है "झंबुल गलेम" श्रौर इस जगह पर स्तिथ बिस्डिंग जिसका एम० नंम्बर है 381/16।

> डा० बी० एन० ललितकुमार राव भक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बगलूर

दिनांक : 20-4-1982

प्ररूप आहर्द टी. एन एक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-III, कलकसा

कलकत्ता, दिनाक 15 मई 1982

निर्वेश सं० 1098/ए० सी० रेज-1V /कल०/ 82-83--यतः मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी स० 24/1 है तथा जो मदनपाल लेन, कलकत्ता में स्थित है ग्नौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रलीपुर मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक 16-10-1981

को पूर्वेक्टि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किन्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनमें अचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की स्पधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः— (1) श्री विमल चन्द्र बनर्जी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीरा बोस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधिया सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्युक्त शब्दों आरे पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्वी

24/1, मदनपाल लेन, कलकत्ता, 1 के—12 सी०एच० जमीन पर मकाम ।

एम० झहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनाक : 15-5-1982

प्रकप आई • टी • एन • एस •---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रश्रीम सूचना

भारत सरकार

नार्थालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्वर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 जून 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/सी० ए० 5/एस० ग्रार० नासिक/ नवम्बर-81/708/82-83—यत. मुझे, ग्रार० के० ग्रग्रवास, ग्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की बारा 269-च के प्रधीन सक्तम प्रविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-व० से प्रविक है

ग्रीर जिसकी प्लाट न० 51 रि० स० न० 712/1/53 है तथा जो गंगापुर हाउसिंग कॉलनी में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम निबधक नासिक मे, रजिस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवस्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरित (अन्तरितयों) को बीच ऐसे अन्तरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उच्च अन्तरित सिखित में बास्तविज रूप से किवल नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, कन्त बिवियम के अधीन कर देने क्वे अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविद्या के किए। बीर/या
- (क) एसो किसी आय या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में पुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त निभिन्नमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, जैं, उक्त अधिनियब की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीम्, निम्मृतियित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री कमलेश्वर प्रसाद सक्सेना, 6 शंकर सागर, भुलाभाई देसाई रोड, बॉम्बे-—26

(मन्तरक)

 (2) श्री डग्लस डिसोजा,
 4 बैंक धाफ इंडिया बिल्डिंग हिल रोड, बान्ब्रा बाम्बे-400050

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्धों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिशिनियम, के ग्रष्टमाय 20-क में परिचाषित है, बही ग्रयं होगा, जो उस ग्रष्टमाय में दिया गया है।

# वग्स्ची

खुली जमीन जो प्लाट नं० 51, रि० स० मं० 712/1/53, गंगापुर हाउसिंग कॉलनी, गंगापुर रोड, नासिक में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5208 जो नवम्बर 1981 को दुस्यम निवन्धक नासिक के दफ्तर में लिखा है।)

श्चार० के० श्रग्नेकाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 2-6-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 31 मई, 1982

निर्देश म० श्राई० ए० सी०/सी० ए० 5/एस० श्रार० श्रहमद-नगर/प्रक्तूबर, 81/699/82-83—यत मुझे, श्रार० के० श्रग्रवाल,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उस्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० न० 214 है तथा जो मीजे केउगाव में स्थित हं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रहमदनगर में, रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक श्रक्त्वर, 1981

को पूर्वावित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गृह है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वावित सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दश्य स उक्त अन्तरण कि स्वित म वास्तित्य कप् से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसा जिला कार्य या क्रिमा तन या अन्य आग्रता कार, जिल्हा भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात —

(1) भी विश्वनाथ महादू कुलगे वस भुवन, रेलवे स्टेशन ग्रहमदनगर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शरव मनसुखलाल मुथा माणिक नगर, मुथा मला ग्रहमदनगर

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वा जारी करके पूर्वों कर सम्मृत्ति के वर्णन के जिए ' कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुसूची

खेती की जमीन जो स० न० 214 मौजे केउगाव जि० भ्रहमद-नगर में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न 2757 जो ग्रक्तूबर, 1981 को दुय्यम निबन्धक श्रहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।)

> श्रार० के० श्रग्नवाल सक्ष्म प्राध्कितर्ग सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज पूना

दिनाक 31-5-1982 मोहर

# प्रकप नाइ . टी. एन. एस ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्**क्त (निरीक्षण)** श्रर्जेन <sup>रे</sup>ज, पूना

पूना, दिनाक 31 मई, 1982

निर्देश म० आई० ए० मी०/ सी० ए० 5/एस० धार० मिल्नाव/नोवे० 81/701/82-83---यत मुझे, आर० के० अग्रवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बात्रार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

स्रौर जिसकी म० सी० एस० न० 937/112 है तथा जो गुरवार वार्ड मालेगाव जि० नासिक में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विज्ञार है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय दुर्यम निवन्धक मालेगाव में, रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक नवस्वर, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरित्ती (मन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथाया गया पितफत तिस्तिविधन उद्देश्य से उक्त धुमलरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाग्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निए,

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा २६१-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६१-म की उपधारा (1) के अधीन, निभ्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोगता भैरोश्रम गर्द गुलाम रसूल उकं झब्दुल्ला म्कादम रूम न० 11 न्यू० श्रागाखान बिल्डिंग, 1 ला० भाऊ, श्राग्रीपाडा, बाम्बे

(अन्तरक)

(2) मेमर्स इम्राहिम हाजी ए० लतीक न० 161. शनिवार बॉर्ड मालेगाव, जिला---नासिव ।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए दार्थवाहिया कारता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियो पर सूचना की नामील में 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उकन स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी प्रन्य व्यक्तिन द्वारा, अधाहरूनाक्षरी के पास लिखिन में किए ते सकेंगे।

स्पष्टीकरण. -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियागया है।

## अनुसुची

जमोन जे! सो० एस० न० 937/112 गुरवार वॉर्ड मालेगाव में स्थित है ।

(जैमे कि राजिस्ट्राकृत विलेख स० 3867 जो नवस्बर, 1981 हो दुरुयम निबन्धक मालेगाव में स्थित है।)

> न्नार० के० ऋग्रवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आय्वत (निरक्षिण) ऋर्जन रेज, पूना

दिनाव 31 5-1982 मोहर प्ररूप आइ. टी. एन . एस . ------

# भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, पूना पूना, दिनांक 31 मई, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/मी० ए० ५/एस० ग्रार० ठाणे/
जनवरी, 82/700/82-83---यतः मृझे, श्रार० के० ग्रग्रवान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मून्य 25,000/- रु. में अधिक है

ग्रींग जिसको मं० 368 ए०/ई० नं० 11 है तथा जो मोजे पांच पांखडी जि० ठाणे में स्थित है (ग्रींग इससे उपावक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रांग्ठ ठाणे में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार से कम के क्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचितः बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाए की बाबत्, उक्त जिप्पियम के जभीन कर बोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी भून वा जन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थासुः——

- (1) श्रीमती जा तीक्षई सीतारम प्रधान डॉ॰ मूस रोड, लाल बाग, ठाणे (अन्तरक)
- (2) डा० ए० के० णिन्दे चेश्रण्मेन सप्तर्भी को० श्राप० हालगिंग सोसायटो, लालबाग टाणे (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के हिन्छ् कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

## उक्त सम्परित् को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप 🕬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूच्या के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिट्स में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त औध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसुची

जमीन जो 368 ए० हिस्सा नं० 11 मौजे पांचपाखाई। त० जि० टाणे में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीइटन बिलेख सं० 52 जो जनवरी, 1982 को दूय्यम निबन्धन ठाणे के दफ्तर में लिखा है।)

> ग्रार० के० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

धिनांक : 31-5-1982

# प्रकृप आहें टी एन.एस.....

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) यजैन रंजः पूना पूनाः दिनाक 2 जन 1982

নির্বিল নাও স্থায়ত ৮০ নিংত/নিংত ৮০ 5/চনত্মাণত গলগাব/ স্বব্ত-81/706/82-83—যন দুলী, স্থাণত কত স্থায়বলন,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- म के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित , बाजार मूल्य 25,000/ रु. से बीभक है

यौर जिसकी मं० णेतगर नः० 95/10 है तथा जो निमखें। खूदे जि० जलगांव में स्थित है (और उसन उपाधक अनुमुर्ज) में में और पूर्ण का से विणित है), रजिस्ट्राकर्न प्रक्षिय रो के कार्यालय दृश्यम निवन्धक ज्ञागांव में. रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्धान दिनाक श्रक्त्वर, 1981

को पूर्वोक्त संपन्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की आकत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजमें में स्विधा के सिए; बरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की, अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की छपभारा (1) की अधीन, निम्नितिशिक व्यक्तियों, अशित् 51—146GI/82

(१) भी बाह्यां गणात मुले (३७ गर्ने, गर जनगाप

(ान्स्यकः)

(?) विपृत्व कृष्टमं जभगातः भागीदार की रमेशचन्द्र भिमाना भाई सट 153. पोलन पेट, जलगाव

(श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी कर के पूर्विक्स संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासिस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रथ्भ किसी बन्य स्थित ह्वारा, अभोह्स्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिध-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### गन्त्रभी

दमीन जो सुरु नंश (धेत गट नंश) 95/1ए० निमखही। में जिल्जलगांव में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्किला विलेख स० 3846 जो प्रयासूबर 1981 की दृश्यम नितन्यक जलगण्य के व्यक्तर में निश्वा है।)

> आगल केल अस्त्रान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रापकार अस्तिका (विरोधण) अजन रोंन पुना

दिशंक 2-6-1982 भोक्षर :

# प्रकप भाई । टी । एन । एस ---

आयकर आंशनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ **(1) के भक्षीन मूचना** 

#### **भारत सरकार**

कार्यालय, सहायुक आग्रकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 31 मई 1982

निर्देश मं० ऋष्ट्रिंग ए० की० किं। ए० 5/एम० ग्राप्य पत्रवेल/ नीव० 81/705/82-83--एन. मुझे, ज्ञाप्य के० अग्रवाल, भायकर प्रधिनिषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त अधिनिषम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन पक्षान प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/-र० से ग्रधिक है

और जिनको संव सीव टोव एसव नंव 912 और सीव हीव एसव 913 बीवन-2 में एकब्रित एक है तथा जो पनवेल में स्थित हैं (श्रीर इसले उपलब्ध श्रमुस्ति में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रीतिल्द्रीतार्ग श्रिष्ठिकारी के कार्यालय द्रश्यम सिवन्यत पनवेल में श्रीतस्त्रीकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान, रिनाक नवम्बर, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्म, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत से यधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और प्रन्तरिती (पन्तरितियों) हे बोच ऐन प्रनारण के लिए तथ पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उचन पन्तरण विख्ति में बास्तविक कप संक्षित नहीं किया गया है:---

- (६) यन्तरण स हुई किसी पात्र का बावत उन्ना प्रियम् निगम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के बायिस्य में कमी करने या उसमे जनने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य शास्तियों की, जिस्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उनन अधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, कि धारा 269-म के धनुसरण म में, सक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के निम्तिणित व्यक्तियों, अर्थात  श्री मामजी कःसलचन्द्र ठाकर एम० जी० रोड, पतवेल त० पतवेल, जि० क्लाबः

(ग्रन्तरक्)

(४) श्री रसिक पूरुषोत्तम ठनकर एम० सी० एच० सोस्क्ष्यटे पनवेल त० पनवेल, जि० कुलावा

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनन श्रधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं हो गा, जो उस श्रध्याय में विधा गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन और इमारत जो सीठ टीठ एस० नैठ 912 और 913-आठ-2, पनवेल, सठ पनवेल जिला कुलाबा में स्थित है।

(जैसे कि एजिस्ट्री हुन थिलेख मं० 130 जो नवम्बर, 1981 को दुथ्यम निवन्धक पनवेल के दफ्तर में लिखा है।)

> .ग्रार० के० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण) श्रर्जन रेंज, पुना

विनांक : 31-5-1982

प्ररूप आर्द. टी. एन्. एस.-----

# ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजिन रेंज, पूना पूना, दिनांक 31 मई 1982

निर्देश संब्ह्यायव्य्वमीव/सीव एव 5/एमव आरव हवेली- II/नवम्बर <math>81/702/82-83--यतः मृझें, ऋत्रव बेव्व श्रम्भवाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है और जिसका सं ० मकान मं० 216 है तथा जो शनिवार पेठ पुणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० हवेलो—II में, राजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, दिनांक , नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मूह्य से कम के कृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और खन्तर (अन्तरकों) भीर प्रतिरों। (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेष्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में गास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन तर दन क अन्तर के दायिरव में कमी करने या उपसे वचने में सुविधा के किए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी आप या किसी अन या भन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मसस एस० ह्वां० नाटकर एण्ड सन्स, 1204 बी०/15 शिवाजी नगर, डेक्कन जिमखाना, पुणे ---4

(श्रन्तरक)

(2) दि चेश्वरमैन, श्रो केदार सहकार। गृह रचना सस्था, 216 मनिवार पेठ, पुणे

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

ष्ठवन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:→-

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तरसंत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ले किसी व्यक्ति इतरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यध्हीकरण: ----दसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदो का. जो उक्त आधि नियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित है. बही श्रर्थ होगा, जो उस भ्रव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुलो जमीन भीर इमारत (म्रोनरशिप फ्लॅट्स) जो मकान नं॰ 216 शनिवार पेंठ में स्थित हैं।

(जैसे कि रजिस्ट्रेक्ट्रित विलेख नं० 6243 जो नवस्बर, 31 को दुरुषम निबन्धक हवैली-II के दफ्तर में लिखा है।)

> श्चार० केंऽः ग्रग्नवःत सक्षमं प्राधकारः सहायक श्रायकर श्रायुक्त ं(निरःक्षण) श्रजीन रिज, पूना

दिनांकः : 31-5-1982

সহাথ সাছিঁ০ হী০ ্দা৹ ্দা৹----

भायकर भिष्नित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (\_) के भ्राचीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) ऋर्जन रेज, पूना पूना, दिनांक 31 मई 1982

निर्देश स० आय० एसी.०/सी.० ए० 5/एम० आर० भिरज— दिस०-81/यत: मुझे, आर० के० अग्रवाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत श्रविनियम' हहा गया है), की बारा 269-ख के अधी। समय प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- हपये में स्रिधित है

स्रीर जिसके। सं ० एस० नं ० 289 हिस्सा नं ० 1-1ए० है तथा जो मी में मुजबादना-मिरज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण चय से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० मिरज — में, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० मिरज — में, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है और मृत्ने यउ विश्वा है हो कारण है कि ययापूर्वोच्य समाति का उचित बाजार मृस्य अके दृश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिशत से यिषक है और श्रम्वा प्रतिफल में, ऐसे प्रमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिशत से यिषक है और श्रम्वरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐस प्रधारण के लिए पर गर्मा प्रमान प्रतिफल, निक्तलिकित उद्श्य ते उचा अन्तरण लिखा में बाह्मिक का से किया मया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आध की बाबन जक्त प्रश्नि नियम के प्रश्नीन कर देन के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उपमे बचने में पुविधा के लिए । और/या
- (ख) ऐसी किसा प्राप्त या किसी बन या अस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या कियाने में सुविधा के लिए;

श्रत:, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (३) के प्रधीन निम्नलियित स्थितियों, अर्थात्:

- (1) श्री बापूसाहेब पिरमोंडा पाटिल श्रीर दूसरे 3 कुपवाड, तार मिरज, जिला सामली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री अमेदचन्द कुञ्गचन्द कीटारी कागवाड तार श्रथणी, जिरु बेकगांव (श्रन्तिणिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्ये<mark>वाहियां कर</mark>ता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रवेत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेण :----

- (क) इस सूचता के राजरत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दित की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रवीको व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजरंत में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहरताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वन्हीकरण:---इनमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उनत स्रधि-नियम के श्रद्भाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना, जो उन स्रह्माय में दिया गया है।

## अभ्सूची

जमान जो शित सं० नं० 289 हिस्मा नं० 1-1ए०, मीजे कुपवाड में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत कितेख मं० 2528, जो दुय्यम निबन्धक, मिरज⊸! के दक्तर में लिखा है।)

> श्राप्तः केऽ श्रग्नयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, पूना

दिनांक 31-5-82 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज. पूना

पूना, दिनाक 31 मई 1982

निर्दश सं प्राय० ए०सं:०/सं:० ए० 5/एस० ग्रार० हवेल:—11 नवस्वर:—81/703/82-83--पन मुझे, श्रार० के० अग्रवास, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिप्ता उचित बाजार पृष्य 25,000/- रुपए से ब्राधिक है

श्रीर जिसका सं० सा० टा॰ एस. नं० 921 है तथा जो सदाशिय पेट पूर्ण -30 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दुय्यम निवस्थक हथेली  $-1^{1}$  में, रिजरहाकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रयंता दिनाक नवस्थर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्टु प्रतिश्वत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिथों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से जन्त धालारण लिखन में वास्तविक कप म कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स दुई किसी आय की बादत चकत अधिनियम के अधीन कर देने के प्रश्तरता के दायित्व में कमी करने मा जनमें कचने हैं सुविधा के लिए; श्रीक/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अभ्य आस्तियों की जिस्हें भारकीय पायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर यिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधों के लिए;

अभः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निस्निणिसिन ध्यक्तियो, अधीत् :--- (1) श्राः प्रभाकर, भास्कर गार्धः530 वी०, नारायण पेठ , पृणे 30

(अन्तरक)

(2) श्री पवनकुमार पोहार, चीफ प्रमोटर, शामीता टावर को० श्रीप० हाऊसिंग सीसायरी श्रयोदित (नियोजित) 921 सदाशिव पेठ पुणे 30

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीवन सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस म्बना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवाब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्तालरी के बास सिवित में किए ता सकींगे ।

स्पक्कोक्करण :---इसमें प्रयुक्त गर्वों घीर पदी का, जी उक्ता श्रक्षितियम के घड्याय 20--क में परिभाणितः हैं, बही अर्थ होगा जी उम श्रक्ष्याय में दिया गया है।

#### अभूस्भो

प्रापटी जा मारु टाउ गुरु तर 921 नदाशिक पेट, पुना में स्थित हैं।

(जैसे कि र्राजस्ट्रीकृत विलेख मं० 5747, जो नवम्बर, 81 ती दुष्ट्यम निबन्धक हुवेलो-Ш के दम्तर में लिखा है।)

श्वार० के० **श्रप्रवाल** मक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकार श्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजैन रोज, पूना

दिनाक : 31-5-1982

ग्रह्म

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोषाल, दिनांक 🕹 जन, 1982 निर्देश सं० श्राई० ए० सो० (श्रर्जन) 50-श्रत मुझे:

दवप्रिय पन्त,

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रत. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी संब्लाट नंब 125 है, तथा जो पर बना मकान' है, तथा जो इन्द्रा गान्धी नगर कालीनी इन्दौर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान, 14-10-1981

क्षेद्रे पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उक्ष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्परित का उषित बाजार मृल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिनिक 🕶 संकथित नहीं किया गया।

- (क) अन्तरण सं <u>हुइ</u>ै कियी आय की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दासित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- 🜓 ए`सी किसी आय या किसी धन्या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में स्विधाके सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मो, मी, उयन् अधिनियस की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः --

- (1) श्री सुधाकर पिता श्री माधव राव जी 125, इन्द्रा गांधी नगर कालीनो, इन्दौर (श्रन्तरक)
- (2) श्रामतो चन्दाबाई पत्नी श्री देवराज सोनी भगत सिंह मार्ग, महू (म० प्र०) (श्रन्तरिती)

क्येयहस्थना जारीकरके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के लिएँ कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 4.5 दिन की अवधि या तल्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्डीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

प्लाट नम्बर 125 पर बना मकान जो कि इन्द्रा गांधी नग' कालौनी इन्बीर में स्थित है।

> दवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त ((निरोक्षो ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 1-6-1982

महिंग :

प्रस्प आई० टी० एन० एस०--

अक्षापकर पिष्ठितियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-**ण (1)** के अधीन सुचना

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन भेव, भोपाल भोपाल, दिनांक 4 जुन, 1982

निर्देण मं० ग्रार्ट० ए० मं≀० (ग्रर्जन) 2649—स्त्रतः मुझे, दैवप्रिय पन्त,

भायकर मिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् पत्रत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के अभीन समाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० में प्रधिक है

श्रीर जिसको मं० प्लाट नं० 4 है, तथा भी जयश्री मिण्डिकिट कालौना इन्दौर में स्थित है (श्रीर इममें उपावढ श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर, में रजिस्ट्राकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीत, 17 श्रक्यूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्तह प्रतिशत अधिक है भीर श्रम्तरक (भ्रन्तरकों) भीर श्रम्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उकत स्राध-नियम । प्रधीन कर देने हैं स्वारक है दायश्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; स्वीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

. श्रतः अब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, तक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्: --- (1) श्रामिती बाजाबाई पति कियनवन्त श्रीमिती बकुन्तला पति मेघराज निवामी 136 पन्यशिकार काचीला इन्दौर एको पास मृखत्यार मनोहरनान पिता साधराम जी निवामी सदर

( भ्रन्तपकः)

(2) श्रीमनी णान्तिदेवी पति श्री रमेण कुमार चावला निवासी 2 जयश्री मिण्डीकेट कालीनी इन्दौर ।

को यह सूचना जारी करके पृवाकित मम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उदत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्यांक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के वास निधिन में किए जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उन श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## **अनुस्**ची

जयश्चे, सिण्डीकेट कालोन, इन्द्रौप प्लाट नं ० य व उस पर भरो हुई नींव 3600 वर्गफोट ।

> देवप्रिय पन्त राजम प्राधिकारो सहायके क्राप्यभार क्रायुक्त (निराक्षी) क्राफीन रोज, भोगाल

विनां 1-6 1982 मोहरः

भारत मरकार

कार्या गि, पहारक अयकार आयका (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज, भोषाल

मोपाल दिनाक । जन, 1982

निर्देश स० आई० ए० मी० (श्रजंन)/2648——श्रत मुझे, देवप्रिय पन्त,

न्नायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मध्य प्राधिकारी की, यह जिश्लान करने का कारण है कि स्थावर मंगलि, जियका उजित बाजार मूल्य 25,000/- क० से यक्तिक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट न० 129 है, तथा जो वैराठो कालोनो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसू वो में ग्रीर पूर्ण के का से विणान है), रिजिस्ट्रीवर्ता ग्रिधिकारी के नार्यालय, इन्दौर में रिजिस्टीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रिधीन, दिनांक 30 ग्रस्तुवर 1981

को पृथ्वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है शांव मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल ग, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिवा है और भन्तरिक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरिनयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का में हिया गया है:——

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त मिल्र-जियम के शरीन तर देने ने श्रन्तरक के दायित्व में केसी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (लू) एसी निसी आय या किसी धन या मन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या त्यत भिष्ठित्यम, या धत-अर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपान में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, भिन्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) भी हुनुभाष भाषा भिना भा उँदोभाल भी चित्रामा १५ सवास्य भग इन्हा (अस्तरक)
- (2) श्रा राजकुमार पिता श्रा तज्यत का मोस्ताना निवासा 16 माणा चौ। उन्दीर (अस्वरिता)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्मेत लिए कार्यबाहियां करका है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध्र में कोई भी प्रार्क्षण :---

- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खाने 45 दिन की सर्वाच पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति उत्तर;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 किन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्तृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वध्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जा उनन धर्धिनियम के घ्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहं: धर्य होगा, जो उस धन्याय में बिया गया है।

# अनुसूची

बैराटी कालोनी नम्बर 2 यहा पर प्राट न० 129 पर बने महान पैन उत्तर तरफ । भाग 22—6 इच बाय 50 फीट

> देवप्रिय पन्त म<mark>क्षम प्राधिकारी</mark> महायक श्रायकर श्रा<mark>युक्त (निरोक्षण</mark>) फ्रजैन रेज. भोपान

दिनाक ।-6-1982 मोहर: प्ररूप आद्ये.टी.एन.एस. -- ------

कारतर प्रीयोन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 3 ज्न, 1982

निर्देश मरु ग्राई० ए० म.० (ग्रर्जन)/2647—-ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/रु में अधिक हैं

ग्रीर निराको सं० मकान नम्बर 53 है, तथा जो शोललामाता बाजार इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज्ञ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 13-10-1981

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए उन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल जिम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिम्मिलि से स्थापनियम हुए से काथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर टैने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) एा उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में उविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिषित व्यक्तियों, अर्थातः—
> -1457132

- (1) श्रीमाती माणक बाई पति सुगनमन्द पा अङ्जान्या निधासी: 55 मीनाराम पाके कार्लीनी, इन्दीर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती निर्मला बाई पति श्रा ग्रन्तकृमार दोपा निवासा 52/3 मल्हारगज इन्होर (म०प्र०) (श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविध या तत्स बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति स्वाग.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्परित में हितबद्व किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्रनुसूची**

मकान नम्बर 53 जो कि गीनलामात्ता बाजार इन्दौर में स्थित है ।

> देशप्र पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जोणास

दिनांक : 3-6 -1982 मोहर :

# प्ररूप आर्घ. टी. एन . एस . -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्च्या

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (चिरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्रज्ञ, भोपाल भोपाल, दिनांक ४ जुन, 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० मी० (ग्रर्जन)/2646----ग्रनः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), अर्थ धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्ताट नम्बर 9 है, तथा जो विजयतगर इन्दौर में स्थित है (ग्रीए उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधितगरी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, 23-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वर्ष से उकत अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कृथित नहीं किया प्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अधिनियम उक्त या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) इत्दौर बैका इस्पलाईज हार्जासम को० अपपरेटिव सोरपपटें। 5, यणवन्त निवास रोड, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री विलाप काटस्थाने पिता श्रापाद शेटस्थाने निवासी 2, भोई मीहरूला इस्दौर (ग० प्रा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपितित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोत्त से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

विजय नगर यहां पर प्लाट नम्बेर 9 का प्लाट  $40 \times 60$  फीट । जोकि इन्दौर में स्थित ।

दैवप्रिय पत्त सक्षम प्राधिकार महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) ठावैन रेक, मोधाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपध्यत (१) अं अधीन, निम्नलिखित कायित्यों, अर्थात् :---

दिनांक : 4-6-1982

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

आगकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 289-भ (1) के धधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, महायक आयकार आय्≇त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भीपाल

भोपाल दिनांक 4 जून 1982

्रियंश स० ग्राई० ए० मी०(ग्रर्जन)/2645—यत. मुझे वप्रिय पन्न

ायकर व्यधिनियम, 1961 (19,61 का 43) (जिमे नमें ६मके तस्वान् 'उक्त अखिनियम' कहा यस है, की धारा 69 ख के अधीन साम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छचित बाजार मृह्य 25,000/-ं अधिक

ीर जिसकी स० प्लाट नम्बर 17 है, तथा जो विजयनगर इन्दौर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूनी में श्रीर पूर्ण रूप से णित है, रिजर्ड्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में जिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान 3 अक्तूवर 1981

े पूर्वाक्त संपत्ति क उचित बाजार मूल्य स कम क ध्रयमान तफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मूक्ते यह विश्वाम रने का कारण है कि यथापूर्वित सपति का उचित बाजार या, उसके द्रश्यमान प्रतिफल नं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का द्रह प्रतिशत से अतिक हो और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरि (यनार्गित्यो) के निम एये उत्तरण के निए व्य प्रशा गया तफल, निमालिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्तिबिक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-रित्यम, के प्रधीन कर देने के प्रश्वरक के बायिस्य में कमी करने या उबसे बचने में खुविका के निए। और/या
- (ख) ऐसा किया आप या किसा धन था अण्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय धाय-रेर शिधनियम, 1922 (1922 का 11) या खन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अब, उक्त अधिनियम की आरः 269-ध के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभास (1) अभीन, जिम्मीलिखित व्यक्तियों, सुधीत् .--

(भ्रन्तरक)

2. श्री किरण कुमार पिता सुन्दरलाल जी खडायते नियासी 3/5 नार्थ राज मौहल्ला इन्दौर (म॰ प्र॰)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्मीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुए।

उका समामित हो समा हो सम्बना भा काई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरेंगे।

स्पष्टीकरण —-इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मों परि-भाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय भौ

## अम्स्ची

विजय नगर यहां पर प्लाट नम्बर 17 का  $40 \times 60$  फीट जो कि इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज भोषास्क

नारीखः 1-6-1982

मां**हर**ः

प्ररूप आइँ. टी. एन. एस. -----

आयकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अथीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जून 1982

निर्देश संबं श्राई० ए० सी० (श्रर्जन)/2644—यतः मुझे देयाप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके, पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नंबर 7 है, तथा जो विजयनगर इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23 श्रक्तूबर 1981

को पूर्वोक्स संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिव्क स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 इस्दौर बैंक इम्पलाईज हाउसिंग कोग्रापरेटिव सोसायटी
 प्रावंत निवास रोड, इन्दौर द्वारा ग्रध्यक्ष श्री के० सी० जैन।

(भ्रन्तरक)

 श्री दुलीचंद पुत्न श्री देवकरण गुप्ता निवासी, 28 इमली बाजार, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अभ्सूची

विजय नगर (भ्रविकसित) यहां पर प्लाट नम्बर 7 का प्लाट  $60 \times 40$  फीट इन्दौर स्थित।

देवप्रिय पन्त मक्षम ऋधिकारी, सहायक श्रायर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज भोपाल

तारीख: 4-6-1982

प्ररूप आइ . टी. एन. एस . -----

आयक्र अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (श्रर्जन) 2643—यतः मुझे देश्रप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 6 है, तथा जो विजयनगर इन्दौर में स्थित है (श्रौर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 अक्तूबर 1981

को पूर्वा क्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत संपित्त का उचित बाजार मूल्य . उसके स्थमान प्रतिफल से , ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्बेश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (अ) बुन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिल् नियम के जभीन कर धेने के जन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ज़ौर/या
- (क) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) क्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सूरिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, वर्धात् :--  इन्दौर बैंक इम्पलायज हाउसिंग कोन्रापरेटिव सोसायटी
 त्रं यशवंत रोड़ इन्दौर द्वारा श्रध्यक्ष श्री के० सी० जैन।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेशचन्व जैन पुत्र नत्थूलाल जी जैन निवासी नार्थ हरसिल्दी, इन्दौर (भ० प्र०):

(अन्तरिती)

को यह सूचन। जारो करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

विजय नगर में प्लाट नम्बर 6 का प्लाट 40 × 60 फीट जो कि इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

ता**रीख**: 3-6-1982

भाष्ट्र :

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.------

# आयकर भ्रष्टिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन) 2642—यन: मुझे देवप्रिय पन्त

स्रोयकर प्रशिविषण, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'वश्च पिश्चिम' सहा गया है), की धारा 260-ख के अधीन पश्चम पाधिकारों की, पह निश्वास करने का कार्य दे कि स्यावर पश्चिति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए में श्रीष्ठिक है

ग्रीर जिसकी सं० ख० 425/1ए णीट तं० 8 है, तथा जी कुनबी मोबेट रोड़ खंडवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय खंडवा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 ग्रक्तूबर 1981

को पूर्वीता सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान श्रतिकत के त्रम अन्तरित की गई है और युम्ने यह विश्वास करने का गतन है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूरा उत्तर प्रशास प्रतिकत के प्रतिकार से अधिक है और अन्तरम (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिकत किया तही किया गया है:——

- (क) अस्तरण स हुई किसी धाप की बावत, उक्त एखिलिय के जाति गर देने के अस्वरक के अधिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- ह) ऐसी किसी धाय था किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर अखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया एए था था किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के सिए;

ग्रतः अब, तका प्राधिनियम की धारा 369-ग के धनुसरण मे, में, अका भ्राधिनियम की वारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित ध्यक्तियों, स्थित् :---

- (1) वसन्तभाई नानुभाई टक्कर एण्ड कम्पनी के भागीदार:
  - । श्री बसन्त भाई पूत्र नात्भाई ठक्कर
  - 2 कुमारी ज्योति।
  - 3. कुमारी प्रीति पुत्री बसन्त भाई टक्कर।
    52 प्रणोक नगर, प्रठवा लाइन्स सूरत,
    गुजरात वर्तमान पता मोघट रोड़ खंडवा।
    (अन्तरक)
- (2) खंडवा कालोनाईजर खंडवा के भागीवारान
  - श्री राधाकृष्ण पृत्र मंगारामजी मेथिल -
  - 2. श्री श्रनिलक्मार पृत्र सुरेन्द्र कुमार जैन
  - अीमती सौ० सुणीलाबाई पत्नी राधेश्याम खन्डेलवाँ
  - श्री श्रमरचंद पुत्र फूलचंदजी कटारिया पंधाना रोड़, खंडवा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ना नम्पनि के प्रार्थन के प्रप्तनम्भ में होई भी भाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राज्यान में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्यस्मन्थी अविद्यामें पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में प्रकारत होती हो, के बीता पूर्वीवन वारोहाओं में से किसी बहित होता;
- (ख) इन प्चना के राजपा। में प्रकाशन का तारीक से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य अकि। जारा, प्रश्नीहस्ताक्षरी, के पास
  विक्षित म किए जा नकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्धें भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के अध्याय 20-क में प्ररिश्नाचित हैं, बहुँ अर्थ ोगा जा उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

णहर खंडवा खंडवा तरफ कुनबी मोघट रोड़ पर स्थित जमीन जो भूमि परिवर्तित खसरा नम्बर 425/1 ए की जुज जमीन है जो शीट नंबर 8 बलाक नम्बर 1 बें प्लाट नंध 44 में दर्ज हूँ जो कुल  $\frac{1}{2}$ . 2 वर्ग फुट क्षेत्र बेचा है।

> र्धवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोषाल

वा**रीख**: 3-6-1982

मासुरः

अरु प्राप्त क्यांत्र क्यांत्र का व्यवस्था क्यांत्र क्यांत्र क्यांत्र क्यांत्र क्यांत्र क्यांत्र क्यांत्र क्यां प्रस्ति सार्हे. टी. एनं. एनं, न्यांत्र क्यांत्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, महयक आयकर आयकत (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून, 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन) 2611—यनः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के शधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 425/1 ए णीट नं० 8 प्लाट न० 44 है, जो खंडवा में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर तथा पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय खंडवा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) श्रधीन, टारीख श्रक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त संपितत के उचित वाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कारने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविशा के लिए;

अत. एव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्मरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:--

- । यपन्त भाई नान् भाई ठक्कर एण्ड कस्पनी ने भागीदार
  - 1 था बनना भाई तिता नान्भाई ठकारी
  - 2 कु० ज्योति पुर्वा बयन्तमाई ठक्कर।
  - अ. कु० मीति पुत्री तसन्त्रभाई ठक्कर तित्रासी 52 द्राणीय तगर 8 लाइत्स सूरत, गु शति ।

(ग्रन्तरकः)

- 2 खंडवा कालानाईजर खंडवा के भागीदारान
  - ा. श्री राधाकृष्ण पूत्र मंशारामजी मेंथिल।
  - 2 श्री श्रनिलक्मार पुत्र सुरेन्द्र कुमार जैन ।
  - श्रीमती सो० मुशोलाबाई पुत्र राधेश्याम।
  - श्री ग्रमरचंद पुत फूलचंदर्जा नटारिया सब निवासी एवं कम्पनी का ग्राफिस नार्यालय पंधाना रोड़ खंडवा त#मील खंडवा।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यिक्तयों परें सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में पुरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

णहर खंडवा, खंडवा तरफ कुनबी में स्थित भूमि परिवर्तित खं नं 425/1 ए की जुज जमीन जो शीट नं 8 ब्लाक नम्बर 1 वि जनट नम्बर 44 में वर्ज है कुल 20222 वर्ग फट।

> देवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) श्रजन रेंज भोपाल

तारी**ख**: 3-6-1982

प्रकृष आई. टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 5 जून 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी० (श्रर्जन) 2640—श्रतः मुझे देवश्रिय पन्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा- 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रुक्त में अधिक है

जिसकी स० प्लाट नंबर 44 है, जो तथा खण्डवा में स्थित , है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण एप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खण्डवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 अक्तूबर 1981।

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यथान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोकत सम्पत्ति का उक्ति वातार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के खन्नीन कर देंगे के अन्तरक के दायित्य में कभी करने था उससे अचने में सुविधा के जिए सौर/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी घनया अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयलर भ्रधिनियम 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धनकर ग्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

प्रत. यज, उक्त प्रश्नितयम की धारा 269-ग के यनु-सरग में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निस्नलिखिन व्यक्तियों; ग्रिथीत्:— गृश्वास्त्रा भाष्ट्र पुत्र भी नान्भाई ठक्कण निवासी मोधट रोड खंडवा।

(अन्तरक)

- 2 (1) श्री नारायण दास ग्रात्मक देवनदास सिधी सिंधी कालोनी खंडवा (म० प्र०)।
  - (2) श्री वासुदेव पुत्र सुन्दरलाल, सिंधी कालोनी खंडवा।
  - (3) श्री रणजीत भाई पुत्र सोभा भाई बम्बई बाजार खंडवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवकि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचका की तामील से 30 दिन की अविध जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में ब्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी प्रम्य स्यक्ति द्वारा, ब्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पन्धीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शक्तों भीर पर्वो का, को जनन प्रधिनियम के सम्याय 20-क में परिचाचित हैं, वहीं सर्थ होगा को उस श्रुच्याय में दिया गया है।

## अमुस्ची

मोधट रोड खंडवा पर स्थित भूखण्ड खसरा तम्बर 425/ 2 एवं 425/1 के शीट तम्बर 8 ब्लाक तम्बर 1 "बी'' प्लाट तम्बर 44 तथा उन समस्त श्रवल सम्पत्ति सहित जो कि श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म तम्बर 37 जी में विज्ञित है।

> देवप्रिय पत्न्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, भोषाण

**नारीख**: 5-6-19**8**2

प्ररूप आर्के.टी.एम्.एस..------

आयुकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 5 जून 1982

निर्देश सं० माई० ए० सी० (म्रार्जन)/2639---म्रात: झे देवप्रिय पन्त

त्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें के पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है।

ोर जिसकी सं० व्लाट नं० 34 है, तथा जो उद्योग नगर चौर में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, चौर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) रिख 5 श्रवत्वर 1981

पूर्वित्त संपत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के स्थमान
फल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विस्वास करने
कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पित्त का उचित बाजार
ग, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
ग्रितिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्ती
त्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
फल, निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
तिवक ल्य में किथा नहीं किया गया है :--

- (फ) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के मधीन कर दोने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे डचने में सुविधा के लिए; जौर/मा
- ्ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः, जब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) मधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् :--—146GI/82

 श्री अर्थन्द कुमार व गदनलाल गुत्र भेकरचंद १८, प्रकाण नगर, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्रीमती ताराबाई पत्नी मोहनलाल गोयल।
  - (2) श्रीमती सावित्री पत्नी कैलाण चन्द्र गोयल निवासी 12 श्रद्धानन्द मार्ग इन्दौर (म० प्र०)।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के शास लिखिन में किए जा सकरी।

. स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>र्व</sup>, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

उद्योगनगर यहां पर प्लाट नम्बर 34 का दक्षिण भाग जो कि इन्दौर में स्थित है।

> देत्रप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, भोपान

तारीख: 5 -6-1982

मोहर

## प्रकप आहें. टी. एम. एस.-----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के मधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1982

निर्देश मं० आई० ए० सी० (अर्जन) /2638—अनः मुझे देवप्रिय पन्न

आयकर अधिनिरम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 33 व 34 है, तथा जो उद्योगनगर इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, तारीख 22 श्रक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के हिला अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारन का कारण है कि स्थाप्रोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक स्प में किया गया है:-

- (क) अन्तरण म हुइ किसी आय को शायत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सृतिधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सविधा से लिए;

अत: अब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धार 269-च की उपधारा (1) के अधीन, दिस्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थार---

- 1. आ अर्थवन्द कुमार
  - (2) श्री मदन लाल पुत्र घेबरचन्द्र निवासी प्रकाश नगर, इन्दौर (म० प्र०)।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती लक्ष्मीबाई पत्नी नारायणदाम गोयल
 श्रीमती पार्वतीबाई पत्नी रमेशचन्द जी गोयल निवासी 22. अग्रवाल नगर, इन्दौर (म० प्र०)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यव्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकिरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में एरिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसुची

म्या खंड़ी स्थित उद्योग नगर कालौरी, यहा पर प्लाट नम्बर 33 व 34 जो कि इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंगे, भोपाल

तारीखा: 5-6-1982

प्ररूप आई<sup>1</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेज. भोपाल

भोपाल, दिनाक 3 जून, 1982

निर्देश स० ऋ।ई० ए० सं।० (ऋजेन) 2637----ऋनं मुझे देविशिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० प्लाट नम्बर 56 है, तथा जो श्रीनगर इन्दीर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के वार्यालय इन्दीर में रिजर्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1008 (1908 ना 16) के श्राचीन, तारीख 14 अवन्बर 1981

को पूर्धिक्त संपत्ति के उधिक बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ए से द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण मं, मं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थीत्:--  श्री द्वारिका प्रसाद मोरोलिया ग्रादिल मैसन, पारसी मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरक)

2 श्रीमती अवशा मदन 174 श्री नगर इन्दौर (म०प्र०)। (अन्तरिनी)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस मुचना के राजपण मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वेतिन व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपिन में हितबद्ध किसी अन्य अधिक दुवारा अधहरनाक्षरी के पार लिखन में बिराग जा स्कर्ण।

स्पष्टीकरण.--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

## अनुसूची

ष्ट्राट नम्बर 56 जो कि श्रांनगर इन्द्रीर म स्थित है।

देवप्रिय पन्त रक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रुकंन रेज, भोपाल

तरीय ५-५-1982 महिर

## प्रक्षम धाई० हो० एन० एस०----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 4 जून 1982

निदंश सं० म्राई० ए० सी० (म्रर्जन) 2636---म्रनः मुझे देवप्रिय पन्त

कायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त श्रिविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिवीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रीविक है

जिसकी में० बंगला न० 59 है, तथा जो स्टेंगन रोड़ नीमच में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यीलय नीमच में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम. 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन भ्रक्तवर 1981

की प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिकंक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धारतरण से तुई किसी धाय की बाबत, उन्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के धारतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। घोर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी घन या प्राप्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, अवत अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री श्रानन्द स्वरूप पृत्र श्री जगर्दी/जनन्दर्जी कालोनी निवासी निलक मार्ग, नीमच केन्ट जिला मन्दर्सीर (म०प्र०)।

(म्रन्तरक)

2. श्री विजयचन्द्र पुत्र जगदोगचन्द्र जी गर्ग पुत्र जगदीण चन्द्र पुत्र मदनलालजी गर्ग तिलक मार्ग, नया वाजार नीमच केन्ट।

(ग्रन्तर्रता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भाजेंन के संबंध में कोई भी भाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल के 20 दिन की अविध, जो भी अविधु बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्परित में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उन ग्रध्याय में विया गया है ।

## अनुसूची

म्युनिसिपल एरिया नीमच केन्ट में स्टेशन राड़, मण्डी प्रोगण मार्ग पर स्थित बंगला नें० 59 में स्थित खुली भूमि जिसका कुन क्षेंबफल 5200 वर्ग फीट है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ऋजीन रोज, भोषाल

तारीख: 4-6-1982

मीहर :

प्ररूप बाइ रे.टी.एन, एस ु------

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायक र नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 👉 जुन, 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी० (ग्रर्जन) 2635—--ग्रनः मुझे देवप्रिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० बगला न० 59 प्लाट न० 61 है, तथा जो स्टेशन रोड नीमच से स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची से श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राक्ती अधिकारी के के कार्यालय नीमच से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रयोग, तारीख 14 प्रक्तवर 1981

को पूर्वाक्त सपित्त के उचित बाजार मृय स क्या क द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार भूदम, उसके द्रायमान प्रतिफल के, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से सकत अन्तरण निस्ति में बास्तिवक कण से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुईं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

1 जगदीम चन्द्र पुत्र श्री भगवता प्रसादर्जा कालोनी निवासी तिलक मार्ग नीमच छ।वनो।

(अन्तरक)

2 श्री विजयचन्द्र पुत्र जगदीशचन्द्रजी गर्ग पुत्र जगदीश चन्द्र पुत्र मदनलालजी गर्ग निवासी तिलक मार्ग नीमच केन्द्र।

(ग्रन्धरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीनर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

वगला त० 59, स्टेंगन रोड मण्डा प्रागण मार्ग पर स्थित खुली भूमि प्लाट त० 62 कुल क्षेत्रफल 5130 वर्ग फीट वराबर 476 68 वर्ग मीटर।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्क (निरक्षिण) ग्रजन रेज, भोपाल

अत. अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के ब्रुभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थीत:—

नारीख 4-6-1982 मोहर.

# प्रहर बाई० टी० एन० एस०------

# न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के भन्नीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यात्वय, महायक आयकर आयुक्त (निजीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भाषाल भाषाल, दिनाक 5 जुन, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० (श्रजंन) 2634—अत मुझे देवप्रिय पन्न

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के मधीर मन्नम प्राधिक रो को, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- कार्य में मधिक है

श्रीर जिपकी स० महान नं० 102 है, तथा जो नजर श्रली मार्ग उठजैन में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणिश है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, उउजैन में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारोख 26 श्रवनुवर 1981

को पूर्वीकत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यपन प्रतिकृत के निए अनिरित्त की गई है प्रौर मुत्रे यह बिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीका पन्मति कर उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का किएउ प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिनित्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पास गया प्रतिफत, निम्तिविज्ञत उद्देश्य से उका अन्तरण निज्ञित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है।——

- (क) भ्रन्तरण ने दूई िकता श्राम की बाबन श्रायकर प्रिम् नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्व मैं कभी करने या उसमे बचने मे मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किनी याप या किनी धन या घन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्निती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रत:, घ्रव, उपने घिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा के अधीन, निक्तिनिखित व्यक्तियों, अर्थान् .---- 1 श्री शंकर लाल पुत्र हरीलालजी बाकडा निवासी नजरम्बली मार्ग उज्जैन।

(श्रन्भरक)

2 श्रा सूरजमुखी देवी पत्नी कृष्ण मुरारी गृप्ता निवासी श्री राम लाज देवासगेट उज्जैन।

(ऋन्तरिती)

को **यह सूजना** जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के प्रजी के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षी :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्मात्ति में हितवद्ध किसी भूना व्यक्ति द्वारा, प्रशेदमाल शे के पास निध्वित्त में किए जा सकेंगे।

स्रक्तीकरण:—दमनें प्रयुक्त गश्दों भीर गदों हा, जो उस्त मजि-नियम के घष्ट्याप 20-क में परिमाधित हैं, बही धर्य होगा, जो उस ग्रुक्याय में विया गया है।

# अनुसूची

नगर उड़जैन नजरप्रली मार्ग पर स्थित मकान नगर पालिक निगम कमाक 102की तीसरी व चौथी मंजिल क्षेत्रफल 188.10 वर्ग मीटर!

> देवप्रिय पन्त स्क्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) - जंन रेज, भोपाल

तारीख 5-6-1982 मोहर.

# प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

## भारत सरकार

कार्यालय, महाएक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन धेतः भोषाय भोषायः, दिनांक 5 जून 1982

निदश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2633—-श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रो/िजनहीं मं० सर्व तं० 695/1 स्र हैं, तथा जो रतलाम में स्थित हैं (श्रोर इसने उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के बार्यालय रतलाम में रिजस्ट्रीकरण स्रोधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 16 स्रम्तुबर 1981

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और म्फे यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्यिक हम के किए ने किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बारत, उक्त अधिनियम को अधीन कार दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा को स्लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अपितयों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के सिए;

भतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

 श्री भास्तिलाल पुत्र छगनलाल भी डोर्ड।या निरु तस्वोलिया वाग, रतलाम।

(अन्तरकः)

 श्रीमती रोजलकृषेर पत्नी श्री चित्रमलिकी नगावत निरु पावपहाडम रोष्ट्र, पत्नलाम ।

(ग्रन्तंरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध सेद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

नानएर्ग्राकत्वर भूमि जोकि कस्वा रसलाम में सर्वे नं० 695/1 पर स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रंजन रोज, भोपाल

नारीखा: 5-6-1982 .

मोह्यः :

प्ररूप आर्ष: टी. एन्. एस् . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुवन (निर्माक्षण) श्रातंत रेत्र, भोषाल भोषाल, दिनाक 5 जन, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/2632-स्यतः मुझे देवप्रिय पन्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा. से अधिक है

ग्रार जिसकी स० ख० तं० 110 \$\frac{1}{2}\$, है तथा जी रतलाम में स्थित है (और इसमें उपावड श्रतसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित्त है), रिजड़ोक्ती श्रिधकारा के कार्यालय रतलाम में रिजड़ोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के अश्रोन, तारीख 22 श्रक्तूबर 1981

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएवोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एमें दश्यमान प्रतिफल का पत्मह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गता प्रतिफल कल निम्नलिनियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण में हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दासित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के सिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की क्रमधारा (1) क अपिन निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात :--

 में राजेशचन्द्र पुत कोशासमत की तै। विल नान्दनी चाक, रतलाम ।

(ग्रन्तरक)

समता गह निर्माण सहकारो समिति मार्था कालाम के सचिव द्वारा श्री अक्षमोहन पुत श्री बालक्षण जी। निरुग्नजन्ता टाकिज के पास, रतलाम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्वन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील सैं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी,
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिसित में किए जा सकोंगे।

-इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यो का, जो उक्त श्रीविनयम की अध्याय 20-क में पिरानीयत हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

कस्वा रतलाम को नानग्गीकन्चर भूमि खमरा नंत । 104/2।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आगकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

तारो**ख**: 5-6-1982

# प्रकृप आई॰ टी॰ एन॰ एम॰

श्रायकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल भोपाल, दिनाक 5 जुन 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/2631—यत मुझे देवप्रिय पन्त ग्रायकर ग्रीव्यनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग

है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/-

रु० में प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मं० नं० 6 : 2235 है, तक्षा जो उज्जैन में स्थित (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिल है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 24 श्रक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है प्रौर मृझे यह विष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्राधिक है और प्रम्तरक (ग्रम्तरकों) प्रौर मन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचन ग्रम्तरण लिखित में वास्तविक कर में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िक्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमम त्रचने में स्विधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या प्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्राविती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--1,4-146 GI/82

1 उत्तर जानव्ही संत पुत्रो डा० रामक्षण्यजी संत, नि० विष्यविद्यालय मार्ग, उज्जैन।

(ग्रन्तरक)

2 भौ । प्रोमलताबाई पत्नी भान्ति।लालजी। (2) श्री ग्रानिलकुमार पुत्र भान्तिलाल निवासी क्लास्त्रमेरी उज्जैन, म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यहमूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उत्त सम्यति हे अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : -

- (5) इत सुचना के राजरत र प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में के की क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूत्रता के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जा उक्त अधि-नियम, के श्रद्ध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही धर्य होता, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनसची

मोतीलाल नेहरू नगर दशहरा मैदान उज्जैन स्थित मकान नं० 6 2235 न० पा० नि० ऋ० 71 का पश्चिम दिशा जाला भाग।

> देवप्रिय पत मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), ग्राजैन रेज-भोपाल

मारी**च** : 5-6-1982

# प्ररूप नाई. टी. एन्. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1982

निर्देश मं० भ्राई० ई० सी०/श्रर्जन/2630—यतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० ख० नं० 149 है, तथा जो ग्रा० नागूखड़ी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रक्तूबर 1981

को पूर्वोक्स सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- जन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिवक अप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबर उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निभनीलिक क्राव्यसमां, अर्थात्:-- श्री फिरोजहुसैन पिता सैयद लुतुफ श्रली नि० नि. श्री श्राबादी, गली नं० 1, देवास।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री ईश्वरदास पुत्र मोहनदास ।
  - (2) श्री टीकमदास पुत्र चुन्नीलाल।
  - (3) तुलसीराम पुत्र खुबचंद नि० कबि कालीदास मार्ग, देवास।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा कित सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पब्दीकरण:--प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ग्राम नागूखेड़ी तह० देवास स्थित खसरो० नं० 149 पर स्थित भूमि।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंन्ज, भोपाल

तारीख: 5-6-1983

प्रस्प बाई । टी । एव । एव । एव ।

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-भ (1) के प्रभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 जून, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/2629—यतः मुझे वेवप्रिय पन्त

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सभम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भौर जिसकी संवनंव 149 है, तथा जो गाव नागूखेड़ी में स्थित है। (भौर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, देवाम में रिजस्ट्रीकरण धर्धिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीखा 19 मक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है...—

- (क) अन्तरण मे दुई किसो ग्राय की वावत, उक्त ग्रिध-नियम के अधीन कर देने के खन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के जिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घरेय ग्रास्थिकों को जिन्हें भारतीय धाय-कर घिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या घत-कर घिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें घरेदारी द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उन्त प्रक्षिनियम की भारा 269-ग ने प्रनुसरण में, में,, उन्त प्रक्षिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्त व्यक्तियों भूषीत् उ— 1. श्री फिरोजहुसैन पिता सैयदतुफग्रली, नि० नई ग्राबादी मं० न० 23 देवास।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री ईश्वरदास पिता मोहनलाल।
  - श्री टीकमदास पिता चुन्नीलाल।
  - (3) श्री तुलसीराम पिता खुबचंद नि० किव काली दास मार्ग, देवास।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्य सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकोप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख । 45 दिन की अर्वाध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को नामीन से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वी के व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की वारी का । 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर मन्यत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

हराठदोक्तरण।—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जा उनत भाई-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्ची

ग्राम नागूखेड़ी तह० वेवास स्थित खसरा नं० 149 की भूमि।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, भोपाल

तारीखाः 5-6-1982

मोह्नरः

## प्ररूप आहूर. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनाक 5 जून 1982

निर्देश म० भ्राई० ए० सी०/म्रर्जन/2628—यत मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वान करने का स्थित है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुज्य से अधिक है

स्रौर किसकी के स्व न० 149 है, तथा जो ग्राम नागूखंडी में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अतिरित की गई है और मुभी वह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्दृष्ट्य से उक्त अन्तरण लिसित मे बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से **हुई किसी** आय की बाबस, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्शियत्य में कमी करन या उसस बजने में सृविधा के सिए, और/या
- (क) एसी किसी प्राय या किसी भन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म स्विधा के लिए;

अतः बरं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तितयों, अर्थात :-- 1 श्री फिरोज हुसैन पिता लुतुफ श्रली मुसलमान निवासी म० न० 23 नई श्रकादी, देवास।

(भ्रन्तरक)

- 2 (1) श्री ईश्वरदास पिता मोहनलाल।
  - (2) श्री टीकम दास पिता चुन्नीलाल ।
  - (3) श्री तुलसीराम पिता खुबचद निवासी कवि कालीवास मार्ग, देवाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हितबक्भ किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिया गया है।

## अभूसूची

ग्राम नागूखेडी स्थित खसरा न० 149 की भूमि।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपास

तारीख 5-6-1982 मोहर प्ररूप आइर्द. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/भ्रजेन/2627—यत. मुझ देविष्रिय पन्त

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० खा न 1064 है, तथा जो ग्राम नीमच में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नीमच में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12 श्रक्तूबर 1981

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिपन्त के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्घेषय से उक्त अन्तरण निम्तियों के स्थित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्धि। के लिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त ऑक्षीनयम की धारा 269 ग के अनुमरण में उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- भा कालृराम (पताः अतरायो गवाला, निवासी गवालटोली परगना, नीमञ्जा।

(ग्रन्तरक)

2 श्रामती गीतादेवीं ग्रंमप्रकाणजी ग्रग्नवल निवासी, छावनी नोमच

प्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने विसी व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी को पास लिखित में विष्णु जा सकोंगे।

स्पक्टीकरण :---इसम प्रयुक्त व्वतं और पर्वो का, जो उत्तर अधिनियम के कथ्याय 20 क में गरिभाषित है, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्वी

ग्राम नीमच भूमि खसरा निर 1064।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयक**ार आयुक्त (निर**क्षिण)** श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-6-1982

प्ररूप आह दी. एन एस.------

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) क अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, भोपाल भोपाल, विनाक 5 जून 1982

निर्वेश स० श्राई० ए० सी०/ध्रर्जन/2626---यत मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

भौर जिसकी स० न० 1069 है, तथा जो ग्राम नीमच में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नीमच में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रिधीन, तारीख 12 श्रक्तूबर 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एम द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनरको) और अतरिती (अन्तरितियो) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा कलिए, और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अंत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसित व्यक्तियों, संभित्:--  श्री कालूराम पिता चतरा गवाला गवालटोली परगना नीमच।

(ग्रन्तरक)

 श्री रामेश्वरलाल पिता मोहरीलाल जी ग्रग्नबाल छावनी नीमच।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

## मनुसूची

ग्राम नीमच स्थित खसरा न० 1069 की भूमि।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-6-1982 मोहर . प्ररूप भाई० ठी० एत० एस०--

न्नाय कर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की सारा 269-म (1) के श्रधोन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जून 1982

िनर्देश स० भ्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/2625—यन मुझे देवप्रिय

भागकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रममें इसके पश्चात् 'उनत प्रधितियम, कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उति । जाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं 1064 एच० 1070 है स्था जो नीमच में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नीमच में रजिस्ट्रीकरण श्रिधतियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीत, तारीख 12 श्रक्तूबर 1981

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे ये? विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐ वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिकं है आए सन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरिप्तों) के वी विषे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिधि विशेष म उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक एव से विशेष नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत उबत ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——  श्री कालूराम पिता चतरजी गत्राता निवासी गवालटौली परगता नीमच।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती शकुन्तला देवी धर्मपत्नी कैलाशचन्द्रजी प्रग्रवाल छावनी नीमच ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में पकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या त-संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में पमापन होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की नारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य कावित हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्तरगः -- - इसमें प्रयुक्त गब्दो घौर पदो का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी अर्थ होगा, जो उस ग्रध्यार में दिया गया है।

# अनुसूची

बयभूमि नीमच खसरा नम्बर 1064 में से रक्तबा-421 व खसरा नम्बर 1070 में से रक्तबा 0-327 ग्रारी लगान 2-55 पैसे।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 3-6-1982

प्ररूप आई० डी० एन० ऐस०---

# ग्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के धधीन सूचना

भाद∈ सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनाक 3 जुन 1982

निर्देश स० श्राई० गै० सी०(ग्रर्जन) 2624—यत. .मुझे देवप्रिय १ पन्त

आयकर प्रशिविषय, 1961 (1061 आ 43) (िसे इसमें इसके पण्चान् 'उच्च प्रिविताम' कहा गया है), की बारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राणिकारी की गई विच्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विस्का उचित वाजार मूल्य 25,000/-र• में प्रविक है

श्रीर जिमकी सं० 13/1 है, तथा जो दुवे कालोनी में स्थित है। (श्रीर इसमें उपावढ़ अनुसूची ने श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कथिल्य, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 13) के श्रधीन, 19 अन्तूबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूस्य से कम के दृश्य सन्
प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और भूको यह बिग्यास तरने
का फारण है कि स्वापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गूस्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्रियमान प्रतिफल का मन्त्रह
प्रतिश्वत से प्रतिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरम के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिक्षित उद्देश्यों से उक्त पन्तरम लिखिन में
बाह्नविक कप से कविन नहीं किया गया है।——

- (क) नन्तरण से हुई निसी शाय की **बावत** उक्त आधि-नेयम ने संधीन का देने के सन्तरक ने वास्तिय में कसी करने या उसने वंशने में सुविद्या के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय घायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या खनत अधिनियम, या अन कर अधिनियम, 1∋57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ।या या विस्था जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के निए।

अन्तः अव, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग को, अनुसरण में ,मैं, उक्त अधिनियम की धार्य 269-म की उपभार्य (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियां अर्थात् :—-  श्री कृपालिसह पुत्र भरदार भिह भाटिया 17, दुवे कालोनी, इन्दौर

(श्रन्तरक)

 श्री किशोर पुत्र चंदीरामजी श्रशोक नगर, इन्दौर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भाषीप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी बन्य व्यक्ति डारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंबे ।

स्पद्धीकरण। ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बोर पर्वो का, जो एकत अधि-निवम के अध्याय 20-क में परिचाचित हैं, वही प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

दुवे कालोनी इंदौर प्लाट नं० 13/1 उत्तर तरफ का भाग।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायक्त) अर्जन रोज-भोपाल

दिनांक 3-6-1982 मोहर:

## प्रकृष बार्षं दी पुन पुरा ,------

(1) श्राके० एस० बशीर अहमद

(अन्तरक)

(2) श्री टहेर एम० ब्रावारवाल

(अन्तरिता)

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-थ (1) को अभीन सचना

## मारव बरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेज 2, ग्रहमदाबाद
मद्राम, दिनांक 3 जून 1982

निदेश सं० 3/ग्रक्टूबर/81 असः मुझे सी० श्रार० रविभन्दन,

नायकर निर्मायम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उनत् निर्मायम् कहा गया है), की भारा 269-च से नभीन समम् प्राम्थिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उनित नाजार मून्य 25,000/- रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० 125, तम्बुचेट्टो स्ट्रीट मद्रास-1 है, जो मद्रास नारत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाव्छ में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधनारों के तार्यालय मद्रास नारत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रीधन (डाकुमेंट सं० 3762/81) दिनौं 36-9-81

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफाल से, एसे रूरयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अजरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्च के लिए तय पाया गया प्रतिफाल कि निम्नितियों) के बीच एसे अन्तर्च के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नितियाँ। के बीच एसे अन्तर्च के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नितियाँ। के बीच एसे अन्तर्च के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नितियाँ। के बीच एसे अन्तर्च के लिए तथ पाया गया प्रतिम्मित उद्देष्य से उच्न अन्तरण निचित्त में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई िक मी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य गैं कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ज) एंदी रिकाली जान वा किसी भन या नाम्स्तरी को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या भनकर निधिनियम, या भनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या था वा किया जाना चाहिए था जियाने में स्वित्य के दिवस्त

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिबित व्यक्तियों क्षित्:——
15—146GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

## उनत् सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सुमान के प्रामपण में प्रकाशन की तार्यांच से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमान की तामील से 30 दिश की व्यक्ति, जो भी अविभ वाद में सुमाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोंक्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपृत्ति में हित्बवृष किसी बन्य व्यक्ति दूवारा वशोहस्ताक्षरी के पास निलखित में किए जा सकनेंगे।

स्पद्धीक रणः -- इसमें प्रयुक्त क्षन्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित हौ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया

## वनुसूची

भूमि और निरमाण—125. तम्बुचेट्टी स्ट्रीट मद्रास-1 (डाकुमेट स० 3762/81)

> सी० ग्राग्ठ रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रोज 1, मद्रास

नारीख 3-6-82 मोहर: प्रकृप आइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार अध्युक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्रास, विनोक 8 जून, 1982

निदेश सं० 26/श्रक्तूबर, 81---यतः, मुझे, सी० श्रार० रवि-चन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० सं० 165/4, श्रलगापुरम गांव सेलम टालूक है, जो जे० एस० ग्रार०-I सेलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावस ग्रमसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित्त है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 (डाकुमट सं० 6961/81) के श्रधीन दिनौंक 20-10-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रिक्तिस के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि श्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नितिस्त उद्दर्भ में उक्त अन्तरण लिखित में नाम्तिक क्ष्य से किथा नहीं किया गया है'--

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृजिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिस व्यक्तियों, अर्थात--- (1) श्रावी० एलूमलै

(ग्रन्सरक)

(2) श्री ए० एम० एमसमी श्रीर श्रद्धस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक ्वॉक्न समात्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध वाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिधि-नियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अद्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि श्रीर निरमाण—-165/4, श्रलगपुरम गांव, सेलम टाल्क—(डाकुमेटस सं० 6961/81)

सी० म्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रोंज 1, मद्रास

तारीख: 8-6-82

## ्प्रक्ष भाई• टी• एन• एस•---

# प्रायक्त**र समिनियन; 1961 (1961 का 43)** की खारा 269-षु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**म्रजन** रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जून 1982

निदेश सं० 51/भ्रक्तूबर/81—यतः, मुझे, सी० श्रार० रविचन्द्रन,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन संसाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु॰ से भ्रधिक है भौर जिसकी सं० एस० सं० 97, कोडैकानल है, जो कोडेकानल में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन (श्राकुमेंट्स सं० 452/81) दिनाक 4-11-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के विश्वत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रत्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिंजत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्द्रह् प्रतिफत से प्रधिक है भीर अग्तरक (प्रग्तरकों) और अग्तरिती (भ्रग्तिरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिये तय पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रग्तरण लिखित में वास्त्रिक का में किया नहीं किया गया है:---

- (६) अन्तरण से हुई िकसी आप की बाबत जन्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या ितसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या घककर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रान्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

मतः जवः उक्त मधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम, की धारा 269-म की छपन्नारा (1) के जभीन, निक्तिसित् स्थितवारें, अर्थात् :--- (1) श्री ए० भार० ए० कृष्णन चेट्टीयार

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोद तामस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोस्त सम्पत्ति के ग्रार्थन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप !---

- (क) इस तूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 बिन की धवधि, अं भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिचाधित है। बही अर्च होगा, जो छस अब्याय में दिया गया है।

## अमुस्ची

भूमि ग्रीर निश्माण--एस० स० 97, कोर्डकानल,--डाकुमेंट सं०: 452/81)

> सी० श्रार० रविचन्द्रन मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज 1, मद्रास

तारी**ख**: 8-6-82

## प्रक्य नार्च. दी. एत्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजीन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जून 1982

निदेश सं० 52/म्रक्तूबर/81---यतः, मुझे,सी० म्रार० रिष-चन्द्रन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 97, कोडेकोनल हैं, जो कोडेकोनल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कोडेकानल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन (डाकुमेंट सं० 453/81) दिनांक 4-11-81

का प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्योग्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक लग से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चाहिए था, छिपाने में सूविधा के किए;

नतः भव, उक्त जिभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

(1) श्री ए० भ्रार० के० कृष्णन चेट्टीयार

(ब्रन्तरक)

(2) श्री विनोद तामस भ्रौर श्रद्रस

(ग्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(भूमि श्रौर निरमाण—एस० सं० 97, कोडैकानल— डाकुमेंट सं० 453/81)

> मी० श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

नारीख: 8−6−82

प्ररूप आर्धः दी. एन. एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंग रेंज, लखनक लखनक, दिनाक 28 मई 1982

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्राप् संख्या डी-41/श्रर्जन--क्रत मुझे, ए० प्रसाद,

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्या 26/14—ख है तथा जो गोखले विहार मार्ग लेन लखनक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकार्र। के कार्यालय लखनक में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 20-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मौ, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिया व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री बी० ग्रार० दुवे

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती द्रापदी देवी पोहार
  - 2 शकुन्तलादेवी पोद्दार पत्नी श्रम्बिका प्रसाद पोहार
  - 3. सुमिन्ना देवी पोद्दार
  - शकुन्तला देवी पोहार पत्नी चन्दी प्रसाद पोहार
  - 5. पबन कुमार पोद्दार

(भ्रन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्होकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दो और पर्यो का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भवन संख्या 26/14 ख स्थित गोखले बिहार मार्ग लेन पीछे वजीर हसन रोड लखनऊ में सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड ग्रीर फार्म 37-जी० संख्या 7043 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रीर लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 20-10-81 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-5-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 4 जुन 1982

म्रादेश संख्या राज०/महा० म्रा० म्रर्जन/1214--यतः मुझे, वी०के० म्रग्रवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 20-21 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख 12-10-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यभान प्रतिकल से, एसे दृश्यभान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (जंदरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावस, उक्स अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अप्त: अब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री लक्ष्मीलाल पुत्र भंबर नाल निवासी उदयपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मनोहर बाई पत्नी श्री राजमल निवासी उदयपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सँ 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितअस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दाें पदाे का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अम्सूची

प्लाट नं० 20-एवं 21, भर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पिजयक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 2290 विनांक 12-10-81 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> वी० के० श्रग्नेवाल भक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

ना**रीख**: 4-6-82

प्ररूप आर्द. टी एन. एस. --------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, जयपूर

जयपुर, नारीख 4 जून 1982

अप्रदेश संख्या : राज०/सहा० म्रा० अर्जन/1216—स्त. मुझे, वी०के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 'लाट है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बॉणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख 20-10-1981 को पूर्वों कर सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकार्ते) और अन्तरित (अन्तरिक्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तिर्यों, वर्धातः---

(1) श्री शान्ति लाल पुत्र मोहन लाल जैन, उत्तरापुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रोंकारलाल पुत्र कामीलाल जैन निवासी उदयपूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्कूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्सत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

प्लाट ऐरिया 2500 वर्गफुट स्थित सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2404 दिनांक 20-10-81 पर पंजीयक विकय पत्न मे ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> बी० के० भ्रग्रवाल भक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 4-6 82 मीहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 जून 1982

श्रादेश संख्या : राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1217—यतः मुझे, वी० के० श्रग्रवाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिमकी सं० प्लाट है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधि-कारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3 दिस० 1981

(1908 का 16) के प्रधान, ताराख उादसर 1981
को पृशें कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्बह प्रतिशत से भ्रधिक है और अन्तरक (प्रभ्तरकों) और
प्रभ्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रम्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की नागत, उक्त श्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के आयित्व में कमी करने या उनसे नवने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिबिनियम, 1922 (1923 का 11) या उन्त अधिनियम, या चन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) महेशकुमार नलवाया, गुलाब बाग, उवयपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सूर्य कान्ता सौनी पत्नी श्री वमन्तीलाल मौनी, उदयपुर

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्मम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:---इनमें प्रयुक्त गर्वां ग्रीर पदों का, जो सकत ग्रिधिनियम के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयें होगा, जो उस ग्रह्याय में दिया गया है

### अनुसूची

प्लाट ऐरिया 2500 वर्ग फुट स्थित सर्वऋतु विलास उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 2674 दिनांक 3-12-81 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> वी० के० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 4-8-82

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 4 जून, 1982

ग्रादेश संख्याः राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1225+-यत. मुझे, वी०के० ग्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० प्लाट नं० 66 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-10-81

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है..—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिए में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण रं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :——6—G1/82

- (1) सीनियर राजमान। श्रीमती बिरदक् वर ग्राफ उदयपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बादाम कोठारी, उदयपुर (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह<sup>‡</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>‡</sup>।

## अनुसूची

प्लाट ग्राफ लैण्ड मीयरिंग 2260 वर्गफुट जो प्लाट नं० 66, सर्वऋतुविलास, उदयपुर में स्थित है ग्रीर उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा कम सख्या 2253 दिनाक 12-10-81 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> वी० के० स्रग्नवाल नक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण<sup>)</sup> स्नर्जन रेंज, जयपुर

तारी**ख** 4-6-82 मोहर: प्ररूप बार्ड . टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, तारीख 4 जून 1982

श्रादेश संख्या : राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1224—सत: मुझे वी० के० श्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अभीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन संपर्तित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं प्लाट नं 58 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 3-10-81

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि लिए निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्निविक हप से अधित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत तक्त आधि नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दा। यन्त में कभी करने या उससे बचने में गुविशा के लिए; नौड/सा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या गया था या किया जाना चाहिए था, ठियानं मासविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

- (1) सीनियर राजमाना श्रीमती विरद कतर प्राफ उदयपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पुष्पा नलवाया,मेहनाजी की बाडी, उटयपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शंब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सची

प्लाट ग्राफ लैण्ड मीजरिंग 4000 वर्गफुट स्थित प्लाट नं० 58, मर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 2251 दिनांक 3-10-81 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> वी० के० अग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहस्रक अपकार आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन **रोज-जयप्**र

तारीख: 4-6-82

## प्रक्रम आहें वे दी । एवं । एस । ----

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज, जयपूर

जयपूर, दिनाक ३ जून 1982

श्रादेश सख्या राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/122०--यन मुझे वी० के० अग्रवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269 ल के अधीन मक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार  $\pm$  मुख्य 25,000/-रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० प्लाट न० हत्या जा उदयपुर म स्थित है, (श्रीर इसमे उपाबद्ध भ्रानुसूची म भ्रौर पूर्ण मप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 3-10-1981

का पुर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य स कम के इध्यमान प्रिंतिक के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति सम्परित का उचिन वाजार म्ल्य, उसके दश्यभान प्रतिफाल सं, एसे दश्यभान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरिधित्या) हो नाच एक अन्तरण के लिए पय पादा गया प्रीप-कल निम्नसिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मा वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स **हाई किसी आध** की बाबत उक्त अभि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक क दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म सविधा को निया,

अंत अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भार( ?69-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियो, अधीत ----

- OTHER DESIGNATION OF THE PARTY (1) सीनियर राजमाता श्रीमती बिरद कुवर श्राप उपयुर । (अन्तरक)
  - (2) श्री ग्रामप्रकाश गर्ग उवयपुर ।

(ग्रन्गेरती)

का यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबर्ग हिया

उक्त सम्परित के अजन क सम्बन्ध मा काष्ट्र भी आक्षोप .- --

- (क) इस मुचना क राजपत्र म प्रकाशन की तारी च स 45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिका पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सुचना क राजपत्र म प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति म हित-बद्ध किसी अग्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ज। सकींगे।

स्पर्ध्<del>टोकरण ---इसम</del> प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जा उक्त मिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है:

#### अन्स्ची

प्लाट भ्राफ लैण्ड मीजरिंग 3200 वर्गफ्ट, स्थित प्लाट न० सर्वऋत् विलास, उदयपुर जो उप पजीयक, उदयपुर द्वारा अस मख्या 2254 दिनाक 3−10+81 परपजीबद्ध विश्वय पत्र म श्रीर विस्तृत अप से विवरणित है।

> वी० रे० भ्रप्रवाल मक्षम पाधिकारी यहायक ग्रायभ<sup>्</sup> ग्राप्कन (निरीक्षण) श्चर्णन रेज, जयपूर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधिन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 जुन 1982

म्रादेश मंख्या : राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/1222--यतः मुझे वी० के० भ्रम्रदाल,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43); (जिसे इसमें इसके प्रश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 60 है तथा जा उदयपुर में स्थित हैं (स्रार इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिज-स्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, तारीख 3-10-1981

को पृत्रों क्रित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति फल निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उनत अधि-नियम के सभीन कर देने के सन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सौर/था
- (स) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारः (1) के अधीन, निम्मिनित व्यक्तियों, अभित्:---

- (1) मीनियर राजमाता श्रीमतो बीरद कुबर ग्राफ उदयपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महेश प्रमार नलवाया, महेना जी की बार्डा, जदयपुर ।

(अ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वनित अस्पत्ति है। प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत ह सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स अविधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इन पूजना के राजश्र में प्रकाणक की नारीब के 45 दिन के भीतर ठक्क स्थायक पंपत्ति में हित∗ बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्मळीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम ने अध्याग 20-क में परिभाषित है

### अमुसुची

प्लाट 5300 वर्गफुट स्थित प्लाट नं० 60, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजीयक उदयपुर द्वारा ऋम संख्या 2257 दिनांक 3-10-81 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप सं विवरणित है।

> वी० ते० श्रम्भवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, जयपुर

तारीख : 4~6~8∵

भोहर:

## प्रकप आद्द<sup>1</sup>. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 4 जुन 1982

ग्रादेण संख्या . राज०/महा० ग्रा०ग्रर्जन/1221—यत मुझे. वी० के० श्रग्रवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 12 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (ग्रीर इसमें उपान्नद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 3-10-81 को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्सरितयां) के जीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रति फल, निम्मिनिस्ति उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्ति विक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण य हुई किसी अध्यकी बाबत, उक्त अधिनिय्म, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. हिल्पाने में गृतिया के लिए;

बृतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की पश्चात ।। फे अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सीनियर राजमाता श्रीमती विरद कुवर भ्राफ उदयपुर।

(श्रन्तरक)

(2) आ राज कुमार पुत्र भनोहर लाल, वेहली गेट, उदयपुर

(अन्तरिती)

स्त्र मह मृचना जार। करक पृकावत मम्पात्त कं अर्जन को नए कार्यवाहिया करना हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्कित में किए जा सकींगे।

इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाष्टित हा, बहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय मो दिया गया ह<sup>ै</sup>।

## अनु**स्**ची

प्लाट ग्राफ लैण्ड मीजिरिंग 3200 वर्गफुट प्लाट न० 42, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजीयक उदयपुर द्वारा कम मंख्या 2260 दिनाक 3-10-81 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत मप् से विवरणित है।

> वी० के० **श्रग्रवा**ल मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जय**पुर**

गारीख ।−6~8° मोहर: प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.----

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 4 जून 1982

श्रादेश संख्या राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/1220---यत मुझे वी०के० श्रग्रवाल

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुठ से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० प्लाट न० 77 है तथा जा उदयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 14-10-1981

को पूर्वा कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिली (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बादत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, बीट्र/या
- (ख) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खिपान में मृबिधा के लिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की थारा ?6६-ग के गतमरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार। (।) के अधीन निम्मीलिखित व्यक्तियो, अर्थात:— (1) सीनियर राजमाता श्रीमती बिरद कुंबर श्राफ उदयपुर ।

(अन्तरक)

[भाग III—खण्ड 1

(2) श्रीमती उमिला दवी, उदयपुर ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी जाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध् या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रण्याक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण -- इसम प्रयुक्त झब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क म परिभाषित है, बहुां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमृस्ची

प्लाट श्राफ लैण्ड मीजरिंग 2135 वर्गफुट, प्लाट न० 77, मर्बऋतु विलाम, उदयपुर जा उप पजीयक उदयपुर द्वारा कम सख्या 2252 दिनाक 14-10-81 पर पंजीबद्ध विश्रय पत्न मे विस्तृत रूप से विवरणित है।

> वी० के० स्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निर्मक्षण) स्रर्जन रेज, जयपुर

नारीख 4 6-82 मोहर प्ररूप आर्ष टी एन. एस

कायक्तर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध(1) अ अधीन सच ।

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज जयपुर

नयपर दिनाक । जन 1982

श्रादेश संख्या रोज०/महा० श्राठ श्रजन/121५—यत मुझे वी० के० श्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मुल्लाट नुलु 41 है तथा जो उदयपुर में स्थित है। (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 14-10-81

को पूर्वेक्ति सपित के उचित बाजार मल्य में कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अतिरित्त की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित्त का उचित बाजार मन्य, उसके दरयमान पितफल में, एस दृश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिक्षित में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्तियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्षित, निम्नलिखित उद्देश्यों स उक्त अन्तरण कि विस्तरिय में विश्वत मही किया गया है ——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में स्विधा के लिए, और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या एक कर अधिनियम, 1957 (1957 का २८) अधिजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिरणान में र्राटन के लिए।

अनः अब उक्त अधिनियम की गरा २६९ म व अन्तरण मा, माँ, उक्त अधिनियम की पारा २६९-५ की उपनारा (1) वे अधीन निस्तिनित व्यक्तियों अर्धात (1) भीनियर राजमात्रा भीमती चित्रद कुषर भ्राफ उत्त्यपुर

(अन्तरक)

( ) पी। भारत असार प्रवासी सनहोताल, गुरुको भार उदयपुर

(चन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उपा सम्परित क अजन के सम्बन्ध मी काई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियां मा से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस म्प्जना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण - उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्धी

लाट श्रीफ लैंण्ड मीजरिंग 3200 वर्गफुट स्थित प्लाट न० 41 सर्वेऋतु विलास उदयपुर जो उप पंजीयक उदयपुर द्वारा श्रम मरणा 2255 दिक्ति 14-10-81 पर पंजीबद्ध विकय पद ग गौर विस्मृत रूप से विवरणित है।

> ती० के० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक पायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, जयपुर

नारीख 1-+ 1982 माहर प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 जन, 1982

स्रादेश संख्या : रांज०/सहा० स्रा० त्रर्जन/1218 :-यत: मुझे वी० के० स्रग्रवाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 63 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख़ 14-10-1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में कास्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का २७) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपाने में मिविधा के लिए;

(1) सीनियर राजमाता श्रीमती बिरद कुंवर आफ उदयपुर

(सन्तरक)

(2) श्री भंवर लाल पुत श्री हरक, चन्द, उदयपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

्नाट ग्राफ लैण्ड मीजिरिंग 2800 वर्गफुट जो सर्वऋतु विलास, उदयपुर में स्थित है ग्रौर उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 2258 दिनांक 14-10-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पव में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> वी० के० अग्रवाल मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर म्राय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

अत , अब , उक्त अधिनियम , की धारा 269-ग के अन स्रण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उण्धारा (1) के अभीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :——

तारीख : 4-6-82 मोहर:

## प्ररूप आई॰ टी॰ एन० एस॰------

प्रायकर अ**धिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 289-ष (1) के समीन स्**य**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, स**ह**ायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जयपुर

जयपु र, दिनाव 4 जन, 1982

ग्रादेश संख्या : राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1227-⊷यतः, मुझे, बी०के० ग्रग्रवाल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें-इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बग्जार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है ग्रीर जिमकी संर्ं प्लाट नं० 75 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-10-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) सोनियर राजमाता श्रीमती बिरद कुंबर आफ उदयपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री फतेहलाल बया पुत्न केसरीमल बया, उदयपुर

(ग्रन्तरिसी)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इस सूबता के राजपत में प्रकाशन की तारीज में 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भाषोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो ना, की जनत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ध्रयं होगा, जी उस प्रध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्लाट ग्राफ लैण्ड मीजरिंग 2500 वर्गफुट, स्थित प्लाट नं० 75, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजायक उदयपुर द्वारा कम संख्या 2289 दिनोक 12-10-81 पर पंजाबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> वी० के० भ्रम्यवाल मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, अयपुर

अतः शब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्——
17—146 GI/82

तारीख: 4-6-82

मोहरः

## प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 4 जून 1982

श्रादेश संख्या : राज॰/सहा॰ ग्रा॰ श्रर्जन/1228—यतः मुझे वी० के॰ ग्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 59 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी उपर रा किसी धन या जन्य राज्य कर जा करें, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिरियम, १९९६ (1922 का 11) या उनत अधिरियम, या कर अधिरियम, या कर अधिरियम, 1957 (1957 का २०० प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकर रही है है एर्डिंग या विया जाना चाहिए था, छिपारों है एर्डिंग के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ए हे असम्बर्भ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) सानियर राजमाता श्रं:मर्तः बिरद कुंदर क्र.फ स्दयपुर (अन्दर्गः)
- (2) श्रं. सुरेश कुमार नलवाया, मेहताजा की बाड़ी, उदयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के भास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

प्लाट 5300 वर्गफुट स्थित प्लाटनं. 59, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजीयक , उदयपुर द्वारा कम संख्या 2256 दिनां। 12-10-31ार पंजाबद्ध िकत पत्र में और बिस्तृत रूप है। विवासित है।

> र्वः० के० अग्रःः ल सक्षम प्राधिकारी सहयक ग्रायकर ग्रत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, ९.८५६

तार्खः 4-6-82

मो हरः

प्ररूप आई°. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) कर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 जून, 1982

प्रविश संख्या : राज∘/सहा॰ प्रा॰ प्रजेन/1228—-यत:, मुझे वी० के० प्रश्नवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/रः. से अधिक है

और जिसकी सं॰ प्लाट है तथा जो उदमपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध ऋनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कत्ती ऋधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्री करण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-10-1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिसत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नलिखित उब्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से की थत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम कं अधीन कर दने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सृविभा के लिए; और/या
- (ख) एभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की निय;

अप्तः अवस्र अक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

 श्रोमती रूपा बाई पत्नो गंगाराम चौहान, 99-गणेश पुरा, उदयपुर

(श्रन्तरक)

(2) श्री करमाईल मली पुत श्री गुलाम मञ्जास, होतावाला, उदयपुर

(भन्तरितीः)

को यह सूचना आरी करके प्वाँकत सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से
  45 दिन की अविध्या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाब में समाप्त होती हों, के भीतर पृवों बत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ
  किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोह्नस्ताक्षरी के पास
  तिनिक्त में किए जा सनोगेना

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्कों और प्दों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्लाट स्थित चमन, मार्ग, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 2385 दिनांक 21-10-81 पर पंजीबद्ध विक्यपद में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

वी० के० प्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजेन रेंज, जयपुर

> तारीख: 4-6-1982 मोहर:

## प्रारूप बाई, टी. एम. इस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

गर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, जयपूर जयपुर, धिनांक 4 जून, 1982

देश संख्या : राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1230---यतः, मुझे वी० के० ग्रग्रवाल.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रतपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 234 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतियाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमा गतिफल के 15 प्रतिकत सी जिवक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) अन्तर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योदय में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कार दोने को अन्तारक को दायित्व में कभी करुने या उससे बुचने में सुविधा के लिए: बौर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाशांकिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग भी अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🖷 अभीन , सिम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् 🖫 —

(1) श्री हातिमउली पुत्र प्राविद हसैन बोहरा, लोहावाला, नजामपुरा, उदयपुर

(धन्तरक)

(2) सर्वश्री फकरहीन एवं मसगर मली पुत्रान सरीफ प्रली. मालमवाला, कृतुबपुरा, उदयपुर

(अम्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

प्लाट मं० 234 का प्राधा भाग क्षेत्र 1687.50 वर्गगज, मोतीमगरी स्कीम, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 2589 दिनांक 24-11-81 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> बी० के० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मजन रंज, जयपुर

तारीख: 4-6-82

मोहरः

प्रस्प आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 4 जून, 1982

भ्रादेश सख्या : राज०/सहा० श्रा० भ्रजन/1229-मुझे वी० के० श्रम्यवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट न० 234 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के तार्यालय उदयपुर मे, रिडास्ट्रीद ण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 24-11-1982

को पृशेकित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रित के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा को लिए;

(1) श्री होतिमग्रलि पुत ग्राबिद हुसैन, बोहरा लोहावाला निवासी नजामपुरा, उदयपुर (ग्रन्तरक)

(2) श्री फक्रवद्दीन द्यसगर द्यली सपुत्र श्री सरीफप्रली बोहरा, कुतुबपुरा, उदयपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट न० 234 का भाधा भाग क्षेत्र 1687 .50 वर्ग फुट मोतो मगरी स्कीम, उदयपुर जो उप पीयक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 2588 दिनांक 24-11-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> वी० के० ग्रग्नवाल सक्षम श्रष्टिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण की, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्सित व्यक्तियों, अर्थात् ४--

तारीख: 4--6-82

प्रकृष ग्राई० टो • १त० एतं - - -

आयंकर भ्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, श्रहमवाश्वाव

श्रहमदावाद, दिनांक 27 मई 1982

निर्देश सं० पी०म्रार० नं० 1650 (एक्बी/213– $\Pi/82$ –83– यतः, मझे, जी० सी० गर्गे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है, श्रीर जिसकी सं० 94/2 श्रीर 118, बारदोली है, तथा जो बारदोली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बारदोली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रवत्वर 1981

को पृथांकेत नम्पति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमार प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्रत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए नय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखिन उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त प्रधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधः के लिये; और/मा
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्ठानियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिष्ठानियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त आंधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:— श्री ग्रन्तुन थाई माहम्मद दाऊद
 इनमाइन मोहम्मद दाऊद
 यूमुफ मोहम्मद दाऊद
 खलीफ श्रहमद सुलेमान दाऊद
 श्रन्तुल खलीफ श्रहमद सुलेमान दाऊद
 श्रन्तुल हक सुलेमान दाऊद
 फातमा सुलेमान दाऊद
 वाई मुगरा सुलेमान दाऊद
 वारदोली (ग्रन्तरक)

प्रमुख श्री प्रमोद रावजी भाई पटेल
 श्री साधनानगर हौिंनग सोसाइटी लिमिटेड

बारदोली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूबता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधिया त्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि,
  जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
  पूर्वों का व्यक्ति बार में सिकती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिखित में किये जा सर्केंगे।

स्पव्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी सक्त विश्वितमम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है ।

### अनुसूची

मिलाहत जो एत० नं० 94/2 ग्रौर 118 र्राजस्ट्री की गई है, शक्तूबर, 1981 में हैं।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 27-5-1982

प्रश्य आई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ(1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 मई 1982

निर्देण सं०पी० ग्रार० नं० 1651/एक्वी०/23—II/82—83— यतः, मुझे, जी० सी० गर्ग, आयरुर ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269—ख के मधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विक्वाम करने का कारण

है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाचार मुख्य 25,000/-

रह. सं अधिक हैं

श्रौर जिनकी सं० 102 (पी) जमीन जो है, तथा जो बोलाब में स्थित है (श्रौर इगपे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बीच में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 1981

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कक के इश्यमान प्रतिपाल के लिए उन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पर्द्रह प्रतिशत अधिक है और ध्रन्तरक (ध्रन्तरकों) घौर ध्रम्तरित्ते (अन्तरितियों) के बीच ए अन्तरण के लिए तम पाया गय प्रतिफल निमालिंबन उन्नेश्य में उनन अन्तरण लिक्नित में वास्तविक हो में किखन नहीं किया गय है --

(क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रीविषम के धर्धीय कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने र सुविधा के सिए; और/या

ऐसी किमो श्राय या किमा प्रांग या जन्म वास्त्रियों की, जिस्हे भारतीय यायकर सिंधनियम, 192 (1922 की 11) या जकत भिंधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 में 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नदा किंग गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धन्यरण में में उक्त धाधिनियम की धारा 264-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--

- 1. श्री मोहम्मद वाली भाई जी झेरपुरा तहसील स्रोच (अन्तरक)
- (1) श्री दी खेनू रती नाल पटेल बाडिमा—हि तेस नगर के पान ब्रोच
  - (2) कुमारी रशमीबेन भाई लाल भाई पटेल 19, पुणीन सोसाइटी

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उना सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुबता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनां की तामीच से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा सन्त्रोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मर्केंग ।

हपड्टी हरण: -- इसमें प्रयुक्त गड्दो और पदों का. जो खक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित - है, वही अब होगा, जो खस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

मितकत जो एपा० नं० 102 (पी), जमीत, भोलाव स्रत्कवर 1981 में रजिस्ट्री की गई है ।

> जी० सी० गर्ग सक्षा प्राविकारी सह धक प्रावक्षर श्रः ुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख : 27-5-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 मई 1982

निर्देश सं०पी० श्रार० नं० 1652/एक्बी०/23-II/82-83---- यतः, मुझे, जी० सी० गर्गं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिन्नकी सं० एन० नं० 33, माकतानपुर, श्रोच है, तथा जो श्रोच में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शोच में रोजस्ट्री करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर 1981

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफात के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्धा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त बधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखिल व्यक्तियों अर्थाल:—

- गायत्री कृपा एस्टेट का भागीदारों श्री नन्दिकशोर गोविन्दलाल शाह श्रौर वूसरे (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रदीप कुमार मुमन लाल रायवाला, कर्ता, एच० यु० एफ०
  - (2) श्री भ्रन्जनाबेन प्रदीप कुमार नावा देहरा स्रोच

(भ्रन्सरिती)

का' यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

मितकन जो मकतामपुर एत० नं० 33 (पी) श्रवत्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी०गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, स्रहमदाबाद

तारीखा : 27-5-1982

मोहर ः

रुपए में प्रधिक है

पंक्षा साहित हो। एन० एस०— 🥌

न्नापकर न्निवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के न्निधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 अहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनाक 25 मर्ट 1982

निदेश स० पी० ग्रार० न० 1653/एकवी/23-II/82-83-ग्रन मुझे जी० सी० गर्ग श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत मञ्जम प्राविकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मन्त्रति, निका उतित बाबार मूल्य 25,000/-

ग्रौर जिसकी सर्व नर्व 22 (पी), सुधे श्वर, ब्राच है तथा जो ब्रोच में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण मप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय

क्रोच में रिजम्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पर्मह अतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (५) प्रनारण संजुई किसी प्राय की जाजन, उक्त प्रधि नियम के प्रधीन कर दें। के श्रन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या,
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ढारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अव, उत्रन श्रधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण , में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के श्रधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- । (।) समानार्ष अञ्चलार्ष गाउन ।
  - (८) विभवागा उण्यय भारिषटा । सुद्देश्वर ।

(श्रान्तरक)

2 अयर आणा को-आप-ता० साभायटी लिमिटेड भोलाव । कोच ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वांका पर्धान के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हू।

उन्त सम्बत्ति के प्रार्ता के सम्बन्ध में काई भी ता तेर :---

- (क) इय सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबळ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीत्स्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगें।

स्पड्डीकरण .--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जा उक्त श्रिधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही सर्थ होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनसची

मिलिकित जो एस० न० 22 (पी०) मुधेण्वर श्रक्त्बर 1981 में रजस्दों की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी राहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-11, श्र**ष्टमदा**बाद

नारी**ख**: 27 मई 1982

मोहर

18-146 GI 82

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

**धायक**र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 मई, 1982

निदश मंं ीपी० ग्राप्त नं 1654/एमबी०-/23-II/82-83---ग्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिलकी सं० व्लाट नं० 18, विनल भाई पटेल, को० ग्राप० सोलायटी है तथा जो बोच में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से धणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोच में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1981 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरयमान प्रतिफल से एसे खर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्योग्य से उचत अंतरण लिखित में वास्तिवक खप से किथा नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दारित्य में कमी करने गा उससे वखने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब. उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :--

 श्री रामाबेन रनछोड़ भाई पटेल डोलवारबा, नह० श्रोच।

(श्रन्तरक)

 श्री भ्रम्बालाल गोविन्द भाई पटेल । मुधेष्वर, क्रोच ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ष भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### भन्स्ची

मिलिक्ति जो प्लाट नं 18 विधालनगर, पटेल को को अधि हा भी मायटी, अन्तु बर, 1981 में रिजस्ट्री की गयी

जी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-IJ, ग्रहमदासास

न(रीख: 27-5-1982

मोरहः

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 मई, 1982

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 1655/एक्वी०/ 23-II/82-83—श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० में भिष्ठक है

भीर जिसकी सं० नं० 22 (पी), भोनाव है तथा जो भोलाव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भोलाव में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रक्त्वर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निणियन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष से कथित नहीं किया गया है!——

- (क) म्रन्तरण स हुई किसी श्राय को बाबब उक्त म्रिब-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कमा करने या उसने स्वत्ने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा बाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित अधिन्तर्यों, अर्थात् :---

- 1. श्री ईश्वर भाई जैसानग भाई पटेल
- जमनाबेन कामम भाई पटेल सुधेश्वर । तह० क्रोच ।

(अन्तरक)

2. श्रवधूत नगर, को०श्राप० हाउ० सोसायटी।
 प्रमोटर श्री हैमन्स कुमार प्रबोध ,चन्द्रा केसुर मामा
चकला। क्रोच।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जेत के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी याक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की श्रवधि का तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत के 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:-इसमे प्रयुक्त शब्दां और पदो हा, जा उक्त प्रश्चितियम, के प्रज्याय 20-ए में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो नम ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिलकित जो एस० नं० 22 (पी), भोलाव, ग्रक्तूबर 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

भागीख: 27-5-1982

प्ररूप आइ. .टी . एन . एस . ------

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 27 मई, 1982

निदेश न ० पी० श्रार० न ० 1656/एक्वी०/23-H/82-83—∾श्रत: मुझॅ जी० मी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० न० 55. कानाबीराभा, क्रोच है तथा जो ब्रोच में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) र्रजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ब्रोच में र्रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक श्रक्तूबर, 1981

को पृवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशन में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिसिल उदद दय में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व मो कभी करने या उससं बचन मो मृत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को ज्योन निम्नेनियन गिस्तिगा, भणीन ---  श्री ईस्माईल ईब्राहीम श्रह्मद गोतान, ब्रोच, दुनभारी ।

(ग्रन्तरक)

 श्री रसीलाल पाणा भाई पटेल, 16, पुणित मोलायटी, श्रोच ।

(ग्रन्तिरती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिए हु<sup>3</sup>, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में विया गया हु<sup>8</sup>।

## भन्स्ची

मिलिकित जो एस० न० 55. कानो बिरासा. ऋक्तूबर 1981 में रजिस्ट्री की गयी है ।

> जी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद ।

नारीख : 37-5-1982 मोहर :

## प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयङ्गर आयुक्त (निरोक्षण) प्रजीन रेज-11 अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 27 मई, 1982

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० नं० 42/1/ए/1ए/1ए(पी) प्राली है, तथा जो ब्रोच में स्थित है (ग्रीर इससे उपावह अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विजित है) रिजर्म्द्रीवर्ता ग्रिधाकारी के कार्यालय श्रोच में रिजर्द्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक शक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप में प्राथन नहीं किया गया है.--

- (क) अलारण स हइ किसी आय को वाबल, उन्नर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविध के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थ्रा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभान निम्नतिखिल व्यक्तियम, जुर्भतें --

- शी वाजेन्द्रा प्रसाद हरी प्रसाद देसाई का कुल मुख्तयार, श्री रमेणकुमार केयर भाई पटेल के द्वारा श्राविनद ट्रेडर्स में पाच बनी श्रोच ।
  - (ग्रन्तरक)
- 2. उपेन्द्र प्रसाद हानप्रमाद देसाई , गाव श्रतुल , तह० बलसाड । श्ररिकन्द्र कुमार केसर भाई पटेल के द्वारा श्ररिकन्द्र ट्रेड्सं, पांच बाबली, ब्रोच।

(भ्रन्त[रती)

का यह सूचना जारी करके पृयां क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षणी के पाम लिखित में किए जा सकेगें।

दसम प्रमुक्त अञ्चा ओर पद्माया. आ उत्यक्ष अधिनियम, क अध्याय 20-क म परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अमुस्ची

मिलिकयत जो एस० न० 42-ए/1/1/ए/ 1ए/, 42/1/ए 1ए (पी), श्रार्ली श्रक्तूबर, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> जील मी० गर्ग स्वम प्राधिकारी सद्यम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

तारीख 27-5-198**2** भारूर

### प्ररूप आई० टी• एन• एस:----

# श्रायकर त्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-भ (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज-II, ऋहमदाबाद

ग्रमहदबाद, दिनाक 29 मई, 1982

निदेश स० पी० श्रार० न० 1658/एक्वी०/23-II/82-83—श्रत: मुझे जी० सी० गर्ग

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के अधीन मझम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि न्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं फाइनल प्लाट न 365, 366 (भाग), है तथा जो सुबानपुरा, बडौदा में स्थित है (स्रौर इससे उपाब-श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-10-1981

को प्वेंत्रिस संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के निए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का शरण है कि यथारूबोंक्त सम्पत्ति का वचित बाजार मृल्य, उनक द्रयमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रत प्रीणत से अधिक है और अन्यक (अस्तरकों) और अस्तरित (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफन, निम्नलिखित अहंश्य से उक्त प्रत्याण लिखित में वास्तिक का से किया नहीं किया गया है !---

- (क) प्रान्तरन सं दूई किसी आय की बाबत उनस अधिनियम के नधान कर ने के धन्तरक के दायिस्य में कभी करने या समसे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) क अधीन, निगनलिखित व्यक्तियों, अधीव --

शिवम बिस्डर्स ।
 के ब्रारा भागीदार श्री सतीम भाई पटेल ।
 बडीदा ।

(म्रन्तरक)

थीवम फ्लैटस का-आपरेटिव हाउ० सोसायटी लि० बङौदा ।

(श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी अविध यात्र में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रभोहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुला जमीन जो सुनानपुरा में रियत है निक्की खत गं० 5985, 5986, 5987 और 5988 सब रिजस्ट्रीर, बड़ीबा के कार्यालय में तारीख 23-10-1981 में रिजस्ट्री की गर्या है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रह्मवाबाद

तारीख 29-5-1982 माहर . प्ररूप आहें. टी. एन. एस.---

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-भ (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 29 मई, 1982

निवेश मं० पी० श्वार० न० 1659/एक्बी०/23-11/82-83--श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 2601, 2600 (भाग) है तथा जो आर० सी० रोड, वडीदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 1-10-81

को पृयोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आयुकी बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सृतिथा के निए;

ध्रतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:—  श्री दौलत नाई टी भुटणी छापा, बगौना ।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीकीन भाई नाथा भाई परेल. गोबिन्दकुषा, सलकापुरी, वडौका ।

(श्रन्तिरर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहम्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पहला मंजिल प्लाट जो ग्रार० सी० रोड, बडौदा में स्थित है विकीखन न० 5590 पर बडौदा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 1-10-1981 में रजिस्ट्रीकी गयी है।

> जी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, प्रहमदाबाद

नारीख 29-5-1982 मोहर : पक्ष आ**ह**े. टी. एस. एस. - --

अभ्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-II, स्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 29 मई 1982

निदेश सं० पी० श्रार० न० 1660/एववी०/23-ार/82-83—-श्रत: मुझे पी० मी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० ग्रार० एस० न० 779 (भाग) प्लाह्म है तथा जो 3 ग्रौर 4, गोवी, बडीवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ीवा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्की) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, विम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उन्तत अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--

- () भौताको हो से प्रका स्थान स्थान स्थान स्थान ।
   () भौकाक्ष्य स्थान ।
  - (2) श्रीवती कुमुमबेन महेन्द्र भाई पटेल। 256, फरीजापेट , जयानगर ।

(अन्तरक)

 कुमारी रीता भाई लालभाई पटेल, 16-ए, तूतन भारत सोसायटी, अलकाप्री, वडाँदा।

(अन्सरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---**

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अम्समी

खुला जमीन जो गोर्त्रा में स्थित है विक्रीखन नं० 5791 ग्रोंग 5792 पर सस्पूर्ण विणित है तथा सब रिजस्ट्रार बहौदा के कार्यालय में अक्तूबर, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> र्जा० सी० गर्ग सक्षम अधिकारी सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीखा 29-5-1982 मोहर प्ररूप आई दी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, विनावः 29 मई 1982

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

स्रोर जिसको सं० सर्वे न० 30/2. एफ पी० न० 5 17 है तथा जो सुभानपुरा, बड़ौदा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबड़ स्रनुसूची) में स्मीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजर्ट्य कर्ती स्रतिकारी के कार्यालय बडौदा में रिजर्ट्य करण स्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्राधीन दिनाक 15-10-1981

को पूर्वाक्त सम्पित्न के उचिन बाजार मूल्य में कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल में, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों काँ, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा के लिए;

 श्रामना श्वास्त्रेन, चतुर माई पटन, ।८ अल्य सुभानपुरा बहोदा।

(ज्ञान्यस्)

2 श्रः मीताराम को-न्नाग-हाउ० मीतायट प्रमुख बाब् भाई गीरधन भाई पटेटा मनजलपुरा, बटीदा ।

(यन्तारनः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाग,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त ग्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निलित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्या है।

#### अमुस्ची

खुला जमीन जी सुभानपुरा ये स्थित है विकीखन न० 5777, 5778 और 5779 पर सम्पूर्ण वर्णित बडीदा में सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में दिनाव 15-10-198 में रिजर्स्न की गया है।

> जिश्व साव गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहाराज आयकार आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज II श्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्:—— 19—146GI/82

लारीख 29-5-1982 मोहार : प्ररूप आई० दी० एत० एम०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II श्रहमदाबोद

अहमदाबाद, दिनाक 29 मई, 1982

निदेण म० पी० श्रार० न० 1662/ एक्वी o/23-II/82-83—श्रत मुझे जी० मी० गर्ग

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वासं करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० में अधिक है

ग्रीर जिसकी स० ग्रार० एम० न० 134-1, है तथा जो मुभान पुरा, बड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण स्प में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारा के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्राकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनाक 12-10-1981

को पूर्वोवन संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए श्रन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोवन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरिक (श्रन्तरकों) श्रोर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निस्तिविखन उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निखन में वास्ति ह

- (क) प्रन्तरण मे दुई किसी प्राप की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उनत मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उदत अधिनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) के भिधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् —— श हरीअवन गोकन भाई पटेल वाडी शाडी, पायण क्रिगेड, के सामने, बडीवा ।

(घन्सरक)

 जितन कुमार एम शाह, बयारा, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंग-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित है. वही भर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनसची

खुला जमीन जो मोर मुभानपुरा, बिकी खत न० 5705 ग्रीर 5706 पर सम्पूर्ण वर्णिन है तथा सब रजिट्रार बड़ौदा के कार्यालय पर तारीख 12-10-1981 मे रिजस्ट्री की गयी है।

> जा० सा० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेज-II, ग्रहमदाबाद

नारी**ण** 29-5-1982 मो**हर**ः प्ररूप आई० टी• एन० एस•-

माध्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा . 269-घ(1) के ब्राधोन मूचना

#### पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-II. ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1982

निदंश मं० पो० ग्रार० नं० 1663/एक्वीः0/23-1482-1663/एक्वीः1683-1683/एक्वीः1683-1683/एक्वीः1683

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्ति वाजार मूख 25,000/-रा. से अधिक है

श्रींग जिसकी सं० सर्वे नं० 143-3, (भाग) प्लाट नं० 6, है तथा जो मोर सुभानपुरा, बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींग जो पूर्ण च्लामे विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के सिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तिकित्यों) के बोच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नकिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत आहि-नियम के श्रधीन कर देने के अग्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अ**तः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण** मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) अ<mark>धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,,</mark> अर्थात्ः——  श्री गान्तिलाल श्रम्बा लाल पटेल, सप्तारणी कालीनी, जूना पब्लिक रोड, बडीवा ।

(प्रन्तरक)

शुभम बिल्डसं।
 ते द्वारा भागीदारों हरील भाई परपोत्तम मिस्ती
 ग्रीर दूमरे । डालवा रोड, कान्तोबला वेस्ट,
 वस्बई ।

(श्रन्तरितं:)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया सस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त म्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रखोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

पब्डोकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का जा उना अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुखी

खुला जमीन जो मोर सुमान पुरा में स्थित है विकाखत नं 5872, 5874 और 5875 पर बड़ीदा सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में अक्तूबर, 1981 में यथाविधि सम्पूर्ण विशेत पर रिजस्ट्री की गैयी है।

> जीं० मी० गर्म सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जनरेंज- , यहमदाबाद

न(राख 29-5-1982 मोहर :

# प्ररूप आहें. टी. एन. एस.---

आयकर अधि । यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महादक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

यर्जन रेच-11

ग्रहमदाबाद, दिनाक 1 जन, 1982

निदंग राज्याज अ.रज्ज नज्ज 1664/एक्काज/२3-II/82-83—-स्रत्म मुझे ज्ञाज्याज्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि म्थावर गर्मान्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक हैं

र्मार जिसका गठ तठ 105/8 स्रावाः सुरत है तथा जा मुन्न में स्थित है (स्रोर इसमें उपावत प्रमुखन में स्रीर जा पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रावर्ता स्रधिकार के कार्यालय मुख्त में निद्धारण अविज्ञिण 1908 (1908 वा 16) के एवान दिलाक प्रमूबर 1931

को पूर्णवन सपित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रिटफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करन का कारण है कि प्रथाप्वींक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, इसके रश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र शितात से अधिक है और अन्तरक (अतरको) और अतिरिती (अन्तरिति को वे बाद एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक इप स कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन न्या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मः, मैं:, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् --- 1 दिनेण चन्द्र श्रमतालात, 707, त्रिवेण। एपार्टमेट, नानपुरा, सुरतः ।

(अन्तरक)

2 श्री रता लाल भाखाभाई गावा श्रीर दूसरे 11, णान्ति निकेतन सोसायटा सुम्ल देयरा, रोड सुरत ।

(भ्रन्तिरर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ल) इस सूचना राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

-इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

मिलिकियत जी एम० न० 105/81, अतवा, सुरत में नारीख अक्तूबर, 1981 में रिजस्ट्रीकी गर्या है।

> र्जा० सा० गर्ग मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II श्रहमदाबाद

गार्राख 1-6-1982 मोहार

# प्रकृप् बाई.टी.एन्.एस.------

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षिण) अर्जन रेज-11,

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 जुन, 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० त० 1665/ एक्वी०/23-II/82-83 श्रत. मुझे जी० सी० गर्ग

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सकम प्राधिकारी को यह दिवस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० नोद नं० 222, 222 ए, 257, 258 है तथा जो खापिटक चाका, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1981

का पूर्वा वित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त मिनिन्तियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त मिनिन्तियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त मिनिन्तियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त मिनिन्तियों के बीच एसे अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक्त मिनिन्तियों के बीच एसे अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक्त मिनिन्तियों के बीच प्रतिक्तियों के बीच एसे अन्तरण निक्ति में वास्तिविक लिए में किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विष्टित में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; आर्थ/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भोन, भी ., उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की तपथाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः--

- 1 (1) श्रीमती शोभनाबेन राजनाथ नगर.
  - (2) बन्दनाबेन, बाबाभाई पण्डित खुद ग्रौर कर्ता ग्रीर मुकेशर मैयुली, का कुलमज्तयार।
  - (3) देवीबेन, काकुभाई पणडीढ।
  - (4) ह्मलन मलीन भाई पणडीढ ।
  - (5) कतन्त्रा मलीन भाई पणडीढ।
  - (6) स्वरूप मलीन भाई पणडीख।
  - (7) दर्शन मलीन भाई पणडीढ।
  - (8) नयना बेन, रजनाथनगर, चन्दाबाई, कर्षाटया चकला , सूरत ।

(श्रन्तरक)

 भवानी शंकर दौलत रा पानचाल । नानपुरा, रनंग, अवज के सामने, चन्द्रा बिहार सोसायटी मूरत ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता क्ष्मी

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारींब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्ति रूप:--- इसमें प्रमुक्त सक्यों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

मिलेकियन जो नोद नं० 222, 222-ए, 257 और 258 चन्दाबाडी, कपाडिया चकला , में श्रक्तूबर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रंज II, अहमदाबाद

वारीख: 2-6-1982

भोहर:

प्र€प आर टी एन एस -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-पं(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्राचीन रेज-11, प्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनाक 3 ज्न, 1982

निदेश म० पी० ग्रार० न० 1666/एक्वी०/2.3-โ/82-83-श्रन मुझे, जी० सी० गर्ग

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अविनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिनकी सं । श्रार । एस । न । 57-1 | 57-2 श्रौर । 63-3 है तथा जो उन्हा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्य से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत ये रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 वा 16) के स्रधीत दिनाक श्रक्तूबर | 1981

का न्वांक्त सपित के उचित बाजार मूल्य म कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्मे यह विश्वाम करन का कारण है कि यथापूर्वोंकत सपिति का उचित बाजार मूल्य, उभने द्रायमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतरिती (अर्तार्राचा) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुद्दं िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; आर्/या
- (स) ऐसी किसी लाय या किसी धन या अन्य बास्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तं अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किथा गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

ण्त अबे, जक्त अधिनियम की पास 269 म की अनगरण मा, मी, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

- 1 (1) श्री नटबरलाल मोहनलाल जरीवाला,
  - (2) सुधीरकुमार नटवरलाल, ग्रौर उनका ग्रवकर्ता वच्चा कांगल, गतील, ग्रीर उर्वशी सुधीर।
  - (3) वीरेन्द्रा, भटवरमाल जरीवाला, उनका कुल मुख्तयार, नटवर लाल, मोहन लाल ।
  - (4) पास्त्व वीरेन्द्रा, जरीवाना, उनका कृत्व मुख्तयार नटवरल लाल मोहन लाग ।
  - (5) श्रामती चन्द्र। भागा नटबर लाल ।
  - (6) भगीरथ नटवर लाल जरीवाला ।
  - (7) श्रीमती भीला भागीरथी, जरीवाला रामपुरा, मथिन रोड, सूरत ।

(श्रन्तरक)

- 2 (1) नीलकान्तत्रागनी एपार्टमेट को -श्राप०- हाउ० मोसायटी का प्रमुख नीलवारणी एपार्टमेट को०-श्राप०- हा० मोसायटी ।
  - (2) श्री नीमजीभाई मोरी भाई पटेल, रामपुरा, उमदा ग्रेरी, सूरत ।
  - (3) श्री हिम्मत भाई भगवानभाई पटेल, बल्लभेश्वर महादेव के नामने, हरीपुरा, सुरत ।

(श्रन्तिंग्र्स्।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िरण कायवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

# अनुस्ची

मिलिकयत जा एस० न० 57-1, 57-2, 63-2 (पी) जमीन उम्रा श्रक्तूबर, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी हैं।

> जी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-U, श्रहमदाबाद

गारी**ख** उ-6-1982 ग∣हर प्ररूप आर्ड. ती. एन एस.-----

# भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेज-II, स्रहमदाबाद स्रहएबायाव, दिनाक 1 जन, 1982

निदेश गं० पो० श्रार० नं० 1667/एक्की०/ 23-ा/82-83----श्रतः मझे जी० सा० गग

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

स्रीर जिसका सं व बार टाकानं 13/3 नरवे नं 7, है तथा जो रावपुरा विभाग, बड़ौदा में स्थित है (श्रीर त्सर्भ उपाबद्ध सनुस्वा में श्रीर जो पूर्ण त्य से विणित है) (जिस्हाकर्ता प्रधिकार) के बार्णालय बड़ौदा में रिजिस्ट्रांकरण गिंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रयान दिनाक 13-10-981

को पूर्वीक्स संपित्त के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिष्ठिश्त के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्बेश्यों से उक्त अन्तरण दिखित में बाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में क्या बरने पा उसम बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ए) ऐसी किशी प्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ए उक्त श्रिधिनियम वस् धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों हारा प्रश्न नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए।

अतः जड, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभितः :---

- 1. (1) डा० अरविन्दभाई कार्शाभाक्ष
  - (2) नरेणभाई कार्शाभाई प्रगोत । जलाराम मार्ग, कारेली बाग, बड़ीदा ।
- सन्य साई ट्रस्ट गुजरात स्टेट, 18, बृंज सांगायटी, प्रतागपुरा, बड़ीदा ।

को यह मूजता जारी करके पूर्वीका सम्पति के धर्जन कायवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा प्रश्लोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त धाधि-तियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही स्रार्थ होगा जो उन स्रष्टाय में दिया गया है।

# अमुसूची

> पी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, अहमदाबाट

तारीख 4-6-1982

प्ररूप जाइं. टी. एन. एस.-----

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अत्रमदाबाद, दिनाक 4 ज्न 1982

निदेश सं० पा० ग्राम्० नं० 1668/एक्ट्री(०/23-II/82-83---भत मुझे जो० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000 रु. में अधिक हैं

ग्रींग जिसका स० नीव न० 1497—1498, वार्ड नं० 9, है तथा जो खपाटीदा चकला, सुरत में स्थित हैं (श्रींग इससे उपान्नढ़ अनुसूची में श्रींग जो पूर्ण चप से विणित है) पिलम्प्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीत दिनांक श्रवत्वर, 1981

का पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियत उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिलित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 शा लाल दास छोटालाल द्धवाला, कपटिया चकला, काला श्रीपाट पोल, सुरत ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री चन्द्र शंकर जैंगंकर, ठाकर।
  - (2) श्री देवप्रसाद जैशंकर ठाकर।
  - (3) श्री प्रवीण चन्द्रा जैशंकार ठाकर। कपाटिया चकला, कला श्रीपाट पोल सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पहिस क्षेत्र अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो, उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

मिलकत जो नोद ने० 1497-1498, बाई ने० 9, कपाटिया चकला सुरत प्रक्त्वर, 1981 में रिजर्ट्या कर्रात्री है।

जी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेजना, श्रहमदाबाद

नारीखाः *1*-6-1982

मोहर :

प्रस्प भाष्ट्रं .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, महायक आगक्तर आयुक्त (निरक्षिण)

अजन रेज-II, अहमदाबाद

श्रहमद।बाद, दिना । जन 1982

आयकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं हसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269- **स के अधीन सक्षम** प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्क्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीण जिसकी स० नोड नं० 1647-ए, बार्ड नं० 8.है तथा जी गोपापुरा, मियन रोड, सृग्त में स्थित है (श्रीण दससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीण पूर्ण विपास विणित है,)पिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायोलय सूण्त में पिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रक्तूबर, 1981

को पूर्णक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उवत सिंधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 20 — 146GI/82

या करेन काल मूल जी साई शह गांपोपुरा, माती कालिया सूरत

(सन्दर्भ)

2 श्री गोरेन्द्रा रमगीकलाल माह, श्रा वीरेन्द्रा प्रमणीकलाल णाह प्रारीक्य नगर, सोनाखटें। प्रत्या लैन्स, सूरत ।

(अन्सरिर्तः)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्धोहस्ताक्षरी हो पास लिसित मो किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः -- इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विष्ण गमा है।

# अम्स्ची

ांमलकत जा नाद नंडर 1647-ए, वार्ड न० 8. गोपीपूरा, अन्त्वर, 1981 में रिजर्स्टी की गया है।

> मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सह्यक श्रायकर श्रायका (किरीक्षण) अर्जन रेप-11 हमदत्वाद

त्रांक: 4-6-1982

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

म्यायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेज-II, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जन, 1982

निवेश सं० पी० प्राप्तात्व नं० 1670/एक्वी/23-II/82-83---ध्रतः मुझे जीत सी० गर्गे.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं॰ बी॰ ठीका नं॰ 11/2, नर्वे नं॰ 1, है तथा जो रावुपुरा, बेरोडा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूचों में भीर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बेरोडा में रिजस्ट्रीकरण भ्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन विनांक 19-10-1981

को पृत्रों कि संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पृत्रों कत सम्परित का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के वीच ऐसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उसत अन्तरण कि विद्वा में वास्तिक इस से कृष्यित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः उन्हें प्रधि-नियम के भारीन कर देने के भन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (ख) ऐंसी किसी माय या किसी घन या भ्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किय। गया था था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :---

- 1. (1) श्री नारायण गणेश गैडकील
  - (2) शरत विनायक गेडकोल
  - (3) रमेण विनायक गेडबील कुल मुख्यतयार विनायक सदाणित्र गेडबील, प्रताप रीड, बेरीडा।

(ग्रन्तरकः)

- रायल लेण्ड डेवलपमेंट एसोशियेटमं के द्वारा श्रडमिनिसट्रेटर
  - (1) कौशिक दोलीय भाई मेहता
  - (2) असर्वन्त लाल मामालाल गांधी गरोडा ।

्ग्रन्तरिती)\_

को यह सूचना जारी करके पृवर्शिक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राज्यात में प्रकाशन की सारी करें 45 दिन की धविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविश्व, जो भी भविश्व काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी सन्य स्थक्ति द्वारा, प्रश्नाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणा---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमागया है।

# अनुसूची

जमीत भीए ज्ञा मकान जो बीठ ठीका नं० 11/2 में स्थित है, बरोडा, राधुपुरा विमताए में बेरोडा सिटा में है भीर जो विकाखत नं० 4868 पर बेरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 19-10-1981 में एजिस्ट्री की गयी है।

> र्जाः० मी० गर्ग सक्षम ग्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहसदाबाद

**तारीख**: 4-6-1982

मोहरः

प्रकप बाईः टी०५म० एत०---

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 289-च (1) के मजीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकार आयुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज-II, स्रह्मयाबाद

श्रहमचाबाद, दिनांक 5 जून, 1982

के म्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूख्य 25,000/- वर् से म्रधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 319 है, सैक्टर नं० 20, है तथा जो गांधी नगर, में स्थित हैं (भीर इससे उपाबक्ष भनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन विनांक 19-10-1981

को पृत्रोंक्त संपरित के जीचत बाजार मूल्य मं क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (भ्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक क्यासे क्षित नहीं किया गया है!—

- (क) अन्तरण से हुं किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के किए; बीड्/मा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रंथ व्यस्त पश्चितियन को झारा 269-म के अनुसरण मैं, मैं, देका प्राथिनियम की धारा 269-ध की जपवारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:--  श्री घनश्याम नन्दलाल शाह, भानदेरी पोल, कालुपुर, श्रहमवाबाद ।

(झन्तरक)

- 2. (1) प्रकाम सिंह दिख्यिजय बाधेला,
  - (2) रनजीत सिंह दिग्विजय बाधेला सीबोद्रा गांव, कलोल तासुक मेहसाना जिला।

(मतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निस्ति में किए जा सक<sup>7</sup>गे।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में विया गया है।

# नमृत्यी

जमीन भीर मगकन जो सेक्टर नं ै 20 गोधीनगर, टाउमिणप में स्थित है बिकीखत मं 1939 पर सम्पूर्ण वर्णित पर तारीख 19-10-1981 में गोधीनगर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 19-10-1981 म रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ये सक्षम प्राधिकारी सहाबक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 11, प्रहुमदाबाद

सा**रीचा** 5=**5**-1982 मोहर: प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

श्रायकर आधीनयभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त, (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाक 5 जून, 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1672/एक्वी ०/23-11/82-83—-श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं सी एस नं 1888, प्लाट नं 1452 है नथा जो बल्लभ विद्यानगर, में स्थित है (श्रौर इससे उपाधड़ श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रानन्द में र्राजस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनाक 16-10-81

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मा नारताबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान म स्विधा के लिए;

शतः अरु, उक्त अधिनियम को धारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारां (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :---  श्री भारवाड रूप(भाई नानुभाई वस्लभ विधा नगर, श्रानन्द ताल्लुका ।

(श्रन्तरक)

- 2 (1) वासवड़ा महा वीरेन्द्रा हरी प्रसाद ।
  - (2) हेमानगी महावीरेन्द्रा हरी प्रभाद । वासवंडा, बल्लभ विद्यानगर, ग्रामन्द तालुका ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्वच्छोकरणः -- इसमें प्रयान शब्दों और पदौं का, जो उनत अधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नमुस्त्री

जमीन और मकान जो बल्लभ विद्यानगर सी० एस० न० 1888, प्लाट नं० 1452 बिक्रीखत नं० 2785 पर सम्पूर्ण वर्णित में भ्रानन्द सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 16-10 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) . श्रर्जन रेंज 11, श्रहमदाबाद

तारीख 5-6-1982 मोहर: प्ररूप बार्ष . टी. एन. एस.----

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज  $\Pi,$  ध्रहमदाबाद ध्रहमदाबाद, दिनांक 5 जून, 1982

निवेश सं० पी० स्नार० नं० 1673/एक्वी०/23-11/82-83---श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नोद नं० 4721, वार्ड नं० 4, है तथा जी तथा जो तथाबी मोहरूना, सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्नसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रक्तूबर, 1981

कां पूर्शोंकत संपिति के उचित बाजार मूल्य स क म कं देश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपिति का उचित बाजार मृल्य, उसक दश्यमान प्रतिकल स, एस दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के भीष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, अकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, मंग, अकत अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन विकासित व्यक्तिया, अधीत् उन्न  हीरालाल छोटालाल थाकर। वाडी फालिया, पागथीया, गेरी, सूरत।

(स्रन्तरक)

 श्रीमती रूक्षमणिबेन, हीरालाल ठाकर वाडी फालिया, पागथीया, शरी, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षंप .---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपरिश में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुवत शब्दा और पदा था, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मं परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस जःयाय में दिया गया है।

# अन्स्खो

मिलिकियत जो नोद न० 4721, वार्ड नं० 4. तयाबी मोहल्ला, ग्रक्तूबर, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी हैं।

> र्जा० सी० गर्गे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारी**ख** 5-6-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II,

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जुन, 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1674/एक्बी०/23-II/82-83---ग्रतः मुक्ते, जी० सी गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसम

और जिसकी संज नोद नंज 2056, भाजा भाई शेरी, है तथा जो महीदारपुरा, सूरत मैं स्थित है (धौर इससे उपाबज प्रनुसूची में और जो पूर्ण क्य में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (290 का 16) के अधीन दिनांक अक्नूबर, 1981

को पूरायत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निति उद्वारय से उक्त अन्तरण कि विद्वार में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिविश्वम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बारि/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

वत: सन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण भों, मों, उनत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन निस्नितिनिति व्यक्तियों, अधीन:----  श्री तनसुखलाल सोमाभाई पटेल, पी०, ए० एघ० यू० एफ० का कुलमुख्तियार श्री सानत तनसुखलाल । श्री भारत तनसुखालाल । भोजा भाई थेरी, महीदारपुरा, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमसी जीवीबेन भुदेरभाई पटेल, बी-56, रामकृष्ण सोसायटी, लामबे हनुमान रोड, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यवृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त विभागितम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मुर्थ होगा, जो उस बुध्याय में विया स्वा है।

# अनुसूची

मिलिकियत] जो नोदिनं० 2056, भोजा भाई गोरी, महीदारपुरा, सूरत अक्तूबर, 1981 में यथाविधि रिजस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज , ग्रहमदाबाद

ता**रीख** 5-6-1982 भोहर :

# प्ररूप नाइ दे. टी. एम्. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-र नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एम० श्रार०-3/10-81/1138—-श्रतः मुक्षे, एस० श्रार० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- च के अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 1738/55, है तथा जो नाई वाला करोलवाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख शक्तवर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप मे किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात :---

(1) श्री कन्हैया लाल सुपुत श्री हीरा लाल, निवामी: 1738/55, नाईवाला करोल वाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष जैन पत्नी श्री निहाल चन्द जैन. निवासी-1865/47, नाईवाला करोलझाग. नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त सम्पर्शिके अर्जन क सम्बन्ध में कोड़े भी आ**क्षेप**:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सेबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कंद्र्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### मनसची

माप-111 वर्गगण, खसरानं० 779, प्रो० नं० 1738/55, स्थापिस-नाईवाला करोलकाग, नई दिल्ली।

एस० श्रार० गुप्ता राक्षम श्रधिकारी सहायक आयकर आय्का (निर्णकाण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

**ता**रीख: 11—6—1982

मोहर:

संघ स्रोक मेवा प्रायोग

नोटिस

राष्ट्रीय रक्षा ध्रकावमी परीक्षा, विसम्बर, 1982

नई विल्ली, विसोक 10 जुलाई, 1982

मं० फा० 7/2/82-प०-र्री (ख)- राष्ट्रीय रका झकादमी के थल-सेना, गौसेना तथा बाय भेता स्कंधों में प्रवेश हेषु, भुलाई, 1983 से भारस्थ धूनि वाले 70वें भद्र वे लिए गंथ लोक सेवा भायोग धारा 26 विसम्बर, 1982 में एक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 300 (थल सेना के लिए 195 मौमेना के लिए 30 मौर अरगु सेना के लिए 66) होकों ।

श्यान में : प्राम्मीएया र रो पाने रनन्ता ने काला 8 में यह स्पष्ट क्ष्प से अनलाता होता कि तह किन सेवाओं के लिए वरीयता क्षम में विधार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उत्लेख करे ताकि योग्यता कम में उसके रैक की ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भलीभांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारो को ध्यान रखना चाहिए कि केवल उन्हीं सेवाधो पर उनकी नियुक्ति हेतु विचार किया जाएमा जिनके लिए वे धपनी वरीयता व्यक्त करते हैं बन्य सेवा या सेवाधों पर नहीं। उम्मीदवार द्वारा धपने धावेदन प्रपन्न में पहले निर्दिष्ट वरीयता में वृद्धि परिवर्तन के अनुरोख को आयोग स्वीकार नहीं करेगा।

भायोग द्वारा श्रायोजित लिखित परीक्षा सथा उसके बाद सेवा बयम बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त अम्मीदवारों के लिए धायोजित बौदिक भीर श्र्यक्तित्व परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर अपर्युक्त पाठ्यच्या में प्रवेण दिया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली, स्तर भौर पाठ्यक्रमों, (ख) धकादमी में प्रवेण प्रेत्र शारीरिक समता स्तर सथा (ग) राष्ट्रीय रक्षा धकादमी में प्रवेण पाने वाले उम्मीदवार की सेवा भावि की संक्षिप्त सूचना से सम्बन्ध में क्रमशः परिणिष्ट I, II भौर III में विस्तार से समक्षाया गया है।

होट:---परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्न पत्नों में केवल वस्तपरक प्रक्रत है। श्रीण । नमुन के प्रश्ना साहत ग्रन्थ विवरणिका" परिणिष्ट V में उम्मीदवारों का सूचनार्थ विवरणिका" हेक से ।

2. परीक्षा के केन्द्र : प्रगरतला, घ्रहमवाबाव, ऐखल, इलाहाबाद, बंगलीर, भाषाल, बम्बइ, फलकत्ता, चण्डीगड़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिलपुर (गोहाटी), हैवराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, अभ्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्राम, नागपुर, पणजी (गोधा), पटना, पोर्ट क्लेयर शिलांग, श्रीनगर धौर विवेन्द्रम ।

प्रायोग यदि चाहे तो उक्न परीक्षा के उपर्यंकत केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यार उक्सीवबारों को उक्त परीक्षा के लिए उन्की प्रमुख क केन्द्र वेंस के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी भायोग परिस्थितिया किसी उम्मीववार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीववारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे विया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (तीली पैरा 11) वेक्षिए।

उम्मीदकारों को स्थान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध अभुरोध को सामान्यतमा स्त्रीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदकार प्रपत्ते उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीका हैतु प्रपत्ते आवेदन में निविद्य किया या तो उसे सचिव, संघ लोक मैत्रा

धायोग को इस बात का पूरा धौकित्य धतार हुए एक पल रिजस्ट बं बाक से धवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे धनरोधों पर गुणवत्ता के धादार पर विचार किया जाएगा किन्तु, 26 नवम्बर, 1982 के बाद प्राप्त प्रमुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया आएगा।

- 3. पाइता की मर्ते:
- (क) राष्ट्रीयलाः

उम्मीवबार या ती-

- (i) मारत का भागरिक हो; या
- (ii) भूटाम की प्रजा हो; या
- (iii) भेपाल की प्राप्ता हो; या
- (iv) भारत में स्थायी क्प से रहने के इरावे से 1 जनवरी. 1962
   से पहले भारत झाथा हुमा तिकाती शरणार्थी हो; या
- (v) भारतीय मृल का व्यक्ति हो जो मारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी प्रफीका वेश जैसे कीतिया, उगांडा, तथा तंजानिया सयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानीका धीर खंजीबार) जाम्बिया, मलाबी, जैरे तथा इथियोपिया धीर विस्तानाम से प्रवजन कर साथा हो।

परस्तु उपर्यक्त वर्ग (iii), (iv) भौर (v) के भ्रन्तर्गत भाने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पावता प्रमाण-पत्न प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीववारों के लिए यह पावता प्रमाण-पक्ष आवश्यक नहीं होगा।

- (ख) धाम सीमाएं. लिंग धीर वैवाहिक स्थिति : केवल वे ही धाविवाहित पुरुष उम्मीदबार पाल हूं जिनका जन्म, 2 जनवरी, 1965 को या उनके बाद तथा पहली जलाई. 1967 को या उससे पहले ही हुआ हो।
  - नोट जन्म की तारीका केवल वही मान्य होगी जो मैट्रिकुलेबन/ हायर सैकेण्डरी या समकक्षा परीक्षा प्रमाण-यक्त में जिस्की गई हो।
- (ग) गैक्तिक योग्यताएं: राज्य शिक्ता बोर्क या मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय की हायर संकेश्वरी परीक्षा या समकका। वे उम्मीदवार की पाल हैं जिल्होंने स्कूली शिक्ता की 10+2 प्रणाली के ग्रन्तर्गत 11वीं कका की परीक्षा पास कर ली है।

ऐसे उम्मीदवार भी भावेदन कर सकते हैं जिन्होंने भभी हायर सेकेण्यरी या समकक परीक्षा या स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के धम्सर्गत 11वीं परीक्षा पास करनी है।

सेवा चयन बोर्ड के साझारकार में अर्मुता प्राप्त करने वाले उम्मीववारों को 2 जुलाई, 1983 तक वपने मैं द्रिकुलेशन एकम्/या हायर सैकेण्डरीया समकक्ष प्रमाण-पद्म मूल कप में सेना मुख्यालय रिक्ट्रिंग ६(एस०पी०) (ए०), वेस्ट क्लाक III, श्रार० के० पुरम, नई विल्ली-110022 को प्रस्तुत करने होंगे। ऐसा न करने पर उनकी उम्मीववारी रह कर वी जाएगी। ऐसे मामलों में जहां बोर्ड/विश्वविद्यालय के द्वारा प्रभी तक प्रमाण-पत्न जारी नहीं किए गए हों, शिक्षा संस्थामों के प्रधानाचार्य के द्वारा विए गए मूल प्रमाण-यद्भ भी श्रायोग को स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पत्नों की प्रमाणित सन्य प्रशिविधियां/फोटीस्टेट प्रतियां स्वीकार नहीं की जाएंगे।

ग्रथवाद की परिस्थितियों में श्रायोग किसी ऐसे उम्मीदवार की इस नियम में निर्धारित योग्यताश्रों में से युक्त न होने पर, भी शैक्तिक रूप से योग्य मान सकता है बशर्से कि उसके पास ऐसी योग्यताएं हों श्रायोग के विचार, से जिनका स्तर, उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचिस ठहराता हो। मोट 1'~ वे लम्मीववार जिल्हें हायर सैकेण्डरो या समक्षक पराक्षा में घभी धाईना प्राप्त करनी है और जिनको नय लोक सेवा धायोग ने परीद्वा में बैटने की धनुमति दे दी है, नोट कर हैं कि उनने दी गई यह विशेष छूट है। उन्हें हायर सैकेण्डरी या समकक परीक्षा उत्तीण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है धौर बोर्ड/विश्वविद्यालय परीक्षा में देंग से धायोजिन किए जाने, परिणाम धोषणा में बिलम्ब या अन्य किसी वारण से इस तारीख को घोर थागे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी धनुरोध को स्वीकार सही किया जाएगा। जो उम्मीदवार रहा मंद्रास्त्रय द्वारा रक्षा क्षेत्राचों में किसी प्रकार के कमीशन से ध्रप्यजित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेण के पाक नहीं होंगे। धगर प्रवेण दे दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रह की जाएगी।

भावेदन के साथ देव शस्क :---दं 28.00 (ब्रद्ठाईस ठपए) [ब्रन्मूचित जातियों/बनुसूचित जनजातियों के लिए दं 7.00 (सात ठपए)]। जिन भावेदन-पदों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम घस्वीकार कर दिया जाएगा।

5 शुल्क से छूट:—(1) ब्रायोग, यदि चाहे तो निर्धारित शुल्क से छूट व सकता ह जब उनका इस बाल का ध्रायवासन हो कि मानेवक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ध्रव बंगला वेश) से वस्तुत: विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 धीर 25-3-1971 के बीच की मर्वाध में भारत में प्रकलन कर भाया है या भूतपूर्व पिच्चिमी पाकिस्तान का वास्तिक विस्थापित व्यक्ति है तथा पहली जनवरी 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की प्रविध के दौरान धारते प्रवणन कर चुका है या वह वर्मा से वस्तुत: प्रत्यावित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रवणन कर घाया है या वह श्रीलंका से वस्तुत: प्रत्याविति म्हारतीय क्यक्ति है जो धनटूबर, 1964 के धारत-श्रीलंका समझौते के धन्तर्गत 1 नवस्वर, 1964 को या उसके बाद भारत में प्राया है या प्राने वाला है और निर्धारित शृक्क देने की स्थित में महीं है।

- (2) बल सेना के जूनियर कमीणण्ड अफसरों, नान-कमीशण्ड अफ सरों तथा अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय बायु सेना के समकक रैंकों के बच्चों और बलसेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशण्ड अफसर, भूतपूर्व नान-कमीणैंड अफसरों तथा भूतपूर्व अन्य रैंकों और भारतीय नौ-सेना तथा भारतीय बायु सेना के समकक रैंकों के बच्चों को उस स्थिति में निर्धारित गुरुक देने की जक्षरत नहीं होंगी जब वे निम्नलिखिस शर्ते पूरी कर देते हैं; अर्थात् :----
  - (i) वे मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जाओं के स्कूलों के नाम से बात)/सैभिक स्कूल सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं, ग्रीर
  - (ii) उनके झावेवन सम्बद्ध स्कूल के प्रिसिपल द्वारा इस झनुझंसा के साथ झग्नेषित कर विए जाते हैं कि उनके लिखित प्रक्रन-पत्नों में कुल झंकों के कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की झाशा है।

टिव्यणी : -- मिलिटरी स्कूलों/सैनिक स्कूलों के उम्मीदवारो के सम्बद्ध म्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा अग्रेषित आविदन-पत्नों की संबी- आ आयोग के कार्यालय में यह निश्चय करने के लिए की जाएगी कि क्या ऐसे उम्मीदवार उपर्यक्त मोटिस के पैरा 5(2) के अंतर्गत मुल्क से छूट के हकदार हैं। किन्तु मिलि- टरी स्कूलों/सैनिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों को अपने स्कूल के विद्याधियों के आवेदन-पत्न आयोग को अपेषित करने से पहले संतुष्ट हो लेना चाहिए कि वे नोटिस की उक्त व्यवस्था की अपेकाओं को पूरा करते हैं। आयोग प्रधानाचार्यों हारा कुछ करने या न करने से हुई गडबड़ी के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।

- 6 श्रावंदन कैसे किया आगु:--केबरा राष्ट्रोय रक्षा अकादमा परीका विसम्बर, 1982 के लिए निर्धारित प्रपत्न मे छपे हुए हाविदन-पत्न ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के गोटिस के साथ लगे हुए हैं। धावेदन-पत्न घर कर सचिव, संघ पोक सेबा खायोग, हीलपुर हाउस, गर्ड दिल्ली-110011 को मेजे जाने चाहिएं। धावेदन प्रपत्न श्रीर परीत्म के पूरे विदरण निस्त स्थामों से प्राप्त किए जा सकते हैं:--
  - (i) संघ लोक मेवा प्रायोग के सचिव को वो श्यय मनीप्राईट या नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय देखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेज कर सचिव, संघ क्षोक सेवा धायोग, धील-पुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा;
  - (ii) दो स्पए नकद देकर झायोग के कार्यालय के काउण्टरपर;
  - (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/तब एरिया मुख्या-लय, वायु सैनिक चयन केःब्रों, एन० मी० मी० एकक तथा मौसेना प्रतिब्दामों के यहां से नि.स्का

प्रावेदन-प्रपत्त तथा पावती कार्ड उम्मीदवार धपने हाथ से ही स्पाही या बालपैन से भरें। सभी प्रविष्टियां शब्दों में होनी चाहिएं, रेखाओं या बिन्दुभों में नहीं। धधूरा या गलन भरा हुआ धावेदन-पत्त रह कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ह्यान रखें कि भावेषत-पत्तों को भरते समय भारतीय भंकों के मन्तर्राष्ट्रीय रूप (ग्रवांत् 1,2,3 ग्रावि) का ही प्रयोग किया जाना है। चाहे माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पद्म या इसके समकक प्रमाण-पद्म में जन्म की तारीख हिन्दी भंकों में लिखी हो तो भी उम्भीव-वार यह सुर्गिश्चित कर ले कि वह जो भावेदम-पत्न प्रयोग में लाता है उसमें इसकी प्रविष्ट करते समय मारतीय भंकों के केवल भन्तर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग करें। वे इस बात का विशेष घ्यान रखें कि भावेदन-पत्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट भीर सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियां भग्रह्म या भ्रामक होंगी तो उनके निर्वंचन में होने वाले भ्रम तथा संविष्धता के लिए उम्मीदवार उत्तरकारी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखता चाहिए कि धायोग द्वारा धावेदन-पत्न में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्न धादि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसीलिए उन्हें धावेदन-पत्न सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों की, चाहे वे सरकारी स्वामित्व वाले भौधोगिक उपक्रमों या उसी प्रकार के संगठमों में काम कर एहे हों या गैर सरकारी संस्वामों में नियुक्त हों, भायोग को सीधे भावेदन-पत्न भेजने चाहिएं। भगर किसी उम्मीदवार ने अपना भावेदन-पत्न भपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो भौर वह संघ लोक सेवा भायोग में देर से पहुंचे तो उस माबे-दन-पत्न पर विचार महीं किया आएगा, मने ही वह नियोक्ता को भाषिरी तारीख के पहले प्रस्तुस किया गया हो।

लोक उपक्रमों में सेवारत व्यक्तियों से यह प्रपेक्षा की जाती है कि उन्होंने प्रपने कार्याक्षयाध्यक्षा/विभागाध्यक्ष को लिखित रूप में मूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए प्रावेदन किया है।

उम्मीदवारों को यह नोट कर लेना चाहिए कि यदि श्रायोग की उम्मीदवारों के नियोक्ताओं से कोई पत्त उम्मीदवारों की परीक्षा हेतु श्राबदन करने/प्रविष्ट होने से रोजने के लिए प्राप्त होता है तो एसी स्थिति में उनके श्रावेदन-पन्न को श्रस्कीकृत कर दिया जाएगा/उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी।

जो उम्मीदवार सशस्त्र सेना में सेवारत हैं, उन्हें अपने आवेदन-पन्न अपने कमांडिंग आफिसर को प्रस्तुत करने चाहिएं जो पृष्ठांकन (धावेवन-पन्न के माग 'ख' के अनुसार) को पूरा करके धायोग को धग्नेथित करेंगे। नोट :--- भारतीय नौसेना के नाविक बाल या कारीगर प्रशिक्ष सहित पहली तरजीह भारतीय नौसेना को हैं। उनके धावेदनो पर तभी विचार होगा जब व कमान धफगर द्वारा विधिवत् धन्शंसित कर दिए जाते हैं। राष्ट्राय राष्ट्रयन भालट्रो कालज (पहले सैनिक स्कूल के नाम स गान), देहराहून के कैडेटों, मिलिटरी स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूला के नाम से कात) सथा सैनिक स्कूल सोमायटी दारा चलाए आ रहे सैनिल स्कूलों के विद्यापियों को कालिआ/स्कात के प्रिनियल के माध्यम ने ग्रयने यानेदन-पक्ष मेजने चाहिए।

7. भरा हुमा धायेदन-पत्न धाववयक प्रलेखों के साथ मचिय, मंघ लोक सेवा धायोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 6 सितम्बर, 1982 (6 सितम्बर 1982 से पहले निसी तारीख से ध्रसम, मेचालय, ध्रक्षणाचल प्रवेश, मिछोरम, मिणपुर, नागालैंग्ड, लिपुरा, सिकिनम, जम्मू धौर काश्मीर राज्य के लक्षख प्रभाग हिमाचल प्रदेश के लाहील घौर स्पिति जिले, धंडमाम धौर निकोबार धीपसमह या लक्षधीय धौर विदेशों में रहने वाले धौर जिनके धायेवन-पत्न उपर्युक्त में से कियी घी क्षेत्र से बाक धारा प्राप्त होने हैं उन उम्मीववारों के मामले में 20 सितम्बर, 1982 तक या उससे पहले बाक द्वारा ध्रवस्य फिजवा दिया जाए या स्वयं धायोग के काउंदर पर धाकर जमा कर दिया जाए । निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने बाले किसी घी धावेदन-पत्न पर विचार मही किया जाएगा ।

धसम, मेघालय, धरणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, किपुरा, सिकिसम, जरूम धौर कश्मीर राज्य के लक्षाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पिति जिले, धंडमान और निक्षोक्षार द्वीपसभृह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उन्मीदधारों से धायोग यदि चाले के इस बान का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 6 सितन्बर, 1982 से पहले की तारीख से धसम, मेघालय, प्रदेणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैंड, लिपुरा, सिक्सिम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पिति जिले, धंडमान और निकोबार द्वीपसमृह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था। टिप्पणि(i) जो उन्मीदवार ऐसे केसों के हैं जहां के रहने वाले धाबेदन की प्रस्तुति हेलु धतिरिक्त समय के हक्षदार है उन्हें धाबेदन पक्ष के संगत कालम में धपने पतों में धतिरिक्त समय के हक्षदार इलाके या क्षेत्र का नाम (धर्यात घसम, मेघालय, जम्मू तथा काश्मीर राज्य का लहाख प्रभाग धावि) स्पष्ट

ठिप्पणी (ii) उम्मीववारों को सलाह दी जाती है कि वे प्रपते प्रावेवन-पक्ष को स्वयं सं० लो० से० घा० के काउष्टर पर जमा कराएं प्रथवा रजिस्टर्ड बाक द्वारा भेजें। द्यायोग के किसी ग्रन्थ कर्भवारी को दिए गए प्रावेदन-पत्नों के लिए प्रायोग उत्तर-दायी नहीं होगा।

उन्हें प्रतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

रूप से निर्विष्ट करना चाहिए ग्रन्यया हो सकता है कि

# प्रतिच की भावेदन के साथ प्रस्तुत हो :---

# (क) सभी उम्मीववारीं द्वारा:--

(i) द ० 28.00 ( अट्टाइस क्याए) [ अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए द ० 7.00 (सात पए)] का गुल्क भी सचिव, संघ लीक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान बाक घर पर देय रेखांकित मारतीय पोस्टल आईर के जरिए या मचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम मारतीय स्टेट बैंक मच्च शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक के किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के जरिये।

हिष्यणी: -- उम्मीदवारों को प्रपने धावेदन-पत्न प्रस्तुत करते समय बैंक श्रूपट की पिछली धोर सिरे पर प्रपत्ता नाम सथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल धाईरों के मामले मे उम्मीदयार पौस्टल धाईर के पिछली धोर इम प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुक्त, राजधूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, क कार्यालय में निर्धारित णूक्क जमा करें, जिससे बह "051 लोक सेव। ग्रामोन परीक्षा गूल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए भीर उसकी रसीद ग्रावदन-पक्ष के बाथ भेज दें।

(11) ग्राय का प्रमाण-पत्र :-- ग्रायाग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैद्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैद्रिकुलेशन के समकक माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा धनुरक्षित मैद्रिकुलेटों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो ग्रीर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समृचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो।

उम्मीदवार पूर्वोक्त मैट्रिकुलेशन या समकक्ष प्रमाण-पक्ष की दो प्रसि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतियो भवश्य प्रस्तुत करें। किन्तु जिस उम्मीदवार ने क्षायर सैकेण्डरी परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है वह हायर सैकेण्डरी परीक्षा प्रमाण-पक्ष या समकक्ष प्रमाण-पक्ष की दो प्रकि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतियो प्रस्तुत कर सकते हैं।

भाय के सम्बन्ध में कोई भन्य वस्तावेज औसे जन्म कुण्डली, गापथपत्न, नगर निगम के सेवा भ्रभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उदारण, तथा भ्रम्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

धनुदेशों के इस भाग में भाए हुए "मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न" वाक्यांश के भ्रन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाणपञ्च सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उण्यातर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पक्ष में अग्म की तारीख नहीं होती या धामु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष धौर महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उण्यात माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पढ़ की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के ध्रतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/ँअसिपल से लिए गए प्रमाण-पढ़ की ध्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उण्यात माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पक्ष में उम संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक धायू लिखी होनी चाहिए। उम्भीदवारों को चेतावभी दी जाती है कि यदि धावेदन-पत्न के साथ इन धनुदेशों में यथा निर्धारित धायू का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो धावेदन-प्रपद्म धस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1: जिस उम्मीदवार के पास पकाई पूरी करने के बाद प्राप्त भाष्यमिक विद्यालय प्रमाण-पक्त हो, उसे केवल प्रायु स सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृथ्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि मेजनी वाहिए।

टिप्पणी 2: उम्मीवनार यह ध्यान में रखें कि धायोग उम्मीवनार की जम्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि घावेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकूलेशन/उज्ज्वतर माध्य-मिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकका परीक्षा के प्रमाण-पत्र में वर्ज है ग्रीर इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी धन रोष्ठ पर न तो विचार किया जाएगा ग्रीर न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3: उम्मीदबार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की सारीखा एक धार घोषित कर देने भीर धायोग द्वारा उसे भ्रमने श्रमिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की भ्रममित नहीं दी जाएगी।

(iii) गेंक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की धिमप्रमाणित/प्रमाणित-प्रतियौ—उम्मीक्बार की इस धालय के प्रमाण-पत्न की दो धिम-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतियौ सबक्ष्य प्रस्तुत करनी चाहिएं कि उसके पास पैरा 3(ग) में बिहित योग्यताओं से एक योग्यता है सा उम्मीवबार क्षारा इसके इस प्रकार गिंजस कर लेने की संभावना है कि पैरा 3(ग) में विहित तारीख तक इसको उसी करने का प्रमाण दिया जा सके। जो प्रमाण-पन्न प्रस्तुत किया जाए वह वहीं हो जो योग्यता विशेष को देने वाले प्राधिकरण (ग्रर्थात् विश्वविद्यालय या ग्रन्य परीक्षा-निकाय) ग्रारा जारी किया गया हो। यदि ऐसे प्रमाण-पन्न की श्रीमप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों प्रस्तुत नहीं की जाती हैं तो उम्मीववार को उसके प्रस्तुत न करने की धणह बतानी चाहिए और ऐसे ग्रन्य प्रमाण प्रस्तुत न करने की धणह बतानी चाहिए ग्रीए ऐसे ग्रन्य प्रमाण प्रस्तुत न करने चाहिएं जो वह ग्रापेजित योग्यता रखने के दावे के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। ग्रायोग इस प्रमाण पर गुणवता के ग्राधार पर विचार करेगा पर इसे पर्योग्य मांगले के लिए बाज्य नहीं होगा।

- (iv) उपस्थिति पत्नक (मावेदन-पत्न के साथ संज्ञान) विधिवत मरा हुमा ।
- (v) उम्मीयवार के हाल ही के पासपोर्ट ग्राकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी वो प्रतिया जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीयवार के हस्ताक्षर विश्वित ग्रीकृत हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन-पत्न के प्रयम पृष्ठ पर धौर दूसरी प्रति उपस्थिति पक्षक पर निर्धारित स्थान पर जिपका देनी चाहिए।

- (vi) लगभग 17.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० झाकार के दो बिमा टिकट लगे लिफाफे, जिन पर ग्रापका पता लिखा हुग्रा हो।
- (ख) अनुसूचित जातिश्वां/धनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों हारा--प्रनृसूचित जाति/धनुसूचित जनजाति का होने के वाले के समर्थन में जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) ग्राम तौर पर रहते हों, उस जिले के किसी सक्षम प्राधिकारी (प्रमाण-पल्ल के नीचे उस्लिखित) परिशिष्ट IV में दिए गए प्रपन्न में लिए गए प्रमाण-पल्ल की भवित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (ग) गुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीववारों के द्वारा :--
  - (i) किसी जिला अधिकारी या राजपित्रत अधिकारी या ससट्या राज्य विधान भंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित श्रुष्क देने की स्थिति में नहीं है।
  - (ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्याविति स्थिति होते के दावे के समर्थन में निम्मलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्र की ग्रक्ति-प्रमाणित /प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (क) भृतपूर्व पूर्वी पाकिस्ताम से विस्थापित व्यक्ति
  - (i) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिस्ट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों राहत शिविरों का शिविर कमोर्डेट ।

#### स्यव

(ii) इस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहां पर वह, फिलहाल रह रहा हो।

#### प्रथम

(iii) प्रपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी प्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

#### प्रथम

(iv) सब-डिविजनल भक्तसर धपने श्रेश्चीनस्य सब-डिवीजन की सीमा तक।

#### ध्रयवा

(v) घरणाची पुनर्वासन उपायुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुसर्वा मन), कथकता ।

- (ख<u>)</u> श्रीलंका से प्रत्यावर्तित:-
- श्रीसंका में भारत का उच्चायोग
- (ग) बर्मी से प्रत्यापतित:--

भारतीय राजधूताबास, रंगून या उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहां पर वह रहा हो।

- (प) तत्कालीन पश्चिम पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति
- (i) विभिन्न राज्यों में ट्रांजिट केन्द्रों या राहत शिविरों के कैप्प कमार्केट

#### श्ववा

(ii) जिस इलाके का वह फिलझाल निवासी है वहां का जिला मजिस्ट्रेट

#### भ्रष्

(iii) भापने जिले में शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी भ्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट

#### प्रयमा

(iv) धपने प्रभार के धन्तर्गत सब डिवीजन के धन्यर सब डिबीजनक धफसर

#### धवरा

- (v) उप-शरणार्थी--पुनर्वास-मामुक्त
- टिप्पणी: उम्भीदवारों से यह भपेका की जाती है कि वे आवेदन-पश्च के साथ भेजे जाने वाले प्रमाण-पक्षों की अभिप्रमाणित-/प्रमाणित प्रतियों पर अपने हस्ताक्षर करके भेजें तथा उस पर तारीख भी लिख'।
- 9 शुल्क की नापसी: मानेदन के साथ घायोग को झदा किया गया गुल्क नापस करने के किसी धनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयम के लिए सुरक्षित रखा जा मकता है: —
  - (i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुस्क वे विया है, पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं विया, उसको ६० 15.00 (पन्त्रह क्पए) धनुसूचित जातियों/प्रमुसूचित जन जातियों के उम्मीवनारों के मामले में ६० 4.00 (चार क्पए) नापस कर विया जाएगा। परन्तु अगर कोई धाबेदन यह सूचना प्राप्त करने पर घटकीकार कर विया गया हो कि उम्मीवनार हायर सैकेण्डरी या समकक परीक्षा में धनुतीण हुआ है या हायर सैकेण्डरी या समकक परीक्षा में धनुतीण होने का प्रमाण निर्धारित तारीक तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए गुल्क की नापसी मंजुर नहीं की जाएगी।
  - (ii) जो उम्मीदिवार विसम्बर 1981 या मई, 1982 में झामोजित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीका में बैठा हो भीर इन परीकाओं के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्य के लिए उसका नाम अनुशंसित हुआ हो तो उनके मामले में द० 28.00 (अट्ठाईस क्यए) [अनुसुबित जातियों/अनुसुबित जनजातियों के मामले में द० 7.00 (सात रुपए)] का शुक्क बापस दिया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि विसम्बर 1982 की राष्ट्रीय रक्षा अकावमी परीका के लिए अपनी उम्मीदबारी रह कराने और शुक्क बापस पाने के लिए उस उम्मीदबार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 करवरी, 1983 को या उससे पहुंचे जाए।
- 10. प्रावेदन पत्न की पानती: --- प्रायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक प्रावेदन-पत्न की जिसमें देर से प्राप्त ग्रावेदन पक्ष सम्मिनित हैं, पानती दी जाती है तथा भानेदन-पत्न की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। बाधि किसी उम्मीदवार की उक्त परीक्षा के भानेदन-पत्न भाष्त करने के खिए

निर्धारित श्रंतिम तारीख से एक मास के अन्वर पावती नहीं मिलतो है तो उसे तत्काल श्रायोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को झावेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है अपने स्नाप यह सर्थ महीं है कि झावेदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और झायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

11. श्रावेदन को परिणाम :-- ग्रगर किसी उम्मीदबार को ग्रपने भावेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा मुक्त की सारीच से एक महीने पहले तक ग्रायोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जान हारी के लिए ग्रायोग से सरकाल संपर्क करना चाहिए। ग्रगर इस क्षात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदबार ग्रपने मामले में विचार किए जाने के ग्राधि-कार से बंधित हो जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश: — किसी जम्मीदनार की वाकता या प्रवासता के संबंध में संब लोक सेवा प्रायोग का निर्णय प्रक्तिम होगा। प्रायोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पक के बिना किसी भी जम्मीदनार को परीक्षा में प्रवेश मही दिये आएगा।

[3] 13. कवाचार के दोवी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्यवाई: ---उम्मोद बारों को चेतावती दो जाती है कि वे धावेदन-पछ सरते समय कोई गलत विवरण न वें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीद-बार की यह भी चेतावनी दो जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उनकी धिमश्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फैर-बदल न करें और न फैर-बदल किए गए/जानी प्रलेख को वे श्रस्तुत करें। प्रगर इस प्रकार के दो या श्रिषक प्रलेखों में या उनकी धिमश्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई धनुद्धि या असंगति हो हो इस धसंगति के बारे में स्वव्धी-करण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उन्मीदवार ग्रायोग द्वारा निस्नांकित कदाचार का दोवी मोवित होता है या हो चुका है:--

- (i) किसी प्रकार से सपनी जन्मीदवादी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्वान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) प्रपत्ने स्थान पर किसी दूसरे की प्रस्तुत करना; या
- (iv) भाषी प्रकेख या फीर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तृत करना।
- (v) समृद्ध या ससस्य अक्तम्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को क्रिया क्षप रक्षना; मा
- (vi) परीक्षा के लिए सपती जन्मीववारी के संबंध में किसी सर्वि-समित या सनुचित लाम छठाने का प्रयास करना; मा
- (vii) परीक्षा के समय धनुचित तरीके अपनाए हीं; या
- (viii) उत्तर पुस्तिका(क्रों) पर झसंगत वार्ते लिखी हों को झक्तीस सावा या समझ सावय की हों; या
- [(ix) परीक्षा सबन में भीर किसी प्रकार का दुर्थ्यवहार किया हो;
  - (x) परीक्षा अलाने के लिए धायोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों की परेशान किया हो या धन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
- (xi) उम्मीववारों को परीक्षा वेने की मनुमति वेते हुए प्रेवित प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ जारी किसी भनुवेश का उल्लंखन किया थी: या
- (xii) अत्यर के खण्डों में डिल्लिखित सभी मा किसी कवाचार की छोर प्रकृत होना मा प्रायोग को उत्तेजित करना ।
- बहु ग्रंपने की दण्ड-अभियोजय का शिकार बनाते के घतिरिक्ट '---
- (क) वह जिस परीका का उम्मीद्वार है, उसके लिए भाषीय द्वारा
   म्योश्य हक्ष्याया था सकता

धवन

- (का) (i) भायोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या खयन के सिए;
  - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके प्रधीन किसी नियुक्ति के लिए स्वायी रूप से या कुछ निर्दिष्ट प्रयिव के लिए प्रपर्वीजत किया जा सकता है; ग्रीर

किन्तु शर्स यह है कि इस नियम के ब्रधीन कोई शास्ति अब तक महीं वी जाएंगी अब तक---

- (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित प्राच्यावेदभ, जो बहु
  देना वाहें प्रस्तुत करने का अवसर म दिया गया हो, और
- (ii) उम्मीवनार क्षारा छन्मत समय में प्रस्तुत सम्यावेदन पर, यदि कीई हो, विचार न कर लिया गैया हो।
- 14. मूल प्रमाण-पत्नों का प्रस्तुतीकरण:——जो उम्मीदवार लिखित परीका के परिणामों के झाझार पर से क क बोर्ड के साकात्कार में मर्नुता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें साकात्कार के तुरस्य बाद झपती धायु तवा ग्रीकिक योग्यताओं मादि के समर्थन में झपन मूल प्रमाण-पद्ध मुख्या-लय, भार०टी०जी० 6(एस० पी०) (ए०), बेस्ट ब्लाक III, झार० के० पूरम, नई दिल्ली-110022 को प्रस्तुत करने होंगे।
- 15. शाबेदन के संबंध में पक्ष-व्यवहार :---धाबेदन के संबंध में सभी पक्ष-व्यवहार सचिव, संव लोक सेवा झायोग, श्रीअपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना श्राहिए धीर उसमें निम्नांकित विवरण सकस्य होना शाहिए:--
  - (1) परीक्ताका नाम
  - (2) परीका का वर्ष भीर महीना
  - (3) झावेदन पंजीकरण संक्या/रोल नम्बर या अभ्य की तारीक्ष (ध्रणर झावेदन पंजीकरण संक्या/रोल नम्बर नहीं मिला ही)
  - (4) उम्मीवनार का नाम (पूरा और साफ लि**बा हुआ**)
  - (5) पक्ष व्यवहार का पता, जैसा ग्रावेदन-पद्य में दिया है।
- ड्यान वें :--(i) जिन पढ़ों में ऊपर का श्वीरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।
  - (ii) यदि किसी परीक्षा की समस्ति के बाद किसी उम्मीदवार को प्रक/प्रकादि प्राप्त होता है तका इसमें उसका पूरा साम धौर मनुष्मांक नहीं दिया गया है तो उस पर ज्यान नहीं दिया जाएगा खौर उस पर जोदी कार्यवाही नहीं की जाएगी।
- 16. पते में परिवर्तन ।—उम्मीववार को इस बात की अवस्था कर खेषी आहिए कि उनके माबेबन-पक्ष में विए पते पर पेजे जाने शाले पक्ष माबि माबक्यक होने पर उसके नीचे पते पर किजवा विए आएं। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे कार के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ मायोग को स्वाशीध्र श्रुचित कर देना चाहिए।

सेवा बयन बोर्ड के साकात्कार के लिए आयोग द्वारा अमुबंसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद अपना पता बवल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखिल आग के परिणाम बोणित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल क्षेत्रा मुख्यालय, ए०जी० बांब, रिक्टिंग 6 (एस० पी०) (ए०) बैस्ट ब्लाक III, विग-1 रामा-कृष्णापुरम, नई विल्ली-110022 को सुचित कर देना चाहिए। जो उम्बीदवार इन अनुवेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा वयन बोर्ड के साकात्कार के लिए सम्मन-पक्ष न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के वाचे से बंचित हो जाएगा।

यधापि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पुरा-पूरा ज्यान वेने का अयस्य करते हैं, फिर की इस संबंध में के घपने उत्तर कोई जिन्द्रेवारी नहीं ले कड़ी। 17. जिकित परीक्षा में योष्य कम्मीववारों के साक्षात्कार के संबध में पूछताछ—जिन उम्मीववारों के नाम सेवा व्यम कोई के साक्षात्कार हेत् रिपोर्ट के लिए अनुकंसित हैं उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछताछ और अकुरोध श्रीक्षे सेना मुख्यालय ए०जी० जीच रिकृटिंग 6(एस०पी०) (ए०) वेस्ट श्लाक 3 त्वा-1 रामकृष्णापुरम; नई विल्ली-110022 के वरे पर लिखने वाहिए!

उम्मीदवारों को साक्षास्कार के लिए घेओ गए समत-पक्त हारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षास्कार करनी है। साक्षास्कार को स्विगत करने से संबद्ध ग्रमुरोग्न पर कैथल ग्रपवादारमक परिस्थितियों में भीर प्रशासनिक सुविधा को ध्याम में रक्षकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्णायक प्राधिकरण सेना बच्चास्य होगा।

जिन छम्मीदबारों के नाम संब कोक सेवा बायोग हारा जारी की सब बंदिय वार्यना-सुबी में है यदि उनके पहले दिए गए पते में कोई परिवर्तन हुमा हो दी उनको धपने मा ो की सुचना मुख्यालय ए०जी० हांच रिकृ।टिंग 6(एस०पी०) (ए०) बेस्ट अलाक 3, विग-1 रोमाक्तव्यापुरम नई विश्वी-110022 को वे देनी चाहिए ताकि सेना मुख्यालय हारा जारी किए गए कार्यमार संघालने के धनुदेश उन्हें सभय पर मिल सकें। यदि ऐसा नहीं किया गया हो कार्यमार संघालने के धनुदेश उन्हें सभय पर मिल सकें। यदि ऐसा नहीं किया गया हो कार्यमार संघालने के धनुद्वी होगी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा योग्यताप्राप्त उम्मीद-वारों का सालात्कार घंतिम परिणामों की घोषणा और घंतिम क्य से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पाठ्यकम में प्रवेश :—संघ लोक सेवा भाषोग लिखित परीक्षा में भाषोग के निर्णय पर निर्भारित 'यूनतम महुंक संक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची दैयार करेगा। ये उम्मीदवार बौद्धिक सथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिये सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे जहां यल सेना—नौसेना के उम्मीदवारों की भिक्ष-कारी क्षमता तथा वायुक्षेता के उम्मीदवारों का पाइलट एन्टीच्यूट परीक्षण सथा प्रक्षिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में प्रक्षिक से प्रविक 900 संक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदबार सेवा वयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर प्रपत्ती ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा वयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके धौरान या उसके फलस्वरूप प्रगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की घोर से कोई श्रुति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे बाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीद-वारों के माता-पिता या धिमभावकों को इस धामय के एक प्रमाण-पक्ष पर हस्ताकार करने होंगूं।

ध्वीकृति हेतु मल सेना/नौ सेना के उभ्भीदवारों को (i) लिखित परीका तथा (ii) प्राधिकारी क्षमता परीक्षणों में मलग-मलग स्यूनतम धार्तुक प्रक प्राप्त करने होंगे जो कि प्रायोग द्वारा उनके निर्णय के प्रमु-सार, निश्चित किये जायेंगे भीर वायु सेना के उम्मीदवारो की (i) खिचित परीक्षा, (ii) प्रधिकारी अमता परीक्षण, (iii) पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण में मलग-मलग न्यूनतम बर्हुक मंक प्राप्त करने होंगे जो कि धायोग द्वारा उनके निर्णय के प्रवृक्षार निश्चित किये जायेंगे। इन शती पर महुंता प्राप्त उम्मीववारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त क्रुल अंकों के भ्राक्षार पर बोध्यता के संविम कम में वो मलग-मलग सुचियों में---एक बल सेना तथा नौ सेना 📦 लिये भौर दूसरी वायुसेना के लिये---रखा जाएगा। जो उभ्मीदवार सैसा के सभी श्रंगों के लिये शर्हुता प्राप्त कर लेते हैं उनका नाम दोनों बोग्यता-भूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा धकावमी के थल सेना तथा बौरेवा के बिगों में प्रवेश के लिये मंतिम बयन यल सेना तथा मौसेना **की योग्यता-सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता** के व्यम से किया जाएगा और वायुसेना विग से प्रचेश के लिये संतिभ वयन बाय्रेना की योग्यता सूर्वा में ने रिक्तियों की संक्या की देखते हुए **बोग्यता के ऋ**प से किया आएगा को सारीरिक स्वस्थता घीर धन्य

सभी बातों में उपयुक्तता के धाद्यार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के साम बोनों बोग्यता सुचिवों में हैं उन पर पोनों सूचियों में क्यन हेतु निचार उनके नरीयता कम को देखते हुए होगा और उनके एक सूची से संतिम कप से चन लिये जाने पर दूसरी सुची से उनका नाम रह कर दिया आएगा।

ह्यान वें :-- वायु सेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पाइनट एप्टीक्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। सतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रंड वायुसिना जयम धोर्ड के सामने बाद में होने वाले प्रत्येक साक्षास्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पाइसट एप्टीक्यूट के प्रथम परीक्षण में ससफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा सकादमी परीक्षा के वायुसेना विग या जनस्स इयूटीज (पाइसट) बांच या नैवस एसर एक्सर एप्टर एक्सर उपन में प्रवेश के लिये सावेवन नहीं कर सकता।

जिम उम्मीवनारों का किसी पिछले रा० र० धकावमी कोर्स में पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण हो गया हो धौर उन्हें उसमें धहुंता प्राप्त कर लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायुसेगा बिग के लिये ही धपना धार्वेदन करमा चाहिए।

ग्रालग-ग्रालग उम्मीववारों को परीक्षा के परिणाम किस इत्य में ग्रीध किस प्रकार सूचित किये जायें इस बात का निर्णय ग्रायोग ग्रापने ग्राप करेगा भीर परिणाम के संबंध में अम्मीदवारों से कोई पदा-व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मान्न से अकादनी में प्रवेश का कोई सिक्क कार नहीं भिक्षेगा। उच्मीदवार की नियुक्ति प्राधिकारी की संतुष्ट करना होगा कि वह प्रकादनी में प्रवेश के लिये सभी सरह से उपयुक्त है।

19. प्रशिक्षण पाइयकम में प्रवेश के लिये धनक्ताएं :--- जो उन्मीद-बार राष्ट्रीय रक्षा धकावमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा चुके थे पर धिकारी सुलध विशेषताधों के धमाव के कारण या धनुशासिक धाधार पर वहां से निकाल दिये गये थे, उनको धकावनी में प्रवेश नहीं विया जायेगा।

किन्तु जिन उम्मीवयारो को प्रस्वस्थता के धाधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी से बापस ले लिया गया हो या जिन्होंने पपनी इच्छा से उक्त प्रकादमी छोड़ दी हो उन्हें प्रकादमी में प्रवेश मिल संकता है वंशर्ते कि व स्वास्थ्य तथा प्रन्य निर्धारित शर्ते पूरी करते हों।

20. राष्ट्रीय रक्षा मकावसी या मफ्सर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण के वीरान विवाह पर प्रतिबंध :--उम्मीववारों की इस बात का वजन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं धोगा तब तक वे शावी नहीं करेंगे। जो उम्मीववार मपने माबेदन की सरीख के बाव सावी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिय चुना नहीं जाएगा। बाहे वह दस परीक्षा में या ग्रंगली किसी परीक्षा में मजे ही सफल हो। जो उम्मीववार प्रशिक्षण काल में शावी कर लगा उसे वापस मेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया वह सब उससे 'बसुख किया जाएगा।

21. बौद्धिक परीक्षण संबंधी सूचना :--रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक धनुसंघान निवेशालय) ने 'सेवा-चयन बोडों में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का प्रध्ययन' (ए स्टडी प्राफ इंटिलिजेस देस्ट कोर्स ग्राफ केंडिडेट्स एट सर्विसेज सेलेक्शन बोडोस) शीर्यक वाली पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोडों के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप धौर स्वभाव से परिचित्त हो जायें।

उसत पुस्तिका समूच्य प्रकाशन है सथा प्रकाशन नियंत्रक सिविल ।
लाइन्स विस्ति-110054 के कार्यालय से बेबी आती है। इसे बहा से
सीधे मेल मार्केट द्वारा या नकद मुगतान पर निया जा सकता है। यह
पुस्तिका केवल नकद मुगतान पर (i) किताब महल रिवाली सिनेमा
के सामने एम्पोरियम विस्तिम, सी ब्लाक, बावा खड़ग सिंह मार्ग, नई
दिल्ली-110001 (ii) उद्योग गहन, नई विस्ति-110031 पर प्रकाशत खाबा के बिकी कार्यकर प्रौर (iii) सर्वर्तमें बाप ई बिपा वस बिपो स

विस्य था. संबद्धत शांकः

# वरिशिष्ट I

(परीक्षा की योजना ग्रीर पाठ्य विवरण)

# (क) परीक्षाकी योजना

 लिखित परीक्षा के विषय नियत समय तथा प्रत्येक विषय के दिस्तितम प्रेक निम्नलिखित होंगे :---

विश्वय	समय	ग्रधिकतम संक
1. श्रंग्रेजी	2 षंटे	250
2. गणित—-प्रश्न-पत्तः I	2 षंटे	125
प्रश्न-पश्च II	2 ਵਰੋ	125
3. सामान्य ज्ञान—प्रश्न-पत्र I (विज्ञान) प्रश्न-पत्र II (सामाजिक प्रध्ययन भूगोल	2 घंटे	200
समा सामयिक मामले)		200
		900

- 2. सभी विषयों के प्रश्न पत्नों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न ही होंगे। नम्ने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिये कृपया परिशिष्ट V में उम्मीदवारों को सुचनार्य विवरणिका देख लें।
- प्रधन-पत्नों में जहां भी भावश्यक होगा, केवल ठील भीर माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों की ही पूछन जाएगा।
- 4. अम्मीदवारो को प्रश्न-पक्कों के उत्तर ध्रथने हाथ से लिखने भाषिए । किसी भी हालत में उन्हें प्रश्न-पक्कों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायगी ।
- 5 परीक्षा के एक या सभी विषयों के प्रहुंक पंकीं का निर्धारण ग्रायोग की विवक्षा पर है।

# (ख) परीक्षा का पाठ्य विवरण

धारोजी : - प्रंप्रेजी का प्रकारक इस प्रकार का होगा जिससे उम्मीदवार की प्रंप्रेजी की समझ धौर शब्दों के कुशल प्रयोग का परीक्षण हो सके। पाठ्यक्रम में विभिन्न पहलू समाहित हैं जैसे व्याकरण धौर प्रयोगविधि, शब्दावली तथा ध्रोप्रेजी में प्रवीणता की परख हेतु विस्तरित परिच्छेद में बोधगम्यता तथा सम्बद्धता।

# <u>गणित</u> प्रक<del>ा-पत्र----</del>[

#### श्रोक गणिल

संख्या पद्धतिया--धनपूर्ण सक्याय, पूर्णांक परिमय भीर वास्त संख्याएं, मल संक्रिया--जोड़, घटाना, गुणा भीर विभाजन, वर्गे मूल, वशमलव भिन्न ।

एकिक विधि-समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिशतता-साधारण तथा चच्चवृद्धि व्याज में प्रमुप्रयोग, लाभ तथ न्नपात भौर समानुपात विचरण।

प्रारम्भिक संख्याएं सिद्धात—विभाजन की कलन विधि, प्रभाज्य प्रीर भाष्य संख्याएं 1, 2, 3, 4, 5, 9, भीर 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अप-बत्यं भीर गुणन । गुणन । खण्डन प्रभाग । महत्त्म समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्यं, गुक्तिक की कलन विधि ।

द्याधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघुगणकीय सारणियों का प्रयोग ।

# बीज गणित

श्राधारभूत प्रतियाएं : साधारण गुणमं खण्ड 1 श्रेष फल प्रमय, बहु पर्दों का का महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्य। विवास समीकरणों का हल, भसके मूलों मौर गुणांकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक मल विचार किया जाए)। दो प्रशान राशियों में गुणपत समीकरण — विकास प्रशेष प्राप्त संबंधी हल। प्रायोगिक प्रमा जिनसे दो धरों से धो युणपत् रेखिक समीकरण बनते हैं या प्रस चर में दिधात समीकरण नथा उन के हुल, समुच्चय मावा तथा समुच्यय धंडन प्रवित्त प्रतियं व्यंतक तथा समुच्यय सांवा तथा समुच्यय धंडन प्रवित्त प्रतियं व्यंतक तथा समीकरण स्था समीकरण सांवा तथा समुच्यय सांवा तथा समुच्यय धंडन प्रवित्त प्रतियं व्यंतक तथा स्थासक धातांक विद्यात ।

## शिकोणमिति ।

क्या×, कोटिज्या×,स्पर्श रेबा×जब 0°≤×≤90°।

ज्या $\times$ , कोटिज्या $\times$ , स्पर्ण रेखा $\times$ का मान क्योंकि $\times$ 0°, 30°, 45°, 60°, और 90°, सरल क्रिकोणमितीय तत्समक।

क्षिकोणिमतीय सारणियों का प्रयोग।

अंचाइ यों भीर दूरियों के सरल कोण।

# भगन-पश्च---[]

### श्यामिति

रेंखा भीर कोण, समतल भीर समतल भागृति। निम्निखित वर प्रसेय:--

- (i) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण-सर्म,
- (ii) समीतर रेखाएं,
- (iii) किसी विभूज 🔷 भूजाएं धौर कींण,
- (iv) विष्णुजों की सर्वांगसमता।
- (v) समक्य क्रियुज
- (vi) माध्यिकाधों धौर शीर्ष लम्बों का संगमन,
- (vii) समांतर चतुर्भुजों, ग्रायात भीर वर्ग के कोणों, भूजाओं के विकर्णों के गुण धर्म,
- (Viii) बुल भीर उसके गुण धर्म जिसमें, स्पर्ग रेखा तथा भिशास्य भी शामिस है।
- (ix) स्थामिक संघक ।

# विस्तार कलन

बगी, आयतों, समांतर खतुर्भुओं . किम्ओं घौर वृत्तों के क्षेत्रफल । उन माकृतियों के क्षेत्रफल जो इन माकृतियों में विभाजित की जा सकती है। (क्षव्यवाही) चनामो का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा घायतम/लम्ब वृत्तीय शंक्कुधो घौर बेलनों का पार्थ-पृष्ठ तथा घायतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा घायतन ।

# सांक्यिकी

सांक्रियकीय तक्यों का संग्रहण सथा सारणीयन । भानेक्षी निक्यण-बारम्बारता, बहुभूज, भायत चिद्ध,- शलाकाचार्ट, पाई चार्ट भादि । भपरि-ष्कृत भीर समृहित स्रोक्ष्में का परिकलन माध्य ।

### सामान्य कान

बाप्रका-पद्य होंगे।

प्रका-पन्न (i)--क्समें, भौतिकी, रसायम और सामान्य विश्वान होगा;

प्रथन-पत्त (ii) ---इसमें सामाजिक श्रध्ययन, भूगोल भीर सामग्रिक मामल होंगे।

इन प्रश्न-पद्यों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्नलिखित पाठ्य निवरण पर माधारित होगा । उल्लिखित विषयांगों को, सर्वांग नहीं मान जेना चाहिए तथा इसी प्रकार के ऐसे विषयांगों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठय-विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीदवारों के उत्तरों से प्रश्नों को बोसगम्य वर्ग से समझने की खा भीर झान का पता चलना चाहिए।

# प्रश्न-प**स**---I

#### विज्ञान

सामान्य विकान प्रशन-पत्त 1 में निम्नलिखित पाठयविवरण शामिल होगां, र्-,

(क) द्रव्य के भौतिक गृण धर्म तथा स्थितियां, संहति, भार, प्रायसन, बनत्व तथा विशिष्ट युक्त्वाकर्षण । ग्राकंमिडील का नियम, दाव, वायुदाव, मापी ।

विश्व की गति : देश और स्वरण । स्युष्टन के गति नियम । बल झौर संवेगों । बल समान्तर चतुर्पृत । पिक का स्याधित्व और अंत्लम । गृथ्याक्वेण कार्यं, श्रीका और ऊर्जा का प्रारम्भिक कान । कन्मा ता प्रणाव । तापमान का नाए हो। कन्मा । विचार पश्यितंन होर पृथ्त कन्मा । अपमा श्रीमणमन विधियो ।

8यनि नरमें और उनके ग्णधर्म । सरल धाल येखा ।

प्रकाश का ऋजुरुरीय सं स्टार परा क्षेत्र और अपन्ते को लीवा दर्धण और लेक्सेस, मानव नेत्र ।

प्राकृतिक तथा कृतिम चूम्क्षक । चम्बक् के गुणपर्थ । पृथ्वी चूम्यक के सूप

स्पैभिक्ष तथा धारा त्रियुत । जालक और श्रत्नालक । श्रोम नियम-1, साधारण थिखुत परिषय । धारा के तापन, श्रकाण नया चुम्सकीय प्रमाव । वैश्वल शक्ति के माप । श्राथमिक भौर शौण सेल । एक्स-रे के लगपोग ।

निम्नलिखित के कार्यं सचालन के सामान्य विद्यांत ।

सरल जो हर । नरल विन्ती आहरा उत्तोल स, गुल्बारा, पम्प । हाइसीमीटर, प्रेशर कुकर, धर्मस प्रतास्क, प्रामीफीन, टेलीग्राफ, टेलीफीम, पेरिन स्कीप, टेलिस्कीप माइकोस्कोप, नाईक दिलसूचक, सहित चालक सुरका प्याज ।

(ख) भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तन तत्व । मित्रण तथा यौगिक । प्रतीत सूख भौर सरल रासायनिक समीकरण । रामायनिक संयोग के नियम (समस्याभी को छोक्कर) वायु भीर जल के रामायनिक गुण धर्म ।

हाइक्रोजन, श्रामशीजन, नाइट्रोजन, कार्बन-डाई-झावसाईड की रचना सौर गुण धर्म । साक्सीकरण सौर भपजयन ।

भन्त, कारक भीर लवण ।

कार्बन--भिक्त रूप।

उर्वरक--प्राकृतिक और कृक्षिम ।

साबुन, कांच, स्याही, कागज, सीमेट, पेंट, दियाशलाई और गन पाछकर जैसे पदार्थी को तैयार करने के लिए प्रमुक्त सामग्री।

परमाणुकी रचना, परमाणु तुल्यमान श्रीर ग्रणभार ग्रनुभाग संयोजकता का प्रारोज्यक शान ।

(ग) जड़ भीर चेतन में भ्रस्तर।

जीव कोशिकामों, जीव इव मीर ऊतकों का साधार।

बनस्पति भौर प्राणियों में विद्या भौर जनन ।

मानव गरीर भीर इसके महत्वपूर्ण भंगों का प्रारम्भिक ज्ञान ।

सामान्य महाभारियाँ उनके कारण तथा रोकने के उपाय।

खाद्य--मनुष्य के लिये ऊर्जाका स्रोत । साध का संघटन ।

संतुलित प्राहार ।

सीर परिवार : उल्का भीर स्मकेतु । शहण ।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियों ।

हिन्यणी :--इस प्रश्न-पत्न के घविकतम मंकों से सामान्यतया माग (क), (च) और (ग) के लिये कमशः 50 प्रतिशत, 30 प्रतिशत घोर 20 प्रतिशस संक होंगे ।

### प्रश्न-प**ल--**][[

(सामाजिक ग्राध्ययन, मूगील भौर सामयिक मामले) ।

सामान्य क्षान प्रश्न-पत्न मे निम्नलिकिल पारुयविवरण शामिल होगा :--

(क) भारतीय इतिहास का मोटे-तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति सौर सभ्यता की विशेष जानकारी ।

मारत का स्वतंत्रता भाष्टोलन ।

मारतीय संविधान भीर प्रशासन का प्रारम्भिक मध्ययन ।

भारत की पंचर्षीय योजनाओ, यचायती राज, सहकारी समितियों सौर साम्बायिक विकास की प्रारम्भिक जामकारी।

भूदान, सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता और कल्याणकारी राष्य । महात्मा गांधी के मुख उपदेश

बाधुनिक विश्य को प्रभावित करने वाली शक्तियों, पुनर्जागरण । बम्बेचण बीर बोज । बमरीका का स्वाधीनना संयाम । कामीकी काँति, बीदोगिक काँति, बसी काँनि, समात्र पर विकास भीर पौद्योगिक का प्रभाव ।

- एक जिल्ला का स्वाल्पना, संयुक्त राष्ट्र । पत्रपालि, लोकतन, सभाजनाय, साम्यक्ष वर्तमान विश्व में भारत का गोगवान ।
- (क) पृथ्वी इपकी आगृति धीर धाकार, घाकांश भौर रेखांग। समय । रांगलाता । त्र तनंद्राय तालील रेखा । पृथ्वी की गतियां धीर उसके प्रभाव । पृथ्वी का लदभाव, चट्टार्ने भीर उनका अगींकरण ।

अगक्षय गर्मातक भौर भौतिक । भूजान तथा अवालाभृषी ।

परासापर धारार भीर क्वार भाटे ।

वायुमण्डल भीर इसका संघटन । तापमान भीर वायुमण्डलीय वाड भूमण्ड-सीय पवन, चक्रवात भीर प्रतिचक्रवात भाईता । व्रवण भीर वर्षण । जसवायु के प्रकार ।

विशव के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र ।

भारत का क्षेत्रीय भूगील--जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, श्वनिज घौर शक्ति साधन, छाष भौर भौद्योगिक कार्यकलापों के स्थान घौर वितरण।

महत्वपूर्ण समुद्री पतन, भारत के मुक्य समुद्री, भू भीर बायुमार्ग । भारत के भ्रायात और निर्यात की मुक्य महें।

(ग) हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण शटनमों की जानकारी।
 सामयिक महत्वपूर्ण विश्व शटनाये।

महत्तपूर्ण व्यक्ति--नारतीय श्रीर श्रन्तरांब्द्रीय, इनमें सांस्कृतिक कार्यकलार्पी श्रीर खेल-कृद से संबंधित महत्वपूर्ण व्यक्ति की जामिल हैं।

टिप्पणी :---इस प्रश्न-पत्र के अधिकतम अधि में से सामान्यता माग (क),

(ख) भीर (ग) के लिये कमशः; 40 प्रतिशत, 40 प्रतिशत भीर 20 प्रतिशत मंक होंगे।

# बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवार की बुनियाली बुद्धि की जोच करने के लिए साक्षा का श्रांतिरक्त मौक्षिक तथा लिखित बिद्ध परीका ली जाएगी। उनके मुप परीक्रण मी किये जायेंगे, औस मृप परिचर्णा, मृप योजना, बहिरंग मृप कार्यक्रला तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान बेने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदनारों की मेश्वाशित की नाम के लिये हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण बास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गृणों की जांच के लिए हैं भपितृ इनसे उसकी सामाणिक विशेवताओं नथा मामाणिक पटनाओं के प्रति विलवस्थी का भी पता चलेगा।

### परिवाष्ट-II

राष्ट्रीय रक्षा मकावमी में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मावक के मार्गवर्शक संकेत

िष्पणी— उम्मीदवारों को निर्वारित भारीरिक मानकों के अनुसार वारी-रिक रूप से स्वास्य होना आवश्यक है। स्वस्थता सम्बन्धी मानक नीचे दिए गए हैं।

बहुत से प्रहुँताप्राप्त उम्मीववार बाद में स्वास्थ्य के प्राक्षार पर प्रस्कोक्षत कर विए जाते हैं। प्रतः उम्मीववारों को स्वक्ष प्रथमें हित में सलाह दी जाती है कि वे मित्तम प्रवस्था पर निराशा से बचने के लिए प्रावेवन-पक्ष पेजने से पहले प्रपत्न स्वास्थ्य की जांच करा हों।

नेवा जयन बोर्ड द्वारा अनुशासित उम्मीदवार को सेवा के विकित्सा मिलारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। प्रकादमी या पिक्षणवाला में कवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया आयेगा को जिल्लासा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिए जाते हैं। विकित्सा बोर्ड का कार्ययूत्त गोगनीय होता है जिसे किसी को नहीं दिखाया जाएगा। किन्तु अयोग्य/मस्वायी रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उन्छे परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के भव्यक्ष द्वारा वे दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को विकित्सा बोर्ड के भव्यक्ष द्वारा वे दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को विकित्सा बोर्ड से अपील का अनुरोध करने की प्रक्रिया भी वता दी जाएगी। उम्मोदवारों के लिए वीर्ष सार इप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानको के अनुमार स्वस्थ होना धावश्यक

- (क) उन्नीविद्यारो का ग्रारीरिक तथा मानियक स्थास्थ्य ठीक झाना थाष्ट्रिए तथा उन्हें ऐशी बीमारी-प्रणवतमा से मुक्त होना वाहिए जिससे उनके कुशलनाप्र्येक कार्य करने में बाधा पड़ सबसी हो।
- (ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन/वैहिक वोष या अजन की कभी नहीं होनी चाहिए।
- (ग) कद क्य से कम 157.5 में ० मी० (नौसेना के लिए 157 तें ० थी० सथा यायु मेना के लिए 162.5 में ० भी०) का हो। गोरका धौर भारत के उत्तर-पूर्व केंक के पर्वतीय प्रवेशों गढ़वाल तथा कुमायुं के व्यक्तियों का 5 सें ० भी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में य्यूनतम कद में 2 तें ० भी० की कमी भी स्वीकार की जा गकनी है। कद धौर वजन के मानक नीचे दिए जाते हैं:—

कद भीर बजन के मानक

सेंटीमीटरों में कव				में घजन	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
(ध्वन	ाजुता)		,	15-16 वर्ष	16-17 वर्ष	17-18 वर्षे
152	•			41.0	42.5	44.0
165	•			42.0	43.5	43,3
157	•			43.5	45.0	47.0
160				45.0	46.0	48.0
162				46.5	48.0	50.0
165				48.0	50.0	52.0
167	•.			49.0	51.0	53.0
170	•			51.0	52.5	55.0
173				52.5	54.5	57.0
175				54.5	56.0	59.0
178				56.0	58,0	61.0
180				58.5	60.0	63,0
183				61.0	62.5	65.0

खपर्युक्त सारणी में विए गए क्रीसत वजम से 10 प्रतिशत कम-ज्यावा (मौसेना के लिए 6 किं प्रा० कम ज्यादा) वजन सामान्य सीमा के भन्दर माना जाएगा। किन्तु भारी हिडिबयों वाले लम्बे चौड़े व्यक्तियों तथा पसले पर अन्यया स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गुणवता के ग्राधार पर इसमें कुछ छूट वी जा सकती है।

टिप्पणी 1---ऐसे मामलों में जहां चिकित्सा कोड यह प्रमाणित कर देता है कि उम्मीदवार प्रशिक्षण पूरा होने तक बढ़कर ध्रपेक्षित मानक तक हो सकता है कद में 2,5 सें० मी० की सूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 2---वायुसेना में पाइलट के रूप में विशेष प्रपेक्षाओं की पूर्ति हेतु टीग की लम्बाई, जंबा की लम्बाई तथा बैठे हुए लम्बाई की स्वीकार्य माप निम्न प्रकार होगी---

	न्यूनसम	ग्रधिकतम
टौग की लम्धाई	99.00	120 सें० मी०
जंबा की लस्वाई <sup>°</sup>		64.00 सें० मी०
बैठे हुए लम्बार्ष	81.50	96.00 <b>,</b> सें० मी०

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के उम्मीवयारों की कम उम्र के कारण 5.0 सैं० भी • तक ऊंचाई में, 2.5 सें० भी ० (न्यूमतम) तक टीग की लम्बाई में भीर 1.0 सें० मी ० (न्यूमतम) तक बैंठे हुए ऊंचाई में गूंजाइश दी जा सकती है बगर्त कि चिकिरमा बोर्ड ने प्रयाणित कर दिया हो कि उपनोहत्र

- में बर्शासरी हो सकती है और राष्ट्रीय राजा प्रकादमी में प्रशिक्षण पूरा होने पर वह अपेक्षित स्तर प्राप्त कर सकता है।
- (म) छाती भली प्रकार विकासित होती चाहिए तथा पूरा सौस रोने में बाद इसका त्युननम 'तैलाव ह में अभि होता चाहिए। माप इस तरह फ़ीता लगाकर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने चूवफ में लगा रहे और फीते का उपरी गाग पीछे स्कन्ध फलफ (मोल्डर बनेड) के निस्त कोण (नोपर एस्मिल) को छूने रहना चाहिए। छाती का एक्सरे करना जरूरी है हते यह जानने के लिए किया जाएगा कि छातीका कोई रोग तो नहीं है।
  - (३) शरीर में हड्डियों धीर जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाँहिए उम्मीदवारों को रीठ की हड्डी का एक्सरे नेमी तौर पर नहीं किया जाएगा किन्तु नैवानिक संकेत मिलने पर सर्जरी विशेषक की सकाह पर किया जाएगा, ऐसे जन्मजात वोच गुणवता पर स्थीकार किए जा सकते हैं जिनमें सेना कर्तेंग्यों के निष्पादन मैं बाधा पड़ने की सम्मावना म हो।

# वायुसेना के लिए मेक्टबण्ड की हालत

- (च) नीचे लिखा पिछला स्वास्थ्य वृत्त वायुक्तेना कर्लंग्यों के लिए ग्रयोग्य टहराने वाला है:
  - र्(i) मेरूबण्ड या तिरखे जोड़ों की ऐसी बीमारी-वाहे खसके बास्तविक लक्षण हों या न हों—जिसकी कजह से उम्मीद वार शारीरिक रूप से सिन्नय जीवन सफलतापूर्वक न न बिता सकता हो।
  - (ii) प्रोलैप्स ग्रन्तराकशरक विस्व तथा उस श्रवस्था के लि। शस्य चिकित्सा।
- (छ) मेशवण्ड की पूरी नैवानिक जांच की आवी है जिसं उसकी ब्राकृति स्वानिक कीमलता, यदि कोई है, भेरवण्ड की हरकत ब्रावि शामिल हैं केवल हवाई कमी के कार्य के बास्ते छम्मीववारों वं लिए किटलिक केशव्सक का एक्स-रे (ए० पी० तथा पारिवक वृक्यता) किया जाना है।
- (ज) हलका काईफासिस या लोबोसिस जहां विकपता मुश्किल से विचार देती है जहां वर्ष की व हरकत में दकावट की शिकायत नहीं है, स्वी कृप्ति में बाधा नहीं वनेगा।
- (झ) विखाई पड़ने वाजे स्कां लियोसिस के या प्रस्य किसी तरह कं असामान्यता या मेरवण्ड की विकपसा का को मामुली से अधिक हो--सन्वेह होने पर मनवण्ड का उपयुक्त एक्स-रे लिया जाना है और परी क्षार्थीको विशेषज्ञ की सक्षाह हेसु प्रस्तुत करना है।
- (इन) एक्स-रे परीक्षा के बाद पाई गई निम्नलिखित प्रवस्थाएं वायुसेना में प्रवेशका हेतु प्रयोग्यता का कारण मानी जाएंगी:---
  - (i) मेरुदण्ड की ग्रैन्यूओमेटस श्रीमारी
  - (ii) मार्चराइटिस स्पोन्डिसोसिस
  - (iii) काब पद्धति से यथामापित स्कोलिफ्रोसिस जो 15 से मधिव हो।
  - (iv) मामूली से ज्यावा काइफोसिस लोधोसिस
  - (v) स्पोण्डलोलिसथैसिस स्पोन्डलोलिसिसस
  - (vi) हरनिएटिस (ग्यम्लिमपलपोसस)
  - (vii) केणरुक का संपीडम विभंग।
  - (viii) ववैरमेन की बीमारी
  - (ix) प्रदर्शनीय संत्रीकीय या परिसंचारी प्रशाव ने साथ प्रेव पर्श्व
  - (X) मेरुवंड सम्बन्धी प्रत्य प्रसाभान्यता यदि विशेषण का ऐस मत हों।

- (द) उम्मीदबार मानसिक विक्रिक्त या बोरे पश्चने का पिछला रोबो नहीं होना वाहिए ।
- (5) उम्मीदवार सामान्य कप छे तुन सके। वस्मीदवार को बस योग्य होना चाहिए कि वह शांत कमरे में प्रत्येक कान से 610 सें ज्मी की दूरी से जोर की कानाकसी सुन सके। कर्ण-नासिका की पिछली या झबकी द्वीमारी का कोई प्रमाण न हो।

वायुसेना के लिए अध्यतामितिक परीक्षणं किए आएंगे। 250 एव० प्रैंड० 400 एव० जैंड० के बीच की झावतियों में अध्यतामितिक कमी +10रेसिबल में अधिक नहीं हो।

- (क) हृदय या रक्तवाहिकांकों से सम्बन्ध में कोई त्रियाश्मक या क्रांगिक रोग होना मही चाहिए। रक्त दाव सामान्य हो।
- (६) उदरपेशियां सुविकासित हों सथा जिगर या तिल्ली बढ़ी हुई न हो। उदर के झांतरिक झंग की कोई मीमारी होने पर उम्मीदवार अस्थीकृत कर विया जाएगा।
- (ण) यदि किसी उम्मीदबार को हरिया है भीर उसकी शस्य चिकित्सा न की गई हो, तो वह उम्मीदबार सन्पयुक्त होगा। यदि हिन्या की शस्य चिकित्सा हो गई हो तो वह बतंमान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो और उसका जग्रम भी पूरी तरह ठीक हो चुका हो।
- (त) हाइड्रोसील, वेरिकोसिल या पाइल्स कारोग नहीं होना चाहिए।
- (य) मृत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असामाध्यता मिलती है तो इस पर उम्मीदवार अस्वीइन्त हो जायेगा।
- (व) प्रशासतता लाने या आकृति विगावने वाले पर्म रोग के होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत किया जाएगा।
- (क्ष) उम्मीववार को दूर पूछि बार्ट में प्रत्येक झांख से ऐनक सहित या ऐनक बिना नौसेना के लिए ऐनक बिना 6/6, 6/9 झौर बायू सेना के लिए केवल ऐनक बिना 6/6 पढ़ने में समयें होना बाहिए। मायोपिया 2.5 डी० तथा हापरमेट्रोपिया 3.5 डी० एस्टिंगमेटिंगम सहित) से प्रधिक नही होना बाहिए। यह जानने के लिए कि झांख में कोई रोग सो मही है झांख की धान्तरिक परीक्षा भीपयलमोस्कोप से की जाएगी। उम्मीदबार के बोनों नेलों की दृष्टि धच्छी होनी चाहिए। वर्ण पूष्टि का मानक सी० पी स्थल सेना के लिए सी०पी० 111 होगा। उम्मीदबार में लाख वहरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। नीसेना उम्भीदवारों के लिए एम० एल० टी० हारा स्थि०पी० तथा राखि वृद्धि की तीखणता सामान्य होनी चाहिए तथा उनको इस झालय का प्रमाण-पक्ष वेना होगा कि उसे या उसके परिवार के किसी सदस्य को जन्मजात रंतीधी झाने का रोग नहीं हुआ है।

बायु सेमा के लिए निम्मलिखित मानदण्ड हैं:---

दूरकी दुष्टिः पासकी दृष्टिः 6/0, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9 प्रत्येक **पांच को** एत-5

वर्ण दृष्टि : मनीफेस्ट हाइपरमेट्रोपिया मायोपिया सी०पी०-1 (एम० टी0 एल०) 2.00 की0 से मसिकत्म हो।

एस्टिगमें टिज्म जेन जेली सम्बद्ध 000 **कुछ प**ही 00-1>0.75 हो •

ने**ब पेशी सन्दुलन** 22—146GI/82 भे∎कोक्स रोड टेस्ट के साथ हैटरोफोरिया किन्तिस्ति से धिष्टक

(।) 6 मीटर पर एक्सोकारिया 6 प्रिज्म द्वायोप्ट्रेस एसोकोरिया 6 प्रिज्म द्वायोग्ट्रेस हाद्वपर/हाद्वपी-कोरिया 1 प्रिज्म द्वायोग्ट्रेस

(11) 33 सेंटीमीटर एक्सोफोरिया 16 प्रिजम डायोप्ट्रेस
'एसोफोरिया 6 प्रिजम डायोप्ट्रेस
हाइपर हाइपी-फोरिया 1 प्रिजम डायोप्ट्रेस
धक्छी द्विनेश्री दृष्टि का होना ग्रनिवार्य ।
(प्यूजन तथा स्टरवोप्सिम तथा साथ
ग्रन्छा ग्रायाम व गहनता)।

- (त) iii उम्मीदबार के पर्याप्त संख्या में कुदरती व मजबूत दांत होने चाहिए। कम से कम 14 दांत बिन्दु वाला उम्मीदबार स्वीकार्थ है। जब 32 दांत होते तब कुल 12 दांत होते उम्मीदबार को तीव पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।
  - (प) वायुसेना के जम्मीदवारो के लिए क्टीन सी बजी बतथा जी बमामान्य सीमा में होने जर्री

# परिशिष्ट III

(मेवा भ्रावि का संक्षिप्त विवरण)

- ग्रकादमी में भर्ती होने से पूर्व माता पिता या संरक्षक को निम्न-निखित प्रमाण पद्म पर हस्ताक्षर करने होगे :---
- (क) इस प्राथय का प्रमाण-पत्न कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के बौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट लग जाए या उत्पर निर्देष्ट किसी कारण से या प्रन्यथा प्रावश्यक किसी सर्जिक्स प्रापरेशन या संवेदनाहरक दवा के परिणास्वरूप उसमें कोई शारीरिक प्रशिक्तता ग्रा जाने या उसकी मत्यु हो जाने पर वह या उसके वैद्य उत्तराधिकारी को सरकार के विषद्ध किसी मुधावजे या प्रन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।
- (ख) इस भाशय का बन्ध पत्न कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं उम्मीदबार पाठ्यकम पूरा होने से पहले बापस ध्राना चाहता है या कभीशन अस्वीकार कर देता है को उस पर शिक्षा शृहक, भोजन बस्त्र पर किए गए व्यय स्था विए गए वेतन धीर भसे की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करें उसे बापस करनी होगी।
- 2. भावास पुस्तकें, वर्धों, बोर्डिंग और चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च को सरकार बहुत करेंगी। उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक से यह भाषा की जाती है कि उम्मीदवार का जेब खर्च वे खुद बर्दाधत करेंगे। सामान्यतपा इन खर्चों के 40.00 ठ० से भिक्षक होने की सभावान नहीं है। यदि किसी केंडेट के माना-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या भाषिक रूप में वर्दाधत करने में भ्रसमर्थ हो तो पहले भीर दूसरे वर्ष के लिए इ० 40.00 तक भीर राष्ट्रीय रक्षा भ्रकादमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिए ६० 45.00 भीर थल मेना/नी/बाम सेता प्रशिक्षण प्रतिकरानों में भागे विधिष्ट प्रशिक्षण के द० 55.00 तक सरकार द्वारा वितीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदबारों के माता पिता या संरक्षक की मासिक भ्राय ६० 500.0 या इससे यिक्षक हो वे इस बित्तीय सहायता के पात नहीं होगे। वितीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए अचल सम्मित्यों भीर मभी साधनों से होने वाली भ्राय का भी ब्यान रखा जाएगा।

यवि उम्मीदनार के माता-पिता/सरक्षक सरकार से किसी प्रकार की वितीय सहायता प्राप्त करने के धच्छुक हा तो उन्हें अपने पुत्र/सर- खित के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अतिम रूप से चुने जाने के सुरन्त बाद अपने जिले के जिला मिजस्ट्रेट के माध्यम से एक आबेदन पक देना चाहिए जिस जिला मैजिस्ट्रेट अपनी अनुगंसा सरित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कशानला, पूर्ण (411023) के कमार्डेट को अबेक्टि कर देगा।

 श्रकादमी में प्रशिक्षण के लिए कंतिम रूप से भूते गए, उम्मीद-वारो को धाने पर कमारिंग शब्दीय "क्षा सकादमी के पास निम्नलिखिं। राशि जमा करनी होगी ---

(क) प्रतिमास 40 00 ६० के हिमाब सं पाच महीने का जेब खर्च

200 00

(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदो के लिए

650 00

(ग) I सेमिस्टर के दौरान प्रासंगिक

ध्यय

150 00

योग

1000.00

उम्मीदवारों को विलीय सहायता मजूर हो जाने पर पर उपर्युक्त राणि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी.--

(क) 40 00 क् अर्ति माह के हिमाब से पास महीने का जेस खर्च

200 00

(ख) बस्त्रतथाउपस्करा की मदो के लिए

475.00

4 राष्ट्रीय रक्षा धकादमी में निम्नलिखिल छाल्लवृत्तिया उपलब्ध हैं :---

- परणुराम भाऊ पटवर्द्धन छालवृत्ति: -- यह छालवृत्ति महा-राष्ट्र तथा कर्नाटक के फैडेटो को बी जाती है जिनके माता-पिता की माय सभी साधनों से रु० 350.00 तथा रु० 500.00 के शीच हो। छाल-वृत्तिकी राणि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कैंबेट राष्ट्रीय रक्षा श्रकायमी या श्रन्य कमीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रसिष्ठानों मे रहेगा तब तक के लिए वह प्राप्त होगी किन्तु शर्स यह है कि कैडेट का व्यवहार प्रच्छा रहे भीर वह संतोषजनक प्रगति करला रहे भीर उसके माता पिता की आय निर्वारित सीमा से कम रहे। जिडेन कैटों को यह छान्नयृत्ति दी जायेगी उन्हें सरकार से भ्रन्य वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी:---
- (2) कर्नल केंबिल फेंक भैमोबियल छात्रवृत्ति:----यह छात्रवृत्ति 360.00 ६० प्रति वर्ष की है भीर उस महराटा कैडेट को दी जाती जो मृतपृवं सैनिक का पुत्र हो। वह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त विसीय महायता के र्यातरिकत शोगी।
- (3) भृषर सिंह मैमोरियल छाडवृत्ति:---वो छाझवृत्तियां उन दो केंद्रेटो को प्रदान की जाती है जिन्हें बिहार के उम्मीदवारो में उच्चतम स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छाज्ञवृक्ति 37 00 रु प्रति माल की है तथा श्रिधिकसम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा **भक्दामी, खड़कवा**सला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना प्रकादमी, देहरादम तथा वाय सेना पलाइंग कालिज तथा मौसेना श्रकादमी, कोश्रीन में जहां कैंडेट को प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय रक्षा ग्रकादमी प्रशिक्षण पूर्णकरने पर भोजा जाएया दी जाती रहेगी। छास्रमृक्ति सभी मिलकी रहेगी जब कैडेट उपर्युक्त सस्याची में भच्छी प्रगति करता रहे।
- (4) ग्रमम सरकार छाञ्चवृत्तियां :--दो छाज्ञवृत्तियां ग्रसम फैंडेटो को प्रवान की आएंगी। प्रत्येक छात्रवृत्ति ३०.०० ६० प्रतिमास की रहेगी। तथा जब तक छाल राष्ट्रीय रक्षा धकादमी में रहेगा उसे मिसती रहेगी छाखवृत्ति धसम के दो सर्वोत्तम कैंडेटो को उनके माता-पित। की श्राय पर ध्यान दिए बिना प्रदान की जाएगी। जिन कैंडेटो को यह छाख्यम्ति प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की ग्रोर से ग्रन्य विसीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।
- (5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्तिया .--दो छात्रवृत्तिया 30 00 कः प्रतिमास की तथा 400.00 रुपए की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैडेटो की योग्यता तथा धाय के घाघार पर राष्ट्रीय रक्षा द्यकादमी में संतोषजनक प्रगति करने पर तीन धर्ष के लिए दी जाएगी। जिन कैंडेटा को यह छालवृत्तियां सिलेंगी उन्हें ग्रन्य प्रकार की विसीय सहायता सरकार स नही सिलेंगी।

- (6) नेरल सरहार छालवृत्ति:--पूरे वर्ष के निए 480 रू० की एक भोग्यल। छाञ्चवृन्ति राठ ८० शकादमी में प्रशिक्षण की पूरी श्रविध के लिए केरंग राज्य सरकार धारा उस नैडेंट को दी जाती है जो केरल राज्य का प्रधिवासी निवासी हो ग्रीर ओ रा०२० धशादमी हेन् ग्रस्थिन भारतीय संवती बसेव आरव प्रत्येक प्रदेश परीक्षा भ प्रथम स्थाप प्राप्त कर लेखा है भन्ने ही उसने वह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेनाकालिज से याभारत भर मे किसी सैनिक स्कूल से उत्तीर्णकी हो। ऐसा करते समय **कैडेट** के पिता/संरक्षक की ग्राधिक स्थिति पर कोई ध्यान मही दिया जाता है।
- (७) बिहारी लाल मंदाकिनी पुरस्कार:--वह 500.00 रुपए का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड्के को धकादमी से प्रत्येक कोर्म के लिए मिलता है। ग्रावेदन प्रपत अमर्डिंग, राष्ट्रीय रक्षा ग्रकारमी री मिलते हैं।
- (६) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियां :---सीन छात्रवृत्तियां---एक यक्ष सेमा, एक मौसेना तथा एक बाय सेना के कैडेट के लिए प्रत्येक 80.00 रु० प्रति मास के हिमाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्याई निवासी है। इनमें से दो छान्नृवलियां की डेटों की योग्यता तथा ग्राय साधन के ग्राधार पर दी जायेगी जिनके माता-पिता या प्रभिभावक की भाय रु० 5,000 प्रतिवर्ष से भ्रधिक न हो तथा तीसरी छात्रपृत्ति बिना उसके माता पिता या ध्रमिभावकों की द्याय को स्थान में रखते हुए सर्वोत्तम कैश्वेट को दी आएगी।
- (१) परिचमी भंगाल सरकार छात्रपृत्तियाः -- निम्नलिखित वर्गी की छात्रवृत्तियां पश्चिमी भंगाल सरकार द्वारा उन कैडेटो को दी जाएगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थाई निवासी हैं:---
- (क) वर्ग 1:--- ভারবুলিযা---(খল सेना, नौसेना तथा धायु सेना के लिए एक-एक) 360.00 रुपए प्रतिवर्ष पहले और दूसरे वर्ष के लिए फ्रीर प्रकादमी में तीसरे वर्ष के लिए तथा विशेष प्रशिक्षण संस्था में चौथे वर्ष के लिए 480.00 रुपए तथा इसके मितिरिक्त 400.00 रुपए परिधान वृत्ति । यह उन कैंडेटो को दी जाएगी जो अकादभी में कोई मन्य छात्रवृक्ति पाने के पान्न नहीं है।
- (ख) वर्ग 2:--तीन छाञ्चवृत्तियां 100 रुपए प्रतिवयं एक मुख्त मरकारी विसीय सहायता के प्रतिरिक्त दी जाएंगी।
- (10) पायलट प्रकार गुरमीत सिंह बेदी मैमोरियल छालपूर्तः --रु० 4.20 प्रतिमास की एक छान्नवृत्ति ऐसे कैंडेट को दी जाती है जो वाय सेना कैंग्रेटों के भीषे सब के प्रन्त में योग्यता में सर्वोत्तम होगा। यह एक वर्ष की प्रविध के लिए होगी। पौचनें भीर छठे सक के वौरान यह छात्रवृत्ति बन्द कर दी जाएगी यदि प्राप्तकर्ता रेलीगेड कर दिया गयाहो याइसके प्राप्त करने की ध्रयधि में छोड़ कर चला गयाहो । जो कैंबेट इस प्रकार की पनने से ही कोई योग्यता छालवृत्ति या विलीय महायता ने रहा है, उमे छात्रवृति नहीं दी जाएगी।
- (11) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृतियां --- हिमाचल प्रदेश के कैंडेटा को चार छाजवृतियां प्रदान की जाएगी । प्रशिक्षण के प्रथम बो वर्षों के लिए छात्रवृतियां 30.00 रुपए प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिए 40.00 रुपए प्रतिमास मिलेगी । यह छाञ्चवृति उन कैंडेटों को मिलेगी जिनके माता-पिता की मासिक भाग 500,00 रुपए प्रति मास से कम होगी। जो कैंडेट सरकार से विक्तीय गहायता ले रहा हो उसे छात्रवृत्ति नही मिलेगी।
- (12) तमिलनाबु सरकार की छात्रवृत्ति :--तिमलनाबु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा धकादमी में प्रति कोर्स 30 रु० प्र० मा०की एक वृक्ति तथा साथ में 400 ६० सज्जा भक्ता (कैंडेट के प्रशिक्षण की पूरी प्रविध के औरान केवल एक बार) देना शुरु किया है जो उस कैंबेट की दिया जाएगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके ग्रीभभावक/संरक्षक की मामिक ग्राय 500 रु० से अधिक न हो । पाल कैंडेट ग्रपना प्रापेदन, कर्माबॅट शब्द्रीय अकादमी को वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर मकते हैं।
- (13) कर्नाटक सरकार की छात्रभूति :-- कर्नाटक गरकार ने प्रति वर्षे 18 (श्रठारह) छाष्टवृक्तियां-~9 जनवरी से सुरु होने बाजे

कोतों के लिए भीर 9 जुलाई से जुरु श्रांत वाल कासों के लिए कर्ता-टक राज्य के उन कैडेटों को भी हों जो तैनिक स्कूल, श्रीजापुर या राष्ट्रीय इंबियन मिलिट्री कालेज, देहरादून में अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा श्रकादमी में श्राते हैं। इन छाल्लय्सियों की राशि 480.00 रुपए प्रतिवर्ष है।

480.00 प्रतिवर्ष की चार (4) और छात्रवृत्तिया (दो प्रति गत्न) कर्नाटक राज्य के उन छात्रों को दी गई है जो सैनिक स्कूल बीजा-पुर राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कालिज, देहरादून के प्रलावा अन्य स्थानों पर अपनी गिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी में आते हैं।

इन छात्रवृत्तियो की शर्त राष्ट्रीय धकावमी, खडकवासला, पुणे (411023) से प्राप्त की जा सकती है।

- चुने हुए उम्मीदनारों के झकादमी में ग्राने के बाद तस्काल उनके सिए निम्नलिखिस निषयों में एक प्रारंभिक परीक्षा होगी।
  - (क) श्रंग्रेजी
  - (ख) गणित
  - (ग) विज्ञान
  - (च) हिन्दी
- (क), (ख) तथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर, भारतीय विश्व-विद्यालय या हायर सैंकेण्डरी शिक्षा बोर्ड की हायर सैंकेण्डरी परीक्षा के स्तर से अंचा नहीं होगा। (ग) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जांचा जाएगा कि उम्मीदवार को घकावमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना जान है।

भ्रतः उम्मीदवारो को सलाह टी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त भ्रष्ठयपन के लिए उदासीन न हो जाएं।

#### प्रशिक्षण

- 6 तोनों सेनाओं अर्थात् थल सेना, नौसेना और बायु मेना के लिए चुने गए उम्मीदयारों को तीन वर्ष के लिए ग्रैक्शिक तथा मारीरिक दोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी में दिया जाता है जो एक नर्ष सेना संस्था है। पहले ढाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। मफल होने पर कैटेटों को जवाहर लाल नेहर लिख-विद्यालय, दिल्ली द्वारा बी०एम०सी०/बी०ए० डिग्री प्रदान की जाएगी।
- 7. राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी में पास होते के बाद यल सेना कैंडेट भारतीय सेना प्रकादमी, वेहरादून में, नौसेना/कैंडेट, कैंडेटों के प्रशिक्षण पोल में भीर बाय सेना कैंडेट ई० एफ० एस०, विदार जाएंगे।
- 8. भारतीय सना यकादमी म सेना क्षेडेटो को 'जेन्टलमैन कैडेट कहा जाता है श्रीर उन्हें एक वर्ष तक कहा प्रशिक्षण दिया जाता है साकि वे इन्केन्ट्री के उप यूनिटों का नेसूख करने योग्य धकसर धन सके प्रशिक्षण सफलता स पूरा करने के बाद जेन्टलमैन कैडेटों की उनके ग्रेप (Shape) ग्रारीरिक वृष्टि से योग्य होने पर सैकेण्ड लैफ्टिनेन्ट के पद पर स्थाई कमीशन दिया जाता है।
- 9. नीसेना कडेटो के राष्ट्रीय रक्षा स्रकादमी में पास होने पर उन्हें मीसेना की कार्यपालक इंजीनियरों, बिजली और शाखाओं के लिए जुना जाता है। उन्हें छः महीने के लिए कैंडेट प्रशिक्षण-पोत पर समुद्री प्रशि क्षण दिया जाता है। जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिखशिपमैन रैंक में पवोश्वत किया जाता है। संबद्ध जाखा में 6 महीने तक धार्य प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी तथा लैपिटनेन्ट के रैंक में पदीश्वत किया जाता है।
- 10. बायु सेना कैंडेटों को ह्वाई उड़ान का डेढ़ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर अनितम इप से पायलट प्रफसर के रूप से कमीशन प्रवान किया जाता है उसके बाद छः महीने का प्रशिक्षण सफलताएवंक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अविधि के लिए परियोक्षा पर म्बाई ल्ए में कमीशन धकमर के अप में समाहत कर विधा जाता है।

#### शवाकी करें

### 11. यल सेना अधिकारी

# (i) वेतन

				-	वेतनमान
·					रुपण्
सैकिण्ड लैपिटरे	ो <b>न्ट</b>				760-790
लैपिटनेन्ट					830-950
कैप्टन			,		1100-1550
मेजर					1450-1800
<b>लै</b> पिटनेन्ट कर्न	ल (चयन 🗊	रा)			1750-1950
लैपिटनेन्ट कर्ने	ल (समय वेर	निमान)			1900 नियत
भर्नेल		,			1950-2175
विगेडियर					2200-2400
मेजर जनरल			,		2500-125-2
					2750
लैंफ्टिनेस्ट जन	रल				<b>3000 प्रतिमा</b> म
लैफ्टिनेन्ट जन	रल (सेना क	मांडर)	 		3250 प्रतिमास

# (ii) योग्यसा वेतन भौर प्रनुवान

लैंफिटनेन्ट कर्मल भीर उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यसा रखमें बाले प्रधिकारी अपनी योग्यसाभों के भाधार पर 1600/- ६०, 2400/- ६०, 4500/- ६० भ्रयचा 6000/- ६० के एकमुश्त प्रनुवान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') 70/- ६० की दर पर योग्यना वेतन के प्रधिकारी होंगे।

# (iii) <u>भत्ते</u>

वेतन के प्रतिरिक्त प्रफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते

- (क) सिविलियन राजपित प्रफसरों पर ममय-समय पर लागू दरों भीर शतीं के भनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भसे दिए जाते हैं।
- (ख) २० 50/- प्रतिमास की दर से किट ब्रनुरक्षण भत्ता।
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भक्ता मिलेगा। यह विदेश भक्ते की तवनुरूपी एकल दर का 25 प्रतिशत से 46 प्रतिशत तक होगा।
- (ण) नियुक्ति भक्ता: जब विवाहित प्रफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनान किया जाता है जहां परियार सहित नहीं रहा जा सकता है तब प्रफसर 70/- रु० प्रतिमास की दर से नियुक्ति मक्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।
- (क) सज्जा भला प्रारम्भिक सज्जा भला ६० 1400/-- है। प्रथम कमीधन की तारीख से ६० 1200/-- की दर से प्रश्मेक मात वर्ष के बाद एक नए मज्जे के दावे का मुगतान किया जा सकता है।
- (iv) तैनाती

थल सेना श्रफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

- (v) पदोन्नतियां
- (क) स्थाई पदोन्नति

उच्चतर रेंकों पर स्थायी पदोच्चति के लिए निम्मलिखिल सेवा सीमाएं **हैं** ;---

(i) समय <b>वे</b> तनमान से	न्यू नतम सेवा सीमा	
लैफ्टिनेन्ड	2 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा	
कैप्ट <del>ग</del>	6 <b>वर्ष</b> कमीशन पाप्ता सेवा	
मे अ र	1 ) वर्षे अभीजन प्राप्त सेया	
मंगरते लैपिटनेस्ट इन्तंत यदि जयन द्वारा		
क्योत्रति न हुई हो	2.5 य <b>र्थ</b> कभीवन प्रान्त सेका	

(ii) अयन द्वारा				•यूनतम से <b>वा</b> सीमा
लैपिटनेन्ट कर्नल	,			16 वर्ष कभीशन प्राप्त सेवा
कर्नेल .	•	•		20 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिंगेक्टियर		•		23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल		•		25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लैपिटनेन्ट जनरल				28 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा
जनरस .			-	कोई प्रतिबन्ध महीं।

# (स) कार्यकारी पदोश्चेति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर प्रफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदीक्षति के लिए पाझ होंगे बगर्ते कि रिक्तियो उपलब्ध हों:---

<b>कै</b> ण्टन .		3 वर्ष
मेजर ,		. ६ वर्ष
भैपिटनेन्ट कर्मल	•	$6 rac{1}{2}$ वर्ष
कर्मक	•	8 <del>1</del> वर्ष
<b>ब्रिगे</b> ख्रियर	•	12 वर्ष
भेजर जनरल		20 वर्ष
<b>लै पि</b> टनेस्ट जन १ल		25 বর্ণ

### 12. नौसेना मफसर

# (i) वेसन

	वेश्तनमान	
	साभान्य शिवा	नौसेना विमानन धौर पनबृक्षी
	मासिक ६०	मासिक ६०
मि <b>ड</b> शिपमैन	560	560
कार्यकारी सबलैपिटनेन्ट	750	825
सब भै पिटनेन्ट	830-870	910-950
लें पिरुमेन्ट	1100-1450	1200-1550
सैपिटनेन्ट कमांडर	1450-1800	1450-1800
कर्माहर	1750-1950	1750-1950
<b>क</b> ैस्टेन	1950-2400	1950-2400
	कोमो <b>डोर को वही बे</b> त लिए <b>वह कैंप्टे</b> न के स्टेला के ग्रनुसार	रूप में घपनी धरि-
रियर एडमिरल	2500-125-2-2	750
वाइस एडमिरल	3000-प्रतिमास	

कुछ निर्धारित योग्यताएं रखने वाले कमांडर धौर उसके विश्व के रैंक के धफसर की धपती योग्यतायों के धाद्वार पर 1600/- द० 2400/- ६० 4500/- ६० या 6000/- ६० के एकमशत धनुदान के हकदार है। पसाइंग इन्सट्टर खेणी क घोर खन्नमणः 100 दपए धौर 70 दपए प्रतिमास के ग्रह्मेंक बेतन के हकदार हैं।

# (ii) **भ**से

मौमेना विमानन भक्तर उड़ान भत्ता के लिय उन्ही दरो तथा गतौं के मधीन होंगे जो वायुसेना भक्तरों के धनक्षी रैंकों के लिए लाग हैं मौ सेना भक्तर समकक्ष रैंक में चलसेना भक्तरों को मिलने बाल भत्ते के लिये भी हकदार हैं। इसके भितिरक्त उन्हें हाई लाईगमनी, पनदुब्बी भला पनदुब्बी वेतन श्रीर गोता बेतन जैसी विशेष रिमामनें गो वी गानी हैं।

# (iii) पदोलतियां

# (क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों तर कार्यकारी पदोन्नतियां के लिये निम्नलिखित सेवा शीमार्ये हुँ:—

# स**मय वेतनमान द्वा**रा

समय वतनमान द्वारा	
सब लैंपिटनेस्ट	1 वर्ष
<b>सं</b> फिटने <b>न्ट</b>	2 वर्ष (वरिष्ठता लाभ/जबतो के मन्नीन)
सैपिटनेस्ट कमांडर	लैपिटनेस्ट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता।
कमांबर	24 वर्षं की कभीशन प्राप्त सेमा (ब्रवि स्थान द्वारा पक्षेत्रति नष्टीं हुई है)।
चयन दारा	
 कमोडर कार्येपासक शाखा	लैंपिटनेन्ट कमांडर के रूप में 2 – 8 वर्षकी वरिष्ठता।
कमांबर इंजीनियरी शास्त्रा	भीपिटनेस्ट कमांडर के रूप में 2-10 वर्षकी विष्ठता।
कमांडर विश्वृत् शास्त्रा	लीपटनेस्ट कमोडर के रूप में 2-10 वर्ष की चरिष्ठसा।
हैस्टन	कमांडर के रूप में 4 धर्ष की वरिष्ठता।
रियर एवमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

# (स) कार्यकारी पदोन्नति

लैपिटनेन्ट कमांबर के रैंक को छोड़कर जिसके लिये किसी अफसर को सैपिटनेन्ट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी भाहिए, भौसेना की कार्यकारी पदोक्रति के लिये कोई सेवा सीमा नही है।

· को द्वीप्रतिबन्ध महीं।

# 13. धायुधेना शकसर

# (i) वेतन

वाइस एडमिरल

रैंक	वेतनमान <b>र</b> पयं
पाइलट अफसर	825-865
क्लाईन प्रफसर	910-1030
पलाइंग-सैपिटनेग्ट	1300-1550
स्क्वाडून लीडर	1650-1800
बिग कमोबर (चयन)	1750-1950
विंग कर्मांडर (समय वेतनमान)	1900 नियत
ग्रुप <b>क</b> ेंच्टन	1953-2175
एयर क्रमांडर	2230-2400
एयर थाइस मार्शेल	2500-2750
एयर मार्गल	3000
एयर मार्खंका (बी०सी०ए० एस०	
मौर ए० भ्रो० एम० सी ०-६न सी०)	3250
एयर चीफ मार्गल (सी • ए • एस •)	4000

# (ii) **भ**स

उड़ान वेसन--उड़ान शास्त्रा शास्त्राभी के अफसर (पायलट भीर नवीगेटर) निम्निसित वरपर उड़ान भला लेने के पात्र है :--

पायलट मफतर से लेकर	₹०
विंग समोहर तक	750 प्रतिमास
ग्रुप केंग्टन भी र एयर कमोत्रर	७६ <b>६ प्रतिम</b> ास
एवर वा <b>दस मार्गल भीर उससे</b> कार	०७ <b>० प्रतिमा</b> स

भाग 111खण्ड 1]	भारत का राजपन्न,
(iii) योग्यता घे सन/सनुब	ान—निम्मलिखित दरों पर उन उड़ान पास निर्धारित योग्यतायें हैं:
योग्यता वेशन	रु० 100- / प्र० मा० या रु०
	70 /− प्र० माम
	स० ६०
योग्यता अनुवान	G000/- <b>হ৹</b> 4500/+
(4.) (8.6.4	2400/- या 1600/-
(iv) प <u>वोन्नतियां</u>	
(क) मूल पदोक्षति	
<b>उच्चतर रैं</b> कों पर मल प	दोन्नति के क्षिये निम्मलिखित सेवासीमाएं
हैं :	
समय वेसनमान द्वारा	
क्लाइंग झफ्सर	1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
पलाईंग लैपिटनेष्ट	5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
स्ववाद्रन लीक्षर	11 वर्षं की कमीशन प्राप्त सेवा
विग कम <b>ाइ</b> र	यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो
	तो 24 वर्ष की कमीणन-प्राप्त सेवा
	पूरी करली हो।
थयन हारा	
विंग कमांबर	16 वर्ष कुल कमीशन प्राप्त सेवा
	गिनी जाएगी
ग्रुप कैप्टेन	22 वर्षबही
एयर कमांदर	24 वर्षमही
एवर वाइस मार्गल	26 वर्ष अही
एयर मार्ण्स	28 वर्ष मही
(सा) कार्यकारी पदोन्नति	
श्रफसरों की कार्यकारी प	।दोन्नति के लिये भपेक्षित न्यूमसम सेवा
सीमा इस प्रकार है :	
फ्लाईंग लैफिटनेन्ट	2 वर्ष
स्क्वाडून सीडर	5 वर्षे
विंग कमोडर	6 वर्ष (स्मवाङ्गम लीडर के रैंक में
	एक वर्षकी सेवा के बाद)।
एयर कमोडोर	11के वर्ष (बिंग कमोडर भीर प्रुप
	कैप्टेन के रूप में 3 वर्ष की सेवा के
	∎ाव)।
एयर बाइस गार्शल	15 वर्ष (थिंग कमोडर, ग्रुप कीप्टेन
	भीर एसर कमोडोर के रैंकों में 5*
	वर्षके सेवा के शाव)।
एयर मार्शल	2 3 वर्ष
*खंडित श्रविधयों को शा	—————————————————————————————————————
14. सेवा निवृत्ति लाभ	
	रूटी पेंग्रानी स्नवाउं समय-समय पर लाग
नियमों के धनुसार स्वीकार्य हों	
<del> </del>	

# 15. ছুহ্বী

समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार खुट्टी स्वीकार होगी।

# परिशिष्ट IV

[अनुस्थित जातियां भीर अनुस्थित जन जातियां स्थियां (भागोधन) भावेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1960, हिमाचल प्रवेश, राज्य प्रधिनियम, 1970 भीर उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) प्रधिनियम, 1971 भीर प्रनृस्थित जातियां वा प्रनृस्थित जन जातियां प्रमृश्चित जातियां प्रमृश्चित जन जातियां प्रमृश्चित जातियां प्रमृश्

संविधान (जम्मू धीर कश्मीर) धनुसूचित जातियां घादेश, 1956 \* सविधान (ग्रंडमान धीर निकाबार द्वीपसमृद्) श्रनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959 श्रनुसूचित जातियां तथा श्रनुसूचित जन जातियां श्रावेश

(संसोधन) प्रधिनियम, 1976 द्वारा थया संशोधित\*

संविधान (बावरा और नागर हवेली) धनुसूचित जातियां भावेश, 1962\* संविधान (बावरा और नागर हवेली) धनुसूचित जन जातियां भावेश, 1962\*

संविधान (पश्चित्रो) मनुसुचित जातियां भावेश, 1964\* संविधान (भनुसुचित जन जातियां) उत्तर प्रदेश भावेश, 1967\*

संविधान (गोम्रा, वमन भीर वियु) ममुसूचित जातिया, आदेश, 1968\*

संविधान (गोम्रा, वमन भीर विय) धनुसूचित जन जातियां मादेश, 1968\*

संविधान (नागालैण्ड) ध्रमुस्चित जन जातिया भावेग, 1970\*

संविधान (सिक्किम) धनुसूचित जात बादेश, 1978\* संविधान (सिक्किम) ग्रन्सूचित जन जाति ग्रादेश, 1978\*

......भें रहता है । राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र

> **ह**स्ताक्षर.....\* \*\*पदनाम....

(कार्यालय की मोहर के साथ)

स्यान..... तारीख....

\*जो शब्द लागून हों उन्हें कृपयाकाट दें।

नोट:---यहां 'आम तौर से रहता है' का अर्थ बही होंगा जो 'रिप्रै-जेंटेशन माफ दि पिपुल ऐक्ट, 1950' की धारा 20 में है।

- \*\*जाति/जन जाति का प्रमाण पत्र जारी करने के लिये सक्षम भ्रधिकारी ।
- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/फितरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/जिप्टी किस-पनर/एक्टोलनल जिप्टी किमियनर/जिप्टी कलक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट †सब दिवीजमल भैजिस्ट्रेट/ नास्त्रुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा प्रसिस्टेंट किमप्रनर †प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम प्रोहवे का नहीं।
- (ii) चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/ प्रेसीडेंन्सी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू अन्तमर जिनका श्रोहवा तहसीलदार से कमन हो।
- [(iv) उस इलाके का गव-विवीजनल श्रफसर जहां उम्मीदवार भौर/ या उसका परिवार माम तीर से रहता हो।
  - (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/एडिपिनिस्ट्रेटर का सिव्य/डबलगर्मेट चक्कमर (लक्षदीग) ।

# परिभिष्ट V

# उम्मीदवारों को सूचनार्थं विवरणिका

# क. वस्तु परक परीक्षण

श्राप जिस परीक्षा में बैठने बाले हैं वह "वस्तूपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में धापको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रथन (जिसको धागे प्रथनीय कहा जाएगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसको श्रागे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रश्येक प्रक्षांण के लिए सापको एक उत्तर चुन लेमा है।

इस विवरणिका का उद्देश्य भाषको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण भाषको कोई हानि न हो।

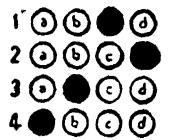
# खा. परीक्षण का स्वरूप

प्रका पदा "परीक्षण पुस्तिका" के इस्य में होगे। इस पुति । में कम संख्या 1, 2, 3—आदि के कम से प्रकाश होंगे। हर प्रकाश के नीचे a,b,c,d, विह्न के साथ सुकाए गए प्रत्युत्तर विद्धों होंगे। प्रापका काम एक सही या यदि प्रापको एक से प्रधिक प्रत्युत्तर सही वर्षे वो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाय करना होगा। (प्रंत में विए गए नमूने गए के प्रकाश देखा कों) किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रधनीण के विए प्रापको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि प्राप एक से प्रधिक चुन लेसे हैं तो प्रापका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

# ग. उत्तर देने की विधिः

परीक्षा भवन में भाषको भ्रलग एक उत्तर पक्षक दिया आएगा। जिसको एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेजी जाएगी। भ्रापको भ्रपने प्रत्युक्तर इस उत्तर पक्षक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्नक की छोड़कर भ्रय किसी कागज पर लिखे गये उत्तर नहीं जांचे आएंगे।

उत्तर पत्नक में प्रश्नांशों की संक्ष्याएं 1 से 160 तक धार खंड़ों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने 8, b, c, d किन्न वाले क्लान्कार स्थान छवे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाश को पढ़ लेने और यह निर्णय कर लेने के बाद कि कीन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर बाले वृत्त को वेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है जीसा कि (आपका उत्तर द्वानि के लिए) नीचे दिखाणा गया है। उत्तर पत्रक के बून को काला अनाने के लिए स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:--

- प्रमाशों के उत्तरों के लिए केवल ग्राण्छी किस्म की एच० की० पैंसिल (पैंसिलें) ही लाएं ग्रीर उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे पूरा मिटा कर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा हैं। इसके लिए ग्राप धपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
- 3. उसर पल्लक का प्रयोग करते समय काँई ऐसी भ्रमायधानी म हो लियने बह फट लाए भा उसमें मोह । निलयक आदि पह नाए पा बहु खराग हो जाए।

# ष. कुछ महत्वपूर्णं विशियम :

- प्रापको परीक्षा प्रारम्भ करने के लिए निर्धारित समय से 20 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही प्रपना स्थान प्रहुण करना होगा।
- 2 परीक्षण शृह होते के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 3 परीक्षा शुष्क होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीका। भवन छोड़ने की धनुभति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका घीर उत्तर पत्रक निरीक्षक-पर्यवेक्षक को सौंप हैं। धापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ने जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंबन करने पर कहा दंड वियाजाएगा।
- 5. भाषको परीका भवन में उत्तर पत्नक पर कुछ विवरण भरना होगा। भाषको उत्तर पत्नक पर कुछ विवरण कूटबद्ध भी करना होगा। इसमे बारे में भनुवेश भाग्नके प्रवेश प्रमाण पत्न के साथ भेज विए जाएंगे।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में विए गए सभी धनुवेश प्रापको सोबधानी से पढ़ने हैं। इन धनुवेशों का सावधानी से पालन म करने से श्रापको नम्बर कम हो सकते हैं। धगर उत्तर पढ़क पर कोई प्रविष्टि संविष्ध है, तो उस प्रथाण के प्रत्युक्तर के लिए ध्रापको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। प्रयंविक्षक के धनुवेशों का पालन करें। जब प्रयंवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को धारम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके भनुवेशों का तैरकाल पालन कर।
- 7. झाप झपता प्रवेश प्रमाण पन साथ लाएं, धापको झपने साथ एक एचण बीठ पेंसिल, एक रवेड, एक पेंसिल शार्षनर झौर मीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होंगी। आपको सलाह दी जाती है कि साप अपने साथ एक एक क्लिप बीड या शुड बीड या कार्ड बीड थी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। भापको परीका भवन में कोई खाली कापज या कार्य का टुंकड़ा या पैमाना या झारेखण उपकरण नहीं लाने ह क्योंकि उनकी अरूरत नहीं होंगी। मांगमे पर कुछ काम के लिए आपको एक अलग कार्य कार्या जाएगा। आप कुछ्या काम या शुक् करने के पहुणे उस पर परीका का नाम, अपना रोश नम्बर, झौर परीकाण की तारीख लिखें झौर परीकाण समाप्त होने के बाद उसे झपने भागे उसर पत्रक के साथ पर्यवेशक को वापिस कर वें।

# इ. विशेष प्रमुवेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जान वा बाद निरोक्षण भाषकी उत्तर पत्नक वेंगे। उत्तर पत्नक पर अपेक्षिण सूचना भर वें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक भाषको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिसने पर आप यह भवश्य देखे में कि उस पर पुस्तिका की संख्या निक्षी हुई है अन्यया, उसे बदलका में। भाषकी परीक्षण पुस्तिका तम तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेद्यक ऐसा करमें के लिए न कहीं।

# ष. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य द्यापकी गांत की धर्पका गूळता को जांचना है, किर भी यह जरूरी है कि भाग अपने समय का यद्यासंभव दक्कता से उपयोग करें। संतुलन के साम भाग जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लागरवाही न हो। भाग सभी प्रश्नो का उत्तर नहीं दे भाते हीं तों चिता न करें। यापका जो प्रश्न भ्रत्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय अपने न करें। दूसरे प्रश्नों की भीर बढ़ें भीर उन कठिन प्रश्नों पर कांद्र में विचार करें।

सभी प्रकाशों के प्रंक समान होगे। उन सभी के उत्तर वें। प्रापके द्वारा प्रक्तित सही प्रत्युत्तरों की संख्या हे प्राघार पर ही धापको प्रंक विष् प्रापंग। गलन उत्तर के लिए और नेही कार्ट नाएंगे।

#### छ परीक्षण ना समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक अपका लिखना बन्द करने को नहुँ, आप सिखना संव कर दें। श्राप अपन स्थान पर तब तक बैठ रह जब तक निरीक्षक श्राप के पास श्राकर श्रापक्षे सभी श्रावण्यक वस्तुएं न ल जाएं श्रीर श्रापको हास छोड़ने की श्रनुसमीन व दें। श्रापको परीक्षण-पुस्तिका श्रीर उत्तर पत्रक तथा कच्चे कार्यका काराज परीक्षा भवन ने बाहर ने जाने की श्रनुमिन नहीं है।

# . नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोट :-- \*मही/मर्वोत्तम उत्तर-विकल्प की निर्विष्ट करता है।

# 1. सामान्य श्रष्टययन

बहुत अंबाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कात से निम्निलियित में में विस्त कारण के रथन साथ होता है ?

- \*(a) रका का पास वासुमण्डल के दाज में कम हीता है।
  - (b) रक्त का वाय वायुमण्डल के दाव से ध्रधिक होता है।
  - (c) रक्त वाहिकाओं की ग्रन्थकनी तथा बाहरी शिराधों पर दाव समान होता है।
  - (d) पक्त का काम बायुमण्डल के दाब के ग्रमुरूप घटता-महना है।

### 2 কূৰি

भरहर में फूलों का शङ्गा निम्नलिखिन में से किथ एक उपाय से कम कियाजा संक्रता है।

- \*(a) वृक्षि नियंत्रक द्वारा छिडकाव
  - (b) दूर दूर पौधे लगाना
- (c) मही ऋतु में पौधे लगामा
- (d) थोड़े थोड़े फामले पर पौधे लगाना ।

# 3 रसायन विज्ञान

 $H_3VO_4$  का एनहा 🕏 इट निम्नलिखन में से क्या होता है ?

- (a) Vo<sub>3</sub>
- (b) Vo<sub>4</sub>
- (c)  $V_2 \circ_4$
- \*(d) V<sub>2</sub>0<sub>5</sub>

# 4. प्रयंशास्त्र

श्रम का एताधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है।

- \*(a) सीमान्त राजस्व उक्षाव से मजधूरी कम हो।
- (5) मारूरा तथा सामान्त राजस्य उत्पाद दोनों बराबर हों।
- (c) मजदूरो मोराना राजस्य उत्पाद में ब्रधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमारा भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

# 5 वैद्युत इंजिनियरी

एक समक्ष रेखा को आपेक्षिक परावैद्युतीक 9 के परावैद्युत से सम्पूर्व रित किया गया है। यदि C मुक्त अन्तराल में सचरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संवरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
  - (d) C/9

# 6. भूविशान

बैसास्ट में प्लेकिशाक्लेस क्या होता है।

- (a) धालिगामसम
- \*(b) नेवाबाराइट
- (c) एस्बाइट
- (ते) एनाचाईन

#### 7. **ग**णित

मूल बिल्डु स गुजरन बाला ग्रीर d<sup>2</sup>y dy —— —— —— О समीकरण 9·2 dx

को संगत रखने यात्रा बकलरियार निम्नलिखिन में ने किया से गिर्दिष्ट है ?

- (a) y = ax+b
- (b) y = ax
- (c)  $y = ae_X + be_{-x}$
- \*(d) y=ae \* -a

# श भौतिकी

ंक शार्ष उप्मा इंजम  $400^{\circ}$  K के श्रीर  $300^{\circ}$  K के नापवम के सम्य कार्य करता है। इसकी क्षमना निम्मलिखित में के स्था होगी?

- (a) 3/4
- \*(b) (4--3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

#### 9 मां िष्यकी

यदि ब्रिपद विचर का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में में म्या होगा ?

- (a) 4"
- \*(b) 3
- (c) ∞
- (d) ---5 10. भूगोल

बर्मा के दक्षिणी भाग की श्रत्यधिक समृद्धि का नारण निस्नलिखित में से क्या है?

- (a) यहां पर खनिज साधनों का विपुल मण्डार है।
- \*(b) बर्मा की अधिकांश निवयों का डेस्टाई भाग है।
  - (c) यहां श्रेष्ठ बन संबदा है।
  - (d) देश के प्रधिकांग तेल क्षेत्र इसी माग में हैं।

# 11. भारतीय इतिहास

बाह्माशवाद के सबंध में निम्मलिखित में से क्या सस्य नही है ?

- (a) श्रीश्राक्षमं के जल्कर्ष काल में भी श्राह्मणवाद अनुयायियों की संख्या सहत प्रधिक यी।
- (b) ब्राह्मणभाद बहुत अधिक कर्मकांड भीर श्राडसर से पूर्ण धर्म था।
- (c) बाह्यणवाद के अच्युद्य के साथ, विश्व सम्बन्धी यज्ञ धर्म का महत्व क्षम हो गया।
  - (d) ध्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाधों को प्रयट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

#### 13. दर्शन

निम्नलिखित में स निरीश्वरवादी दर्भने समृह कौनसा है?

- (a) बीझ, म्याय, चर्चाक, संत्मीमा
- (b) म्याय, वैशेणिक, जैन घोर बीड, चार्वाक
- (c) शर्द्वत, वेदान्त, सांख्य, भावकि, योग
- \*(d) बौद्ध, सांच्य, सीमांसा, चार्वाक,

# 13 राजनीति विकान

"वृत्तिगत प्रतिनिधान" का प्रथं निम्नलिखित में से क्या है ?

- \*(a) ध्यवसाय के श्राधार पर विद्यानमण्डल में प्रतिनिधियों का मि**र्वा**चन।
  - (b) किसी समह या किसी व्यायमायिक समुदाय के पक्ष का समर्वन,
  - (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का खुनाय।
- (d) अभिक्र संबंधिता सप्रत्यक्ष प्रतिनिधिकः।

# 14. मर्गावज्ञान

सक्य की प्राप्ति निम्निशिक्ति में में किस को निवेशित काणी है है

- (a) ल्रष्ट्य संबंधी भावण्यकता में बृधि ।
- (b) भन्तर्नोद भवस्या में न्यनतः।
- (c) ध्यावहारिक ध्रधिगम
- (d) पश्चपात पूर्ण फक्षिणम

# 15. समाजशास्त्र

मारत में पंचायती राज संस्थाओं की देन निब्न में से कौन-सी है?

 (a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमश्रीर वर्षी को भीपचा-रिक प्रतिनिधिश्व प्राप्त हुआ है। (b) खुबाख्त कम हुई है।

- (c) पंचित वर्गों के खोगों को बुस्वामित्व का लाच मिला है।
- (d) अन साधारण में किया का बंसार हुआ। है।

विष्यची:--- उपनीदवारों को यह स्थान रखना चाहिए कि उदार्ब्द्रश नमूने के प्रश्नोग (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह अकरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाइयचर्का के सनुसार हों।

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 1st June 1982

No. A.11013/10/80-Admn.I.—The Chairman, U.P.S.C., is pleased to appoint Dr. V. Subramanyan, Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission to the post of Joint Director (Recruitment Tests) in the scale of Rs. 1500-60-1800-100-2000 in the office of U.P.S.C. on transfer basis with effect from 31st May, 1982 (AN) until further orders.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.) for Chairman Union Public Service Commission

#### New Delhi, the 29th May 1982

No. A.32014/1/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan and Mias Santosh Handa, to officiate as Deputy Controllers (Data Processing) on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600 for the period from 1-6-1982 to 31-8-1982, or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Shri M. L. Dhawan and Miss Santosh Handa is purely on ad-hoc basis and will not confer upon them any title for absorption or seniority in the grade.

P. S. RANA Section Officer for Chairman, Union Public Service Commission

## New Delhi-110011, the 23rd April 1982

No. A. 32013/2/82-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the Central Secretariat Service Cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Under Secretaries, in Grade I of Central Secretariat Service, on ad-hoc basis, for the periods shown against each, or until further orders, whichever is earlier:—

S. No.	Name		Period
1.	Shri R. N. Sharma		From 19-5-81 to 31-5-1981,
2.	Shri Panna Lal		From 1-1-1982 to 31-3-1982.
3.	Shri H. M. Biswas		From 19-5-1981 to 18-8-1981. From 21-11-1981 to 20-2-1982.
4.	Shri B. K. Bhattacharya	ι.	From 17-9-1981 to 16-12-1981, From 18-12-1981 to 31-1-1982.
5.	Shri Y. R. Gandhi	•	From 28-11-1981 to 27-2-1982. From 1-3-1982 to 31-5-1982.
6.	Shri P. C. Gupta .	٠	From 20-11-1981 to 19-2-1982, From 22-2-1982 to 21-5-1982.
-	Shri S. K. Mishra		From 31-12-1981 to 30-3-1982.
8.	Shri R. Sahai .	•	From 2-12-1981 to 1-3-1982. From 3-3-1982 to 2-6-1982.
9.	Shri S. S. Nagar .	•	From 2-12-1981 to 1-3-1982. From 3-3-1982 to 2-6-1982.
10.	Shri R. G. Purang ,		From 2-12-1981 to 1-3-1982, From 3-3-1982 to 2-6-1982.
11.	Shri M. P. Jain II ,	•	From 2-12-1981 to 1-3-1982. From 3-3-1982 to 2-6-1982.
12.	Smt. V. K. Madan		From 9-2-1982 to 8-5-1982.
13,	Shri B. P. Shimpi		From 1-2-1982 to 30-4-1982.

H. C. JATAV Jt. Secy. (Admn.) Union Public Service Commission New Delhi-11, the 10th May 1982

No. A.12024/2/80-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even No. dated 9-9-81 and 4-12-81, the Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri A. M. Mondal an officer of I.E.S.—1969 and presently working as Under Secretary to officiate as Deputy Secretary on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a period of 3 months w.c.f. 3-3-1982, under the powers vested in him vide Regulation of the UPSC (Staff) Regulations, 1958.

#### The 19th May 1982

No. A.32013/2/82-Admn.l.—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of Central Secretariat Service Cadre of Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service, as Under Secretaries in the office of Union Public Service Commission on an ad-hoc basis for the period shown against each, or until further order, whichever is earlier.

Sl. No., Name and Period

- 1. Shri Panna Lal-2-4-82 to 1-7-82.
- 2. Shri S. K. Mishra-1-4-82 to 30-6-82.

Y. R. GANDHI Under Secy. Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the

1982

No. H-5/68-AD.V.(Pt.).—The President is pleased to extend the services of Dr. H. L. Bami, Director/C.F.S.1. who attained the age of 58 years for a period of six months from 1st May 1982 to 31st October 1982.

#### CORRIGENDUM

#### The 15th June 1982

No. A-22015/1/81-AD.V.—The date "22-7-1977" appearing in the last column against Sl. No. 4 Shri C. Sahay in Notification No. A-22015/1/81-AD.V., dated 14-4-1982 may be read as "22-2-1977"

#### The 16th June 1982

No. A-20023/6/82-AD.V.—The Director, Central of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Joy Sing Terang as Public Prosecutor/ CBI with effect from 29-5-1982 (Foremoon) in a temporary capacity until further orders.

#### The 18th June 1982

No. A.20014/417/79-AD.I.—Shri D. C. Bhale Rao, Inspector, an Officer from Maharashtra Police on deputation to CBI has been relieved of his duties in the Central Bu cau of Investigation, GOW. Bombay with effect from the Afternoon of 31-5-82, on voluntary retirement.

#### The 21st June 1982

No. Z-4/65-AD.V.—The President is pleased to extend the services of Shri Z. A. Khalidi, Additional Legal Adviser, CBI, who attained the age of 58 years, for a period of 6 months from 1st October 1982 to 31st March 1983.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL INDIA

New Delhi, the 19th June 1982

No. 11/102/79-Ad.I(2).—In continuation of this office Notification of even number dated the 24th March, 1982, the President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Assistant Directors of Census Operations to the post of Deputy Director of Census Operations in States as mentioned

against their names, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period upto the 31st August, 1982, or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:—

- SI. No., Name of Officer and Office in which working
- Shi C. D. Bhatt—Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Simla.
- Shri S. L. Bahl—Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh.

No. 11/102/79-Ad. I(1).—In continuation of this office Notification of even umber dated 25th March, 1982, the President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Assistant Directors of Census Operations (Technical) to the post of Deputy Director of Census Operations, in the offices as mentioned against their names, on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period upto the 31st August, 1982 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:—

S. No.	Name of the Officers	Office in which working
1	2	3
1. SI	ori O, P. Shorma	RGI, New Delhi.
2. Si	ıri M. Panchapakesan .	DCO, Tamil Nadu, Madras.
3. S1	ari S. P. Sharma	DCO, Audaman & Nicobar Islands, Port Blair.
4. St	nri R. P. Tomar	DCO, Sikkim, Gangtok.
5. S!	uri M. K. Ahuja	RGI, New Delhi.
6. Sl	ori V. P. Rustagi	RGI, New Delhi.
7. Si	ıri A. K. Biswas	RGI, New Delhi.
8. 5	Shri A. Pyrtuh	DCO, Assam, Gauhati.
9, <b>S</b> 1	iri Y. G. Krishnamurthy	DCO, Andhra Pradesh, Hydera- bad.
10. S	nri R. K., Singh , ,	DCO, Uttar Pradesh, Lucknow.
11. Sł	nri S. P. Grover .	DCO, Punjab, Chandigarh
12. Si	hri Ram Singh	DCO, Madhya Pradesh, Bhopal.
13. Sl	iri D. N. Mahesh	DCO, Rajasthan, Jaipur.
14. Sł	nri S. C. Saxena	DCO, Bihar, Patna.
15. Sl	nri Ajit Singh	DCO, Punjab, Chandigarh.
	nri M. Nagappan . nri Phool Singh	DCO, Tamil Nadu, Madras. RG's Office, New Delhi.
18. SI	wi R. K. Bhatla ,	RG's Office, New Delhi.
19. Si	ori A. K. Dutta , .	DCO, West Bengal, Calcutta.
20. <b>S</b> l	nrı R. B. Singh	DCO, Bihar, Patna.
21. S	uri H. L. Kalla	DCO, Jammu & Kashmir, Sri- nagar,
22. D	r, K. S. Dey	DCO, West Bengal, Calcutta.
23. SI	hri D. P. Khobragade .	DCO, Maharashtra, Bombay.
24. SI	uri S. K. Swain .	DCO, Orissa, Cuttack.
25. SI	ari B. Satyanarayana .	DCO, Andhra Pradesh,

No. 11/37/80-AD. I.—In continuation, of this Office Notification of even number dated 22-5-1982, the President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Investigators as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the Office as mentioned against their names, on a purely temporary and ad-lioc basis, for a further period up-to-the 31st Augus,

Hyderabad.

1982 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:—

Name of the Officer	Office in which working
I. Shri K. S. Rawat	Office of the Registrar General India New Delhi,
2. Shri M. Tej Kishore Singh	Office of the DCO, Meghalaya Shillong.
3. Shri S. S. Bahri	O/O the R.G.I., New Delhi.
4. Shri M. N. Sarkar	O/O the DCO, West Bengal Calcutta.
5. Shri Samsher Singh .	O/O the DCO, Rajasthan, Jaipur.
6. Shri K. K. Akolkar .	O/O the DCO, Maharashtra Bombay.
7. Shri M. L. Sharma .	O/O the DCO, Madhya Pradesh Bhopal.
8. Shri K. R. Narayana .	O/O the DCO, Karnataka, Bangalore.
9. Shri S. S. Niket	O/O the DCO, Bihar, Putna.
0. Shri H. S. Meena	O/O the DCO, Bihar, Patna,
1. Shri A. C. Reddy	O/O the DCO, Andhra Pradesh Hyderabad.
2. Shri Nirmal Bhattacharya	O/O the DCO, Assam, Gauhati
3. Shri M. P. Jhala	O/O the DCO, Gujarat, Ahmedabad.
4. Shri J. C. Dutta	O/O the DCO, Nagaland Kohima,
5. Shri D. K. Chaudhuri ,	O/O the DCO, Tripura, Agar
6. Shri R. M. Singh	O/O the DCO, Uttar Pradesh Lucknow.
7. Shri G. S. Gill .	O/O the DCO, Punjab, Chandi garh.
18. Shri Lakhan Singh .	O/O the DCO, Utta Pradesh Lucknow.
19. Shri M. L. Sharma .	O/O the DCO, Delhi, Delhi.
20. Shri C. L. Sharma	O/O the DCO, Himachal Prodesh, Simla.
21. Shri S. P. Desai	O/O the DCO, Goa, Daman & Diu, Panaji.
22. Shri M. S. Ramachandran	O/O the DCO, Karnataka Bangalore.

2. The above-mentioned ad hoc appointments shall not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by them on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the Grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The afore-said ad-hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA Registrar General, India.

# CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL

New Delhi, the 3rd June 1982

No. E-16013(2)/1/80-PERS.—On transfer on deputation, Shri M. S. Chauhan, IPS (MT: 69) assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit, BHEL Bhopal wef the forenoon of 12th May 1982.

No. E-38013(4)|5|82-Pers.—President is pleased to appoint Shri K. D. Bhatia, on promotion on ad-hoc basis, as Assistant Commandant, CISF Unit, D.S.P. Durgapur, w.e.f. the forenoon of 30th April 1982.

#### The 7th June 1982

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On transfer to Jharia Shri B. Misra relinquished the charge of the post of Assistant Commandant at ASP Durgapur w.e.f. the afternoon of 10th May, 1982. He assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit, BCCL Jharia, w.e.f. the forenoon of 11th May, 1982.

SURENDRA NATH Director General

# MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF E.A.) INDIA SECURITY PRESS Nasik Road, the 15th June 1982

No. 596/A.—In continuation of Notification No. 2494.'A dated 25-3-1982 the ad-hoc appointment of Shri S. A. Khan as Deputy Control Officer, India Security Press, Nasik Road, is further extended for a period upto 16-6-1982 on the same torms and conditions or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 5th June 1982

No. OE.I/GOs-Promotion/73.—The Accountant General-1, Madhya Pradesh, Gwulior has been pleased to promote the following Permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against each:

- Sl. No., Name, Permanent No. and Date of Joining
- 1. Shri J. G. Agarwal-02/280, 5-6-1982 F.N.
- 2. Shri S. N. Mishra-02/281, 5-6-1982 F.N.

D. C. SAHOO Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, U.P. Allahabad, the 19th June 1982

No. Welfare/122.—Shri Virendra Kumar Bhartiya, Accounts Officer of the Office of the Accountant General-I, U.P., Allahabad expired on 21st May, 1982.

G. C. SRIVASTAVA Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 14th June 1982

No. AN/I/1419/4/Vol.I.—The following officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates noted against each:—

Sl. No., Name and Date of confirmation

- 1. Shri Arunava Dutt--12-07-80
- 2. Kum. Vandana Srivastava--12-07-80.
- 3. Shri Jacob David-08-11-80.
- 4. Shri Mohan Das Paliath-15-11-80.
- 5. Smt. Bindu Agnihotri-15-11-80.

- 6. Shri R. D. Ahir--19-11-80
- 7. Shri Shanti Swaroop Sharma-26-10-80.
- 8. Shri Kheni Chand Agarwal--04-01-81.
- 9. Shri Harbans Lal Anand-30-10-80.
- 10. Shri Satya Prakash Behl-20-10-80
- 11, Shri Sat Pal Schgal-30-10-80.
- 12. Shri A. V. Prakasam--23-10-80.
- 13. Shri R. K. Raina-10-11-80.
- 14. Shri K. S. Arunachalam---04-11-80.
- 15. Shri N. Somasundaram-23-10-80.

R. K. MATHUR Addl Controller General of Defence Accounts (AN)

# MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 18th June 1982

No. 29/G/82.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri I. N. Khanna, Officiating Assistant Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 30-9-81 (A/N).

V. K. MEHIA Asstt. Director General, Ordnance Fys.

# MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

#### Simla-171004, the 3rd July 1982

No. 23|3|82-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by three points to reach 462 (Four hundred and sixty two), during the month of May, 1982. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of May, 1982 works out to 562 (Five hundred and sixty two).

A. K. MALHOTRA Dy. Director.

# MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 11th June 1982

No. A-19018(408)/63-Admn.(G).Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Soni, Assistant Director (Gr. J) (IMT) Small Industries Service Institute, New Delhi as Dy. Director (IMT) on ad-hoc basis at the same office, w.e.f. the forenoon of 10-5-1982 until further orders.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 21st June 1982

No. A·6/247(611).—The President is ploased to appoint Shri B, D. Dube, Inspecting Officer (Textiles) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A') (Textiles Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection ((Textiles) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A') (Textiles Branch) on regular basis with effect from the forenoon of 1st June, 1982.

2. Shri B. D. Dube relinquished charge of the office of Inspecting Officer (Textiles) in the Office of Director of

Inspection, N.I. Circle, New Delhi and assumed charge of the office of Deputy Director of Inspection (Textiles) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on the forenoon of 1st June, 1982.

3. Shi Dube will be on probation for a period of two years w.c.f. 1-6-1982 on the post of Deputy Director of Inspection (Textiles).

N. M. PERUMAL Deputy Director (Administration)

# MINISTRY OF STEEL AND MINES (DLPARIMENT OF MINES)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 11th June 1982

No. 4024B A-19012(2-AkG)/82/19B.—Shri Anup Kumar Ghosh, Senior Technical Assistant (Geophysical W/S), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicis (Instin.) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the Forenoon of 15-4-1982, until further orders.

#### The 15th June 1982

No. 4128B/A-32013(AO)/80/19A.—In supersession of this office notification No. 8535B/A-32013(AO)/19A, dated 28-12-81 Shi i N. K. Pasin, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 - on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 21-9-81 to 23-11-81 (FN) against the leave vacancy of Shi B K. Chatterjee, Administrative Officer, Central Region, Nagpur, Geological Survey of India.

#### The 16th June 1982

No. 1765D/A-32013(AO)180/19A.—Shri S. R. Kundu, appendent ndent, Geological Survey of India is appointed on promotion a. Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-40-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 19-5-1982 until further orders.

J. SWAMI NATH Director General

# SURVEY OF INDIA

#### Dehra Dun, the 14th June 1982

No. C-5825/913-H.—The undermentioned Hindi Translators are appointed to officiate as Hindi Officer (GCS Group 'R' post) in the Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each;—

St. No., Narae, Office and With effect from

- Shii R. K. Chamoli, Northern Circle Office, Dehra Dun—22-4-82 (F.N.)
- Shri Jagdish Prasad Naithani, Map Publication Office, Dehra Dun—22-4-82 (F.N.).

#### The 15th June 1982

No. C.-5826/718-A.—Shri G. S. Dhurway, officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post) in Central Cucle Office, Jabalpur in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 22nd Apuil, 1982 (F.N.).

No. C-5827/718-A.—Shri O. S. Bhatnagar, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group

'B' Post) in C.S.T.& M.P., Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 13th April, 1982 (F.N.).

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India Appointing Authority

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st June 1982

No. A.32014/3/81-ES.—The Director General of Civil Aviation, is pleased to appoint Shri S. R. Verma, ad-hoc Superintendent, to officiate as Administrative Officer on ad-hoc basis with effect from 25-5-82 for a period of 45 days.

J. C. GARG Assistant Director of Administration

#### New Delhi, the 4th June 1982

No. A.38013/1, 82-EA,—Shri P. K. Das, Aerodrome Officer Office of the Regional Director, Calcutta retired from Government services on the 31st March 1982 on attaining the age of superannuation.

C. K. VATSA Officer on Special Duty (E)

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 16th June 1982

No. 4(53)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri P. K. Mishra, Transmission Executive, All India Radio, Kurseong as Programme Executive, All India Radio, Calcutta in a temporary capacity with effect from 12th April, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

Dy. Director of Administration for Director General

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th June 1982

No. A.19018/13/80-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Bal Krishan Srivastava to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, an ad-hoc basis with effect from the torenoon of 20-1-1982.

Deputy Director Admn. (CGHS, I)

# MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 18th June 1982

No. A.19023/2/82-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Sant Lal is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad in the forenoon of 31-5-1982, until further orders.

### The 21st June 1982

No. A-19024/1/82-A.III.—Shii G. C. Singh, Senior Chemist, has been appointed to the post of Chief Chemist at Regional Agmark Laboratory, Cochin, on purely ad-hoc basis for a period of three months w.e.f. 31-5-1982 (F.N.). or till the post is filled on regular basis.

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India

#### FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka, the 26th May 1982

No. E/P-140/642(7).—Shri P. B. Sikdar, Assistant Executive Engineer (ad-hoc) of the Farakka Barrage Project, Ministry of Irrigation is hereby appointed substantively in the grade of Assistant Engineer (Electrical) in General Central Service Group 'B' with effect from 10-5-82.

R. V. RANTHIDEVAN General Manager

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 11th June 1982

No. K/08/MHD/Estt.1A/1594.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Shi Mathew Koshy, a permanent Scientific Assistant 'C' and officiating Scientific officer/Engineer Grade SB of this Research Centre with effect from the afternoon of March 1, 1982.

#### The 15th June 1982

No. M.2/Estt.II/2279.—Consequent on his transfer to Power Projects Engineering Davision, Bombay, Shri R. G. Masurkar, Accounts Officer II, relinquished charge of his post in this Research Centre with effect from the forenoon of May 10, 1982.

R. L. BATRA Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 29th May 1982

No. PPED/3(262)/78-Estt.I/7376.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri A. H. Punwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 15, 1982 to the afternoon of June 16, 1982, during leave vacancy.

No. PPED/3(262), 78-Estt./7377.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri H. H. Shah, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 12, 1982 to the afternoon of June 11, 1982 vice Shri P. B. Nair, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

R. V. BAJPAI General Administrative Officer

#### (ATOMIC, MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 21st June 1982

No. AMD-16/3/82-Rectt — Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. U. Narayanan, a permanent Assistant, Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division, on an ad-hoc basis for a period of 31 days with effect from the forenoon of May 12, 1982 to June 11, 1982 vice Shri P. K. Vijayakrishnan, Assistant Personnel Officer, proceeded on leave.

T. D. GHADGE Sr. Administrative & Accounts Officer

# DEPARTMENT OF SPACE CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560 009, the 5th June 1982

No. 6[13]82-CED(H).—The Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to promote

Shi T Bhishma Rao, Technical Assistant-C, Civil Engineering Division. Department of Space as Engineer-SB in an officiating capacity in the same Division with effect from the forenoon of April 1, 1982 and until further orders.

L. RAJAGOPA1 Administrative Officer-II

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 15th June 1982

No. 1|516|82-EST.—The Director General, Overseus Communications Service, hereby appoints Shri S. S. Pillar, Technical Assistant, Madias Branch, as Assistant Engineer, in an officiating capacity on ad-hoc basis in the same Branch for the period from 1-4-82 to 6-5-82.

#### The 16th June 1982

No. 1|397|82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri E. C. Affonso, Senior Foreman, Bombay Branch, as Chief Mechanician in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 19th April, 1982 and until further orders.

No. 1/517/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. Sivaraman, Supervisor, Bombay Branch, as Dy. Traffic Manager in an officiating capacity in the same B anch with effect from the forenoon of the 3rd June, 1982, and until Turther orders.

#### The 17th June 1982

No. 1/84/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Tirkey, Supervisor, Calcutta as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch on ad-hoc basis, with effect from the forenoon of the 18th March, 1982 and until further orders.

H L MALHOTRA Dv. Director (Admn.), for Director General

## FOREST RESUARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 14th June 1982

No. 16|148|67.—The President, FRI & Colleges has been pleased to accept the resignation tendered by Dr. Rajesh Pant, Research Officer of his appointment at FRI & Colleges, Dehra Dun w.e.f. 11-11-1980 (AN.).

RAJAT KUMAR Registrar Forest Research Institute and Colleges

## COJ LECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madras-1, the 15th October 1981

#### CUSTOMS/ESTABLISHMENT

No. 15|81.—Shi N. Mungan, temporary Appraise (Non-Expert) of Madias Custom House resigned the post of Appraiser with effect from 30-9-1981 A.N.

#### The 27th March 1982

No. 1/82.—Shri T. C. Srinivasan is promoted to officiate as Appraiser on a regular basis with effect from 20-3-1982 F.N. in Cochin Custom House.

#### The 21st April 1982

No. 2/82.—Shri M. Thanjaivadivelu, Examinei (SG), Madras Custom House is promoted to officiate as Appraiser with effect from 1-4-1982 F.N. in Madras Custom House.

#### The 3rd May 1982

No. 3 82.—Shri R. H. Subbarnya, Permanent Appraise (Expert), in the Madras Custom House resigned the post of Appraiser with effect from 30-4-1982 A.N.

A. C. SALDANHA Collector of Customs

#### Nagpur, the 11th June 1982

No. 9 82.—Shri W. M. Deshpande, Superintendent of Central Excise, Group 'B' of this Collectorate having attained age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of the 31st May 1982.

> K. SANKARARAMAN Collector

#### CENTRAL FIECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110 066, the May 1982

No. 22/6/81-Adm.I(E).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the undermentioned Supervisors to the grade of Entra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Cential Electricity Authority, in an officiating capacity, with effect from the dates indicated against each, until further orders:

Sl. No., Name of Officer and Date of taking over charge
1. Shri Balkrishan-27-2-8% (F.N.).
2. Shri S. C. Das-30-4-82 (F.N.).

S. BISWAS Under Secy. (P)

#### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 16th June 1982

No. 752-H/559(Eia). - Dr. M. Razi, officiating Divisional Medical Officer, Easterr Railw: y is confirmed provisionally in St. Scale as Divisional Medical Officer in grade Rs. 1100-1800 (RS) from 1st September 1981.

> R. SRINIVASAN General Manager

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DLPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of New Agra Chit Schemes & Benefits Private Limited (In Liqu.)

#### Kanpur, the 17th June 1982

No. 7105/3254/L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the New Agia Chit Schemes & Benefits Private Limited (In Liqn.) unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

> V. P. KAPOOR Registrar of Companies, U.P. Kanpur

In the matter of the Companies 4ct, 1956 and of M/s Panafi Hotels Limited

Panaji-403 001, the 17th June 1982

No. 201/G/2153.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Panaji Hotels Limited unless cause is shown to

the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

M. L. GANVIR Registrat of Companies Goa, Daman & Diu Panaji

In the matter of the Companies 4ct, 1956 and of Dipanjan Investment Private Limited

## Calcutta, the 19th June 1982

No. 33972/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dipanjan Investment Private I imited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of D. M. Drugs & Pharmaceuticals Private Limited

Calcutta, the 19th June 1982

No. 33971/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the D. M. Drugs & Pharmaceuticals Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Methastles & Hardner Private Limited

Calcutta, the 19th June 1982

No. 32351/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Metkastles & Hardner Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of D. & M Frosets Private Limited

Calcutta, the 19th June 1982

No. 33666/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the D. & M.Frosts Private Limited unless cause is shown to the contary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of R. C. A. Ispat Coke Private Limited

Calcutta, the 19th June 1982

No. 29264/560(5).—Notice is hereby given pursuant sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of R.C.A. Ispat Coke Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of D. M. Farms & Dairles Private Limited

Calcutta, the 19th June 1982

No. 33660/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of D. M. Farms & Dairies Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Corrpanies Act, 1956 and of Dress-O-Materials Private Limited

Calcutta, the 19th June 1982

No. 26184/560(5).—Notice is hereby given pursuant sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Dress-O-Materials Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rebatt Kanta Poddar & Sons Private Limited

Calcutta, the 19th June 1982

No. 11304/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rebati Kanta Poddar & Sons Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA Assit. Registrar of Companies West Bengal In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/ Ratnatraya Engineering Works Private Ltd.

Calcutta, the 21st June 1982

No. 3063/560/8283.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Ratnatraya Engineering Works Private Ltd. timess cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. N. JAGANNATH Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NFW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. 1AC Acq I SR-fII 10-81,1166,—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

5'66, situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Dr. Chhail Bihari Lal Mathur 2. Girdhar Gopal Mathur, Mahesh Behari Lal Mathur and Smt. Phool Pyari all r/o 5/66 WEA, Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) 1, Raj Pal Sharma 2, Vijay Pal Sharma 3, Mahinder Pal Sharma, 59|31, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

21 storeyed building No. 5/66 WEA, Karol Bagh, area approximately 254.16 sq. yd., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 11-6-82

#### FORM 1.T.N.S. — ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC Acq I[SR III]10.81]1305 — Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-179, situated at

Safdarjung Enclave, New Delhi

(and more fully described in the Schedule armexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—24—146 GI/82

(1) Sh. Rum Parkush Pu i i'o R 64') New Rajinder Nagar, New Delhi

(Lansferor)

(2) I Sh Harbans Lal Swam 2 Smt Pushpa Swam rlo A-179, S I F, New Delht.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the stind Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No A-1179, Safdarjung Enclave, New Delhi,

S R GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 11-6-82 Seal:

#### FORM I.T.N.S. - --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No IAC|Acq.I|SR-III|10-81|1167.—Whereas, I, S. Is. GUPTA,

bein; the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

S-2'9, situated

at Greater Kailash-II, New Delhi

(an 1 more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1904) in the office of the Registering Officer at

Nev Delhi in October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair man let ablue of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exc eds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the part es has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Sat Dev Chadha soo L. Vidya Parkash Chadha roo Ll56 (1st floor), West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M's Guimai Constn. Co. ((P) Ltd. through their Director Smt. Gurcharan Kaur, A-69. New Friends Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. S-279, Greater Kailash-II, New Delhi mg. 300 eq. yd. (250.83 sq. mtr.).

S. R. GUPTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, DelhijNew Delhi

Date: 11-6-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### Smt. Ravel Kaur & Sd. Narinder Pal Singh, E-306, Greater Kailosh Part-II, New Delhi-110048.

(Transferor)

(2) Sn Dev Dutt Sharma r[o A-6, Ring Road, NDSE Part-I, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Dolhi, the 11th June 1982

Ref. No IAC[Acq-I]SR-III[10-81]1139.—Whereas, I, S. R. GUPLA,

being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-270 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

New Delhi in October 1981

101 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby miniate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Cliapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

S-270, Greater Kailash Part-II, New Delhi, mg. 300 sq. yd.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-1, Delhi/New D.lbi

Date: 11-6-82

Scal:

#### FORM NO. I.T.N.S.---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

N w Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-81|1173.--Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1-8, situated at

Maharani Bagh, New Delhi

a terr tuler described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disvlosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Raj Devi Datta. 138, Sujan Singh Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kambil Sahadevan, 78, New Friends Colony, New Dolhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House built on Plot No. 1-8 measuring 500 sq. yds (formerly known as D-26), Maharant Bagh, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi.

Date: 11-6-82

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No.  $1AC_1Acq.1[SR-\Pi1]10-81[1282.$ —Whereas, I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Prop. No. 50 situated at

Kalu Sarai, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Officer at on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market valu of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. S. Pritani Singh sio Sh. Maya Singh, 1|0 48|4. Yusui Sarai, New Delhi-48. (Transferor)
- (2) 1. Sn. Anil Verma s/o Sh. Amar Nath 1/o W/127A, Guae'er Kailash-I, New Delhi-48
  2. Sh. Ravi Shanker Taneja s/o Sh. R. K. Taneja 1/o W/80, Greater Kailash-I, New Delhi-48, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 50, Khasra Shankui No. 2, Village Kalu Satai, Delhi Arca 290 sq. yd.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi.

Date: 11-6-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(2) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. LAC Acq 1 SR-111 10-81 1284 --- Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-13, situated at Swami Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.t. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Motan Ram S/o Sh. Teju Ram R/o 220 W. No. 13, Bahadar Garh, Distt. Rohtak (Haryana)

(Transferor)

(2) I. Sh. S. K. Bhatia S/o Sh. H. N. Bhatia
2. Smt. Sarla Bhatia W/o S. K. Bhatia
3. Master Vikas S/o S. K. Bhatia
R/o C-13. Swami Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

C-13, Swami Nagar, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 11-6-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/10-81|1224.--Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. I-B, Plot No. F-3, situated at NDSE Part-II,

New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Rajiv Properties (P) Ltd. having its registered office at 37, Pusa Road, New Delhi through its Director Sh. Krishan Kumai Chopra.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar Kirpilani S/o late Ram Chand Kirpilani His. Indira Kirpilani w/o Ashok Kumar Kirplani R/o 1492. Chandni Chowk, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. F-3, mg. 344 sq. yd. situated at NDSF Part-II. New Delhi out of, two flats on first floor, Flat No. I-B, cov-cred area 950 sq. fts. situated at New Delhi South Extension Part-II, New Delh.

> S. R. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 11-6-82

FORM J.T.N.S.—

(1) Shri Jagdish Singh Chowhan, 3047, 19-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mr. & Mrs. Ajit Singh Kakar D 144, Anand Niketan, New Delhi

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No IAC/Acq 1/SR-III/10-81/1147 -Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No C-79, simulated at Anand Niketan, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparnt econsideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

C-79, Anand Niketan, New Delhi Aica 360.49 sq. yds

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, inpursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-6-82

Scal:

(1) Sh. Bhegwan Singh S/o Sh. Rattan Singh R. 'o Vill Francisch, Mehrault Delhi

( Fransiçioi )

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) M.S.C., Lyail & Co. (Const.) (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF, INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. FSTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/10-81/1258.—Whereas, I. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under

section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—146 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. lands mg. 5 bighas an 8 biswas comprised in Khasia No. 179/3(5-08) in Vill. Bijwasan, Mehrauli Dolhi

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date 11-6-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/10-81|1259.—Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Agi. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Bhagwan Singh S/o Sh. Rattan Singh Rlo Vill Biywasan Delhi.

(Transferor

(2) M/s. C. Lyall & Co. (Const) (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the sake Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. lands mg. 5 bighas and 16 biswas comprised in Khasra No. 179/5(5-16) in Village Bijwasan, Mchrauli, Tehsil Delhi,

S. R. GUPTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 11-6-82

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq I SR-III|10-81|1260.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at Village Bijwasan, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

- (1) Sh. Bhagwan Singh S/o Sh. Rattan Singh R/o Vill. Bijwasan, Union Territory of Delhi. (Transferor)
- (2) M|s, C. Lyall & Co. (Const.) (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the equisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. lands mg. 5 bighas and 16 biswas comprised in Khasra Nos. 179 1 min (2-00) and 179 4 (3-16) in Village Bijwasan Teh. Meh., Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 11-6-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOM! -TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, JP, FSTATE, New DF1 HI

New Delhi, the 11th June 1982

Rel. No. 1AC<sub>1</sub>Acq.1|SR-111|10-81<sub>1</sub>1261.—Whereas, 1, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agi, land situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

on October 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

uansfer with the object of: -

- (a) inclinating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other, assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following terrons namely:

(1) Sh Bhagwan Singh S/o Sh. Rattan Singh R o Vill. Bijwasan, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. C Lyall & Co (Const) (P) Ltd 115 Ansal Bhawan, 16 K. G Marg, New Delhi (Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ågi), lands mg. 7 bighus and 7 biswas comprised in Khasra No. 179/2(7-07) in Village Bijwasau, Teh. Meh. Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 11-6-82

#### FORM ITNS----

 Shri Rattan Singh s¦o Sh. Bhagmal 1|o Village Bijwasan, Delhi.

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M.S. C. Lyall & Co. (Const.) (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. 1 STATE
NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-81|1278.—Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No Agr. land situated at Village Bijwasan, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

October 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the tail instrument of transfer with the

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

'(g) lands mg. 8 bighas only compused in Khasia No. 174 min (8-00) in Village Bijwasan, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi New Dolhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following polynome famely—

Duc 11-6-1982

FORM I.T.N.S.-

(1) Sh. Rattan Singh soo Sh. Bhagmal roo Village Bijwasan, Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. C. Lyall & Co. (Const.) (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. C. Marg, New Delhi.

(Transferce)

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III]10-81|J279.—Whereas, 1,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land situated at Village Bijwasan, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl, lands mg. 6 bighas only in Khasra No. 174 mm (6-00) in Village Bijwasan, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi.

t ac 11-6-1982 Seal:

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.IJSR-III|10-81|1300.—Whereas, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl. land situated at Village Bijwasan, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 'a' facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1) Ch. Kishan Chand s|o Sh. Bhagmal r|o Village Bijwasan. Teh. Meh., New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Mahavir Siugh s|o Nanhey Mal r|o Village Bijwasan, Teh. Meh., New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 9 bighas and 12 biswas Khasia Nos. 16[21 (4-16), 21]1 (4-16) Village Bijwasan, Teh. Meh. New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi|New Delhi

Date: 11-6-1982

#### FORM TINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE-I G I3 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. FSTATI' NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-81|1208.—Whereas, 1. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Agrl. land situated at Village Bhait, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Harksen, Chander es o Shadi, Kala, Chandii, Bhagwati ds o shadi (1) th share) through attorned V. S. Randhwa Harilal sto Puran (1)4th share). Hatti, Suraj Mal ss o Munshi (1)4th share) all rovillage Fatchpur Beri, Teh Meh., New Delhi. (Transfero)
- (2) Shii Nand Kishore Bagrodia s|o Sagarmal Bagrodia r|o E-81, Tagore Garden, New Delhi and Shyama Devi Agarwal w|o Sh. S. M. Agarwal r|o 5|11, Shanti Niketan, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the "aid property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agrl. land mg. 10 bighas and 4 biswas Khasta No. 1046 situated in Vill. Bhati, Teh. Meh., New Delhi,

S. R. GUPT \
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi,

Date : 11-6-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P FSTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|10-81|1209.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Village Bhati, New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—146 GI/82

(1) Shri Harkesh, Chander sso Shadi, Kala Chandri, Bhagwati dso Shadi, through attorney A. S. Randhawa slo G. S. Randhawa (1/2th share), Harbal slo Puram (1/4th share) Hatti and Suraj Mal ss/o Munshi (1/4th share), all rlo Village Fatchpur Peri, New Delhi

(2) Shii Nand Kishore Bagrodia soo Sagar Mal Bagrodia soo Ed-81, Tagore Garden, New Delhi and Shyama Devi Aggarwal soo S. M. Agarwal soo 511, Shanti Niketan, New Delhi.

(Transferee)

,

( ) (ansteror)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agil, land mg. 7 bighas and 4 biswas khasra No. 1964/1048 (5 -8), 1965/1048 (1 --16) situated in Vill. Bhati, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi.

Date: 11-6-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

ACQUISITION RANGE-I GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATH NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-81|1187.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully desribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ved Ram and Lekh Ram 55/0 Ramla r/o Village Dera Mandi, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Khem Chand soo Sheo Singh roo 122A/2, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land mg. 10 bighas and 11 biswas M. No. 82, Krlla No. 1 (4—12), 2 (4—14), M. No. 83, Killa No. 5 (1—5), Village Dera Mandi, Teh. Mch., New Dlehi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi.

Date: 11-6-1982

(1) Shri Shiv Charan soo Giasi roo Vill. Dera Mandi, New Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Har Kishan soo Rain Peishad 110 Vill. Deia Mandi, Teh. Meh., New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC Acq. I SR-III (10-81 1217.—Whereas, I. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/ and bearing

No. Agr. land situated Vill. Dera Mandi, New Deihl (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land mg. 18 bighas and 16 biswas bearing Mustatil No. 75 killa No. 12 (2 (2—12), 19 (4—16), 22 (3—16), 23 (3—7), 18 (4—5), situated at Vill. Dera Mandi, Teh. Meh.. New Delhi.

> S. R. GUPTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi New Delhi.

Date: 11-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-81|1213.—Whereas, I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Agrl. land situated at Vill. Dera Mandi. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfering; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Har Kishan s|o Ram Pershad r|o Vill. Dera Mandi Teh. Mehrauli New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gur Sahai s|o Daulat, r|o Vill. Dera Mandi, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 20 bighas and 10 biswas bearing Mustatil No. 96 killa Nos. 16(4-9), 17(4-16), 25(4-9) Mustatil No. 115 killa No. 4(2-0) at Vill. Dera Mandi, Tch. Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
DELHI|NEW DELHI

Date: 11-6-1982

#### FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC[Acq.I|SR-III|10-81|1219.—Whereas, I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Agr. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Gur Sahai s|o Sh. Daulat, r|o,\Vill. Dera Mandi. Teh. Meh., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishin Chand Choithram Daryanani so Sh. Choithram ro co R. D. Chandra, 13 DiH, SAKET, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 3 bighas 16 biswas bearing Mustatil No. 56 killa No. 13 min (1-19), 14 min (1-17) situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi.

> S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 11-6-1982

Scal:

#### FORM ITNS----

## MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|10-81|1220.—Whereas, 1, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-excasis the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gur Sahai s|o Sh. Daulat, r|o 'Vill. Dera Mandi. Teh. Meh., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishin Chand Choithram Daryanani s|o Sh. Choithram r|o c|o R. D. Chandra, 13 D|H, SAKET, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 3 bighas 13 biswas bearing Mustatil No. 56 killa No. 7. Vill. Dera Mandi, Teh. New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 11-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|10-81|1221.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Dera Mandi, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gur Sahai s o Sh. Daulat, r o Vill. Dera Mandi, Teh. Meh., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishin Chand Choithram Daryanani s|o Sh. Choithram r|o c|o R. D. Chandra, 13 D|H, SAKET, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from this date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas bearing Mustatil No. 56 killa No. 8 Vill. Dera Mandi, Tch. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 11-6-1982

#### FORM NO. LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhl, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|10-81|1222.—Whereae, I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agr. land situated at Village Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Gur Sahai s o Sh. Daulat, r o Vill. Dera Mandi, Teh. Meh., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishin Chand Choithram Daryanani s|o Sh, Choithram r|o c|o R. D. Chandra, 13 D|H, SAKET, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 5 bigha 14 biswas bearing Mustatil No. 56 killa No. 9 Vill. Dera Mandi, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Delhi|New Delhi

Date: 11-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G. D. GROUND FLOOR OR BUILDING, J. P. ESPATE
NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC Ocq-I SR-III 10-81(1223) -Whereas, I S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Dera Mandi, New Delhi 95 to 99, 100 to 107 situated at Village Khamdhrol, Dist. Junagadh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

facilitating the reduction or evasior of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely = 27—146 GI/82

 Shri Gur Sahai s|o Sh. Daulat, r|o Vill. Dera Mandi, Teh Meh. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishin Chand Choithram Daryanani sio Sh. Choithram r,o clo R. D Chandra, 13 DlH, SAKET New Delhi

(Tiansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this racice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sa.d Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bigha 2 biswas bearing Mustatil No. 56 killa No 6|1, Vill. Dera Mandi, New Delhi.

S R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-1
Delhi|New Delha

Date: 11-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX 4CT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OTHER OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I. G-13 Edulund Floor CR Building, J. P. FSTA'll New Delhi

Sen Delhi the 11th June 1982

Ref. Iso TVC Veq 1 SR (11 10 81 1 68). Whereas I S. R. GUP1 V. |
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed-

ing Rs 25,000 and bearing

Aer land situated att Village Rooker, New Delhi

Agr land situated att Village Rajoku, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the run market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of ne income it mg from the transfer; and/or

(b) facilitating the concedenant of any moone of any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely the

(1) Shri Hatti s|o Sis Ram r|o Rajokri, New Delhi.

(Transferor)

(3) Shri Charan Singh slo Hatti, Rattan Lal slo Hatti, r o Rajokri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

land mg 9 bighas and 11 biswas khasia Nos. 837 1658 2(2-8), Village Rajokii, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1.
Delhi|New Delhi

Date: 11-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OTHICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTAT NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|10-81]1277.—Whereas, 1, S. R. GUPTA,/

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agr. land situated att Village Rajokri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 5mt. Sartı wd|Sis Ram, Narain, Mange Ram s|o Sis Ram Shanti Devi. Mohan Devi ds|o Sis Ram,

Shanti Devi, Mohan Devi dsjo Sis Ram. Khema, Khushia, ssjo Daulta, Hans Ram. Lakhmi Chand, Haria, ss,o Mohan, Vill. Rajokti, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Chhoti Devi w o Ram Narain Smt. Savitri Devi w o Mage Ram, Dharambir Singh, s o Hans Ram, Phoola Devi w o Hans Ram, Prakash Chand, to Rajokri, New Delhi

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 15 bighas and 14 biswas Khasra No. 646 (4-16) 647 (4-16) 653 1 (1-1) 654 1 (4-9). 1096 6 (0-11) Vill. Rajokri, New Delhi,

S R GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 11-6-1982

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND I-LOOR OR BUILDING, I, P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC<sub>1</sub>Acq-1<sub>1</sub>SR-III|10-81|1127.—Wherens I. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agr. land situated at Village Devli. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the terr market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jage Ram adopted son of Fakira r'o Vill. Devli. Th.Meh., New Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Shri S. Hummat Singh sjo late S. Balwant Singh, 110 2475, Basti Punjabian, Subzi Mandi, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Vgi land mg 4 bighas and 16 biswas khasra No. 12[4, situated in Village Devli, Teh.Meh., New Delhi.

S. R. GUPIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Dated: 11-6-1982

Seal.

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATI NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC Acq-I<sub>3</sub>SR-III|10-81<sub>1</sub>1128.—Whereas, I. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Village Devli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the 1air market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jage Ram adopted son of Fakira 10 Village Devli Teh.Meh., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shir S. Surinder Pal Singh soo late S. Balwant Singh, ro 2475, Basti Punjabian Subzi Mandi, Delhi

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg 4 bighas and 16 biswas khasra No. 9/24, situated in Village Devli, Teh.Meh., New Delhi.

S. R. GUPIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Delhi|New Delhi

Date: 11-6-1982 Seal FORM ITNS----

-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Jage Ram adopted son of Fakira rjo Villago Devli Teh.Meh., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. Kulbir Singh s|o late S. Balwant Singh, r|o 2475, Basti Punjablan Subzi Mandi, Delhi. (Transfered)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTAT NEW DELHI

New Delbi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC Acq-I[SR-III]10-81[1130.—Whereas, I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Agr. land situated at Village Devli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat- proceedings to: the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1-XPI ANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 12 biswas khasra No. 9|23|2, situated in Village Devli, Teh.Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 11-6-1982

Seal

#### FORM I.T.N.S .-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELIN

New Delhi, the 11th June 1982-

Ref. No.4 IAC | Acq-1 | SR-III 10-81 | II 129. -Whereas. 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land, situated at Village Delhi, New Delhi

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at

at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Jage Ram adopted son of Fakira rlo Village Devli Teh. Mehrauli, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri S. Hardayal Singh Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
   (a) 2475, Basti Punjabian Subzi Mandi, Delhi-7 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas khasra No. 9117, situated in Village Devit. Leb.Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 11-6-1982

Seal

## FORM ITNS-----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I. G 13 GROUND 11 OOR CR BUILDING, I. P. USTATI NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. 1AC|Acq-I|SR-III-10-81|1229.---Whereas, I, S. R. GUPTA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agr. land situated at Village Mehrauli. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been (rully stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Santosh Kumari wo Angad Kumar, 1 o Bagh Diwar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal Nagpal so late Khilla Ram alias P. D. Nagpal, r o C-103, Greater Kailash-11 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 16 biswas M. No. 45, Killa No. 15,1(3-1). M. No. 46, killa No. 11(1(3-15). Village Mehrauli, Teh. Meh. New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi New Delhi

Date: 11-6-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 OROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATI NEW DELHI

New Della the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|10-81|1262.-- Whereas, J, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0001- and bearing No.

Rs. 25,000- and bearing No.

Agr. land situated at Village Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Rgisteration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitaiting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28-146 GI/82

(1) Shri Chander Wati wio Mohan Lal rio Village Saidulajaib, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

M|s Qutub Enterprises, Mehrauli, New Delhi through its Partner Sh. Sudhir Kumar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agr. land M. No. 39, killa Nos. 21(4-16), M. No. 61, killa No. 1(4-16), 2(1-8), M. No. 62 killa 5(4-16) situated in Village Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 11-6-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-EAN ACT, 1961 (1) OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, U.P. ESTATE
NEW DELII!

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|10-81|1285.—Whereas, I. S. R. GUPTA.

being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Agr. land situated at Villageg Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Bhagwana s o Shri Sri Ram, r o Village Kishangarh, Mchrauli, New Delhi.
- (2) Shri Hukam Chand Gupta

(Transferoi)

so Sh. Ram Saran Dass Gupta ro 705-E[6, Mchrauli, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agr. land mg. 9 bighas and 12 biswas M. No. 56, killa No. 7/2(2-14), 14 and 17 min(2-2), 15(4-16), situated in Vill. Mehrauli. Teh. Meh.. New Delhi,

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi

Date: 11-6-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq-t|SR-III|10-81|1286.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Villageg Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Bhagwana Sjo Shri Sri Ram, rjo Village Kishangarh, Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Basanti Devi wo Hukam Chand Gupta, ro 705-El6, Mehrauli, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act. shall be the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agr. land mg. 10 bighas and 11 biswas M. No. 55, killa No. 10(2-16) 11(3-19), M. No. 56, killa No. 6(3-16), situated in Village Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range-I,
Delhi New Delhi

Date: 11-6-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DFLHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq-1|SR-III|10-81|1131.—Whereas, I, S, R, GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Satbari, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s Banarsi Das Chadha & Bros., D-18, Lajpat Nagar-III, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s Ansal Housing & Estates. (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agr. lands 'mg, 9 bighas and 19 biswas comprised in K. Nos. 829(3-10), 830 min(2-06) and \$31 min(4-03) in Village Satbari.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date; 11-6-1982 Senl

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-1, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Rel. No. IAC|Acq-I|SR-III|10-81|1132.--Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Satbari, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Ocober, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Deepak Kumar Chadha
 s Sh. D. P. Chadha
 r O D-18, Lajpat Nagar-III, New Delhi.
 (Transferor)

(2) M|s Ansal Housing & Estates (P) Ltd, 115 Ansal Bhawain, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. lands mg. 8 bighas and 19 biswas comprised in K Nos. 863(4-16) and 864 min(4-03) in Village Satbari.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 11 6-1982

Scal

#### FORM I.T.N.S.—-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|10-81|1136.—Whereas, I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Satbari, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nt New Delhi on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the tarr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Sh. Deepak Kumar Chadha s|o Sh. D. P. Chadha r|o D-18, Lajpat Nagar-III, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sb. Gobind Lal Dhingra and 2. Sh. Harbans Lal Dhingra ss o Sh. Raja Ram Dhingra co Sh. R. P. Aneja ro A-383, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agr. Lands mg. 7 bighas and 8 biswas comprised in K. Nos. 866 min(3-08) and 867 min(4-00) in Villagge Sat-

S. R. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi New Delhi

Date. 11-6-1982

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGAI ORE 560001

Bangalore 560001, the 7th June 1982

C. R. No. 62|33654|81-82,Acq|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3, situated at Convent Road, Bangalore-25,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South, Document No. 2833 on 12-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforciald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jacob Chandy, No. 8A, Owner's Court, Montieth Lane, Madras-600008.

(Transferor)

 (2) Shri Dabakumar Goswamy, Shyamrai Pore T.F.
 P.O. Dholagoni, Disti Sibasagon, Assam

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicehever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

(Registered Document No. 2833, dated 12-10-81) No. 3, Convent Road. Bangalore-25.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
vequisition Range, Bangulore.

Date · 7-6-19

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Jacob Chandy, No. 8A, Owner's Court, Montieth Lane, Madras-600008.

(Transferor)

(2) Shrimati Trivikram Prabhu, P.O. Box No. 20189, Kiture, Zambia.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th June 1982

62<sub>1</sub>33657<sub>1</sub>81-82 Acq[B.--Whereas, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. 3, situated at Convent Road, Bangalore-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Madras South, Decument No. 2836 on 12-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arisin from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2836 dated 12-10-81) No. 3. Convent Road, Bangalore-25,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bungalore

Date: 7-6-1982

#### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th June 1982

C.R. No. 62|33655|81-82|Acq|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

3, situated at Convent Road, Bangalore-25,

and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras South, Document No. 2834 on 12-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-29-146 GT/82

Shri Jacob Chandy, No. 8A, Owner's Court, Montieth Lane, Madras-600008.

(Transferor)

(2) Shri Devrani Agarwala, 39, Kanaka Pura Road, Basa Vargudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2834, dated 12-10-81) No. 3, Convent Road, Bangalore-25,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

Date: 7-6-1982

#### FORM LT.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Shri Jacob Chandy, No. 8A, Owner's Court, Montieth Lane, Madras-600008.

(Transferor)

(2) Shri C. P. Parameshwar, C2|5C Safdurjung Road, New Delhi-16.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th June 1982

C.R. No. 62|33656|81-82|Acq|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

3, situated at Convent Road, Bangalore-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South, Document No. 2835 on 12-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor ot pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used Lerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Documentt No. 2835, dated 12-10-81) No. 3 Convent Road, Bangalore-25.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Date: 7-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Shri Kanthamma Raju Kodanda Pani, 373, I Main 42nd Cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore-41.

(Transferor)

(2) D. S. Parkash, Tarkesh & Mohan, Minors by Sarvamangala, No. 2, 2nd Main, Govindarajanagar.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th June 1982

C.R. No. 62|31996|81-82|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

373 situated at I Main, 8th Block, 42nd Cross, Jayanagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar Doc. No. 2971 on 1-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2971, dated 1-10-1981) No. 273, I Main 8th Block 42nd Cross, Jayanagar, Bangalore-41.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-6-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th June 1982

C.R. No. 62|33658|81-82|Acq|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

3, situated at Convent Road, Bangalore-25,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Madras South, Document No. 2837 on 12-10-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jacob Chandy, No. 8A, Owner's Court, Montieth Lane, Madras-600008.

(Transferor)

(2) Naina D. Kamini, 5. Hayer Road, Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2837, dated 12-10-81) No. 3, Convent Road, Bangalore-25.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jacob Chandy, No. 8A, Owner's Court, Montieth Lane, Madras-600008.

(2) Shri Kanwal Krishan, 4, Pemino, Alta Mount Road, Bombay-26. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th June 1982

C.R. No. 62|33659|81-82|Acq|B.-Whereas, I. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 3, situated at Convent Road, Bangalore-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South, Document No. 2838 on 12-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftees per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested In the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
  - EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2838, dated 12-10-81) No 3, Convent Road, Bangalore-25.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th June 1982

C.R. No. 62/33661/81-82/Acq/B.-Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, situated at Convent Road, Bangalore-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South Document No. 2840 on 12-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jacob Chandy, No. 8A, Owner's Court, Montleth Lane, Madras-600008.

(Transferor)

(2) Indira D. Kothari, Kothari House, 28, Kothari Road, Nungambakkam, Madras-600034.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—

d expressions used herein as are

hapte of the said Act,
he sa ing as given in

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2840, dated 12-10-81) No. 3, Convent Road, Bangalore-25.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-6-1982

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th June 1982

C.R. No. 62|33662|81-82|Acq|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

3, situated at Convent Road, Bangalore-25, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Madras South, Document No. 2841 on 12-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jacob Chandy, No. 8A, Owner's Court, Montieth Lane, Madras-600008.

(Transferor)

Radhika,
 Do Kanapathi Muthu,
 Richmand Place,
 Bangalore-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2841, dated 12-10-81) No. 3, Convent Road, Bangalore-25.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-6-1982

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th June 1982

C.R. No. 62|33653|81-82|Acq|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3, situated at Convent Road, Bangalore-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South, Document No. 2832 on 12-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jacob Chandy, No. 8A, Owner's Court, Montieth Lane, Madras-600008.

(Transferor)

(2) Coimbatore Bashyam Suresh, 49A, Race Course Road, Coimbatore-641018.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2832, dated 12-10-81) No. 3, Convent Road, Bangalore-25.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-6-1982

#### FORM I'INS----

 Shri Jacob Chandy, No. 8A, Owner's Court, Montieth Lane, Madias-600008.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Joseph Cherian, 40, Richard Place, Bangalore-25.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF TAX.

> ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560001

Bangalore-560001, the 7th June 1982

C.R. No. 62|33652|81-82|Acq|B —Whereas, I, MANJU MADHAVAN of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Incomp-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 situated at Convent Road, Bangalore-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras South, Document No. 2831 on 12-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly (stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—146GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shill have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Docum at No. 2831, Jated 12-10-81) No 3, Convent Road Bangalore-25.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 7-6-1982

The Committee of the Co

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th June 1982

C.R. No. 62'33660'81-82|Acq|B.-Whereas, I. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 3. situated at Convent Road, Bangalore-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madris South Document No. 2839 on 12-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the anteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jacob Chandy, No 8A, Owner's Court, Montieth Lanc, Madras-600008.

(Transferor)

(2) S|Shri Kaveri appanna and Inida Mashia, 17, Lewis Road, Cooke Town, Bangalore-5.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2839, dated 12-10-81) No. 3, Convent Road, Bangalore-25.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-6-1982

#### FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGL BANGALORE-560 001

Bangalore, the 5th June 1982

( R No 62 32389 81 82|Acq|B —Whereas MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000|- and bearing

No 2, situated at Leonard Lane,

Richmond Town, Bangalore-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Shivajinagar, Doc. No 2277 on 23-10-1981

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. P. Thomus, No. 2, Leonard Lanc, Richmond Town, Bangalore 560 025

(Transferor)

 (2) M|s Arphi Investments, No 79|2, Okalipuram, Bangalore 560 021.
 Reptd by its Managing Partner, Mi Philip Lewis.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are as defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No 2266 dated 23-10-1981, Property bearing No. 2 Old No. 1, Richmond Town Bangalore 560 025.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income fax
Acquisition Range-IV, CALCUTTA

Date 5-6-1982.

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th June 1982

C. R. No.  $62|32916|81-82|Acq.^{\dagger}B$ .—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 670 B/8, situated at Chamundi Vihar, Nazarbad Mohalla, Mysore,

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer by Mysore Document No. 3183 on 25-11-1981.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid proterty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri Di. L. K. Rama Rao, Slo. I. Koneni Rao, D. No. 63, 8th Main Yadavagiri, Mysore, Rep. by Shri B. R. Nagaraja Rao, 1602, 4th Cross, Hosakeri, Mysore.
  - (Transferors)

(2) Smt. Rekha Murthy, Wo Dr. H. C. Vishnumurthy, No. 41, Theobald Road, Nazarbad, Mysorc. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAFLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 3183. Door No 670 B|8, Chamundi Vihar, Nazarbad Mohalla, Mysore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range Bangalore.

Date: 4-6-81

(1) Shii G. S. Ramachandian, Slo Sri G. R. Subba Rao, No. 32, Aga Abbas Ali Road, Bangalore-560042.

(Transferor)

(2) M.s. Green Field Hotels and Estates Private Limited.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) QF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd June 1982

C. R. No. 62 32197/81-82 Acq | B — Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000,- and bearing

No. 54 situated at Whitefield village, Krishnarajapinam Hobii Bangalore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexd hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bangalore South Taluk, Document No. 3929 on 15 10-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3929 dated 10-10-81) House bearing No. 54, Whitefield Village, Krishnarajapuram Hobli, Bangalore South Taluk. Date: 2-6-82.

MANJU MADH VAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Bangalore.

Date . 2-6-1982.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd June 1982

C R. No. 62|32004|81-82|Acq B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating

No. 3112, situated at Banashankari II Stage.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Doc. No. 3150 on 14-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

(1) Shri J. R. Bheema Rao, No. 1, 4th Main Road, Tata Sik Farm, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shrimati K. Krishnamma W|o Sri Krishnappa, No. 16, 2nd Cross, Shankarpuram, Bangalore-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 3150 Dated 2-6-1982. 3112, Banashankari, II stage, Bangalore,

MANJU MADH AVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Bangalore.

Date: 2-6-1982

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd June 1982

Ref. No.  $62[32391|81-82] \land cq|B|$ —Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 18

situated at Muniswamappa Layout,

Old Madras Road, Ulsoor,

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar Document No. 2247 on 22-10-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bel hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii P. S. Venkateshwaran No. 6, Chinnayapillai Street Bangalore.

(Transferoi)

(2) Shri K. Govardan Das, Bangalore, Jayamahal Extension, C-15, 7th Cross,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2247 Dated 22-10-81). No. 18, Muniswamappa Layout, Old Madras Road, Ulsoor Bangalore,

MANJU MADIIAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-6-82.

#### FORM ITNS- ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Shri Abdul Samad, No. 211, VII Main Road, Jayanagar, Jayanaga, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shri Abida Begum, No. 785, Jodi Babayagudi, Chickpet Square, Tumkur.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd June 1982

C. R. No. 62/32003 81-82/Acq B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 211]17, situated at 8th Main Road, Byrasandia, 1st Block, Jayanagar, 35th Division, Bangaloie.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar Document No. 3104 on 1-10-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Judian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3104 Dated 1-10-1981). House bearing No. 211|17, situated at 8th Main Road, Byrasandra, 1st Block, Jayanagar, 35th Division, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-6-1982.

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

# ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 13th May 1982

C. R. No. 62|32370|81-82|Acq|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 98/1, situated at Balcpet Cross, Laxmana Rao Road, Bangalore-53,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gandhinagar, Bangalore, under Document No. 2802 81-82 on 29-10-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely :— 31—146 GI/82

(1) Shii Moolchand Nahar, So Sri Mangilaljı Nahar, 98]I, Balepet Cross Huriopet, Laxmana Rao road, Bangalore-53.

(Transferors)

 1. Shri Amrutlal Surana S|o Sri Shivrajji Surana
 2. Smt. Pistabai W|o Sri Amrutlal Surana, No. 12, 1st Floor, Mariamma Temple St. R. T. St. Cross, Bangalore-53.

(Transferees)

- (3) 1, Ground Floor; M|s. Devi Chemicals 2. Second Floor; Smt. Gajarabai W|o M Kranlal Jain.
  - 3. Third Floor Sri Pannalal Pagaria
  - 4. Fourth Floor: MIs Poornima Cut Piece cenfre.
  - 5 Fifth Floor: Sii Chandreshiaj Lodha. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2802|81-82 dated 29-10-81). All that property bearing No. 98 1 which includes Ground floor and five floors, situated at Bulepet Cross, Lakshmann Rao Road, Bangalore-53.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

dated: 13-5-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

**BANGAI ORF-560 001.** 

Bangalore-560 001, the 13th May 1982

C. R. No. 62[32013:81-82] At Q[B] --Whereas, J. MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

231 to 257, situated at

Mysore Road, Bangalore City

(and more fully described in the Schedule (annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Gandhinagar, under document No. 2473 81-82 on 13-10-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Smt. Indu Sindia, No. 111, Kanakanura Main Road, V. V. Puram, Bangalore-4.

Transferor(s)

(2) M.S. Sice Nidhi Futerprises, Represented by its partner Sri B. N. Nandakumar, No. 176, G. S. Market, K. S. Lane, Avenue Road Cross, Bangalore-2,

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2473|81-82 dated 13-10-1981.) All that property bearing Nos. 231 to 257, situated at Mysore Road, Bangalore City in division No. 18. Bounded by—

On North-Conservancy Lane, On South—Mysore Road. On East—Beli Srinivasa Rao's Lane On West—Arcot Srinivasachur Street

MANJU MADHAVAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-5-1982. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 13th May 1982

C. R. No. 62<sub>1</sub>31948<sub>1</sub>81-82<sup>1</sup>ACQ<sup>1</sup>B —Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13, situated at Bore Bank Road, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Shivajinagar, Doc. No. 2084 on 1-10-1981,

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herbey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rosy Joseph, Wo Sri P. Joseph, No. 13, Bore Bank Road, Bangalore.

Transferor(s)

(1) Shi M. H. Nisai Ahmed, So. S. M. Mohammed Hayath P.B. No. 6326, Jeddah Soudhi Arabia, Reptd. by Sti H. Abdul Hameed, 187, 4th Main Road, Viveknugar, Bangalore-47.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2084, Dated 1-10-81)
No. 13, Bore Bank Road, Bangalore bounded on the east
by Bore Bank Road, West by portions of Premises No. 14
& 15, Bore Bank Road, North by Private passage leading to
premises No. 14 & 15, Bore Bank Road, and South by pritute property No. 12, Bore Bank Road.

MANJU MADHAVAN.
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangaloge.

Date : 13-5-1982 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 11th May 1982

C. R. No. 62:32014 81-82 ACQ B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

103, situated at Kengal Hanumanthaiah Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavangudi, Bangalore Document No. 2035 on 12-10-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Puttappa, s|o Mallappa, 2. Nanjamma, w|o M. Puttappa, 103, Bengal Hanumanthaiah Road, Bangalore.

Transferor(s)

(2) 1. N. C. Puttappa, 2. Sri N. Baburuj, 149, 6th Cross, Wilson Garden, Bangalore-27.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2035 dated 12-10-1981.) No. 103, Kengal Hanumanthaiah Bangalore-27.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commisioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 11-5-82.

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 11th May 1982

C. R. No. 62|38394|81-82|ACQ|B,-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

7, situated at Binnamangala Lay-out, Indianagar, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Shivajinagar, Document No. 2182, dated on 15-10-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent conideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followine persons, namely :--

(1) (Mr. Norbert Eusta Martis, Hurter Drive, Stone Heaven, Kendardrain Shire, Scotland). Mr. K. T. Sabestein Agent of Mr. Norbert Eusta Martis, No. Sabestein Agent or Mr. 1801000.
16|3, Rent House Crescent, Bangalore.
Transferor(s)

(2) Shri (Dr.) M. B. John and Mis. Sucy John, Hotel Gouthan, Bangalore.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2183 dated 15-10-1981.) No. 7( Binnamangala Lay-out, Indiradagar, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN, Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 11-5-82.

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore-560 001, the 11th May 1982

C. R. No.  $62[33209]81-82[\Delta CQ]B$  —Whereas [ MANJU MADH $\Delta VAN$ ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No

(Portion) situated at Aga Abbas Ali Road Bangalore-560042.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinaga, Doc No 2969 on 28 12 1981

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Prameela Krishna, 2 Sri K. Chandra Prakash, 3. Smt. Lekha Srinivasamurthy No. 33, Shahvan Road, Nazarbad, Mysore-10.

Transferor(s)

(2) Ms. Thrupath Bulders, 1, Moyenville Road, 1 ongtoid Town, Bangalore-25,

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2969 dated 28-12-1981.)
- Portion of 23 (Ad. No. 15) Aga Abbas Ali Road, Bangalore-42

MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 11 5-82

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore the 20th April 1982 Notice No. 419[82-83—Whereas, I,

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO

transfer with the object of :--

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000'- and S. No. 381|16 situated at Alto Porvarium, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandez under document number 796 on 22-10-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance o fSection 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Dr. Aleixo Nicolau da Fonseca Fernandes Veloso dha: Dr. Aleixo Veloso.
  - (Transferor)
  - Mis. Yvonne Murie Louise Coelho Veloso alias Mis. Kamala Coelho Veloso, Represented by her daughter Miss. Charmila Veloso, Rlo Salvador-do-Mundo, Bardez, Goa. (Transferor)
- (2) The Clergy Home Diocese Goa. Alto de Porvorim, Bardez, Goa, Represented by Rev. Fr. Joanito Cromacio Mascarenhas Rlo Seminary of Our Lady Pilerne, Saligao, Goa.

(Transferèe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 796 Dated 22-10-81] . Land measuring f693 Sqm. know as "Zambul Gallum" and building thereon bearing S. No 381]16, situated at Alto Porvorim, Goa.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-4-1982

(1) Bimal Ch. Banerjee.

(Transferor)

(2) Smt. Mira Bose.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-III 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-700 016

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. No. 1098|Acq.R-III|82-83.--Whereas, I, M. AHMAD

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. 24 1, situated at Madan Pal Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

J'XPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring an area of 1 contal 12 chittacks with C.I. Shed structure thereon being premises No. 24|1, Madan Pal Lane, Calcutta-25.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Date: 15-5-1982

Scal:

#### FORM NO. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX 4CT [961 /43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Princ 4: the 2nd fine 1982 New Delhi, the 25th May 1982

Ref No IAC (CA5|SR.Nasik|Nov 81 1708 82-83 + Where-

as, I, R K. AGGARWA1 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 51, R.S. No. 712|1|53 situated at "Gangapur Housing Colony" Gangapur Road, Naslk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at SR. Nasik on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as igneed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mediate of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely 32—146 GI/82

Shri Kamleshwar Prasad Saksena,
 Shankar Sagar,
 Bhulabhai Desai Road,
 Bombay-26.

(Transferor)

(2) Shri Douglas D'Souza,4, Bank of India Building,Hill Road, BandraBombay 400 050

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Property bearing Plot No. 51, R.S. No. 712 1/53 situated a Cameaque Housing Colony', Gangapur Road, Nusik (Property as described in the sale deed registered under document No. 5208 in the office of the Sub Registrar, Nasik in the month of November, 1981).

R. K. AGGARWAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 2-6-1982.

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

### ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 31st May 1982

Ref. No. IAC|CA5|SR.Ahmednagar|Oct.81|699|82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

S. No. 214 situated at Mouje Kedgaon, Dist. Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Ahmednagar on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the Fability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of 'ny income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persors, namely:

1) Shri Vishwanath Mahadu Kulange, Datta Bhuvan, Railway Station, Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Shit Sharad Mansukhlal Mutha, Manik Nagar, Mutha Mala, Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period \_ 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land bearing S. No. 214 situated at Mouje Kedgaon, Dist. Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2757 in the office of the Sub Registrar, Ahmednagar in the month of October. 1981).

R K AGGARWAI

Com, Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax

Acquisition Range, Poons

Date :31-5-1982 Scal:

# FORM ITNS----

(OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune the 31st May 1982

Ref. No. 140 (A5|SR Malegaon|Nov 81|701|82-83 — Vhereas, I, R. K. AGGARWAL

ging the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-ble property having a fair market value exceeding Rs 5,000/- and bearing

S No 937/112 situated at Guruwar Ward, Malegaon ast Nasik

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 908), in the office of the Registering Officer at

<sup>n</sup> Malegaon on November, 1981

or an apparent consideration which is less than the fair natket value of the aforesaid property and I have reason a believe that the fair market value of the property as afore and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen p i cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of causfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating of concealment of any mome or any moneys- or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the intresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) 5mt Mariam Mand Gulam Rasool Alias Abdulla Mukadam, Room No. 11, New Agakhan Building, 1st Floor Agripada, Bombay

(Transferor)

(2) M.s. Ibrahim Haji A. Latif, No. 161, Shaniwai Ward Malegaon Dist Nasik

(Transicree)

Objections, if any, to the alguisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

LAPLANTION the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the form meaning a given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 937,112 situated at Guruwar Ward, Malegaon, Dist. Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No 3867 in the office of the Sub Registrar Male gaon in the month of November 1981)

R K ÅGGARWAL
Competent Authority
Luspecting Assistant Commiss in 1 of Incompitat,
Acquisition Range Poona

Date 31-5-1982 Seal

#### FORM LT.N.S. ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, PUNE-J

Pune-1, the 31st May 1982

Ref. No LNC<sub>1</sub>CA5<sub>1</sub>SR.Thane<sub>1</sub>Jan.,82<sup>1</sup>700<sup>1</sup>82-83.— Whereas, I. R. K. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 368 A Hissa No. 11 situated at Mouse Panchpakhadi Tal & Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed here(o) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Thane on Jan. 1982

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Janakibai Sitaram Pradhan, Dr. Moose Road, Ballag, Thana.

( [lunsferor)

(2) Di. A. K. Shinde, Chairman, Saptarshi Co-Operative Housing Society, Lalbag, Thans.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

1 APLANATION: -- His terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property bearing No. 368 A Hissa No. 11 situated at Mouje Panchpakhadi, Tal & Dist. Trane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 52 in the office of the Sub Registrar, Thank in the month of Jan 1982).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date .31-5-1982 Seal .

#### FORM ITNS----

(i) Shri Baburao Cappat Muley, 127, Shani Peth.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Vipul Brothers Jalgaon, Partner Shri Ranoshchandra Bhimjibhai Seth, 153, Polan Peth, Jalgaon.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 2nd June 1982

Ref. No LAC|CA5|SR.Jalgaon|Oct.81|706|82 83.—Whereas, I R &  $\Delta GG\Delta RWAL$ ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shet Mat No. 95/1A situated at Nickhedi Khurd Dist Jul gaon

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Jalgaon on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) lacilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under sufficient (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Shet Gat No 95/1A situated at Nimkhedi Khuid, Dist. Jalgaon (Property as described in the sale deed registered under document No. 3846 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon

in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date: 2-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-L

Pune-1, the 31st May 1982

Ref. No. IAC|CA5|SR.Panvel|Nov.81|705|82-83.—Whereas, I. R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961\*(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

C.T.S. Nos. 912 and Joint rights from CTS 913-B-2 ituated at Panvel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR. Panvel on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excess the apparent consideration theretor by more than difference central consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 cf 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Shamji Kasalchand Thakkar, M. G. Road, Panvel, Tal. Panvel, Dist. Kolaba.

(Transferor)

(2) Shri Rasık Purushottam Thakkar, M.C.H. Society, Panvel Tal. Panvel, Dist. Kolaba.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever reriod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing C.T.S. No. 912 and Joint rights from C.T.S. 913-B-2 situated at Panvel, Tal. Panvel, Dist. Kolaba.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 130 in the office of the Sub Registrar, Panvel in the month of November, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 31-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1. the 31st May 1982

Ref. No. IAC|CA5|SR.Haveli-II|Nov 81|702|82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 216 situated at Shanwar Peth, Pune, tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Haveli-II on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the trun force for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely ...

- Mic S. V Natekar & Sons, 1204 Bi15, Shivaji Nagar, Deccan Ghymkhana, Punc 1
- (2) The Chauman, Shri Kedar Sahakari Griha Rachna Sanstha, 216 Shaniwai Peth. Pune

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Grantee.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property bearing H. No. 216, Shamwar Peth, Pune. (property as described in the sale deed registered under document No. 6243 in the Office of the Sub Registrar, Haveli-II in the month of November 1981).

ANAIND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Acett Commissioner of Income Tax
Acquisition: Range, Poona

Date: 31-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE PUNIST

Pring-1, the 31st May 1982

Ref. No. IAC|CA5|SR Muraj-1'Dec.811704|82-83,---Whereas, I, R. K. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 289 Hissa No. 1-1A situated at Mouje Kupwad, Tal. Miraj Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at

SR. Miraj-Lon Dec. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instru

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- the freeheating the concraim in of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the fran ferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Not, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

- (1) Shri Bapusaheb Pirgonda Patil and Others 3, At Kupwad, Tal. Miraj. Dist. Sangli. (Transferor)
- (2) Shri Umedehand Krishnachand Kothari, At Kagwad, T.d. Athani, Dist. Belgaon.

('Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said (100871) may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Shet S. No. 289 Hissa No. 1-1A situated if Mouje Kowad, Tal. Miraj. Dist. Sangli. (property as described in the sale deed registered under document No. 2528 in the Office of the Sub Registral Haveli-II in the month of December 1981)

ANAND SINGH (I.R.S.)

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Poons

Date : 31-5-1982

℃al:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1:

Punc-1, the 31st May 1982

Ref. No. IAC|CA5|SR,Haveli-II|Nov.81|703|82-83 --- Wherens, J. R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C.T.S. No. 921, situated at Sadashiv Peth, Pune-38,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Hareli-II on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—146 GI/82

 Shri Prabhakar Bhaskar Gandhi, 530 B. Narayan Peth, Pune-30.

(2) Shri Pavankumai Poddar, Chief Promotor Ishita Towei Co-Op Hsg. Soc. Ltd. (Proposed) 921, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing C.T.S. No. 921 situated at Sadoshiv Peth. Pune-30.

(property as described in the sale deed registered under document No. 5747 in the Office of the Sub Registrar, Haveli-II in the month of November 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 31-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shii Kishote Slo Shii Chanditam, Rlo Ashok Nagar, Indote,

Dubey colony, Indore.

(Transferor)

(Transferee)

п,

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd June 1982

Ref. No. IAC|SPL|ACQ|2624,—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Licome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding P 25,000/- and bearing

Flot No. 13|1 situated at Dubey colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair rarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid cuceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Sardor Kripal Singh So Sardar Singh Bhatia 17,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot bearing No. 13|1 situated at Dubey colony, Indore.

D. P. PANTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-6-1982

Scal:

(1) Sudhakai Sjo Shii Madhaviaoji 125, India Gandhi Nagai, Indore.

(Transferor)

(2) Smt Chandabar w'o Shri Devraj Soni Bhogat Singh Marg, Mhow.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th June 1982

Ref. No IAC, BPI |ACQ|2650,—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House No. Plot No. 125, situated at situated Indra Gandhi Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indoic on 14-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

House on plot bearing No. 125 situated at India Gandbi Nagar, Keshar Bag, Road, Indore

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-6-1982

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th June 1982

Ref. No. IAC,SPL|ACQ|2649.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No 4, situated at Jaishree Syndicate Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability
  of the transleror to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- l(1) (1) Smt. Sheelabai w o Shri Kishanchand, (Transferor)
- (2) Smt Shakuntala wo Shri Meghraj, Ro 136 Palsikar colony through Shri Manohurlal Ste Sadhuramu
- lal Sie Sadhuramp.

  (2) Smt. Shantidevi wlo Shti Ramesh Kumar Chawala, Rlo 2. Jaishree Syndicate to colony, Indore.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 4 situated at Jaishree Syndicate colony, Indore. Area 3600 sq. ft Plinth Area, 1600 sq. ft.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagur, Bhopal

Date: 4-6-1982

(1) Shri Hukamatiai S'o Shii Dheiomal, Rlo 78, Sarvodaiya Nagai, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Rajkumat So Shri Tejumal Motalani, Ro 16, Manikchowk, Indore

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th June 1982

Ref. No IAC|BPL ACQ|2648 -Whereas, I, D P. PAN J.A., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 129, situated at Barathi colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Indore on 30-10-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

In that Chapter.

## THE SCHEDULE

House on plot 129 (Hall portion) situated at Barathi colony, Indote

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangott Building
T I Nagat, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4 6 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Manikbai W o Suganchandji Badjatiya. R|o Shitaram Park Colony, Indore. (Transferor)

## (2) Sint. Nii malabai Wo Shri Ananikumai Doshi Ro 52|3 Malharganj, Indore.

## (Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

3 Bhopal, the 3rd June 1982

Ref. No. IAC|BP1|ACQ|2647.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 53 situated at Shitalamath Bazar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One three storeyed house bearing No. 53 situated at Shitala mata Bazar, Indore,

D. P. PANTA,
Competent Authority,
\*nspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 3-6-1982.

#### FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2646.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No 9 situated at Vijaynagar Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the R stration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on 23-10-1981

for as apparent consideration which is less than the fair manket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Indore Bank I imployees Housing Cooperative Society
 Yashwant Niwas Road, Indoor through President Shri K. C. Jain

(Transferor)

(2) Shri Dilip Kotsthane Sjo Shripad Kotsthane Rjo 2, Bhor Mohalla, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Typlanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 9 situated at Vijavnagar, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated : 4th June 1982.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP.

Bhopal, the 3rd June 1982

Ref. No. JAC|BPL|ACQ|2645.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No 17 situated at Vijaynagar, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been tansferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on 23-10-1981

for and apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Indore Bank Employees Housing Cooperative Society 5, Yashwani Niwas Road, Indore through President Shri K. C. Jain.

(Transferor)

(2) Shri Kiran KumaiS|o Shri SundarlalR|o 3|5, North Raj Mohalla, Indoie.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 17 situated at Vijayanagar, Indore. Total measurement is 2400 Sq. ft.

D. P. PANTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 4th June 1982, Scal:

ocat

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHGPAL, M.P.

Bhopal, the 4th June 1982

Ref. No. IAC|BPLIACQ|2644.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Plot No. 7 situated at Vijaynagai, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 23-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the exid Act, to the following persons, namely:—
34—146 GI/82

(1) Indore Bank Employees Housing Cooperative Society 5, Yashwant Niwas Road, Indore through President Shri K. C. Jain.

(Transferor)

(2) Shri Dulichand son of Devkaran Gupta ι α 28, Imli bazar, Indoie.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 7 situated at Vijaynagar Indore measuring 2400 Sq. ft,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building.
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 4th June 1982.

## FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhoppi har - June 1982

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/2643.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 6 situated at Vijay Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 23-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresms property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly satted in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Bungalow Street.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Indore Bank Employees Housing Cooperative Society
 Yashwant Niwas Road, Indore through President Shri K. C. Jain.

(Transferor)

(2) Shri S. C. Jain S|o Shri Nathulalji Jain R|o Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 6 situated at Vijayanagar, Indore,

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 3rd June 1982.

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd June 1982

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/2642.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kh No. 425|1A Sheet No. 8, situated at Moghatroad Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 M|s Basantbhea Nannubhai Thakkar & Co. through its partners (1) Shri Basantbhai S|o Nanubhai Thakkar (2) Ku. Jyothi D|o Basantbhai Thakkar (3) Ku. Prithi D|o Basantbhai Thakkar All R|o 52 Ashoknagar, 8 Lines Surat Gujrat.

(Transferor)

(2) Khandwa Coloniser, Khandwa, paitneis Shri Radhakrishna Slo Manjramji Methil. Shri Anilkumar Slo Surendrakumar Jain Smt. S. Sushilabhai W/o Shri Radheyshyam Shri Amarchand Slo Sri P. C. Katariya All Rlo Pandbana Road, Khandwa

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from th servee of notee on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inunovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 425A sheet No. 8 situated at Khandwa. Plot Number 44 at Moghat Road.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date 3-6-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd June 1982

Rel. No. IAC|BPL|ACQ|2641.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kh. No. 425 A Sheet No. 8 plot No. 44 situated at Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 [11 of 1922] or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s Basantbhai Nanubhai Thakkar & Co. through its partners (1) Shri Basantbhai S|o Nanubhai Thakkar (2) Ku. Jyothi D|o Basantbhai Thakkar (3) Ku. Prithi D|o Basantbhai Thakkar All R|o 52 Ashoknagar, 8 I ines Surat Gujrat.

(Transferor)

(2) Khandwa Coloniser, Khandwa, partners Shri Radhakrishna S|o Manjramji Methil. Shri Anilkumar S|o Surendrakumar Jain. Smt. S. Sushilabai W|o Shri Radheyshyam, Shri Aarchand S|o Sri P. C. Katariya All R|o Pandhana Road, Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 425 A. sheet No. 8 situated at Khandwa. Total measurement of land is 20222 Sq. ft. (Plot No. 44).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date 3-6-1482 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 5th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2640.-Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 425|2 & 425|1 situated at Khandwa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer

at Khandwa on 3-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri Basantbhai S|o Shri Nanubhai Thakkar Rlo Moghatroad, Khandwa (M.P.).

(Transferor)

(2) (1) Shri Naraindas S/o Shri Devandas Sındhı R|o Sindhi colony, Khandwa (M.P.)
(2) Shri Vasudev S|o Shri Sunderlal, Sindhi colony. Kandwa. (3) Shri Ranjitbhai So Shri Somabhai, Bombay Bazar, Khandwa

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

LIMPLANATION :- - the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULL

Land-Plot Kh. No. 42512 and 42511, Sheet No. 8, Block No. 1-B Plot No. 44 situated at Moghatroad, Khandwa including all immovable properties mentioned in the Form No. 37-G verified by the transferec.

> D. P. PANTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building. T. T. Nagar, BHOPAL.

Dated: 5 6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 5th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2639.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 34 situated at Udyognagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 5-10-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Arvindkumar (2) Madanlal Slo Ghewarchand Rlo 98, Prakash Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Taiabai w/o Shii Mohanlal Goyal,
 (2) Savitribai w/o Shri Kailashchanda Goyal
 R/o Shriddanand Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 34 situated at Udyognagar, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspeciting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building.
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 5-6-1982

Scal:

#### FORM I.T.N.S.--

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP.

Bhopal, the 5th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2638.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Plot No. 33 & 34 situated at Udyognagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Arvindkumar (2) Madanlal slo Ghewaichand Rlo 98, Prakash Nagar, Indoie.

(Transferor)

(2) 1 Smt. Laxmibai w|o Shri Naramdasji Goyal
 2. Smt. Parvatibai w|o Shri Rameschand Goyal
 R|o 22, Agarwal Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 33 and 34 situated at Udyognagar, Indoie.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Dated: 5 6-1982. Seal:

(1) Shri Dwarka Prasad Adil Mansion, Parsi Mohalla, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Asha Madan, R/o 174 Shree Nagar, Indore.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal the 3rd June 1982

Ref. No. JAC|BPI |ACQ|2637 -- Whereas I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 56 situated at Shrinagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair markets value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot bearing Number 56 situated at Shrinagar, Indore-2400 Sq. ft.

> D. P. PANTA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building. T. T. Nagar, BHOPAI.

Me . therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 3-6-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2636.—Whereas I, D. P. PANTA. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bungalow No. 59 situated at Station Road, Neemuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Neemuch on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market malue of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons samely:

(1) Shri Anandswaroop soo Shri Jagdish Chand Kalani Ro Tilak Marg, Neemuch Cantt.

(2) 1. Shri Vijaichandra s]o Shri Jagdishchand Garg Gaurdian - Shri Jagdishchandra Tilak Marg, Neemuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land of Bungulow No. 59 situated at Station Road, Neemuch Cantt. The total area is 5200 sq. ft,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 4-6-1982

Seal:

35-146 GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopai, the 4th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2635.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 1698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bungalow No. 59 Plot No. 61 situated at Station Road, Mandi, Neemuch Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at at Neemuch on 13-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 569D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Jagdish slo Shri Bhagwatiprasadji Kalani Rlo Tilak Marg Neemuch Cantt.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vijaichandra slo Shri Jagdishchand Garg Gaurdian—Shri Jagdishchandra Tilak Marg, Neemuch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bungalow No. 59 (open land) situated at Station Road, Neemush. The total agea is 5130 sq. ft. Plot Number 61.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 4-6-1982

Scal:

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2634.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

House No. 102 situated at Nazarali Marg, Ujjain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 26-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Shankarlal Soo Shri Harilalji Bankada Ro Nazarali Marg, Ujjain,

(Transferor)

(2) Smt. Surajmukhi woo Shri Krishnamurari Gupta Ro Shri Ram Lodge, Dewas Gate, Ujjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House bearing No. 102 situated at Nazarali Mars Uiiain.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 5-6-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sb. Shantilal so Chhaganlal Dodiya Ro Tamboliya Bag, Ratlam.

(2) Smt. Roshankunwar woo Shri Chandmalji Nagawati Ro Power House Road, Ratlam.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2633,--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 695|1A situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Rathm on 16-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Non-Agricultural land Survey No. 695/1A situated at KASVA Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 5-6-1982

Scal:

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2632.—Whereas, I,

D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kh. No. 1104/2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 22-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Dealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following sons, namely:—

(1) Sh. Rajeshchandra slo Sh. Sobhagmal Jain Rlo Chandani Chowk Rutlam.

(Transferor)

(2) Sh. Samata Grah Nirman Sahkari Simiti Ltd. through Sri Madan Mohan 13, Infront of

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Ajanta Talkies, Ratlam,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the tlate of the publication of this notice in the official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Non-Agricultural land bearing Kh. No. 1104/2 situated at Kasba Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 5-6-1982

(1) Dr Janvhee Sant Do Di Ramkrishanji Sant Ro University Road, Ujjain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1 Smt Premlatabai wo Shantilalji Shri Anilkumar slo Shii Shantilal Rlo Kalaseri, Ujjam

(Transferees)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL MP

Bhopal, the 5th June 1982

Ref No IAC|BPL|ACO|2631 —Whereas, I, D P PANTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and

bearing House No 6 2235 stunted at Dashata Maidan, Ujiain (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ujjajn on 24-10-1981 for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No 6 2235 situated at Dashara Maidan, Motilal Nehru Nagar, Ujjain New N P.N K 71

> D. P PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .---

Dated 5 6-1982 Seal

(1) Sh. Feroj Hussain soo Shri Lutufali Ro H. No. 23, Nai Awadi, Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Ishwardas so Mohanlal
2. Tikamdas so Sh. Chunnilal
3. Tulsiram so Khubchand
Ro Kavi Kalidas Marg, Dewas

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2630.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Kh. No. 149

situated at Vill, Nagukhedi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 149 situated at Vill. Nagukhedi Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 5-6-1982

Scal:

(1) Sh. Feroj Hussain soo Lutufali Ro H. No. 23, Nai Awadi Dewas.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Ishwardas s|o Mohanlal
2. Tikamdas s|o Chunnilal
3. Tulsiram s|o Khubchand
R|o Kavi Kalidas Marg, Dewas.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th June 1982

Ref No 1AC|BPL[ACQ]2629—Whereas, I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 149

situated at Gram Nagukhedi

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Dewas on 19-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 149 situated at Vill. Nagukhedi Distt. Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 5-6-1982

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Feroj Hussain s|o Lutufali R|o H. No. 23, Nai Awadi Dewas.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ishwardas s|o Sh. Mohanlal
2. Tikamdas s|o Sh. Chunnilal,
3. Tulsiram s|o Sh. Khubchand
R|o Kavi Kalidas Murg, Dewas.

(Transferees)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL MP.

Bhopal, the 5th June 1982

Ref. No. 1AC BPL|ACQ 2628 -- Whiteas, I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Kh. No. 149 situated at Vill. Nagukhedi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen' of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 149 situated at Vill. Nagukhedi Distt. Dewas,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 5-6-1982

Şeal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—146GI/82

## FORM I.T.N.S.-

(1) Sh. Kalmam so Chatriji Gyala Rio Gavalton Pargana, Neemuch.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Geetadevi w'o Sn Ompiakashji Agrawal Ro Chawni Necmuch

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th June 1982

Ref. No. IAC BPI ACQ 2627 --Whereas J D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating Kh. No. 1064

situated at Gram Neemuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Neemuch on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FERLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AKA of the same Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh No. 1064 situated at Gram Neemuch.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated . 5-6-1982

## Ro Gwaltoli Neemuch.

(1) Sh. Kaluram sjo Chatraji

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 265D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Rameshwarial sio Sh. Moharilal Agarwal Rlo Chhawani Contt. Neemuch.

(Fransferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th June 1982

Ref. No. IAC BPL ACQ|2626. -Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

 $R_{\rm b}$ , 25,000, - and

bearing No. Kh. 1069

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

et Neemuch on 12-10-1981

for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tian fer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act.

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1069 situated at Neemuch.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Dated: 3-6-1982

(1) Sh. Kaluram So Sh. Chatraji Ro Gwaltoli Neemuch.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (Transferee)

1(2) Smt. Shakuntaladevi Wio Shii Kailashchand
Agrawil Rio Chhawani Centt. Neemuch.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th June 1982

Ref. No. IAC|BPL|ACQ|2625.—Whereas, J, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (here nafter rejerred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Kh. No. 1064 & 1070

situated at Neemuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the registering

Officer at Neemuch on 12-10-81

10) an apparent consideration which is less than the fair nuclear value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1064 & 1070 situated at Neemuch.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 5-6-1982 Seal :

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING HOD FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600-006, the 3rd June 1982

Ref. No. 3|October 81.- Whereas I, C. R. RAVICHAND-RAN.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

125. Thambu Chetty St., situated at Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at I. S. R. I. Madras North on 26-9-1981 (Document No. 3763 81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) lacilitaiting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subcction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. K. S. Bashir Ahmed. 10. Puliangudi South Stree, KOOTHANALI, UR-614101.

( Fransferor)

(2) Mr. Taher S. Beawarwal, 119, Thambu Chetty Street, Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period-expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

() and and Building at Door No. 125. Thambu Chetty Stree, Madras-1-Document No. 3762[81).

C. R. RAMACHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 3-6-1982

### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OLICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-J, KANNAMMAI BUILDING Had FLOOR, 621. MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

> > Madras-600 006, the 8th June 1982

Ref. No. 26 October 1981.-Whereas C, R. RAVICHAND-RAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

5. No. 165/4, Alagaputam, situated at village, Saleni Ik. Salem Dt

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at 1, S, R, I, Salem on 20-10-1981 (Document, No. 6961,81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exce de the apparent consideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

 Shri V. Elumalar, Slo Mr. Veeramani Gounder. Alagapuram Village, Salem Tk. Salem Dt.

(Transferor)

(2) I. Shri A. M. Ramasamy. So Shri Muthu Gounder

(2) Shri Sundara Gounder (3) Shri Sivasubramanian

(4) Shri S, Kuppanna Gounder,

(5) Shri R. Krishnan,(6) Shri P. H. Chacco, and

(7) Shii P. T. Abiaham

(Transletce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputs later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Land at S. No. 165/4, Alagaputam village, Salem Tk. Salem Dt.-Document No. 6961 81).

> C. R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 8-6-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. KANNAMMAL BUILDING HIM FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS 600 006

Madras-600 006 the 8th June 1982

Ref No 51 October 81 - Where is I C R RAVICHAND-R NN, being the Competent Authority under Section 296B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a sair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

S No. 97|Part, Kodaikanal situated at Town, Madurai Dt (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officei at Kodaikanal on 4-11-1981 (Document No. 452 1981)

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforestad property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shi AR K, Krishnan Chettiar, Slo Shri Arunachalam Chettiar, No. 1/46, Vinaitheethan Chettiar Street, PAGANERI (Rumnad Dt.)

(Fransferor)

(2) (1) Mr. Vinod Thomas, Slo Shii F. Thomas (2) Mr. Betty Thomas,

(2) Mr. Betty Thomas, Kuuttikavan Bungalow, Ranni Perinad (P.O.) KFRALA STATE

(3) Mi.Peter Mayne, Cochin,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective reasons, whichever period expires later;
- (b) h any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

(Land and Building at S No 97 Kodaikanal Town, Madura Dt -- Document No. 452 81).

R RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income\_tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 8-6-1982

## FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING Had FLOOR,

Madras-600 006, the 8th June 1982

Ref. No. 52|Oct.|81,--Whereas, I. C. R. RAVICHAND-RAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 97, Kodaikanal Town situated at Madurai District. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodaikanal on 4-11-1981

(Document No 453 1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri AR. K. Krishnan Chettiar, Slo Shri Arunachalam Chettiar, No. 1/46, Vinaitheerathan Chettiar Street, PAGANFRI, (Ramnad Dt.)

(Transferor)

- (2) (1) Mr. Vindo Thomas, S<sub>1</sub>o Shri F. Thomas (2) Mr. Betty Thomas,
  - (2) Mr. Betty Thomas, Kuuttikavan Bungalow, Ranni Perinad (P.O.), (Transferee)
  - (3) Mr. Peter Mayne, Cochin,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Land and Building at S. No. 97, Kodaikanal Town, Madurai Dt.-Document No. 453<sup>1</sup>81).

C. R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 8-6-1982

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISTTION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th May 1982

Ref. No. G. I. R. No D-41|Acq..—Whereas I. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

26|14 Kha, situated at Gokhley Vihar Marg Lane, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Lucknow on 20-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - ) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ask is which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri B. R. Dubev

(Transferor)

(2) 1. Dropdi Devi Poddar2. Shankuntala Devi PoddarClo, Ambika Pd. Poddar

Sumitra Devi Poddar
 Shakuntala Devi Poddar

Wlo, Chandgi Pd. Poddar 5. Pawan Kumar Poddar

(Transferee)

3. Avoc Transferee.

Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 26,14 Kha, Gokhley Vihar Marg, Lane back of Wazir Hasan Road Lucknow. Including Building and land and all that description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and form 37-G No. 7043 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar Lucknow on 20-10-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 28-5-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th June 1982

Ref. No. IAC Acq 1214.—Whereas, I, V, K, AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property ving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 20 & 21 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 12-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wearth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Laxmi Lal Slo Bhanwarlal, Rlo Udaipur.
  (Transferor)
- (2) Shrimati Manohar Bai, Wo Shri Rajmal, Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No. 20 and 21, situated at Salva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Udaipur vide No. 2290 dated 12-10-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-6-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th June 1982

Ref. No. JAC|Acq.1216.—Whereas, I, V, K, AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 20-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shanti Lal, So Mohanlal Jai, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Onkar Lal So Karulal Jai, Udaipur.

(Transferce)

- (3) A<sub>5</sub> at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

·[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 2500 sq. ft. situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide No. 2404 dated 20-10-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-6-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th June 1982

Ret No. IAC|Acq|1217.—Whereas I, V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Udaipur on 3-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mahesh Kumar Nalwaya, Gulab Bagh, Udaipur. (Transferor)
- (2) Shrimati Surya Kanta Soni, W|o Shri Basantilal Soni, Udaipur.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 2500 sq. ft. situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide No. 2674 dated 3-12-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Incom: Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-6-1982

(1) Senior Rajmata Smt. Birad Kanwar of Udaipur. (Transferor)

(2) Shrimati Badam Kothari, Udaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th June 1982

Ref. No. IAC Acq. 1225.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 66 situated at Udaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at Udaipur on 12-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2260 sq. ft. situated on Plot No. 66 Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Udaipur vide No. 2253 dated 12-10-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-6-1982

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'T OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jajpur, the 4th June 1982

Ref. No. IAC Acq. 1224,-Whereas J, V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed or Rs, 25,000/- and bearing No.

Plot No. 58 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 3-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to: such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Senior Rajmata Smt. Birad Kanwar of Udaipur. (Transferor)
- (2) Shrimati Pushpa Nalwaya, Mahtaji Ki Bari, Udaipur (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4000 sq. ft. situated on Plot No. 58 Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S R. Udaipur vide No. 2251 dated 3-10-1981.

> V. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-8-1982

(1) Senior Rajmata Smt. Birad Kanwar of Udaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Prakash Garg, Udaipur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.|1223.—Whereas, I, V. K. AGGARWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Udaipur on 3-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 3200 sq. ft. situated on Plot No. Sarva Ritu Vilas Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Udaipur vide his No. 2254 dated 3-10-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipun

Date: 4-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Senior Rajmata Smt. Birad Kanwar of Udaipur. (Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar Nalwaya, Mehta Ji ki Badi, Udaipur. (Transferee)

## Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.|1222.-Whereas, I, V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 60 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Udainu on 3-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

THE SCHEDULE

Plot measuring 5300 sq. ft. situated at Plot No. 60, Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Udaipur vide No. 2257 dated 3-10-1981.

> V. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-6-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

lainur, the 4th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.|1221.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000/-and bearing No.

Plot No. 42 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipu on 3-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38 -146 GI/82

(1) Senior Rajmata Smt Birad Kanwar of Udaipur.
(Transferor)

(2) Shri Rai Kumai So Manohar Lal, Delhi Gate. Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 3200 sq. ft situated on Plot No 42 Satsa Ritu Vilas Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide No. 2260 dated 3-10-1981.

V. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lipur

Date: 4-6-1982

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, (43 OF 1961)

## (1) Senior Rajmata Smt. Birad Kanwar of Udalpur. (Transferor)

(2) Smt Urmila Devi, Udaipur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.|1220.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Plot No. 77 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 14-10-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesiad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

Plot of land measuring 2135 sq. ft. situated on Plot No. 77 Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide No. 2252 date 114-10-1981

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaiput.

Date: 4-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th June 1982

Ref. No. IAC|Acq|1219 —Whereas, I, V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No 41 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udsipur on 14-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been 'or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby nutiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Senior Rajmata Smt. Birod Kauwar of Udaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Saras Kumui Soo Sh. Manoharlal, Delhi Gate, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

INPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 3200 sq. ft, situated on Plot No. 41 Sarva Ritu Vilas Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur, vide No. 2255 dated 14-10-1981.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur-

Date: 4-6-1982

Seal;

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## WE-1AA AC1, 1901 (45 OF 1901)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Japar, the 4th June 1982

Ref. No. LAC|Acq.|1218.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 63 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udappur on 14-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Senior Rajmata Smt. Birad Kenwar of Udaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Bhanwai Laf S|o Shii Harak Chand, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an edefined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

• Plot land measuring 2800 sq. ft, situated on Plot No. 63 Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by M.R., Udaipur vide No. 2258 dated 14-10-1981.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 4-6-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Senior Rojmata Smt. Birad Kanwar of Udaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Fatchlal Baya Sjo Kesarimal Baya, Udamur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipui, the 4th June 1982

Rcf No IAC|Acq|1227,—Whereus, I, V. K AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property having a tail market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 75 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udaipui on 12-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1-XPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land incisuing 2500 sq. ft situated on Plot No 75 Saiva Ritu Vilas & more fully described in the said deed registered by SR Udaipur vide No. 2259 dated 12-10-1981.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipui

Date: 4-6-1982

Seal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th June 1982

Ref. No. IAC Acq'1226 —Whereas, I, V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 59 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udaipur on 12-10-1981

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691 of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Senior Rajmata Smt. Birad Kanwar of Udaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Suresh Kumar Nalwaya, Mehtaji Ki Bari, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULL

Plot of land measuring 5300 sq. lt. situated on Plot No. 59 Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 2256 dated 12-10-1981.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 4-6-1982

#### FORM LTN.S.-

(1) Sh. Roopa Bai, Wo Gancaram Chauhan.

(Tignsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Ismail Ali, So Gulam Abbas, Hitapala, Udaipui

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th June 1982

Ref. No. LAC/Acq/1228.—Whereas, 1, ·V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having u fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Udaipur on 21-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot situated at Chaman Marg, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide No. 2385 dated 21-10-81.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 4-6 82

### FORM ITNS ---

Sh. Hatimali, Slo Abid Huasain, Bohera Lohawala, Nazampura, Udaipur,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOM! -TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Svs. Faki uddin & Asgar Ali sons of Sharef Ali, Alamwala Bohra, Kutubpura, Udaipur. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jamus the 4th June 1982

Ref. No. 1230 .- Wherens, I, V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 234 situated at Udaipui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 24-1181

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half portion of Plot No. 234 measuring 1687.50 sq. ft. situated at Motimagri Scheme, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 2589 dated 24-11-81.

V. K. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 4-6-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.|1229.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot No. 234 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 24-11-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Hetimali, S|o Abid Hussain, Bohera

Lohawala Nazampura, Udaipur.

(Transferor)

(2) Sys. Fakruddin & Asgar Ali, sons of Sharef Ali, Alamwala Bohra, Kutubpura, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Half portion of Plot No. 234 measuring 1687.50 sq. ft. situated at Motimagri Scheme, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 2588 dated 24-11-81.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 4-6-82

Seal:

~39—146 GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF TAX

#### ACQUISITION RANGE II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1650/Acq. 23-II/82-83 —Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 94|2 and 118, Bardoli situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bardoli on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-to-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) 1. Abdulbhai Mohmad Daud.
  - 2. Ismail Mohmad Daud.

    2 Yusuf Mohmad Daud.
  - 1 Khalif Ahmad Suleman Daud,
  - 5. Abdulkhalif Suleman Daud.
  - Abdul-Hak Suleman Daud
     Fatma Suleman Daud
  - 8. Bai Sugara Suleman Daud Bardoli.

(Transferors)

(2) President Shri Pramod Raojibhai Patel, Shri Sadhanagar Co. Op. Housing Soc. Ltd., Bardoli.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 94/2 and 118 registered in Oct., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 27-5-1982

Seal ·

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1651/Acq. 23-II/82-83.—Whereas, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

S. No. 102 (b) lend at Bholav situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Broach on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohmad Valli Bhaiji, at Sherpura, Tul. Broach.
  - (Transferors)
- (2) 1. Shii Dinbandhu Ratilal Patel, Wadima—Nr.
  - Hiteshnagar, Broach.

    2. Kum. Rashmiben Bhailalbhai Patel, 19, Punit Society, Broach.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

1:APLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at 5. No. 102 (p) land at Bholay, regist red in October, 1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Comission of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 27-5 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmcdabad-380009, the 27th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1652/Acq.23-II/82-83.—Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No.

S. No. 33, Maktanpur, Broach situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Broach on October 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Partners of Gayatrikrupa Estate, Shri Nandkishor Govindlal Shah & others.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Pradipkumar Sumanlal Raywala, Karta of HUF.
  - 2. Anjanaben Pradipkumar Nava Dehra, Broach. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as me defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Maktampur 5, No. 33 (p) registered in October 1981,

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-5-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND TI OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROALD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th May 1982

Rel. No. P.R. No. 1653/Acq. 23-II/82-83.--Whereas, I G C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S No. 22 (p) Zudeshwai, Broach situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach in October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteed per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) I. Shanabhai Ishvaibhai Patei,
  - 2. Chimanbhai Ishwarbhai Patel, Zudeshwar.

(Transferors)

(2) Sun Amar Asha Co Op. Housing Society Ltd., Bholay, Broach. (Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned :--

- ( ) by ang on the around persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectivo persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public. tien of this notice in the Official Gazette.

terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Zudeshwar, registered in Octo-

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 27-5-1982 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1654/Acq. 23-II/82-83.--Whereas, 1 G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot No. 18, Vithalbhai Patel Co. Op. Society situated at Broach.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred unuder the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Boarch on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the aprities has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Holdarva, Taluka (1) Ramaben Ranchhodbhai Patel, Broach.
  - (Transferore)
- (2) Shri Ambalal Govindbhai Patel, Zudeshwar, Broach. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property in Plot No. 18 Vithalnagar Patel Co. Op. Housing Society, registered in October 1981,

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1655|Acq. 23-II|82-83. - Whereas, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 22 (p) Bholav situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Broach in October 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '—

 Shri Ishwarbhai Jesangbhai Patel, Jamnaben Kasanbhai Patel Zudeshwar, Tal. Broach.

(Transferors)

(?) Shri Avdhutnagar Co. Op. Housing Society Promotor Shri Hemantkumai Probhodhchandra, Kesur Mama Chakla, Broach.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 22 (p) at Bholav registered in October 1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-5-1982

eranderen barrar 2000 bereitar bereitar

FORM JTNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II

## 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASURAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1656/Acq. 23-II/82-83.--Whereas, 1. G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

S. No. 55, Kanabirasa, Broach situated at

Broach in October 1981,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Broach on Oct 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tury Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ismail Ibrahim Ahmed Gothan Broach, Dun-

(Transferors)

(2) Shii Ratilal Shanabhai Patel, 16, Punit Society, Broach

(Transferee c)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 55, Kanobirasa, registered in October 1981

G. C. GARG
Competent Authority.
Inspecting Assett. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-5-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1657/Acq. 23-II/82-83.—Whereas. I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 42|1|A|1A|1A|(p) Ali situated at Broach, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach in October 1981.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesiad property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) I. Rameshkumar Kesurbhai Patel P. A. Holder of Vajendraprasad Hariprasad Desal C/o Ashwin Iraders, Panch Batti, Broach.
Shri Upendraprasad Hauprasad Desat, Village—Atul Taluka—Vulsad.

(Transferors)

(2) Shri Arvindkumar Kesarbhai Patel, C/o Ashvin Traders, Panch Babli, Broach.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at S. No. 42-A|1|1|A|1A at 42|1|A|1A|1A (p) at Ali registered in October 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1658 Acq.23-II 82-83.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

I-jual Plot No 365, 366 (part) situated at Subhanpura, Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 23-10-81.

to: an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemal property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

- (1) Shivam Builders, Through partner, Shri Satishbhai Patel, Baroda.

  (Transferors)
- (2) Shivam Flats Co. Op. Housing Soc. Ltd., Baroda, (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Open land at Subhanpura as fully described in Sale deed No. 5985, 5986, 5987 and 5988 registered in the office of Sub Reg. Baroda on 23-10-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 29-5-1982

#### FORM I.T N S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1659/Acq. 23-11/82-83.—Whereas, I G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 2601, 2600 (part) situated at R.C. Road, Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on 1-10-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Dolatbhai T. Bhutdi Chhapa, Baroda.
- (Transferors)
  (2) Dinubhai Nathabhai Patel, Govindkrupa, Alkapuri,
  Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1st Floor Flat on R.C. Road Baroda as fully described in sale deed No. 5590 registered in the office of the Sub. Regr. Baroda on 1-10-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 29-5-1982

Seat :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1660/Acq. 23-II/82-83,--Whereas, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ard bearing No.

R.S. No. 779 (Part) Plots 3 and 4 situated at Gotri, Baroda, (and more fully described in the Schedule nunexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- (1) 1. Sint. Kokilaben Nagibhai Patel, 14, Gokulpet. Nagpur.
  - Smt. Kusumben Mahendrabhai Patel, 256, Freezapet, Jayanngar.

(Transferors)

(2) Kum. Rita Bhailalbhai Patel, 16-A Nutanbharat Society, Alkapuri, Baroda

(Transferoes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open land at Gotri as fully described in sale deed No. 5791 and 5792 registered in the office of the Sub-Regr. Baroda in October 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date 29-5-1982

Scal:

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1661/Acg. 23-II/82-83.—Whereas, I G. C. GARG.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Survey No. 30, 2 F.P. No. 547 situated at Subhanpura, Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 15-10-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacditating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of th Indian ncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shantaben Chaturbhai Patel and others, Subhanpura, Baroda.

(Transferors)

(2) Seetharam Co. Op. Housing Society, President Babubhai Gordhanbhai Patel. Manjalpur, Baroda. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land at Subhanpura as fully described in sale deed No. 5777, 5778 and 5779 registered in the office of Sub. Regr. Baroda on 15-10-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 29 5-1962 Seal :

oeur :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Harivadan Gokalbhai Patel, Wadi Wadi, Opp. Fire Brigade, Beroda.

## (Transferor)

(2) Jatinkumar M. Shah, Vyara, Surat.

(Transferee)

#### GOVERMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1662/Acq. 23-II/82-83,---Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1691 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. R.S. No. 134-1 situated at Subhanpura, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 12-10-1981.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesiad property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appartent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consoderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument o ftransfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULL

Open land at Mor Subhanpura, as fully described in sale deed No. 5705 and 5706 registered in the office of Sub-Regr. Baroda on 12-10-1981.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date + 29-5-1982

Seat :

#### FORM I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th May 1982

Rof. No. P.R. No. 1663/Aca. 23-II/82-83.-Whoreas, 1 G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 143-3 (Part), Plot No. 6 situated at Mor Subhangura, Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda in October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reducation of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shantilal Ambalal Patel, Saptarshi Colony, Juna Padoc Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Subham Builders, Through partners Harishbhai Parshottam Mistry and others, Dalwi Road, Kanti-Harishbhai vall West, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land at Mor Subhanpura as fully described in sale deed No. 5872, 5874 and 5875 registered in the office of Sub. Regr. Baroda in the month of October 1981.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 29-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st June 1982

Ref. No. P.R No. 1664 Acq. 23-II '82-83.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 105/8, Athwa, Surat, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Surat in October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the soid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dineshchandra Amthalal 707, Triveni Apartment, Manpura, Smat
- (2) Ratifal Bhikhabhai Gandhi and others, 11, Shanti-niketan Society. Samul Dairy Road, Surat. (Transferees)

Objections, it any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 105/8, Athwa, Surat registered in October 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedahad

Date: 1-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmcdabad-380009, the 2nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1665/Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nondh No. 222, 222-A. 257, 258. Khapatic Chaka, situated at Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--41--146 GT/82

(1) 1. Smt. Shobhanaben Rajnathnagar.

2. Smt. Vandanaben Babubhai Pandit Self and Karta and P.A. Holder of Mukesh Saifali,

Deviben Kakubhai.
 Hemlat Nalinbhai Pandit.

5, Kutesh Nalinbhai Pandit. Swarup Nalinbhai Pandit.

Darshan Nalinbhai Pandit,

Nayanaben Rajnath Nagar. Chandavadi-Khapatia Chakla, Surat.

(Transferous)

(2) Shri Bhavanishankar Dolatray Panchal, Nanpura Opp, Rang Upyan, Chandra Vihar Society, Surat. Panchal, Nanpura,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 222, 222-A, 257 and 258, situated at Chandavadi, Khapatia Chakla, registred in October 1981,

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedahad

Date: 2-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FI OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1666/Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. No. 57-1, 57-2, and 63-3, Umra situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Natvarlal Mohanlal Jarivala,

Sudhirkumar Natvarlal, his Minor Kaushal and Shanil and Urvashi Sudhir. Virendra Natvarlal Jarivala,

4. Parul Viridra Jarivala. P.A. holder Natvarlal Mohanlal. 5. Smt. Chandrabhaga Natvarlal.6. Bhagirath Natvarlal Jarivala.

Smt. Shila Bhagirati Jarivala, Rampura Main Road, Surat,

(Transferors)

(2) President of Nilkanthvarni Apartment Co. Op. Housing Society, Nilvarni Apartment Co. Op. H.S. 1. Shri Nimjibhai Moribhai Patel Rampura, Umda Sheri, Surat.

Shri Himatbhai Bhagvanbhai Patel Opp. Vallabheshwar Mahadey, Haripura, Surat,

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at S. No. 57-1, 57-2, 63-2 (p) land at Umra registered in October 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dtate: 3-6-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1667/Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B. Tika No. 12/3, Survey No. 7, situated at Raopura Vibhag, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 13-10-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1, Dr. Arvindbhai Kashibhai Amin;
 2. Nareshbhai Kashibhai Amin;
 11, Prateeksha Colony, Jalaram Marg, Karelibaug, Baroda.

(Transferor)

(2) Sri Sathya Sai Trust, Gujarat State 18, Kunj Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever priod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land at Raopura vibhag, Baroda City as fully described in sale deeds 5735, 5736, 5737 and 5738 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 13-10-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-6-1982

Shii Laldas Chhotalal Dudhwala; Khapatia Chakla, Kala Shripat Pole, Surat,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shii Chandrashanker Jeshankar Thaker;

Shri Devprasad Jeshanker Thaker; 3. Shri Pravinchandia Jeshanker Thaker;

Khapatia Chakla, Kala Shripat Pole, Surat. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, and floor, handloom house, ashram road AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1668 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nondh No. 1497-1498, Wd. No. 9, situated at Khapatia Chakla, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1998) in the office of the Registering Officer at

Surat on October 1981,

for an apparent consideration which is lett than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lift en per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paraes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1497-1498, Wd. No. 9, Khapatia Chakla, Surat registered in October, 1981,

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-6-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1669 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I.G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Nondh No. 1647-A, Wd. No. 8, situated at Gopipura, Main Road, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in October 1981,

for an apparent consideration which is less than for fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following personnamely:—

- (1) Shii Kantilal Muljibhai Shah; Gopipura, Mali Falia, Surat.
  - (Transferor)
- (2) Shri Girendra Ramu klal 5hah; Shri Virendra Ramniklal Shah; Arogyanagar Society, Athwalines, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person into ested in the said immovable property within 45 cays from the date of the publication of this notice n the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1647-A, Wd. No. 8, Gopipura, registered in October 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting A sistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-6-1982

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1670/Acq. 23-II/82-83.--Whereas, I G. C. GARG.

G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B. Tika No. 11/2, Survey No. 1, situated at Raopura, Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Baroda on 19-10-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Narayan Ganesh Godbole; 2. Sharat Vinayak Godbole;
  - Ramesh Vinayak Godbole;
     P.A. Holder: Vinayak Sadashiv Godble, Prat. Road, Baroda,

(2) Real Land Development Associates; Throu Administrator:

1. Kanshik Dilipbhai Mehta;

2. Jaswantlal Nathalal Gandhi; Baroda.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this moth in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and old building thereon bearing B. Tika No. 11 situated in Raopura area of Baroda City as fully describ in sale-deed No. 4868 registered in the office of Sub-Regist Baroda on 19-10-1981.

G. C. GAR Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-I Acquisition Range-II, Ahmedab

Date: 4-6-1982

Scal:

Kalu-(1) Ghanshyam Nandlal Shah Bhanderi Pole. pur, Ahmedabad.

(Transferors)

(Transferee)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1671 Acq. 23-II/82-83.-Whereas, I C. GARG,

eing the Competent Authority under Section 269B f the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovple property, having a fair market value exceeding s. 25,000/- and bearing

lot No. 319 situated at Sector No. 20, Gandhinagar, and more fully described in the Schedule annexed hereto), 188 been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer fandhinagar on 19-10-1981,

n an apparent consideration which is less than the fair tarket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Prakamsingh Digvijay Vaghela;
 Ranjit Singh Digvijay Vaghela;
 Libodra Village, Kalol Taluka, Mehsana District.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Sector No. 20, Gandhinagar Town Ship as fully described in sale deed No. 1939 registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagar on 19-10-1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-6-1982

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND 11.00R. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th June 1982

Ref. No. P.R. No. 167? Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and, bearing
C.S. No. 1888.—Plot No. 1452 situated at Vallabh Vidya-

C.S. No. 1888—Plot No. 1452 situated at Vallabh Vidyanagar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 16-10-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) specificating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bharvad Rupabhai Nanubhai Vallabh Vidyanagar, Anand Jaluka.

(Transferors)

Vasavda Mahavirendra Hariprasad;
 Hemangi Mahavirendra Hariprasad Vasavada;
 Vallabh Vidyanagar, Anand Taluka.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Lund and building at Vallabh Vidyanagar bearing C.S. No. 1888, Plot No. 1452 as fully described in sale deed No. 2785 registered in the office of Sub-Registrar, Anand on 16-10-1981.

G. C. GARG

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-6-1982

Scal:

-\ -\ -\ -\ -\ -\ -\ -\

JORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Hiralal Chhotalal Thakkat; Wadi Falia, Pagathia Sheri, Surat.

(2) Smt. Ruxmaniben Hiralal Thakkai; Wadi Falia, Pagathia Sheri, Surat

(Transferees)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD 380009

Ahmedabad-380009, the 5th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1673 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, f G. C GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 472, Wd. No 4, Tayabi Mahollo situated at Surat.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—146 GI/82

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 4721, Wd. No. 4, Tayabi Mahollo, registered in October 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II Abmedabad

Date: 5-6-1982

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1674 Acg. 23-II|82-83.-Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. Nondh No. 2056, Bhojabhai Sheri, situated at Mahidharpura, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on October 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section ?69D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Tensukhlal Somabhai Patel P.A.H. of HUF.
  - Shri Sanat Tensukhlal;
     Shri Bharat Tensukhlal;

4. Bhojabhai Sheri, Mahidharpura, Surat.

(Transferors)

(2) Smt. Jiviben Bhuderbhai Patel; B-56, Ramkrishna Society, Lambe Hanuman Road, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2056-Bholabhai Sheri, Mahidharpura, Surat registered in October 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 5-6-1982

Scal:

## FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1982

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-81|1138.—Whereas, f, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1738|55 situated at Naiwala, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanhaiya Lal soo Sh. Hira Lol roo 1738 55, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Jain wo Nihal Chand Jain ro 1865/47, Naiwala, Kerol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Measuring 111 sq. yd. bearing K. No. 779|Property No. 1738 situated at 55, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 11-6-82

Seal:

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

# NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION, DECEMBER, 1982

New Delhi, the 10th July 1982

No. F.7/2/82-E/(B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 26th December, 1982 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 70th Course commencing from July, 1983.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army, 39 for Navy and 66 for the Air Force).

N.B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 8 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that they will be considered for appointment to those services only for which they express their preferences and for no other service(s). No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc. for candidates, joining the National Defence Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

Non. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION:—Agartala, Ahmedabad, Aizawal, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhat), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Shillong, Srinagar and Trivandrum.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in

his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 26th November, 1982 will not be entertained under any circumstances.

#### 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY:

- (a) Nationality :-- A candidate must be either :--
- (1) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Fanzania (formerly Fanganiyka and Zanzibar) Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

(b) Age limits, sex and marked status: -- Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1965 and not later than 1st July, 1967 are only eligible.

Note.—Date of bitth as recorded in Matriculation/ Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) Educational Qualifications:—Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised university or equivalent. Candidates who have passed the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or Equivalent Examination or the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School education can also apply.

Candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit Matriculation and/or Higher Secondary or equivalent certificates in original to Army HQ Rtg 6(SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110022 by 2nd July, 1983 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by the Principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies/photostat copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the commission justifies his admission to the examination.

Note 1. Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary of equivalent examination by the prescribed date and no lequest for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

Note 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

- 4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION:—Rs. 28/- (Rupees twenty eight) [Rs. 7/- (Rupees seven) for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates]. Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.
- 5. REMISSION OF FEE.—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- (2) The children of Jumor Commissioned Officers, Non Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions viz.
  - (1) they are studying in the Military School (formerly known as King George's School)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
  - (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.
- N°95:—Applications of candidates from the Military Schools/Sainik Schools forwarded by the Principals of the concerned schols will be scrutinised in the Commission's Office to determine whether such candidates are entitled to remission of fee in terms of para 5(2) of the Notice above. The Principals of the Military Schools/Sainik Schools should, however, satisfy therselves that student of their schools fulfill the requirements of the aforesaid provision of the Notice before forwarding their applications to the Commission. The Commission will not take any responsibility for any acts of comission or commission committed by the Principal.

- 6. HOW 10 APPLY.—Only printed applications on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, December 1982 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—
  - (i) By Post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, UPSC at New Delhi GPO.
  - (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's Office.
  - (ni) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters/Airmen's Selection Centres, N.C.C. Units, and Naval Establishments.

The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's (wn handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only international form of Indian numerals are to be used while filling up the application form (e.g. 1, 2, 3, etc.) Even it the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the contusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Coveniment owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons serving under the Public Enterprises, are, however., required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

A candidate serving to the Armed Lord moist submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

Note:—Sailors (including boys and a life a apprentices) of the Indian Navy least give Indian Havy as their first preference. Their applications will be entertimed only if these have duly been recommended by their Commandum Officers.

Cadets of the Rashtiya Indian Military Coilege (previously known as Sainik School) Dehra Dun, student of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

7. The completed application form must reach the secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-H0011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 6th September 1982 (20th September, 1982) in the case of candidates coding in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Monipur. Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 6th September, 1982 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above, accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands of Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing Assam. Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 6th September, 1982.

Note (i):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

Note (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

# 8. DOCUMENT TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION:—

# (A) By all condidates: - .

(i) Fee of Rs. 28/- (Rupecs Twenty eight) [Rs. 7]- (Rupeas seven) for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates] through crossed Indian Postal orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India main Branch, New Delhi.

Note:—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of the India's High Commissioner Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account Head "051. Public Service Commission—Examination Fees" and the receipt attached with the application.

## (il) Certificate of Age:--

The date of high accepted by the Commission is that entered in the Matriculation of Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in any extract from

a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. Candidates must submit two attested/certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. However, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested/certified copies of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporations, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copies of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

Note 1:—A CANDIDATE WHO HODLS A COMPLET-FD SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUB-MIT ONLY TWO ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

Note 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

Note 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION,

(ill) Attested/certified copy of certificate of iducational qualification:—

A candidate must submit two attested/certified copies of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para

3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If attested/certified copies of such a certificate are not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

- (iv) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- (v) Two identical copies of recent passport (5 cms × 7 cms approx.) photographs of the candidates duly signed on the front side.
  - One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (vi) Two Self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:-

Attested/certified copy of certificates in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Castes/Scheduled Tribes.

- (C) By candidates claiming remission of fee:-
  - (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
  - (ii) An attested/certified copy of certificates from the following authorities in support of his claim to be a bona fide displaced person/repatriate—
- (a) Displaced person from erstwhile East Pakistan:-
  - (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States.

#### OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be a resident.

#### OI

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.
- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

#### (波

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Rengal/Director (Rehabilitation) in Calcutts.

1-160 Def/82

(b) Repatriate from Srl Lanka

High Commission for India in Sri Lanka

(c) Repatriate from Burma . -

Embassy of India, Rangoon, or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident.

- (d) Displaced person from erstwhile West Pakistan:
  - (i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

#### ON

(ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident

#### OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

#### OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge

#### OR

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.

Note: Candidates are required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to put the date.

- 9. REFUND OF FEE:—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—
  - (i) A refund of Rs. 15/- (Rupees Fifteen) [Rs. 4/- (Rupees four) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes will be made to a canddiate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equiposent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
  - (ii) A refund of Rs. 28/- (Rupees twenty eight) [Rs. 7/- (Rupees seven) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination held in December, 1981 or May, 1982 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these Examinations provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination December, 1982 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th February, 1983

## 10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS :-

Livery application including late one received in the Conmission's Office - acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his architecture. It is a adidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once confact the Commission for the acknowledgement.

- The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, ipso facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.
- 11. RESULT OF APPLICATION:—If a candidate does not reserve from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. ADMISSION TO THE EXAMINATION:—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT:—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application from Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such document or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:—

- (i) Obtaining support of his candidature by any means, or
- (ii) impresonating, or
- (iii) procuring imperesonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or document which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (iv) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) voilating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosection be
  - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
  - (b) to be debarred either permanently or for a specified period--
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government, from any employment under them.

Provided that no penality under this rule shall be imposed except after—

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration
- 14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF

Candidates who qualify at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ Rtg 6 (SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110022, soon after the interview.

- 15. COMMUNICATIONS REGARDING APPLICA-FION:—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD UNVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICU-LARS:—
  - (1) NAME OF EXAMINATION.
  - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (3) APPLICATION REGISTRATION NO. ROLL NUMBER OF THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUIRSPOILENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATIONS SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADOUARTERS, A.G. BRANCH RTG. 6(SP) (a) WEST BLOCK 3. WING I. RAMAKRISHNAPURAM NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION ROARD

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

1/ LNOURIES ABOVE INTERVIEW OF CANDI-DATES QUALIFYING HE HID WILL'IE: LAAMINA TION:—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests it any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Condidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ, AG's Branch Rtg. 6(SP) (a) (i), West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidate.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES:— The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any persons otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates—who candify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National—Defence Academy will be made in order of merit up to the number of vacancies available from the order of merit lists for the Army and Navand for the Air Force Wings from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one lists, their names will be cancelled from the other list

N.B.—EVERY CANDIDATES FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PHOT APTITUDE TEST ONLY ONCE THE GRADES SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL. THEREFORE, HODL GOOD FO EVERY SUBSCIPLING TOTAL THE AIR 43 -146 G1/82

PURCE SEURCHARM BOARD, A COMPUTATE WHO I MIG IN THE FIRST THUD ATTITUDE TEST CANNOT MELY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DETENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pulot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their application for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitute Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respects for admission to the Academy

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer-like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy or medical grounds or left the above Academy voluntarily are however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

20, RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAIN-ING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY.—Candidates must undertake not to marry until they complete their tuil training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

21. INIELLIGENCE TESTS—INFORMATION ABOUT.

-The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards". The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards

The book is priced publication and r. in sale with Controller of Publications, Civil Lm s. Dethi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on eash payment. This can also be obtained only a painst cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Ri oli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Mara, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udvog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road Calcutta-700001.

VINAY JHA
Joint Secretary

#### APPENDIX I

# (The Scheme and Syllabus of the examination) A. (CHIME)OF THE FXAMINATION

1 The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:

Subject	Duration	Max Marks
1. Finglish .	2 hours	250
2. Mathematics = Paper Paper 1		125 125
3 General Knowledge— Paper I (Science) . Paper II (Social Studio		200
Geography and Curren Events)	2 hours	200
		900

- 2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CON-SIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS PLEASE SFI- CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 3. In the question papers wherever necessary questions involving the Metric System of Weights and Measures only all he set.
- 4 Candidates must write the papers in their own hands. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.
- 5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subects at the examination.

#### B SYLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH—The question paper in English will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanl'ke use of words. The syllabus covers various aspects like: Grammer and usage, vocabulary, comprehension and coheston in extended texts to test the candidate's proficiency in English.

# MATHEMATICS PAPER I

#### Arthmatic

Number Systems-Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers, Fundamental operations—addition, subtraction, Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions

Un tary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Flomentary Number Theory Division algorithm. Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation Theorem. HCF and 1 CM Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables

## Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, 11.C.F., 1 C.M., of polynomials Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients, (Only 1291 roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns, analytical and graphical solutions. Practical mobbers, leading to two simultaneous linear equations in two carbons or quadratic quations in one variable and their solution. Set language and set notation. Rational expression and conditional identities. I aw of indices.

#### Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when  $0^{\circ} < \cdot |\cdot| 90^{\circ}$ 

Value of sin Y, cos x and tan x, for  $x\rightarrow 0$ ; 30°, 45° 60° and 90

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances

## PAPER-11

#### Geometry

Lines and angles. Plan and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles,

(v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square (viii) Circle and its properties including tangent and normals. (ix) I oci

#### Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangles and circles. Area of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and sylinders. Surface area and volume of spheres.

Collection an dtabulation of statistical data. Graphical representation-frequency polygons, histograms, bar charts, piccharts etc.

Calculation of means of raw and grouped data

# GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers:

Paper I—Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies Geography and Current Exents.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidates' answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions

## PAPER I

#### SCIENCE

General knowledge Paper I will comprise the following-

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity. Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects. Velocity and Acceleration, Newton's Laws of Motion, Free and Momentum. Parallelogiam of Forces. Stability and Equilibrium of bodies. Gravitation elementary ideas of Work. Power and Fnergy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound Waves and their properties Simple musical instru-

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction Spherical Mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity, Conductors and Non-conductors. Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power, Primary and Secondary Cells. Use of X-Rays.

General Principles in the working of the following: ---

Simple Pendulum. Simple Pulleys. Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer. Pressure Cooker. Thermos flask Gramophone, Telegraph, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Marmer's Compass, Lighting Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements, Mixtures and Compounds, Symbols, Formulae and simple Chemical Equations. Laws of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide. Oxidation and reduction.

Acids: Bases and Salts.

Carbon-Different forms.

Fertilizers-Natural and Artificial.

Materials used in the preparation of substances like Soap Glass Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom. Atomic Equivalent and Molecular Weights. Valency.

(C) Difference between the living and non-living.

Basis of Lite-Cells Protoplasm and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of Human Body and its important organs,

Common Fpidemics, their causes and prevention

Food—Source of Energy for Man Constituent of food Balanced Diet.

The Solar System. Meteors and Comets. Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

Note: Out of maximum marks assigned to the paper, questions on Parts (A), (B) and C) will generally carry 50%, 30% and 20% marks respectively.

## PAPER II

#### SOCIAL SIUDIES GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS

General Knowledge Paper  $\Pi$  will comprise the following:—

(A) A broad survey of Indian History with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development,

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welture State. Basic teachings of Mahatma Gandhi.

forces shaping the modern world, Renaissance Exploration and Discovery; War of American Independence, French Revolution, Industrial Revolution, and Rusian Revolution, Impact of Science and Technology on Society.

Concept of one World, United Nations, Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the present world.

(B) The Earth, its shape and size. Latitides and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification; Weathering-Mechanical and Chemical, Earthquakes, and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition, Temperature and Atmospheric Pressure; Planetary Winds; Cyclones and Anti-cyclones; Humidity. Condensation and Precipitation; Types of Climate.

Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of Agricultural and industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

Note: Out of the maximum marks assigned to the paper, question on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 40%, 40% and 20% marks respectively.

# INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to intelligence. Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to Judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

## APPENDIX II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

NOTE:—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW:—

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTERESTS TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Boards and the procedure for request for an Appeal. Medical Board will also be intimated to the andidates. The condidates must be physically fit according to

the prescribed physical standards which are summarised below:—

- (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any diseased/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- (b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or under-weight.
- (c) The mammum acceptable height is 157.5 cms (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable height will be 5 cms less. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below:—

#### HEIGHT/WEIGHT STANDARDS

Height				W	Weight in Kgs.				
(without shoes)					15-16 years	16-17 years	17-18 years		
152					41 .0	42 . 5	44 0		
155					42.0	43.5	43 - 3		
157		·	·	·	43 - 5	45.0	47 ⋅0		
160	Ċ				45.0	46 - 5	48 -0		
162					46 • 5	48 -0	50 ⋅0		
165			,		48 -0	50 ⋅0	52 0		
167					49 .0	51 0	53 ⋅0		
170					51 ·O	52 ·5	55.0		
173			,		52 - 5	54 • 5	57 0		
175					54·3	56 ·O	59 (0		
178	,				56 ⋅0	58 ·0	61.0		
180					58 ·5	60 ⋅0	63 ·0		
183					61 .0	62 •5	65 -0		

A± 10% (± 6 kg for Navy) departure from the average weight given in the table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broad-built as well as individuals with thin built but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merif.

Note:—Height relaxation upto 2.5 cm (5 cms for Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training.

Note 2:—To meet special requirement as a Pilot in the Air Force the acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under:—

			Minimum	Maximum
Leg Length		•	99 -00	120 00 cms
Thigh Length				64 00 cms
Sitting height .			81 ·50	96 ·00 cms

On account of Lower age of NDA candidates, a margin of upto 5.0 cm in height, 2.5 cm in leg length (minimum) and 1.0 cm sitting height (minimum) may be given provided it is certified by the medical bound that the candidate is likely to prove and come up to the required strandard on completion of his training in NDA.

- (d) Chest should be well devoloped. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the implies in front and the uper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind X-Ray of the chest of compulsory and will be taken to tule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joint of the body. X-Ray of spine of candidates will not be carried out as a routine. It will, however, be done on the advice of surgical specialist wherever clinically indicated Minor congenial defects which are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit.

#### For Air Force

Spinal conditions

- (1) The following past medical history is disqualifying for Air Force duties:
  - (1) Disease or injury of the spine or sacroiliac joint either with or without objective sign, which has prevented the candidate from successfully following physically active life.
  - (ii) prolapse intervertebral disc and surgery for that condition.
- (g) Thorough Clinical examination of the spine including its shape, local tenderness if any, spinal movements etc. is to be carried out. For candidates for aircrew duties only, X-ray of lumbosacral vertebrae (ΛP and Lateral views), is to be carried out.
- (h) Mild Kyphosis or Lordosis where deformity is barely noticeable and there is no pain or restriction of movement, will not preclude acceptance.
- (1) In case of noticeable Scollosis or suspicion of any other abnormality or spinal deformity, more than mild, appropriate X-rays of the spine are to be taken and the Framinee referred for specialist's advice.
- (j) The following conditions detected on X-ray examination will be disqualifying for entry to Air Force:
  - (1) Granulomatous disease of spine.
  - (ii) Arthritis/Spondylosis
  - (iii) Scollosis more than 15° as measured by Cobb's Method.
- (iv) More than mild Kyphosis/Lordosis.
  - (v) Spondylolisthesis/Spondylolysis.
  - (vi) Herniated nucleus pulposus.
  - (vii) Compression fracture of Vertebra.
  - (viii) Scheurman's Disease.
  - (ix) Cervical ribs with demonstrable neurological or icrculatory deficit.

Any other spiral abnormality, if so considered by the Specialist

- (k) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (1) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat,

Audiometric test will be done for AF Audiometric loss should not be exceed+10 db un frequencies between 250 Hz and 4000 Hz.

- (m) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal
- (n) The muscles of abandomen should be well developed and there should be no collargement of liver or spleen. Any evidence of disease of intrnal organs of the abadomen will be a cause for rejection.
- (o) Un-operated hernias will make a candidate unlit-If operated this should have been done at least a year prior to the present examination and the healing is complete.
- (p) There should be no hydrocele, varicocole or piles.
- (q) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (r) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.
- (s) A candidate should be able to read 6/6 in a dis-A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy 6/6; 6/9 without and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP III for Army. A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have CPI by MLT and normal night vision acuity. They will be required to give a certificate that neither he nor any member of his family had suffered from nor any member of his family had suffered from congenial night blindness.

For Air Forces, the criteria are:-

Distant Vision 6/6 6/9 correctable to 6/6

Near Vision N-5 each eye

Colour Vision . CP-I (MTL)

Manifest Hypermetropia must not exceed 2:00D

Myopia . Nil

Astigmatism +0.75D

#### Occular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddolx Rod Test must not exceed-

Exophoria 6 prism Esophoria 6 prism (i) at 6 metres dioptres dioptres

Hypor/Hypophoria 1

dioptres

(ii) at 33 cms Esophoria 16 prism dioptres 1 Esophoria 6 prism dioptres 1 Hypor/Hypo-phoria 1 prism

dioptres

Must poisess good binocular vision (fusion and sterwopsis Binocular Vision

with good amplitude

depth).

- (1) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate not be suffering from severe pyorthoea.
- (a) Routine ECG and EEG for Air Force candidates must be within normal limits.

#### APPENDIX III

(Brief particulars of the Services etc.)

- 1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign.—
  - (a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
  - (b) A bond to the effect that if for any reasons con-sidered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Governthe ment.
- 2. The cost of training including accommodation, books, 2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 40.00 p.m. If in any case a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 40.00 p.m. for the 1st and 2nd years, Rs. 45.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 55.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 p.m. or above would be eligible for income of Rs. 500.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirons of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commendation to the Commendation of the Comme mandant National Delence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023)

- 3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence, Academy, on arrival there:
  - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month

Rs. 200.00

(b) For items of cloth and equipment

Rs. 650.00

(c) Incidental Expenditure during I Semester Rs. 150.00

Total: Rs. 1000.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them:

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month

Rs. 200.00

- (b) For items of clothing and equipment Rs. 475.00 approximately
- 4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy:
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parent's income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishments subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parent's income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.
- (3) KUER SINGH MEMORIAL Scholarships.—Two scholarship are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Kharakwasla and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institution.
- (4) ASSAM GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensum and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (5) UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government entitled.

- (6) KERALA GOVERNMENT Scholarship.—One ment scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.
- (7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize.—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.
- (8) ORISSA GOVERNMEN f Scholarships.—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.
- (9) WEST BENGAL. GOVERNMENT Scholarships.—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL:—
  - (a) Category 1.—These scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.
  - (b) Category 2.—The scholarships of a lump-sumgrant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.
- (10) Pilot Officer GURMEET SINGH BFDI MEMORIAL Scholarship.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipts. The Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.
- (11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholar-ships.—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 48.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parent's income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for this scholarship.
- (12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of Tamilnadu whole parent's/guardian's monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, Netlonal Defence Academy on their arrival.
- (13) KARNATAKA GOVERNMENT Scholarships,—The Government of Kannataka has awarded 18 scholarships

(eighteen Scholarchips) 9 in respect of courses commencing from January and 9 in respect of courses from July every year for award to cadets from Karnataka State who join the National Defence Academy after completion of their education at the Sainik School Bijapur or at the Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun The Value of the scholarships shall be Rs. 480/- (rupecs four hundred and eighty) each per

Four (4) more scholarships (two per term) at the rate of Rs. 480/- per annum for the cadets of Karnataka State who join NDA after completion of education other than at Samik School Bijapur/RIM College Dehra Dun have been awarded.

Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant, National Defence Academy, KHADAKWASLA, Pune (411023).

- 5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects :--
  - (a) English;
  - (b) Mathematic; (c) Science;

  - (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their studies after the competitive examination.

### TRAINING

- 6. The selected candidates for the three services viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc./BA degree from Jawaharlal Nehru University, Delhi.
- /. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy Dehra Dun, Naval Cadets to the Cadets Trainingship and Air Force cadets to EFS BIDAR.
- 8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning Officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt. subject to being medically fit in "SHAPE."
- 9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months, on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches of which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lleutenants.
- 10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 11 years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

## TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

#### 11. ARMY OFFICERS

#### (i) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale		
2nd Llout.	Rs. 750—790	Lt. Colonel (time scale)	Rs. 1900 fixed		
Lieut	830—950	Colonel	1950—2175		
Captain	11001550	Brigadier	2200—2400		
Major	14501800	Major- General	2500—125/2 2750		
Lt. Colonel by selection	1750-1950	Lt. General	3000 p.m.		
by selection		Lt. General (Arury Com	3250 p.m. mander)		

#### (ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt. Col. and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-," 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

#### (iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances :-

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance.—Married Officers posted non-family stations are entitled to recieve separation allowance of Rs. 70 p.m.
- (e) Outfit Allowance.—Initial outfit allowance is Rs. 1400/-. A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is payable against claim after every 7 years of effective and the second of the second second of the second seco tive service commencing from the date of first commission.

#### (iv) POSTING

Army Officers are liable to serve any where in India and

### (v) PROMOTION

# (a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks

CHILLICA	Pron	TOTIOH	10	mener	) au	11/2	.—		
(i) $By$	Time	Scale			M	lnii	num Scr	vice	Limit
Lt.	r	•	•	•	•	2	years service.	of	commissioned
Captair	1	•	•	•	•	6	years service	of	commissioned
Major	•	•	•	•	•	13	years service	of	commissioned
Lt. Col mote	. fron d by s	n Majo selectio	or if	not pr	O-	25	years	of	commissioned

(n) By Sicles	tien		
Lt. Col.			16 years of commissioned service
Col	٠		20 years of commissioned service
Brigadier			23 years of commissioned service
Major Gen.		•	25 years of commissioned service
Lt. Gen.	٠		28 years of commissioned service
Gen			No restriction

#### (b) Acting promotion

Officers are cligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies:—

Captain			3 years
Major			6 years
Lt. Colonel			6-1/2 years
Colonel			8-1/2 years
Brigadier			12 years
Maj. General			20 years
Lt. General			25 years

# 12. NAVAL OFFICERS

#### (i) PAY

Rank					Pa	y Scales
					Goneral service	Naval Aviation and Submarine
Midshipman					Rs. 560/-	Rs. 560/-
Ag. Sub. Lie	ut				750/-	825/-
Sub. Lieut.					830/870	910-950
Lieut					1100-1450	1200-1550
Liout-Cdr.					1450-1800	1450-1800
Cđr		•			1750-1950	1750-1950
Captain	a= <b>A</b>	.dmire		•		entitled accord- iority as Captain
		dmiral			3000/- p.m.	

# Qualifications pay/grant is also admissible to -

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/ or 6000/- based on the qualification held by them. Flying Instructor categories A & B are authorised to qualification pay of Rs. 100/- and Rs. 70/- pm. respectively

### (ii) At LOWANCES

Naval Aviation Officers are entitled to Flying pay at monthly rates and under conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

Naval Officers are entitled to other allowances as applicable to Army Officers of equivalent rank. In addition certain special concessions, like hardlying money submarine allowance, submarine pay and diving pay are admissible to them.

#### (iii) PROMOTIONS

#### (a) Substanting Leoniertons

The following are the service limits for the error of substantive promotion to higher rank

# By Time Scale

Sub Lt.		٠		l year
Lt			٠	3 years (subject to gain/for- feiture of seniority).
Lt. Cdr.	·	٠		. 3 years seniority as Lt.
Cdr.				. 74 years commissioned service (if not promoted by selection)

#### By Selection

Comdr. Executive Branch	2-8 years of seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Engineering Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Blectrical Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr
Capt	4 years seniority as Cdr.
Rear Admiral	No restriction
Vice Admiral	No restriction

#### (b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Licutenant.

#### 13. AIR FORCE OFFICER

#### (i) PAY

DI OT						
Plt. Offr.						Rs. 825-865
Fg. Offr.						91 <b>0</b> -1030
Flt, Lt.						1300—1550
Sqn. Ldr.						1650—1800
Wg. Cdr. (Se	lecti	on)				17501950
Wg, Cdr. (Ti	me S	Scale)				1900 (fixed)
Gp. Capt.						19502175
Air Cdre		•		,		2200—2400
Air Vice-Ma	ishal					25002750
Air Marshal		,				3000
Air Marsbai	(VC	AS an	d A	os c-	in C	3250
Air Chief Ma	tsha	l (CA	S)			4000

#### (ii) ALLOWANCES

Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rates:

#### R۶.

Plt Offr to Wg. Cdr .		750 ⋅00 p.m.
Gn Capt and Air Cdr .		666 ·00 p.m.
Air Vice Marshal & above		600 00 p.m.

(ill) Qualificatio	n Pay/C	<i>Grant</i> —Adn	ussible to	Flying Branch
Officers possessing	certain	prescribed	qualificati	ons at the rate
given below:				

Qualification pay	Rs.	100 p.m	. 01	Rs.	70 p.m.
Qualification Grants	Rs.	6,000/-	Q1	Rs.	4500/-
	Rs.	2,400/-	or	Rs.	1,600/-

#### (iv) PROMOTIONS

#### (a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:

#### By Time Scale

Flying Officer	•	•	•	1 year commissioned service.
Flt. Lt.	•	•	•	5 years commissioned Service.
Sqn. Ldr.	•	•	•	11 years commissioned service.
Wg, Cdr. ,	•	٠	•	On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.

#### By Selection

Wg. Cdr			16 years reckonable total commissioned service.
Gp Capt		•	22 years reckonable total commissioned service.
Air Condr .	•		24 years reckonable total commissioned service.
Air Vice-Marshal	•		26 years reckonable total commissioned service.
Air Marshal .	-	-	28 years reckonable total commissioned service.

#### (b) Acting Promotion

The following are the minimum service limits required for acting promotion of officers:

2 years

1 21 · 1_/- ·	•	•		2 Junio
Sqn. Lr.	•	•	•	5 years
Wg. Cdr.	•	•		6 years (After service of 1 year in the rank of
Gp Captain	•	•		Sqn. Ldr.) 8 years (After service of 1 year in the rank of
Air Cdr.			•	Wg. Cdr.)  11½ years (After service of 3 years in the
Air Vice- Mars	bal			ranks of Wg. Cdr. and Gp Captain) 15 years (After service of 5* years in the ranks
Air Marshal				of Wg. Cdr., Gp. Capt an d Air Cdr.) 23 years

<sup>\*</sup>Inclusive of broken period.

# 14. RETIRING BENEFITS

Peasion gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

#### 15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

## APPENDIX IV

The forms of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

in District/Division\* ...... of the State/Union Territory\* ...... belongs to the .......... Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under:—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories)
Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders, (Amendment) Act 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*
the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978\*

the Constitution (Sikkim) Schedulde Tribes Order, 1978\*

State Union Territory\*

Place......Date.....

Signature .....

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "Ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

- \*\*Officers competent to issue Castes/Tribes Certificate.
- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/+Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
  - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
  - (iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

# APPENDIX-V

# CANDIDATES INFORMATION MANUAL

#### A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each tiem.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

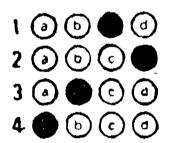
#### B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,..... etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

## C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you alongwith the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Auswer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circulars spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response), Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet



#### IT IS IMPORTANT THAT-

- 1. You should bring and use only good quality HB pencils) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to must late or fold or wrinkle or spoil it.

## D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.

- 2. Nobody will be admitted to the text 30 minutes after the commencement of the test.
- 3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor, YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL, YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you grozzwith your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all institutions given in the Test-Booklet. You may lose marks it you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not ised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination your Roll No. and the date of the test on it store doing your rough work and return it to the supervise long with your Answer Sheet at the end of the test.

# E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Super in the do so.

## F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer aff the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of mem. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative nursing

#### G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of examination Hall

#### SAMPLE HEMS (QUESTIONS)

(Note: - 'denotes the correct/best answer-option)

#### 1. (General Studies)

Bleeding of the nose and ears is experienced at high ultitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- \*(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

#### 2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large \*(d) largest so far

#### 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below:

- \*(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

#### 4 (Chemistr)

The anhydride of HoVO, is

- (a) VO, (b) VO, (c) V<sub>2</sub>O •(d) V<sub>2</sub>O,

### 5. (Economics)

"Monopolistic exploitation of labour occurs when

- \*(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

## 6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric or relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C

#### (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligociase
- (b) Laboratorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

#### 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

d2y dy

O is given by αx

- QX2 (a) y = ax+b
- (b) y=ax
- (c)  $y = ae^{x} + be$
- (d) y=a<sup>ex</sup>—a

## 9 (Physics)

An ideal heat engine works between temperature K and 300° K, its efficiency is 400°

- (a) 3/4
- \*(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

### 10. (Statistics)

The mean of binomial variation is 5. The ve issue is

- (a) 42
- \*(b) 3
- (c) a
- (d) -5

### II. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous recease

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- \*(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Barma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

## 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahman or "

- (a) Brahmanism always claimed a very large 1-wing even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and 7 etentious religion
- (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic accordical fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the virious stages in the growth of an individual

## 13. (Philosophy)

Identity the atheistic group of philosophical versus is the following

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mimāmsā
- (b) Nyāya, Vsdisesika, Jainism and Buddhism Cawaka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoge
- (d) Buddhism, Sāmkhya, M māmsā, Cārvāka

## 14. (Political Science)

#### Functional representation means

- \*(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organiza-
- (d) indirect representation through Trade Union;

## 15. (Psychology)

## Obtaining a goal leads to

(a) increase in the need related to the goal

- \*(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

#### 16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:—

- \*(a) formal representation of women and weaker section in village government
- (b) Untouchability has decreased
- (c) land-ownship has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

Note.—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.